राष्ट्रीय संस्करण

CopyRight - Jagran.com

वर्ष 3 अंक 124

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 12 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 16

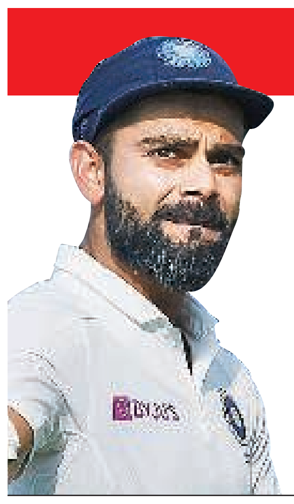

विराट पारी में कोहली ने ध्वस्त किए कई रिकॉर्ड

>>14

सरोकार

संकल्प से नक्सली पति को बनाया प्रगतिशील किसान

लोहरदगा : इंटर पास शील तिग्गा ने अपनी सूझबूझ से भटके हुए अपने पति को मुख्यधारा से जोड़ा। आज वह अपने पति को एक सफल किसान के रूप में पहचान दिलाने में कामयाब हो चुकी हैं। शील के कार्य से दूसरे लोग प्रेरणा ले रहे हैं। (पेज-10)

जागरण विशेष

ताल तलैया में ही नहीं, खेत में भी खिल रहा कमल

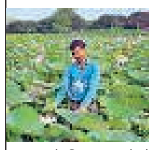

मुरादाबाद : कमल के बारे में अभी तक आप यही जानते होंगे कि यह कीचड़ में उगता है। गंदे पानी में इसकी खेती होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। मुरादाबाद के कांठ क्षेत्र के मोढ़ा तेहिया गांव में किसान खेतों में कमल के फूल खिलाकर संपन्न हो रहे हैं। (पेज-10)

तमिलनाडु के मामल्लपुरम में शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने चिनफिंग को यहां पल्लवकालीन प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों का दीदार कराया। इस मौके पर मोदी तमिल परिधान में नजर आए। एएनआइ

सेंगर के खिलाफ सीबीआइ की चार्जशीट में हत्या का आरोप नहीं

उन्नाव दुष्कर्म कांड

- पीड़िता के साथ सड़क हादसा मामले में जांच एजेंसी ने विशेष सीबीआइ अदालत में दायर की पहली चार्जशीट
- एफआइआर में हत्या और हत्या के प्रयास की धाराओं में बनाया था आरोपित

नई दिल्ली, प्रेट्र : उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के साथ हुए सड़क हादसे में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर और अन्य नौ आरोपितों से हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों को हटा लिया है। शुक्रवार की शाम लखनऊ की विशेष सीबीआइ अदालत में दायर पहले आरोपपत्र में जांच एजेंसी ने सेंगर समेत सभी आरोपितों के खिलाफ आपराधिक साजिश और आपराधिक धमकी के आरोप लगाए हैं। सड़क हादसे में पीड़िता के साथ कार में सवार उसकी दो रिश्तेदार महिलाओं की मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआइ ने एफआइआर में सेंगर और अन्य नौ लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश, हत्या, हत्या का प्रयास और आपराधिक धमकी के आरोप लगाए थे। दुष्कर्म पीड़िता की कार को टक्कर मारने वाले ट्रक के ड्राइवर आशीष कुमार पाल के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाकर जान लेने, अन्य लोगों को गंभीर रूप से घायल कर उनकी जान और निजी सुरक्षा को खतरे में डालने संबंधी धाराओं में आरोप लगाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में 28 जुलाई को हुए इस सड़क हादसे में दुष्कर्म पीड़िता और उसके वकील को गंभीर चोट लगी थी। बेहतर इलाज के लिए उन्हें लखनऊ से एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली के एम्स लाया गया था। पिछले महीने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पीड़िता और उसके परिजन सीआरपीएफ की सुरक्षा में दिल्ली में रह रहे हैं। दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश में अपनी जान को खतरा बताते हुए शीर्ष अदालत से दिल्ली में रहने की इच्छा जताई थी।

2017 में हुआ था दुष्कर्म : पीड़िता के साथ 2017 में दुष्कर्म हुआ था, उस समय वह नाबालिग थी। उन्नाव जिले के बांगरमऊ सीट से भाजपा विधायक पर दुष्कर्म का आरोप लगा था। मामला सुर्खियों में आया तो भाजपा ने सेंगर को पार्टी से निकाल दिया।

सेंगर को माना जाता है दबंग नेता पेज>>7

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▶ पृष्ठ 2

कीर्ति आजाद होंगे दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष

नई दिल्ली : कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार शाम दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद के नाम पर मुहर लगा दी। हालांकि अभी प्रदेश अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। उम्मीद है कि एक-दो दिन में पार्टी आलाकमान की तरफ से नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

स्वच्छता के मामले में दिल्ली का एम्स अव्वल

नई दिल्ली : स्वच्छ भारत अभियान के तहत समर्पित भाव से काम करने और अपने परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को प्रथम पुरस्कार मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को एम्स को तीन करोड़ रुपये नकद के पहले पुरस्कार से नवाजा।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

चंडी प्रसाद भट्ट को मिला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

नई दिल्ली : राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को मजबूत करने में अथक योगदान के लिए मशहूर पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट को वर्ष 2017-18 का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। चंडी प्रसाद उत्तराखंड में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने की लड़ाई के चर्चित चेहरे रहे हैं।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

भारतीय धनकुबेरों की संपत्ति में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली : फोर्ब्स इंडिया ने कहा है कि इकोनॉमी में सुस्ती के चलते अमीर भारतीयों की संपत्ति में आठ परसेंट की गिरावट दर्ज की गई है। फोर्ब्स की सूची में शामिल कुल 14 धनकुबेरों की संपत्ति में एक अरब डॉलर या इससे ज्यादा की गिरावट आई है। पिछली बार जारी की गई सूची में दूसरे नंबर पर मौजूद प्रेमजी इस बार वह लुढ़ककर 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

तनाव खत्म कर भरोसा बढ़ाने में जुटे मोदी-शी

दूरियां घटीं ▶ पहले दिन कारोबार, आतंकवाद और धार्मिक कट्टरता रही चर्चा का मुख्य केंद्र

गर्मजोशी भरे माहौल में पांच घंटे तक चली वार्ता

जयप्रकाश रंजन, मामल्लपुरम

अगर आगाज पर जाएं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच शनिवार को होने वाली दूसरी अनौपचारिक वार्ता के नतीजे दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से शुभ रहने के संकेत हैं। चन्नई से तकरीबन 57 किलोमीटर दूर भारत-चीन के पुराने रिश्तों का गवाह रहे मामल्लपुरम यानी महाबलीपुरम में दोनों नेताओं की शुक्रवार को हुई गर्मजोशी भरी मुलाकात ने कश्मीर की वजह से द्विपक्षीय रिश्तों में घुले तनाव को काफी हद तक कम कर दिया है। मोदी और चिनफिंग ने पहले दिन ही तकरीबन पांच घंटे तक एक दूसरे से बात की। शुक्रवार को सिर्फ घरेलू द्विपक्षीय रिश्तों, कारोबार, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता और निवेश संबंधों पर बात हुई। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और सीमा विवाद समेत अन्य उलझे मुद्दों पर बातचीत होगी। माना जा रहा है कि दोनों देशों की तरफ से शनिवार को द्विपक्षीय वार्ता के बाद सीमा पर विश्वास बहाली के लिए कुछ ठोस उपायों की घोषणा की जा सकती है।

देर रात विदेश सचिव विजय गोखले ने बताया कि पांच घंटे तक दोनों नेता साथ रहे जिसमें अधिकांश समय उनके साथ वार्ता में कोई और नहीं था। रात्रिभोज के लिए एक घंटे का समय रखा गया था, लेकिन यह पूरे ढाई घंटे चला। मोदी और चिनफिंग ने एक दूसरे को अपनी-अपनी सरकारों की प्राथमिकताओं के बारे में भी बताया। राष्ट्रपति चिनफिंग ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अगले साढ़े चार साल बेहद करीबी संबंध रखते हुए काम करने की इच्छा जताई। बातचीत में आर्थिक मुद्दों पर खासा समय दिया गया। खास तौर पर निवेश बढ़ाने और द्विपक्षीय व्यापार असंतुलन को दूर करने के उपायों पर दोनों नेताओं ने कई तरह के विकल्पों को खंगाला। आतंकवाद एक दूसरा अहम मुद्दा रहा जिस पर दोनों नेताओं ने समान तौर पर चिंता जताई। खास तौर पर समाज में बढ़ती कट्टरता को रोकने के लिए दोनों देश भविष्य में सहयोग बढ़ाने को भी तैयार हुए। गोखले ने बताया कि द्विपक्षीय स्तर पर मोदी और चिनफिंग के बीच 17 बार वार्ता हो चुकी है जो दोनों नेताओं के बीच बढ़ते भरोसे को व्यक्त करती है। इसके अलावा दो बार अनौपचारिक बातचीत भी हो चुकी है।

इससे पहले दोपहर दो बजे राष्ट्रपति शी चिनफिंग का विमान चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरा। उनके साथ 100 सदस्यीय अधिकारियों का दल भी आया है। चेन्नई से मामल्लपुरम की दूरी राष्ट्रपति ने सड़क मार्ग से पूरी की जिसके सुरक्षा इंतजामात में सुरक्षा बलों के तकरीबन 8000 जवान लगे थे। एयरपोर्ट पर ही चीन के राष्ट्रपति का पारंपरिक नृत्य से स्वागत का सिलसिला शुरू हो गया था। बंगाल की खाड़ी की हिलोरे मारती लहरों से महज कुछ सौ मीटर दूर स्थित मंदिर परिसर में पारंपरिक तमिल परिधान पहने प्रधानमंत्री मोदी ने चिनफिंग की अगवानी की। परिसर के तीन मुख्य आकर्षणों को मोदी ने एक गाइड की तरह चीनी राष्ट्रपति को दिखाया। यह दोनों नेताओं के बीच रिश्तों की सहजता को भी दर्शाता है। उसके बाद दोनों देशों के दलों ने समुद्र किनारे स्थित एक दूसरे मंदिर परिसर में कला-केंद्र की तरफ से तैयार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लिया। इस दौरान भी मोदी और चिनफिंग की बातचीत लगातार चलती रही। इस परिसर में स्थित कृष्ण के मक्खन की गेंद (बटरबॉल) के नाम से मशहूर पत्थर के पास मोदी और चिनफिंग ने हाथ उठाकर तनाव खत्म करने के संकेत भी दिए। यह पूरा परिसर वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल है।

मोदी की तरफ से आयोजित रात्रिभोज में दोनों देशों के विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, विदेश सचिव, एक दूसरे के देश में पदस्थ राजदूत समेत आठ-आठ अधिकारी शामिल थे। लेकिन दक्षिण भारतीय खाने का स्वाद लेते हुए भी मोदी और चिनफिंग की बातचीत चलती रही। इस वार्ता को शनिवार को होने वाली द्विपक्षीय आधिकारिक वार्ता की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। देखना होगा कि शनिवार को कश्मीर मुद्दे पर बात होती है या नहीं। भारतीय पक्ष मानता है कि उसे अपनी बात रखने में कोई दिक्कत नहीं है। मोदी स्वयं चिनफिंग को कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की पूरी कहानी बताना चाहेंगे।

मोदी ने दी अर्जुन के तप के बारे में जानकारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाइड की भूमिका निभाते हुए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को धनुर्धारी अर्जुन और उनकी तपस्या के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह मानव और प्रकृति एक दूसरे के साथ सहज भाव से रह सकते हैं। इस बारे में राष्ट्रपति चिनफिंग ने काफी दिलचस्पी भी ली। चिनफिंग ने कहा कि वह इस जगह के चीन के साथ जुड़ाव के बारे में जानते हैं और आगे इस बारे में और शोध करवाने की इच्छा रखते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने चीन के फुजियान प्रांत में मिले एक मंदिर के अवशेष की भी चर्चा की। उम्मीद है कि दोनों देश इन ऐतिहासिक संबंधों के बारे में संयुक्त तौर पर और जानकारी हासिल करेंगे।

वुहान टू मामल्लपुरम विशेष आयोजन पेज>>5

पांच साल जूनियर के शैक्षिक प्रमाणपत्र से बना आइआरएस सीबीआइ ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, प्रेट्र : पांच साल जूनियर के शैक्षिक प्रमाणपत्रों का प्रयोग करके 2007 की संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में बैठने वाले आइआरएस अधिकारी के खिलाफ सीबीआइ ने मामला दर्ज किया है। आरोपित अधिकारी बिहार के बेतिया जिले का रहने वाला है। जांच एजेंसी के मुताबिक कस्टम और सेंट्रल एक्साइज में कार्यरत 2007 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के अधिकारी नवनीत कुमार ने यूपीएससी की परीक्षा में बैठने के लिए फर्जी जन्मतिथि और शैक्षिक प्रमाणपत्रों का उपयोग किया। जांच एजेंसी को संदेह है कि नवनीत वास्तव में राजेश कुमार शर्मा है, जिसने निर्धारित आयु सीमा निकलने के बाद 2007 की परीक्षा में बैठने के लिए नवनीत के प्रमाणपत्रों का उपयोग किया। जांच से पता चला है कि नवनीत का जन्म 15 जून 1980 को हुआ था और उसने 1996 में हाई स्कूल जबकि 2003 में इंटरमीडिएट और 2008 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। जबकि राजेश ने बिहार के बेतिया से सीबीएसई बोर्ड से 1991 में 10वीं और 1993 में 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की।

आरोप है कि जब यूपीएससी परीक्षा में बैठने के लिए तय आयु सीमा निकल गई तो राजेश ने नवनीत के नाम से प्रमाणपत्र बनवाए, लेकिन घर का पता और पिता का नाम यथावत रखा।

सऊदी अरब के पास ईरानी तेल टैंकर पर मिसाइल हमला

तेहरान, एएफपी : सऊदी अरब के तट से दूर खड़े एक ईरानी तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला हुआ है। जहाज में विस्फोट से लाल सागर में तेल रिसाव होने लगा। ईरानी तेल टैंकर में हुए विस्फोट से सऊदी अरब और ईरान के बीच विवाद बढ़ने के आसार हैं। खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव के लिए अमेरिका के ईरान को जिम्मेदार ठहराने के बाद यह किसी ईरानी जहाज पर पहला हमला है। इस हमले की खबर से तेल के दाम दो फीसद से अधिक बढ़ गए हैं। इससे तेल की आपूर्ति को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय पटल पर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा संगठन ने शुक्रवार को हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार को आगाह किया है। उसका कहना है कि सऊदी तेल के ठिकानों पर सितंबर में हुए हमले के बाद तेल उत्पादन जल्द उपलब्ध होना चुनौती है। ईरानी तेल टैंकर पर हमला सऊदी अरब के बड़े तेल ठिकानों पर हमले के दो हफ्ते बाद हुआ है।

शुक्रवार की सुबह सऊदी अरब के बंदरगाह शहर जेद्दा के तट से 120 किमी की दूरी पर ईरान सरकार के स्वामित्व वाली ईरानी तेल कंपनी के साबिती नामक के जहाज में विस्फोट हुआ। जहाज की मालिक नेशनल ईरानी टैंकर कंपनी का कहना है कि सऊदी अरब के जेद्दा बंदरगाह की तरफ से जहाज पर दो विस्फोट हुए हैं। यह धमाके संभवतः मिसाइल हमले से हुए। कंपनी ने जहाज में आग लगने की खबरों से इन्कार करते हुए कहा कि जहाज क्षतिग्रस्त हुआ है लेकिन अब खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। जहाज का चालक दल सुरक्षित है।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब का नाम लिए बगैर कहा कि टैंकर पर हमला उस गलियारे के नजदीक से हुआ जहां से वह गुजर रहा था। मंत्रालय के प्रवक्ता अब्बास मौसावी ने कहा कि मामले की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि साबिती जहाज पर दस लाख बैरल तेल लदा है।

इथोपिया के पीएम अबी अहमद को शांति का नोबेल

- पड़ोसी देश इरीट्रिया के साथ दो दशक पुराने युद्ध को खत्म करने के लिए दिया जाएगा प्रतिष्ठित पुरस्कार
- युवा पीएम की ओर से अपने देश में शुरू किए गए सुधार कार्यक्रमों की भी सराहना

ओस्लो, एजेंसियां : अफ्रीकी देश इथोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली को 2019 के लिए प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाएगा। उन्हें यह पुरस्कार अपने पड़ोसी देश इरीट्रिया के साथ वर्षों से चले आ रहे युद्ध को खत्म करने में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए दिया जा रहा है।

नॉर्वेजियन नोबेल इंस्टीट्यूट ने शुक्रवार को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अबी अहमद के नाम की घोषणा करते हुए पिछले साल प्रधानमंत्री बनने के बाद से उनके द्वारा अपने देश में शुरू किए गए सुधार कार्यक्रमों की भी सराहना की। इंस्टीट्यूट की अध्यक्ष बेरीट रीस-एंडर्सन ने कहा कि कुछ लोग सोच सकते हैं कि उन्हें यह पुरस्कार देना बहुत जल्दी होगा, लेकिन अभी अबी अहमद के प्रयासों को मान्यता की आवश्यकता है और वो प्रोत्साहन के पात्र हैं।

अबी अहमद ने पिछले साल प्रधानमंत्री बनने के साथ ही साफ कर दिया था कि वह इरीट्रिया के साथ शांति वार्ता बहाल करेंगे। 43 वर्षीय

अबी अहमद अली। फाइल फोटो

अबी ने इरीट्रिया के राष्ट्रपति इसैयस अफवर्की के साथ मिलकर तुरंत इस दिशा में पहल भी शुरू कर दी थी।

उन्हीं के प्रयासों का नतीजा था कि पिछले साल इथोपिया और इरीट्रिया ने सीमा विवाद को हल करने के लिए शांति समझौता किया। इस समझौते के साथ ही दोनों देशों के बीच दो दशक से ज्यादा समय से चला आ रहा सैन्य संघर्ष खत्म हुआ। 1998 से 2000 के बीच से दोनों देशों के बीच युद्ध चला था।

राजनीतिक बंदियों की रिहाई : पड़ोसी देश इरीट्रिया के साथ शांति बहाली के लिए पहल करने के साथ ही अबी अहमद ने घरेलू राजनीति में भी बड़े कदम उठाए। अप्रैल, 2018 में देश की सत्ता संभालने वाले अबी ने हजारों राजनीतिक बंदियों को रिहा करने का आदेश दिया। विपक्षी दलों का स्वागत किया। पत्रकारों को भी जेल से रिहा किया। साथ ही 2020 में स्वतंत्र और निष्पक्ष आम चुनाव कराने की घोषणा की। सोशल मीडिया से भी पाबंदी हटाई।

पीएम दफ्तर ने खुशी जताई : प्रधानमंत्री अबी अहमद को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुने जाने पर उनके खुशी जताई है। पीएमओ ने ट्विटर पर ने लिखा, 'एक राष्ट्र के रूप में हमें गर्व है।' उनके दफ्तर ने एक बयान में पुरस्कार देने के फैसले की सराहना करते हुए कहा है, 'एकता, सहयोग और आपसी सह-अस्तित्व के आदर्शों पर यह ...स्पष्ट मुहर है, जिसके लिए प्रधानमंत्री लगातार प्रयासरत रहे हैं।' बयान में कहा गया है, 'अप्रैल, 2018 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही अबी ने शांति, क्षमा और मेल-मिलाप को अपने प्रशासन की नीति बना रखा है।'

10 दिसंबर को दिया जाएगा पुरस्कार : नार्वे की राजधानी ओस्लो में 10 दिसंबर को आयोजित समारोह में अबी को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर यह पुरस्कार दिया जाता है। डायनामाइट का आविष्कार करने वाले अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी वसीयत में इस पुरस्कार की स्थापना की इच्छा जताई थी।

दो दशक पुराने संघर्ष को खत्म करने के लिए अबी ने दिखाई हिम्मत पेज>>13

बदला वक्त

समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर आयोजित सभा में महागठबंधन के पांचों घटक दल के नेता होंगे मौजूद, भाकपा-माकपा और माले को भी भेजा गया है न्योता

बिहार में लोहिया से जुड़े समारोह में शामिल होगी कांग्रेस

- हाशिये पर खड़ी कांग्रेस ने जनाधार बढ़ाने के लिए विचारधारा में बदलाव के संकेत दिए

अरविंद शर्मा, पटना

बिहार की सियासत में हाशिये पर खड़ी कांग्रेस क्या अपनी विचारधारा से समझौता करने जा रही है। राजधानी पटना के बापू सभागार में शनिवार को रालोसपा के मंच पर कांग्रेस उन समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया की प्रशंसा करने जा रही है जो कांग्रेस के कट्टर विरोधी थे। यहां तक कि जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ फूलपुर संसदीय सीट से चुनाव भी लड़ा और देश में गैर-कांग्रेसवाद की नींव रखी। उन्हीं के प्रयास से पहली बार 1967 में नौ राज्यों से कांग्रेस का सफाया हुआ था।

उन्हीं डॉ. लोहिया की पुण्यतिथि पर शनिवार को पटना के बापू सभागार में रालोसपा अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की अगुआई में महागठबंधन के पांचों घटक दल कांग्रेस की विचारधारा की बुनियाद पर नए सवाल खड़े करेंगे। मंच के पार्श्व में बड़े पर्दे पर डॉ. लोहिया की बड़ी सी तस्वीर होगी और नीचे बैठे होंगे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष मदन मोहन झा और राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस अभियान समिति के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह। कुशवाहा के मंच

उपेंद्र कुशवाहा कर रहे हैं आयोजन की अगुआई।

पर शरद यादव और तेजस्वी यादव समेत पूरी जमात ऐसी होगी, जिनकी राजनीति लोहिया के नाम पर चलती रही है। सिर्फ कांग्रेस के नेता ही ऐसे होंगे, जिन्हें राममनोहर लोहिया की तारीफ करने का मौका पहली बार मिलेगा।

लोहिया को लेकर कांग्रेसियों का विरोध भी : बिहार कांग्रेस की लोहियावादी जमात का विरोध भी कम नहीं है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता रालोसपा अध्यक्ष के इस कार्यक्रम के समर्थन में नहीं हैं। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष कौकब कादरी साफ कहते हैं कि डॉ. लोहिया की जयंती या पुण्यतिथि मनाने से पहले हमें स्मरण कर लेना चाहिए कि कांग्रेस की विचारधारा क्या है। हम किसके साथ हैं। फिर तो जयप्रकाश नारायण को भी अपनाने के लिए हमें तैयार रहना होगा। अगर लोहिया को सिर्फ इस आधार पर हम स्वीकार करना चाहते हैं कि आजादी से पहले वह कांग्रेस में थे तो फिर आरएसएस वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी से भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। जनसंघ की स्थापना से पहले मुखर्जी भी नेहरू कैबिनेट के प्रमुख सदस्य थे।

एक मंच पर आएंगे सभी विपक्षी दल : लोहिया की पुण्यतिथि पर महागठबंधन के कार्यक्रम को विपक्षी एकजुटता के लिए अग्निपरीक्षा की तरह माना जा रहा है। रालोसपा का प्रयास विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने का है। रालोसपा के राष्ट्रीय महासचिव फजल इमाम मलिक ने दावा किया कि कार्यक्रम में आने के लिए शरद यादव ने मंजूरी दे दी है। राजद, कांग्रेस के बड़े नेता तो रहेंगे ही, साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी और वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी भी मौजूद रहेंगे। सभी घटक दलों के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में आने वाले हैं। भाकपा-माकपा और माले को भी आमंत्रित किया गया है।

रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर चार दिन की पुलिस रिमांड पर

- कोर्ट ने कहा, बहुत गंभीर प्रकृति का अपराध, इसलिए रिमांड जरूरी
- रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड को 2397 करोड़ रुपये का हुआ नुकसान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वर्ष 2016 में फोर्ब्स की 100 सबसे अमीर भारतीयों की सूची में 92वें नंबर पर रहे फार्मा कंपनी रैनबैक्सी और फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर सिंह व उनके भाई शिविंदर सिंह को अदालत ने चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह बहुत गंभीर प्रकृति का अपराध है, जिसमें भारी मात्रा में धन को इधर-उधर किया गया है। आरोप है कि दोनों भाइयों ने अपनी प्रभुत्व वाली रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड (आरएफएल) का पैसा गलत तरीके से दूसरी कंपनियों में लगा दिया, जिससे 2397 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। शुक्रवार को सिंह बंधुओं ने तीन अलग-अलग अदालतों का सामना किया।

गुरुवार देर रात गिरफ्तार किए गए रेलिगेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर और शिविंदर, पूर्व सीएमडी सुनिल गोधवानी व प्रबंधन में शामिल रहे कवि अरोड़ा और अनिल सक्सेना को अदालत ने चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। आरोपितों को दिल्ली की साकेत कोर्ट में पेश करते हुए पुलिस ने कहा कि आरोपितों

नई दिल्ली में शुक्रवार को पुलिस की गिरफ्त में फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर मालविंदर सिंह और उनके भाई शिविंदर सिंह। एएनआइ

पर आम लोगों के पैसों के हेर-फेर का आरोप है। पूछताछ के लिए इन्हें छह दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा जाए। कवि अरोड़ा, सुनिल गोधवानी और अनिल सक्सेना के वकील ने इसका विरोध किया। मालविंदर के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने जांच में सहयोग करने के साथ ही सभी सवालों के जवाब दिए हैं। इसलिए उनकी हिरासत की जरूरत नही है। उन्होंने हाई कोर्ट जाने की बात भी बताई। शिविंदर ने कहा कि वह खुद पीड़ित हैं। इस पर मुख्य महानगर दंडाधिकारी दक्षिण-पूर्व दीपक सहरावत ने कहा कि धोखाधड़ी की राशि का पता लगाने और आरएफएल व आरईएल के अन्य अधिकारियों की भूमिका का पता लगाने के लिए आवश्यक है कि आरोपितों को पुलिस रिमांड पर दिया जाए।

रेलिगेयर इंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईएल) के एक सीनियर मैनेजर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि रेलिगेयर और उसकी सहयोगी आरएफएल के हजारों करोड़ रुपये का गलत तरीके से ट्रांसफाइनेंशियल ट्रांजेक्शन किया गया। सिंह बंधु फरवरी 2018 तक आरईएल के प्रमोटर थे। दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर 2016 में धोखाधड़ी को अंजाम दिया। आरएफएल ने बीते सितंबर में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में मामला दर्ज कराया था।

एफआइआर रद कराने के लिए हाई कोर्ट गए सिंह बंधु पेज>>7

5 दिन चलेगा सफदरजंग अस्पताल में पैलिएटिव केयर क्लीनिक। यहां गंभीर मरीजों के दर्द का इलाज होगा। फिलहाल अस्पताल में सप्ताह में तीन दिन इसकी ओपीडी होती है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 12 अक्टूबर 2019

कीर्ति आजाद होंगे दिल्ली कांग्रेस के कप्तान

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार शाम दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर क्रिकेटर कीर्ति आजाद के नाम पर मुहर लगा दी। हालांकि अभी प्रदेश अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। उम्मीद की जा रही है कि एक-दो दिन में पार्टी आलाकमान की तरफ से नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी।

20 जुलाई को प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित के निधन के बाद खाली हुए पद पर पार्टी लंबे समय से किसी योग्य नेता का नाम तलाशने में जुटी हुई थी। सोनिया गांधी के साथ प्रदेश प्रभारी पीसी चाको की कई बार अध्यक्ष चुने जाने को लेकर बैठक हुई। इस दौरान सभी पूर्व अध्यक्षों व तीनों मौजूदा कार्यकारी अध्यक्षों के नामों पर भी चर्चा हुई। बीच में शत्रुघ्न सिन्हा और नवजोत सिंह सिद्धू का नाम भी उछला, लेकिन प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी के चलते किसी भी नाम पर सहमति नहीं बन पा रही थी। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष ने मौजूदा स्थिति को 1998 की स्थिति के समकक्ष पाया। उस समय भी प्रदेश कांग्रेस भारी गुटबाजी से जूझ रही थी। उस समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान बाहर से लाकर शीला दीक्षित को सौंपी गई थी।

कीर्ति आजाद का नाम बुधवार शाम को सोनिया गांधी, पीसी चाको और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल के बीच हुई बैठक में तय हो गया था, लेकिन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ चर्चा न होने के कारण इसकी घोषणा नहीं की गई थी। सोनिया गांधी ने कीर्ति आजाद से फोन पर बात करके उन्हें यह जिम्मेदारी दिए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि दैनिक जागरण ने गुरुवार के अंक में 'पूर्व क्रिकेटर संभाल सकते हैं दिल्ली में कांग्रेस की पारी' शीर्षक से इस संभावना की खबर प्रकाशित की थी। इस खबर के बाद गुरुवार व शुक्रवार को भी दोनों दिन प्रदेश कांग्रेस के तमाम नेता लामबंद होते रहे और चाको व वेणुगोपाल से कीर्ति आजाद के नाम पर विरोध जताते रहे। इन सभी का कहना था कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव सिर पर है। ऐसे में बेहतर निर्णय यह होगा कि दिल्ली के ही नेता को यह जिम्मेदारी दे दी जाए। चाको और वेणुगोपाल की तरफ से यह संदेश सोनिया गांधी तक पहुंचाया भी गया, लेकिन पार्टी आलाकमान ने इस विरोध को कोई महत्व नहीं दिया।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर बाद चाको ने एक नोट बनाकर आलाकमान के हस्ताक्षर के लिए वेणुगोपाल के पास भेज दिया। इस नोट में प्रदेश अध्यक्ष के लिए दो नाम दिए गए थे। पहला नाम कीर्ति आजाद और दूसरा नाम पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा का था। सोनिया गांधी ने कीर्ति आजाद के नाम पर अपनी मुहर लगा दी।

कीर्ति आजाद भाजपा में रह चुके हैं और 1993 से 1998 तक गोल मार्केट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रहे हैं। इसके बाद भाजपा के ही टिकट पर बिहार के दरभंगा लोकसभा क्षेत्र से तीन बार सांसद भी रहे हैं। बाद में भाजपा से उपेक्षित महसूस किए जाने के कारण वह फरवरी 2019 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस के टिकट पर धनबाद से सांसद का चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। अब उन्हें दिल्ली प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाकर नई पारी खेलने का मौका दिया जाएगा, हालांकि वह कार्यभार कब संभालेंगे, इस बारे में स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

कीर्ति आजाद

आला कमान ने कुछ कारणों से एक-दो दिन के लिए औपचारिक घोषणा रोकने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। नए अध्यक्ष के तौर पर कीर्ति आजाद के नाम के बदले जाने की संभावना नहीं के बराबर है।
-पीसी चाको, प्रदेश प्रभारी, दिल्ली कांग्रेस

चाको को लिखे संदीप दीक्षित के पत्र पर अनुशासनात्मक समिति लेगी फैसला

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित की ओर से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पीसी चाको को लिखे गए पत्र से पार्टी के अंदर घमासान शुरू हो गया है। चाको ने उस पत्र को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेज दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी की अनुशासनात्मक समिति को पत्र सौंप दिया है। अब अनुशासनात्मक समिति इस मामले में कोई फैसला लेगी। दूसरी ओर शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे कई कांग्रेस नेताओं ने चाको पर निशाना साधा है। दिल्ली में कांग्रेस की बदहाली के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराते हुए पद से हटाने की मांग की है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष से पूर्व मुख्यमंत्री की मौत की जांच कराने की भी मांग की है।

पत्र को लेकर दैनिक जागरण में शुक्रवार को खबर प्रकाशित होने के बाद पूर्व मंत्रियों व कई नेताओं ने संयुक्त प्रेसवार्ता कर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री रमाकांत गोस्वामी, मंगत राम सिंघल, किरण वालिया ने प्रदेश प्रभारी पर पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शीला दीक्षित को कांग्रेस को मजबूत करने से रोका गया, जिससे वह परेशान थीं। प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र कोचर ने कहा कि शीला ने सोनिया गांधी को पत्र भी लिखा था जिसे समय आने पर सार्वजनिक किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संदीप दीक्षित का पत्र सार्वजनिक करना गलत है। पूर्व मुख्यमंत्री की मौत की जांच होनी चाहिए। निष्पक्ष जांच और पार्टी के हित में प्रदेश प्रभारी को उनके पद से हटाना जरूरी है। इस मौके पर पार्टी के प्रवक्ता रोहित मनचंदा भी मौजूद थे।

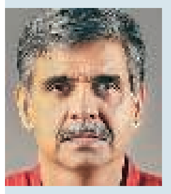

दिल्ली कांग्रेस से मेरा कोई लेना देना नहीं है। दिल्ली की राजनीति से मैं बाहर हूं और मेरा यहां कोई समर्थक नहीं है। मैंने पीसी चाको को व्यक्तिगत पत्र लिखा है। पत्र कैसे सार्वजनिक हुआ इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।'
-संदीप दीक्षित (पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र व पूर्व सांसद)

संदीप दीक्षित ने मुझे पत्र भेजा था जिसमें राजनीतिक बातें थीं, इसलिए उसे कांग्रेस अध्यक्ष के पास भेज दिया। पत्र में क्या लिखा गया है इस बारे में मैं कुछ नहीं बोल सकता हूं।'
-पीसी चाको (दिल्ली प्रदेश कांग्रेस प्रभारी)

न्यूज गैलरी

शरणार्थी परिवार के बच्चों को दाखिला न देने पर मांगा जवाब

नई दिल्ली : हाई कोर्ट ने पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी परिवार के तीन बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला न दिए जाने पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। हाई कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि तीन भाई-बहन संजिनी बाई (16), रवि कुमार (17) और मूना कुमारी (18) इस साल माता-पिता के साथ पाकिस्तान छोड़कर भारत आए थे। इन बच्चों के पास पाकिस्तान के स्कूल से प्राप्त शिक्षा के प्रमाण पत्र हैं। ये बच्चे छतरपुर के भाटी माइंस स्थित सरकारी स्कूल में नौंवी कक्षा में प्रवेश पाना चाहते हैं, लेकिन स्कूल उनकी आयु ज्यादा बताकर दाखिला देने से मना कर रहा है। तीनों बच्चों ने दिल्ली सरकार से भी दाखिला दिलाने की अपील की थी, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर हाई कोर्ट ने सवाल उठाते हुए कहा कि बच्चों की ज्यादा उम्र को शिक्षा न देने का आधार कैसे बनाया जा सकता है? संबंधित अधिकारी पेश होकर जवाब दें। इस मामले की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। (जासं)

सात लाख से अधिक कीमत का बोंसाई पौधा

नई दिल्ली : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में शुक्रवार को तीन दिवसीय ग्रीन शो कार्यक्रम का आगाज हुआ। यहां पहले दिन ही सात लाख 20 हजार की कीमत वाले बोंसाई पौधे को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी। यह पौधा 20 वर्ष पुराना है, जिसे घर के अंदर भी लगाया जा सकता है। पहले दिन लोगों ने कार्यक्रम में पहुंचकर इस पौधे को निहारा। इस प्रदर्शनी में करीब 40 नर्सरी ने हिस्सा लिया है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के 10 हजार पौधों की प्रदर्शनी लगी है। प्रदर्शनी में किचन गार्डनिंग वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से कई प्रकार के पेड़-पौधों के बारे बताया जा रहा है। इसमें पौधों की खासियत से लेकर उनको बीमारियों से बचाने के बारे में जानकारी दी जा रही है। (जासं)

ऑड-इवेन में सीएनजी वाहनों को छूट पर रेड सिग्नल

नई दिल्ली : ऑड-इवेन में किसे छूट मिले, इस पर दिल्ली सरकार द्वारा मांगी गई राय पर परिवहन विभाग ने तीन पेज की रिपोर्ट तैयार की है। इसमें सीएनजी कारों को छूट नहीं दिए जाने की वकालत की गई है। रिपोर्ट शुक्रवार शाम परिवहन मंत्री को सौंप दी गई। मंत्री के माध्यम से यह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सौंपी जाएगी। यह सरकार पर निर्भर करेगा कि वह इसे मानती है या नहीं। परिवहन विभाग ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें सीएनजी से चलने वाली कारों को छूट देने से साफ मना किया गया है। विभाग ने इसके पीछे का कारण ऐसे वाहनों को लेकर लंबी निगरानी प्रक्रिया का होना बताया है। विभाग का कहना है कि महिलाओं को ऑड-इवेन से छूट दी जानी चाहिए। दोपहिया वाहनों को सुबह आठ बजे से 11 बजे तक छूट देने की बात है। सुझाव में यह बात नहीं कही गई है कि शाम को भी दोपहिया वाहनों को छूट मिले। कार्यालयों का समय सुबह 11 बजे से शाम साढ़े सात बजे तक किए जाने की बात कही गई है। (जासं)

रखी बात ▶ सीएम ने कोपेनहेगन में चल रहे सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग से किया संबोधित

दुनिया को बताया, कैसे कम किया प्रदूषण

भविष्य में प्रदूषण को काबू करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की भी जानकारी दी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में आयोजित सी-40 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये दिल्ली से संबोधित किया। इस दौरान दुनियाभर के देशों से पहुंचे महापौर को उन्होंने बताया कि दिल्ली में किस तरह प्रदूषण को कम करने में उन्हें सफलता मिली है। इसके साथ ही विश्व के अन्य शहरों के मेयर के साथ क्लीन एयर डिक्लेरेशन की घोषणा भी की है। इसमें पेरिस, लॉस एंजिल्स, कोपेनहेगन, बार्सिलोना और पोर्टलैंड के मेयर शामिल थे।

इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए अरविंद केजरीवाल को कोपेनहेगन जाना था। लेकिन विदेश मंत्रालय से अनुमति नहीं मिलने के कारण उन्हें दौरा रद करना पड़ा था। शुक्रवार को उन्होंने दिल्ली सचिवालय से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस सम्मेलन को संबोधित किया। इसमें अलग-अलग चरण में उन्होंने महापौरों के समक्ष अपनी बात रखी। इस बीच स्वच्छ हवा के लिए शहर के समाधान सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने पिछले चार साल में वायु प्रदूषण कम करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी दुनिया को दी। साथ ही इसमें जनता से मिले सहयोग को भी विस्तार से बताया। यही नहीं भविष्य में प्रदूषण को काबू करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की भी जानकारी दी।

केजरीवाल ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि वह कोपनहेगन आना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से नहीं आ सके। उन्हें बेहद खुशी है कि सी-40 की तरफ से क्लीन एयर सिटी के तौर पर शामिल 35 शहरों में दिल्ली भी शामिल है। पिछले चार साल में दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इसी का नतीजा है कि दिल्ली में 25 फीसद प्रदूषण कम हो गया है। चार साल पहले दिल्ली प्रदूषण से लड़ रही थी। इसके बाद उन्होंने ऑड-इवेन लागू किया। इससे सड़कों से आधे वाहन कम हो गए। डीजल वाहनों पर रोक लगाई, थर्मल और कोयला आधारित पावर प्लांट बंद कराए गए। इसके अलावा इंडस्ट्री को सीएनजी आधारित किया गया। इसके लिए उन्हें मुआवजा दिया गया। इससे औद्योगिक प्रदूषण में कमी आई। पहले दिल्ली में पावर कट होता था। दो साल में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया, 24 घंटे बिना कट के बिजली मिलने से पांच लाख जनरेटर सेट बंद हुए। इससे भी प्रदूषण में कमी आई है।

हरियाली का दायरा बढ़ाया : मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में बड़े पैमाने पर हरियाली का दायरा बढ़ाया गया। वायु की गुणवत्ता मापने के लिए कई जगह मॉनीटरिंग सिस्टम लगाए गए। इसके अलावा दिल्ली सरकार के हर निर्णय में दो करोड़ जनता का पूरा साथ मिला। कई सख्त निर्णय भी लिए गए, लेकिन लोगों का पूरा साथ मिला। जलवायु परिवर्तन से जुड़ा कोई भी बदलाव जनता के सहयोग के बिना संभव नहीं है।

सम्मेलन को इन्होंने भी किया संबोधित : पेरिस के मेयर ऐनी हिडाल्गो, लॉस एंजिल्स के मेयर एरिक गार्सेटी, कोपेनहेगन के मेयर फ्रैंक जेनसेन, बार्सिलोना के मेयर अदा कोलैयू, पोर्टलैंड के मेयर टेड व्हीलर ,लीमा के मेयर जॉर्ज मुनोज वेल्स ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

सी-40 सम्मेलन को जानें : इसका पूरा नाम है सी-40 वर्ल्ड मेयर्स समिट है। तीन दिनी यह सम्मेलन डेनमार्क की राजधानी कोपनहेगन में चल रहा है। इसमें दुनिया भर के देशों के 90 से ज्यादा शहरों के मेयर भाग ले रहे हैं, जो करीब 70 करोड़ से अधिक नागरिकों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक चौथाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन शहरों के प्रतिनिधि हरियालीयुक्त शहरी विकास पर एक-दूसरे के साथ अपने सुझाव साझा करते हैं। सी-40 शहरों के मेयर स्थानीय स्तर पर पेरिस समझौते के सबसे महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सी-40 समूह 2005 में शुरू हुआ था। इसे लंदन के तत्कालीन मेयर केन लिविंग्स्टोन ने शुरू किया था। इसे सी- 40 नाम 2006 में दिया गया।

दिल्ली सचिवालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोपनहेगन में आयोजित सी-40 शिखर सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। वीडियो ग्रैब

डीटीसी बसें घटी, कम हुए 20 करोड़ यात्री : भाजपा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के आधार पर भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को बदहाल करने का आरोप लगाया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता का कहना है कि बसों की कमी के कारण चार वर्षों में बस के 25 फीसद रूट बंद कर दिए गए हैं। वहीं छह माह में ही बसों के 12 सौ फेरे कम हो गए हैं। इससे बस यात्रियों की संख्या में प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ की कमी आई है। बंद किए गए बसों के मार्ग को फिर शुरू करने के लिए भाजपा आंदोलन करेगी। वह दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजधानी में प्रदूषण की समस्या हल करने को लेकर झूठे दावे कर रहे हैं। सड़कों पर वाहनों की बढ़ती भीड़ से हवा जहरीली हो रही है। इसके समाधान के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करना होगा। यही नहीं डीटीसी की स्थिति दयनीय हो गई है। डीटीसी की बदहाली से सड़कों पर निजी वाहन बढ़ने के साथ ही यह महिला सुरक्षा के लिए भी गंभीर मामला है। ग्रामीण इलाकों में महिलाओं को सुरक्षित सफर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस समस्या से ध्यान भटकाने के लिए ही महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की घोषणा की गई है। बसों की कमी दूर किए बगैर मुफ्त यात्रा की घोषणा का कोई औचित्य नहीं है।

ये लगाए आरोप

- फरवरी, 2015 में बसों के कुल 574 मार्ग थे। अब इनकी संख्या घटकर 442 हो गई है यानी 132 रूट बंद कर दिए गए हैं।
- वर्ष 2015-16 के दौरान 129 .94 करोड़ यात्रियों ने डीटीसी बसों में सफर किया था। वर्ष 2018-19 यात्रियों की संख्या घटकर 110 करोड़ रह गई।

उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार दिल्ली में 11 हजार बसें होनी चाहिए। आप ने भी अपने चुनाव घोषणा पत्र में पांच हजार नई बसें खरीदने का वादा किया था। इसके विपरीत बसों की संख्या कम हो गई है। वर्ष 2015 में डीटीसी की पांच हजार से ज्यादा बसें चल रही थीं। अब यह संख्या लगभग 37 सौ है। इनमें भी कई खराब रहती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में दिल्ली की आबादी और रिहाइशी क्षेत्र तो बढ़ा है, लेकिन बसों की संख्या कम हो गई है।

उन्होंने कहा कि छह माह में महत्वपूर्ण रूटों से लगभग डेढ़ सौ बसें हटाई गई हैं। इससे बसों के करीब 12 सौ फेरे कम हो गए हैं। उन्होंने बंद किए गए मार्ग फिर से शुरू करने और हटाई गई बसों चलाने की मांग की है। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री आरपी सिंह, विधायक जगदीश प्रधान, पूर्व विधायक अनिल वाजपेयी व देविंदर सहरावत, दिल्ली भाजपा के मीडिया सह-प्रभारी नीलकांत बख्शी, अशोक गोयल देवराहा उपस्थित थे।

भाजपा ने संपत्ति कर को लेकर खेला बड़ा दांव

निहाल सिंह, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं राजनीतिक दल लोगों को राहत देने वाली योजनाओं की घोषणा कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा शासित उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अनधिकृत और नियमित कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्ति कर को लेकर आम माफी योजना की घोषणा की है। इसके बाद संपत्ति कर धारकों को बिना ब्याज और जुर्माने के बकाया संपत्ति कर जमा करने की छूट मिलेगी। इस योजना के दायरे में करीब पांच लाख संपत्ति कर धारकों के आने की उम्मीद है।

दरअसल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के लिए संपत्ति कर आय का एक बड़ा स्रोत है। इससे निगम को पिछले वर्ष 666 करोड़ रुपये की आय हुई थी। निगम के अधिकार क्षेत्र में करीब 12 लाख संपत्ति करदाता हैं जिनमें से 4.46 लाख संपत्ति करदाता ही संपत्ति कर जमा करते हैं बाकि संपत्ति करदाताओं को संपत्ति कर के दायरे में लाने के लिए निगम ने यह आम माफी योजना की घोषणा की है।

शुक्रवार को स्थायी समिति की बैठक में नेता सदन तिलकराज कटारिया ने इस प्रस्ताव को स्थायी समिति की बैठक में रखा और इसे पारित कर दिया गया है। सत्ता पक्ष के साथ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के विपक्ष के नेताओं ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। प्रस्ताव के पारित होने के बाद इस प्रस्ताव को सदन से भी पारित कराना होगा।

स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश ने कहा कि लोगों की दिक्कतों को देखते हुए स्थायी समिति ने यह प्रस्ताव पारित कर दिया है। जिसमें वर्ष 2004 से जिन संपत्तिधारकों ने संपत्ति कर जमा नहीं किया है उसे बकाया संपत्ति कर पर लगने वाला ब्याज व जुर्माना नहीं देना होगा। वह केवल बकाया संपत्ति कर जमाकर सकेगा। वहीं जिसका 16 वर्ष का संपत्ति कर बकाया है वह चार वर्षों तक चार-चार वर्ष का संपत्ति कर किश्तों में जमा कर सकता है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने भी आम माफी लाने की घोषणा की थी। वहीं संपत्ति करदाता को यह भी सहूलियत दी गई है।

पिछले वित्तीय वर्ष में हमने आम माफी योजना की घोषणा की थी लेकिन लोगों की शिकायत थी कि उन्हें पता नहीं चल पाया इसलिए इस वर्ष फिर से आम माफी योजना लाने का प्रस्ताव पारित किया गया है।
-तिलकराज कटारिया, नेता सदन उत्तरी निगम

घर में जबरन घुसने के लिए दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष दोषी करार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को एक बिल्डर के घर में जबरदस्ती घुसने के लिए दोषी करार दिया है। अन्य आरोपितों को मारपीट करने के लिए भी दोषी करार दिया है। 2015 में एक बिल्डर के घर में जबरन घुसकर मारपीट करने का केस दर्ज हुआ था। इस मामले में अदालत ने गोयल को जबरदस्ती घर में प्रवेश करने के लिए दोषी ठहराया, जबकि सुमित गोयल, हितेश खन्ना, अतुल गुप्ता व बलबीर सिंह को मारपीट के लिए दोषी करार दिया। दोषियों की सजा पर अदालत में 18 अक्टूबर को जिरह होगी।

यह मामला छह फरवरी 2015 का है। रामनिवास गोयल और उनके समर्थकों ने विवेक विहार स्थित बिल्डर और नेता मनीष घई के घर पर चुनाव में बांटने के लिए शराब और कंबल के संदेह में छापेमारी की थी। घई ने आरोप लगाया था कि उनके साथ मारपीट की गई थी। इन आरोपों का खंडन करते हुए गोयल ने कहा था कि उन्होंने ही पहले पुलिस को इस बारे में कॉल करके सूचना दी थी। वह पुलिस के साथ ही घई के घर गए थे। दूसरी ओर घई का आरोप था कि दोषियों ने उनके घर में अलमारी, ड्रायर, रसोई का सामान, खिड़कियां और शीशे तोड़ दिए थे।

उद्घाटन के सात माह बाद हिंडन से उड़ा पहला विमान

जागरण संवाददाता, साहिबाबाद

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद दिल्ली-एनसीआर के दूसरे एयरपोर्ट हिंडन पर उद्घाटन के सात माह बाद शुक्रवार को पहले विमान ने उड़ान भरी। एयर हेरिटेज का नौ सीटर विमान दोपहर अपने निर्धारित समय एक बजे के बदले करीब सवा घंटे की देरी से दोपहर 2:20 बजे हिंडन से रवाना हुआ। पिथौरागढ़ के लिए सफर कर रहे यात्रियों ने सेवा शुरू होने पर सरकार को धन्यवाद कहा। उधर, पिथौरागढ़ के लिए ही एक माह में एक और फ्लाइट और शिमला के लिए फ्लाइट दिसंबर तक शुरू होने की उम्मीद है। बता दें कि हिंडन से पिथौरागढ़ का प्रति व्यक्ति किराया 2270 रुपये, जबकि पिथौरागढ़ से हिंडन तक का प्रति व्यक्ति किराया 2470 रुपये है।

उल्लेखनीय है कि हिंडन एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ मार्च को किया था। करीब सात माह बाद शुक्रवार को एयरपोर्ट से पहले विमान को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री वीके सिंह, केंद्रीय कपड़ा राज्यमंत्री अजय टम्टा और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अतुल गर्ग समेत अन्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पिथौरागढ़ से निर्धारित समय दोपहर साढ़े बारह बजे हिंडन पर विमान को पहुंचना था, लेकिन कम दृश्यता के चलते वहां से नौ यात्रियों को लेकर करीब सवा घंटे देरी से विमान उड़ा।

विमान की सभी नौ टिकटें पहले ही बुक हो चुकी थीं। दोपहर करीब 12 बजे यात्रियों ने चेक-इन करना शुरू कर दिया। सबसे पहली यात्री दिल्ली निवासी रीना हुसैन ने चेक-इन किया। सवा 12 बजे तक सभी यात्री पहुंच गए थे। हालांकि यात्रियों को कुछ देर बाद सूचना दी गई कि विमान करीब एक घंटे देरी से उड़ेगा। यात्रियों ने इस दौरान वेटिंग रूम में इंतजार किया।

त्रिवेंद्र रावत बोले, पिथौरागढ़ से एनसीआर का जुड़ना देश की सामरिक ताकत के लिए महत्वपूर्ण

सौरभ पांडेय, गाजियाबाद

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने शुक्रवार को हिंडन एयरपोर्ट टर्मिनल से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के लिए पहले विमान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ से दिल्ली-एनसीआर का जुड़ना न सिर्फ आम जनता, बल्कि देश की सामरिक ताकत को बढ़ाने के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है। नेपाल और तिब्बत की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़ने के सामरिक लाभ भी होंगे। महज चार रुपये प्रति किलोमीटर के खर्च में हवाई सफर करा रही उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना ने प्रधानमंत्री के हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई सफर कराने के सपने को साकार कर दिया है। उधर, दिल्ली से लखनऊ लौट रहे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिंडन एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। त्रिवेंद्र रावत ने उड़ान से पहले पहली फ्लाइट में यात्रा कर रहे यात्रियों को बोर्डिंग पास सौंपते हुए स्वागत किया। त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि उत्तराखंड की खूबसूरती हर कोई देखना चाहता है, लेकिन पिथौरागढ़ जैसी जगहों पर जाने के लिए लोगों को 14-16 घंटे लगते थे। अब महज एक घंटे में सफर पूरा होगा, जिससे उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

पिथौरागढ़ से आने वाले यात्रियों का स्वागत करते त्रिवेंद्र सिंह रावत और अन्य मंत्री। जागरण

अध्ययन

एम्स के रूमेटोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने 350 लोगों पर किया शोध, सामने आया कि प्रदूषण से गठिया पीड़ित लोगों की बढ़ जाती है समस्या

हर पांचवें व्यक्ति को गठिया होने का खतरा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

गठिया की गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए दैनिक कार्य कर पाना भी मुश्किल हो जाता है। चिंताजनक यह है कि दिल्ली में स्वस्थ दिखने वाले 20 फीसद लोगों के खून में ऐसे कारक पाए गए हैं, जिनसे गठिया की बीमारी हो सकती है। ऐसे में यहां के हर पांचवें व्यक्ति को कुछ वर्षों बाद गठिया होने का खतरा है। एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए शोध में यह बात सामने आई है।

संस्थान के रूमेटोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने 350 लोगों पर यह शोध किया है। इनमें से 29 फीसद लोगों की उम्र 18 से 30 वर्ष थी। वहीं 35 फीसद लोग 31-40 वर्ष, 27 फीसद लोग 41-50 वर्ष व नौ फीसद लोग 51-60 वर्ष की उम्र के थे। रूमेटोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ. उमा कुमार ने कहा कि इस शोध में यह देखने की कोशिश की गई है कि वायु प्रदूषण, ऑटोइम्यूनिटी व ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस में क्या जुड़ाव है। इसलिए अध्ययन में ऐसे लोगों को शामिल किया गया जो 10 साल से अधिक समय से दिल्ली में रह रहे हैं। साथ ही जिनमें गठिया या किसी ऑटोइम्यून रोग का कोई लक्षण नहीं है। उनके खून के सैंपल लेकर तीन तरह की ऑटो एंटिबॉडी (आरएफ, एएनए, एएनटीआइ-सीसीपी) की जांच की गई। ये ऐसे मार्कर हैं जो यदि शरीर में मौजूद हों तो ऑटोइम्यूनिटी विकसित होने लगती है। इस वजह से शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान होने लगता है। 20 फीसद लोगों में सब-क्लीनिकल ऑटोइम्यूनिटी पाई गई है। यह ऐसी स्थिति है जब लोगों को वर्तमान समय में गठिया या कोई ऑटोइम्यून रोग तो नहीं होता, लेकिन 15 से 20 सालों में यह बीमारी में तब्दील हो सकती है। डॉक्टर इसका बड़ा कारण वायु प्रदूषण मान रहे हैं। इससे पहले एम्स में हुए शोध में यह बात साबित हो चुकी है कि प्रदूषण होने पर गठिया पीड़ित लोगों की समस्या बढ़ जाती है।

जोड़ों में हो दर्द तो न करें नजरअंदाज : डॉक्टर कहते हैं कि शरीर के जोड़ों में लंबे समय तक दर्द रहे तो उसे नजरअंदाज न करें। गठिया की बीमारी से युवा अधिक पीड़ित हो रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं में यह बीमारी अधिक होती है। जोड़ों में दर्द, सूजन, कामकाज में परेशानी होना, सो कर जगने पर हाथों में आधे घंटे तक जकड़न रहे तो यह गठिया की बीमारी के लक्षण हो सकते हैं।

जीवनशैली में बदलाव जरूरी : प्रदूषण, धूमपान, लंबे समय तक कंप्यूटर व स्मार्ट फोन पर काम करने से जोड़ों में दर्द व गठिया की बीमारी हो सकती है। इसलिए डॉक्टर जीवनशैली में बदलाव करने की जरूरत बता रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं कि धूमपान न करें। कंप्यूटर पर अधिक देर तक बैठकर लगातार काम न करें। इसके अलावा स्मार्ट फोन पर अधिक टाइपिंग करने से बचना चाहिए।

जोड़ों में हर दर्द नहीं होती गठिया की बीमारी : डॉक्टर कहते हैं कि जोड़ों में दर्द होने पर जरूरी नहीं कि वह गठिया की ही बीमारी हो। दर्द का एक बड़ा कारण विटामिन डी की कमी होना है। एम्स में हुए अध्ययन में यह बात समाने आई है कि 50 फीसद लोगों में विटामिन डी की ज्यादा कमी है। 41 फीसद लोगों में विटामिन डी की थोड़ी कमी पाई गई। सिर्फ 9 फीसद लोगों में विटामिन डी सामान्य है।

मांसपेशियों में दर्द भर रहा बस्ते का बोझ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

एम्स के डॉक्टरों के अध्ययन से मिली जानकारी, देर तक टीवी देखना और स्मार्टफोन भी बच्चों की हड्डियों में दर्द की वजह बन रहा है

बस्ते का बोझ स्कूली बच्चों की मांसपेशियों व हड्डियों को कमजोर कर रहा है। एम्स के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में सरकारी स्कूलों के 63 फीसद छात्र मांसपेशियों व हड्डियों (मस्कुलोस्केलेटल) के दर्द से पीड़ित मिले हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह बच्चों का भारी बस्ता सामने आई है। इसके अलावा देर तक टीवी देखने व स्मार्ट फोन भी बच्चों की हड्डियों में दर्द की वजह बन रहा है। एम्स के डॉक्टरों के मुताबिक बड़े होने पर ऐसे बच्चों में गठिया की बीमारी होने का भी खतरा रहता है। इसलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मानकों के मुताबिक स्कूलों में बस्ते का वजन तय किए जाने की जरूरत है।

एम्स के रूमेटोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने अप्रैल 2018 से मार्च 2019 के बीच यह अध्ययन किया है। रूमेटोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ. उमा कुमार ने कहा कि दक्षिणी दिल्ली में शिक्षा निदेशालय के 101 स्कूल हैं। इनमें से 23 स्कूलों में छात्र-छात्राओं को एक साथ पढ़ाया जाता है। इनमें से 10 स्कूलों ने अध्ययन में शामिल होने की स्वीकृति दी थी। इसके बाद इन स्कूलों के 10 से 19 वर्ष के 1600 बच्चों पर अध्ययन किया गया। इसमें 63 फीसद बच्चे दर्द से पीड़ित पाए गए। खास बात यह है कि 32 फीसद बच्चे कमर दर्द से पीड़ित मिले। इनमें ज्यादातर बच्चों को एक साल से अधिक समय से दर्द था। वहीं कुछ बच्चों को सात दिन से दर्द था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से तय बस्ते का भार

- कक्षा एक से दो : डेढ़ किलोग्राम तक
- कक्षा तीन से पांच : तीन किलोग्राम तक
- कक्षा छह से सात : चार किलोग्राम तक
- कक्षा आठ से नौ : साढ़े चार किलोग्राम तक
- कक्षा 10 : पांच किलोग्राम तक

ज्यादा भारी बस्ता उठाने वाले दोगुने बच्चे दर्द से पीड़ित : अध्ययन में यह देखा गया कि ऐसे बच्चे जिनका बस्ता शरीर के वजन से 10 फीसद से ज्यादा भारी था, वे दर्द से ज्यादा पीड़ित पाए गए। इन बच्चों की संख्या उनसे दोगुनी थी, जिनके बस्ते का वजन कम था। डॉ. उमा कुमार ने बताया कि बच्चों का खानपान ठीक नहीं होना भी मांसपेशियों व हड्डियों में दर्द का करण बनता है। इसलिए बच्चों को पौष्टिक आहार देना आवश्यक है।

टीवी व स्मार्ट फोन का अधिक इस्तेमाल खतरनाक : अध्ययन में कहा गया है कि लड़कियां खेलकूद में एक घंटे से भी कम सक्रिय रहती हैं। इसके अलावा छात्र प्रतिदिन दो घंटा से अधिक व सप्ताह में पांच दिन से अधिक स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करते हैं और टीवी देखते हैं, जो कि मांसपेशियों व हड्डियों में दर्द का कारण बन रहा है। दरअसल, इस दौरान बच्चे देर तक एक ही स्थिति में बैठे रहते हैं। इसकी वजह से यह समस्या पैदा होती है।

25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है शीर्ष उपभोक्ता आयोग एनसीडीआरसी ने मुंबई की अनामिका रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड पर दो घर खरीदारों को कब्जा नहीं सौंपने पर। साथ ही आयोग ने उसके निदेशक को अनुचित कारोबार प्रणाली के लिए फटकार भी लगाई है।

नई शिक्षा नीति के ज्यादातर बड़े सुझाव इसी साल से होंगे लागू

तैयारी ▶ प्रस्तावित नीति को इस माह के अंत तक दिया जाएगा अंतिम रूप

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग को मंजूरी समेत मंत्रालय का नाम बदलना संभव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रस्तावित नई शिक्षा नीति को अंतिम रूप देने के साथ ही उसके अमल को लेकर भी योजना बनने लगी है। इसके तहत नीति के ज्यादातर बड़े बदलावों को इसी साल यानि 2019 में ही लागू करने की तैयारी है। फिलहाल इनमें कौन से विषय होंगे, इसे लेकर अभी सहमति नहीं बन पायी है। बावजूद इसके जो संकेत मिल रहे हैं, उनमें राष्ट्रीय शिक्षा आयोग जैसे संस्थान के गठन को मंजूरी देने सहित मंत्रालय के नाम में बदलाव जैसे कदम शामिल हो सकते हैं। खास बात यह है कि प्रस्तावित नीति में भी प्रमुखता से इसकी सिफारिश की गई है।

प्रस्तावित नीति को लेकर यह सारी तैयारी उस समय शुरू हुई है, जब इसे अंतिम रूप देने के काम लगभग पूरा होने वाला है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने के अंत तक इसे अंतिम रुप दे दिया जाएगा। उनके मुताबिक वैसे तो इसे काफी पहले ही अंतिम रूप दे दिया जाता, लेकिन इसे लेकर आए सुझाव इतने ज्यादा थे कि उसे परखने में ज्यादा समय लग गया। बता दें कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने सौ दिन के कामकाज में प्रस्तावित नई शिक्षा नीति को भी अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा था, जो इसी वजह से पूरा नहीं हो पाया था। बावजूद इसके मंत्रालय अब इसे अंतिम रूप देकर कैबिनेट के सामने पेश करने की योजना में जुट गया है।

अगले 10 वर्षों में लागू की जानी है योजना।

सूत्रों की मानें तो संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से पहले इसे कैबिनेट के सामने रख दिया जाएगा जो संभवतः नवंबर के अंतिम हफ्ते में शुरू हो रहा है। इसके साथ ही नीति को लागू करने के लिए चरणबद्ध योजना भी बनाई गई है जो 2019 से शुरू होकर अगले दस सालों में एक-एक कर लागू होगी। हालांकि इसके ज्यादातर प्रमुख सुझावों को 2024 तक लागू करने की तैयारी है। इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा लोगों को उच्च शिक्षा से जोड़ने जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य भी रखे गए हैं। इसमें सकल नामांकन दर (जीईआर) को 2035 तक 50 फीसद तक पहुंचाने का रोडमैप तैयार किया है। मौजूदा समय में देश में उच्च शिक्षा की जीईआर करीब 26 फीसद है। गौरतलब है कि पिछले महीने राज्यों के साथ रखी गई सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड आफ एजुकेशन (कैब) की बैठक में भी प्रस्तावित नीति को लेकर चर्चा हुई थी। इसके बाद यह तेजी आई है।

यात्रियों को उड़ान में देरी, बोर्डिंग गेट बदलने की सूचना एसएमएस से भेजें एयरलांस

नई दिल्ली, प्रेट्र : विमानन नियामक डीजीसीए ने एयरलाइंस कंपनियों से उन यात्रियों को टेक्स्ट संदेश भेजने के लिए कहा है जिनका विमान देरी से रवाना होगा, निरस्त हो गया है या जिनके बोर्डिंग गेट में बदलाव किया गया है। सोशल मीडिया पर यात्रियों की शिकायत सामने आने के बाद डीजीसीए ने यह निर्देश जारी किया है। यात्रियों ने कहा है कि एयरलाइंस उन्हें समय पर विमान में देरी, निरस्त होने या बोर्डिंग गेट बदलने की जानकारी नहीं देते हैं।

सभी एयरलाइंस को शुक्रवार को भेजे गए संदेश में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है, 'एयरलाइंस विमान में 30 मिनट से ज्यादा देरी या हवाई अड्डे पर बोर्डिंग गेट बदलने की स्थिति में एसएमएस भेजने की व्यवस्था करे।' नियामक ने उड़ान सूचना भेजने में आसानी के लिए ट्रैवल एजेंटों से यात्रियों के मोबाइल नंबर एयरलाइंस के साथ साझा करने को कहा है।

डीजीसीए प्रमुख अरुण कुमार ने गुरुवार को सभी घरेलू एयरलाइंस के अपीलीय प्राधिकार और नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में यात्रियों की शिकायतों और समाधान से जुड़े मुद्दे पर चर्चा की गई। संदेश में आगे कहा गया है कि यात्रियों को देरी, निरस्त या बोर्डिंग गेट बदलने की जानकारी देने के लिए एयरलाइंस हर 30 मिनट पर संदेश दोहराए। अपने ट्रैवल एजेंटों के साथ समन्वय बनाए रखे।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री व अन्य के ठिकानों से पांच करोड़ जब्त

▶ नीट से जुड़ी करोड़ों रुपये की कर चोरी मामले में आयकर विभाग की कार्रवाई

बेंगलुरु, एजेंसियां : आयकर विभाग ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर व अन्य के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान करीब पांच करोड़ रुपये की नकदी जब्त की है। गुरुवार को शुरू हुई छापेमारी दूसरे दिन भी आरोपितों के 25-30 ठिकानों पर जारी रही। मामला मेडिकल में दाखिले के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) से जुड़ी करोड़ों रुपये की कर चोरी का है।

अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक तथा राजस्थान के विभिन्न ठिकानों पर की गई छापेमारी के दौरान अब तक पांच करोड़ रुपये की नकदी जब्त हुई है। आयकर विभाग के करीब 300 कर्मचारियों ने गुरुवार को कर्नाटक के दो वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के 30 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। इनमें पूर्व उपमुख्यमंत्री परमेश्वर व पूर्व सांसद आरएल जालप्पा के बेटे जे. राजेंद्र शामिल हैं। आयकर विभाग के महानिदेशक पतंजलि ने बताया, 'गुरुवार तक की छापेमारी में 4.52 करोड़ जब्त किए गए हैं।'

विभागीय सूत्रों के अनुसार, आयकर अधिकारियों ने परमेश्वर के कार्यालय, आवास व संस्थानों के साथ-साथ उनके भाई जी. शिवप्रसाद, भतीजे आनंद तथा निजी सहयोगी रमेश के आवासों पर भी छापेमारी की। परमेश्वर के सदाशिवनगर स्थित आवास से भी 70 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई है। आयकर टीम ने जब्त नकदी, दस्तावेजों तथा वर्ष 2018 के चुनावी हलफनामे में दी गई जानकारी के आधार पर परमेश्वर से पूछताछ भी की। वह राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस-जदएस गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। सूत्रों ने बताया कि जालप्पा के रिश्तेदार जीएच नागराज के कोलार स्थित आवास पर भी छापेमारी की जा रही है। नागराज ही उनके संस्थानों को मिलने वाले चंदे का हिसाब रखते हैं।

जालप्पा ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि ये छापे राजनीति से प्रेरित हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुंडू राव ने छापों को राजनीतिक प्रतिशोध बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को दबाने के लिए जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले परमेश्वर ने मीडिया से कहा था कि उन्हें नहीं मालूम कि छापेमारी क्यों की जा रही है। उधर, भाजपा नेता व मौजूदा उपमुख्यमंत्री अश्वथ नारायण ने आयकर छापों को सामान्य व नियमित कार्रवाई बताया है।

50–60 लाख रुपये में मेडिकल की सीट बेचने का है आरोप

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर का परिवार सिद्धार्थ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्शन का संचालन करता है। इसकी स्थापना उनके पिता एचएम गंगाधरैया ने 58 साल पहले की थी। राजेंद्र आरएल जालप्पा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का संचालन करते हैं। आयकर विभाग श्री सिद्धार्थ एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा तुमकुरु में संचालित दो मेडिकल कॉलेजों में नीट के दौरान कथित अनियमितता बरते जाने की जांच कर रहा है। परमेश्वर इस ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। सूत्रों ने बताया कि अयोग्य प्रतिभागियों को मेडिकल की सीटें 50–60 लाख रुपये में बेची गईं। छापे के दौरान नकदी के साथ–साथ मेडिकल में दाखिले के लिए इस्तेमाल किए गए संदिग्ध दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। इन दस्तावेज की छानबीन के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सौ फीसद सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करेगी 'सुमन'

नीलू रंजन, नई दिल्ली

अब देश में प्रसव के दौरान इलाज के अभाव में किसी भी मां या नवजात की मौत नहीं होगी। सौ फीसद सुरक्षित मातृत्व का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार ने सुमन (सुरक्षित मातृत्व आश्वासन) नाम से नई योजना शुरू की है। योजना का उद्देश्य देश में सौ फीसद प्रसव को अस्पताल या प्रशिक्षित नर्स की निगरानी में सुनिश्चित कराना है। फिलहाल यह आंकड़ा 80 फीसद है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नई योजना के तहत गर्भवती महिला को प्रसव से पहले चार बार मुफ्त जांच का अधिकार होगा, जिसमें महिला के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु की सेहत का भी पता चल सकेगा। यही नहीं, प्रसव के पहले महिला को अस्पताल तक लाने और बाद में वापस घर जाने के लिए मुफ्त एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। प्रसव के दौरान होने वाले सभी खर्च, ऑपरेशन समेत, सरकार उठाएगी। प्रसव के बाद छह महीने तक मां और बच्चे को मुफ्त दवाइयां भी मुहैया कराई जाएगी। नवजात बच्चे के किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने की स्थिति में उसके इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाएगी।

सभी गर्भवती महिलाओं तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक 'सर्विस गारंटी चार्टर' जारी किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दूरदराज के इलाकों तक गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने के लिए सरकार ने स्वयं सहायता समूहों, गांव के स्तर पर बनी स्वास्थ्य व स्वच्छता समितियों के साथ एनजीओ की सहायता लेने का फैसला किया है। टोल फ्री नंबर 102 या 108 पर कॉल कर किसी गर्भवती महिला को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए मुफ्त में वाहन मंगाया जा सकता है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस मामले में लापरवाही के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति होगी।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सौ फीसद प्रसव अस्पताल में कराने का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल नहीं है। अभी तक 80 फीसद प्रसव अस्पतालों में हो रहा है। जिनमें 52 फीसद सरकारी अस्पतालों में हो रहा है।

लाखों करोड़ रुपये के कर्ज को बट्टे खाते में डालना खतरनाक : कांग्रेस

▶ प्रियंका ने एसबीआइ की कर्ज माफी पर सरकार को घेरा

▶ कहा, अपने पैसों के लिए भटक रहे पीएमसी बैंक के ग्राहक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था की मंदी और बैंकों की बदहाली पर राजग सरकार को लगातार घेर रही कांग्रेस ने कहा है कि हालत तत्काल नहीं सुधारे गए तो बैंकों से लोगों का भरोसा खत्म हो जाएगा। लाखों करोड़ रुपये के डूबे कर्ज को बट्टे खाते में डालने के बैंकों के कदम को खतरनाक बताते हुए पार्टी ने सरकार को आगाह किया कि वह अपना खाता साफ दिखाने के चक्कर में अर्थव्यवस्था की ही बलि न चढ़ा दे।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 76,000 करोड़ रुपये की कर्ज माफी की खबरों पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने ट्वीट किया, 'किसानों को जेल में डाला जा रहा है। अर्थव्यवस्था खस्ताहाल है। लोगों को नौकरी से निकाला जा रहा है। मुंबई में पीएमसी बैंक से जुड़े लोग चीख रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार किसके लिए रेड कारपेट बिछाते हुए 76,000 करोड़ रुपये के कर्ज को माफ कर रही है? कौन ले गया ये पैसे?'

प्रियंका ने पीएमसी बैंक घोटाले के चलते आम लोगों के बैंक से पैसा निकालने पर लगी पाबंदी से हो रही परेशानी का मुद्दा भी उठाया। आक्रोशित पीड़ितों का वीडियो साझा करते हुए प्रियंका ने लिखा, 'ये आम लोगों का दर्द है। पीएमसी बैंक में पैसे रखने वालों के चेहरे पर मेहनत की कमाई डूबने की पीड़ा साफ झलक रही है। एक तरफ सरकार अमीरों का 76,000 करोड़ का कर्ज माफ कर रही है, वहीं पीएमसी के ग्राहकों को अपने ही पैसों के लिए सड़कों पर भटकना पड़ रहा है। घोटालेबाज मजे में हैं और आम जनता परेशान।'

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लभ ने प्रियंका की बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि आरटीआइ से मिली जानकारी से साफ हो गया है कि सरकारी बैंकों ने अपने डूबे कर्ज कम दिखाने के लिए 2 लाख 75 हजार करोड़ के कर्ज बट्टे खाते में डाल दिए हैं। बैंक एनपीए कम दिखाकर खाता साफ रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों को लेकर जनता का भरोसा पहले ही हिल चुका है। ऐसे कदमों से अर्थव्यवस्था का संकट और गहरा होगा।

बल्लभ ने कहा कि सरकार की पसंदीदा रेटिंग एजेंसी मूडी ने भी विकास दर अनुमान को घटा कर 5.8 फीसद कर दिया है। इसके साथ ही वैश्विक रैंकिंग में भारत दस पायदान नीचे लुढ़क गया है। पीएमसी बैंक घोटाले के लिए सरकार के जिम्मेदार नहीं होने के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि आरबीआइ की चेतावनी की अनदेखी इसलिए हुई कि मुलुंड के भाजपा विधायक के बेटे समेत पार्टी के 12 नेता पीएमसी बैंक घोटाले से जुड़े हैं। भाजपा विधायक का बेटा पीएमसी बैंक के साथ एचडीआइएल कंपनी में भी निदेशक है। इसी वजह से बैंक के 73 फीसद कर्ज इस कंपनी को दिए गए। कांग्रेस ने वित्तमंत्री से बैंकों की हालत पर श्वेतपत्र जारी करने और पीएमसी बैंक से निकासी पर लगी रोक से सात दिन पहले 50 हजार से अधिक रकम निकालने वालों की सूची जारी करने की मांग भी की।

स्वच्छता के मामले में दिल्ली का एम्स रहा अव्वल

▶ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने तीन करोड़ रुपये के पहले पुरस्कार से नवाजा

▶ समूह बी में शीर्ष पर रहे सिलवासा स्थित विनोबा भावे अस्पताल को मिले दो करोड़

नई दिल्ली, एएनआइ : स्वच्छ भारत अभियान के तहत समर्पित भाव से काम करने और अपने परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को प्रथम पुरस्कार मिला है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को एम्स को तीन करोड़ रुपये नकद के पहले पुरस्कार से नवाजा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए बेहतर काम करने वाले केंद्रीय सरकारी संस्थानों, जिला और निजी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की सूची तैयार की थी। इन अस्पतालों को 'कायाकल्प पुरस्कार योजना' के तहत पुरस्कृत किया गया।

इस योजना के तहत अस्पतालों को अ और ब समूह में रखा गया था। समूह अ में दिल्ली स्थित एम्स शीर्ष पर रहा, जिसे तीन करोड़ रुपये नकद का पहला पुरस्कार मिला। रनर-अप रहे पुडुच्चेरी स्थित जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जिपमेर) को 1.5 करोड़ रुपये मिले।

एम्स की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. डीके शर्मा ने एएनआइ से बातचीत में कहा, 'स्वच्छता अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है। यह सीधे जीवन की अच्छी गुणवत्ता से जुड़ा हुआ है। यदि अस्पताल स्वच्छता के उच्च स्तर को बनाए रखते हैं, तो उससे रोगी की स्थिति में सुधार होता है और यह अस्पताल में सकारात्मक माहौल लाता है। एम्स में हमारी स्र्वोच्च प्राथमिकता स्वच्छता और संक्रमण मुक्त वातावरण बनाए रखना है।'

समूह ब में सिलवासा स्थित विनोबा भावे सिविल हॉस्पिटल (वीबीसीएच) शीर्ष पर रहा और उसे दो करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला, जबकि रनर-अप रहे भुवनेश्वर स्थित एम्स को एक करोड़ रुपये मिले।

शीर्ष पर रहे अस्पतालों के अलावा अन्य कई अस्पतालों को प्रशस्ति पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके तहत प्रत्येक अस्पताल को पुरस्कार के रूप में 50 लाख रुपये नकद मिले।

एआइएमपीएलबी कार्यकारिणी में होगी अयोध्या पर चर्चा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआइएमपीएलबी) कार्यकारिणी की बैठक शनिवार को लखनऊ में होगी। बैठक में अयोध्या मसले, तीन तलाक व समान नागरिक संहिता पर चर्चा की जाएगी। पर्सनल लॉ बोर्ड इस मसले पर भविष्य की रणनीति पर भी मुहर लगाएगा। कार्यकारिणी की यह बैठक मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी की अध्यक्षता में होगी। लखनऊ में स्थित नदवा कॉलेज में सुबह नौ बजे से बैठक होगी। इस बार पर्सनल लॉ बोर्ड ने मीडिया से दूरी बनाकर रखी है। अयोध्या मसले पर कोर्ट का निर्णय आने वाला है। ऐसे में बोर्ड की क्या रणनीति रहेगी इस पर चर्चा होगी।

▶ आज लखनऊ में आयोजित होगी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक

तीन तलाक पर केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून का क्या असर हो रहा है इस पर भी बोर्ड की लीगल कमेटी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मुस्लिम महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी बात होगी। साथ ही बोर्ड की कई अन्य कमेटियां रिपोर्ट पेश करेंगी।

इस साल घटेंगी पराली जलाने की घटनाएं : तोमर

▶ कहा–सरकार के पिछले दो वर्षों के प्रयासों का दिखने लगा असर

▶ पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रियायती दरों पर मुहैया कराई गईं मशीनें

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस साल पराली जलाने की घटनाएं और कम होंगी। इस बार पंजाब, हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश के किसानों को पराली प्रबंधन से जुड़ी जानकारियां और मशीनें मुहैया कराई गई हैं। इन राज्यों में पिछले दो वर्षों में पराली प्रबंधन से संबधित मशीनें रियायती दरों पर बेची गई अथवा किराए पर मुहैया कराई गई हैं।

तोमर ने कहा कि पिछले साल शुरू की गई योजनाओं के चलते पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। इस बार इसमें और कमी आने की संभावना है। कृषि मंत्री ने यहां एक समारोह से इतर पत्रकारों से बातचीत की। दरअसल, पराली से जुड़ी योजनाओं के संचालन का दायित्व इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आइसीएआर) के 60 कृषि विज्ञान केंद्रों के मार्फत किया गया। इनमें से 22 कृषि विज्ञान केंद्र पंजाब, 14 हरियाणा, एक दिल्ली और 23 उत्तर प्रदेश के हैं। ऐसे केंद्रों के माध्यम से योजनाओं का लाभ यहां के किसानों तक पहुंचाया गया।

मौजूदा साल में केंद्र सरकार ने 273.80 करोड़ रुपये पंजाब को दिए, जबकि हरियाणा को 192.29 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई। उत्तर प्रदेश के किसानों को 105.29 करोड़ रुपये दिए गए। वर्ष 2018-19 में भी केंद्र सरकार ने तीनों राज्यों को कृषि मशीनरी की खरीद के लिए धन मुहैया कराया था।

नरेंद्र सिंह तोमर फाइल फोटो

अधिकृत आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 में पंजाब और हरियाणा के 4500 गांवों ने खुद को पराली जलाने से मुक्त घोषित कर दिया है। इन गांवों में अब तक पराली जलाने की एक भी घटना नहीं हुई है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से इस योजना से अलग भी कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं, जिससे पराली जलाने पर रोक लगाई जा सके। एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन सब मिशन के तहत प्रति हेक्टेयर 4000 रुपये की मदद मुहैया कराई गई है। इसका असर भी इस बार दिख रहा है।

ईडी की याचिका पर हाई कोर्ट ने चिदंबरम व कार्ति से मांगा जवाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : 3500 करोड़ रुपये के एयरसेल मैक्सिस मामले में आरोपित पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और उनके बेटे सांसद कार्ति चिदंबरम से हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दोनों की अग्रिम जमानत रद करने की मांग की थी। अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी।

ईडी ने राउज एवेन्यू की विशेष अदालत द्वारा पी. चिदंबरम व उनके बेटे को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देते हुए गुरुवार को याचिका दायर की थी। ईडी ने कहा था कि आर्थिक अपराध के मामले में गिरफ्तारी से पूर्व जमानत नहीं दी जानी चाहिए। जांच के दौरान दोनों ने सहयोग नहीं किया और वे मामले से जुड़े दस्तावेज से छेड़छाड़ व गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

आइएनएक्स मामले में चिदंबरम को कोर्ट में पेश करने का आदेश : आइएनएक्स मीडिया मामले में राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने चिदंबरम को 14 अक्टूबर को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। इस मामले में ईडी ने चिदंबरम को अदालत में पेश करने की मांग की थी। चिदंबरम इसी मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। ईडी उनसे पूछताछ करना चाहता है।

विदेश मामलों की संसदीय समिति का सदस्य बनने से थरूर का इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने विदेश मामलों की संसदीय समिति का सदस्य बनने से इन्कार कर दिया है। पिछली लोकसभा में थरूर इस समिति के अध्यक्ष थे।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री थरूर ने विदेश मामलों की समिति का सदस्य बनाए जाने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वह उस समिति का महज सदस्य नहीं बनना चाहते, जिसकी एक समय वह अध्यक्षता कर चुके हैं। थरूर ने यह भी कहा कि फिलहाल वह सूचना प्रौद्योगिकी मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष हैं। उन्हें इसके लिए काफी काम करना पड़ता है। इस कारण उनके पास अन्य समिति के लिए वक्त नहीं है।

शशि थरूर फाइल फोटो

बिरला ने पिछले महीने थरूर को विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति का सदस्य नामित किया था। समिति का अध्यक्ष नहीं बनाए जाने पर थरूर ने दावा किया था कि सरकार ने विपक्षी सदस्य को समिति का अध्यक्ष बनाए जाने की परंपरा खत्म कर दी है।

कांग्रेस नेता को मिली विदेश जाने की मंजूरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पत्नी सुनंदा पुष्कर को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपित कांग्रेस सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर को विदेश जाने की अनुमति मिल गई है।

राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने कहा कि 11 अक्टूबर से 11 नवंबर तक थरूर सर्बिया, कुवैत, आस्ट्रेलिया और बांग्लादेश जा सकते हैं। थरूर को दो लाख रुपये गारंटी के तौर पर जमा कराने होंगे, जो वापस आने पर लौटा दिए जाएंगे। अदालत ने यह भी कहा कि भारत लौटने के दो दिन के अंदर उन्हें अदालत को वापसी की सूचना देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि वह विदेश में रहने के दौरान केस से जुड़े किसी भी व्यक्ति को प्रभावित नहीं करेंगे और न ही साक्ष्य से छेड़छाड़ करेंगे। थरूर ने विभिन्न कार्यक्रमों में जाने के लिए अदालत से मंजूरी मांगी थी।

सरकार ने राज्यों में सीएपीएफ की तैनाती पर शुल्क कम किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती के लिए शुल्क पर्याप्त रूप से कम कर दिया है। राज्यों में सांप्रदायिक तनाव और उग्रवादी हिंसा सहित कानून एवं व्यवस्था के लिए सीएपीएफ को तैनात किया जाता है। गृह मंत्रालय के अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

संशोधित दर के अनुसार, सामान्य श्रेणी के राज्यों को वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान सात कंपनी बटालियन तैनात करने के लिए केंद्र सरकार को सालाना 13.7 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। परिवहन और बलों की आवाजाही पर होने वाला वास्तविक खर्च इसके अतिरिक्त होगा। 2018-19 के दौरान खर्च 52.40 करोड़ रुपये था। सीएपीएफ की एक कंपनी में करीब 100 कर्मी होते हैं।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि सामान्य श्रेणी के राज्यों को वित्त वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के लिए क्रमशः 15.40 करोड़ रुपये, 17.36 करोड़ रुपये, 19.65 रुपये और 22.30 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। वित्त वर्ष 2014-15 से 2017-18 तक राशि पांच फीसद सालाना वृद्धि के साथ निर्धारित थी। वित्त वर्ष 2014-15, 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के लिए तैनाती शुल्क क्रमशः 43.10 करोड़ रुपये, 45.26 करोड़ रुपये, 47.52 करोड़ रुपये और 49.90 करोड़ था।

सीतारमण बोलीं

राफेल के पहियों के नीचे नीबू रखना भारतीय संस्कृति का हिस्सा

केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने कैबिनेट सहयोगी राजनाथ सिंह का किया बचाव, कहा– 'इसमें गलत क्या है? देश को फायदा पहुंचाने और ऐसे फैसले लेने के लिए बहुत मजबूती की जरूरत होती है

▶ कहा, भारत में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में यह करता ही है

▶ एक पूर्व रक्षा मंत्री और उनकी पत्नी ने आस्था के आधार पर नौसैनिक जहाज का जलावतरण किया था

पुणे, प्रेट्र : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को अपने कैबिनेट सहयोगी राजनाथ सिंह का बचाव करते हुए कहा कि राफेल के पहियों के नीचे नीबू और उसके ऊपर नारियल रखकर पूजा करना अंधविश्वास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का हिस्सा है।

पत्रकारों से बातचीत में पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा, 'इसमें गलत क्या है? हमारा दृढ़ विश्वास है कि देश को फायदा पहुंचाने और ऐसे फैसले लेने के लिए बहुत मजबूती की जरूरत होती है। आप भले ही न मानें या आप सोचें कि यह तो अंधविश्वास है, कोई बात नहीं। जिनको विश्वास है वे करते हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने (राजनाथ सिंह) हर चीज ठीक की।' सीतारमण ने कहा कि भारत में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में यह करता ही है। एक पूर्व रक्षा मंत्री और उनकी पत्नी ने अपनी आस्था के आधार पर नौसैनिक जहाज का जलावतरण किया था। उस समय भारत में हम में से कितने लोग अंधविश्वास के बारे में चिंतित थे।

सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगस्त, 2017 के एक वायरल वीडियो को भी सही ठहराया जिसमें वह दिल्ली मेट्रो के उद्घाटन अवसर पर एक मुख्यमंत्री का जिक्र करते हुए कह रहे हैं, 'अपनी कार के ऊपर नीबू मिर्ची और पता नहीं क्या-क्या... ये लोग देश को क्या प्रेरणा देंगे? ऐसी अंध श्रद्धा में जीने वाले लोग सार्वजनिक जीवन का बहुत अहित करते हैं।' वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री भी सही हैं और सरकार ने विज्ञान और वैज्ञानिक विकास को छोड़ा नहीं है।

निर्मला सीतारमण फाइल फोटो

शस्त्र पूजा पर पाक बोला, कुछ भी गलत नहीं

▶ पाकिस्तानी सरकार के मंत्री ने उड़ाया था शस्त्र पूजा का मजाक

▶ पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता आसिफ गफूर ने आलोचनाओं का किया विरोध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारत पर लगातार हमला करने वाले पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता आसिफ गफूर ने राफेल की शस्त्र पूजा को लेकर राजनाथ सिंह का बचाव किया है। पाकिस्तानी सेना के अधिकारी ने शस्त्र पूजा को लेकर हो रही आलोचनाओं का विरोध करते हुए इस पूरी प्रक्रिया को धर्म संगत करार दिया। गफूर ने ट्वीट कर इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि राफेल की पूजा करना धार्मिक आस्था का विषय है, जिसका सम्मान होना चाहिए। इसके पहले पाकिस्तान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद चौधरी ने राफेल की पूजा करने का मजाक उड़ाया था।

पाक सेना के प्रवक्ता आसिफ गफूर ने ट्वीट किया कि राफेल की पूजा करने में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि यह धर्म के अनुसार है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा कृपया, याद रखें कि यह अकेली मशीन (राफेल) मायने नहीं रखती है, असल में उस मशीन को संभालने वाले व्यक्ति की क्षमता, जुनून और संकल्प मायने रखता है।

हालांकि गफूर बिना देर किए चुटकी लेने से भी बाज नहीं आए और उन्होंने बिना किसी का नाम लिए अपनी पाकिस्तानी वायुसेना की प्रशंसा कर डाली और लिखा कि हमें हमारे पीएएफ शहीदों पर गर्व हैं। गौरतलब है कि दशहरे के दिन जब फ्रांस में रक्षा मंत्री को राफेल लड़ाकू विमान सौंपा जा रहा था, उस समय राजनाथ सिंह ने उसकी पूजा की थी। आमतौर पर दशहरे के दिन शस्त्रों की पूजा की जाती है। इसके बाद विपक्ष और कई अन्य लोगों ने उन पर निशाना साधा था।

कह के रहेंगे माधव जोशी

1968 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में सबसे कम 161 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे, जबकि 1996 में सबसे ज्यादा 2022 निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया था।

500 करोड़ रुपये की संपत्ति है पराग शाह की। वह महाराष्ट्र में भाजपा के सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। दूसरे नंबर पर मुंबई भाजपा के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढ़ा हैं। उनकी संपत्ति 411 करोड़ रुपये है।

कांग्रेस का वादा, नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण, दो हजार रुपये चूल्हा खर्च

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़

हरियाणा में भाजपा के 75 से अधिक विधानसभा सीटें जीतने के दावे के बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को 184 वादों के साथ चुनाव घोषणा पत्र जारी कर दिया। कांग्रेस ने इसे संकल्प पत्र का नाम दिया और महिलाओं, युवाओं, दलितों, पिछड़ों, किसानों व कर्मचारियों पर खास फोकस रखते हुए प्रदेश की जनता को खुशहाल हरियाणा का सपना दिखाया। पार्टी ने प्रदेश सरकार और प्राइवेट संस्थानों की सभी नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण देने का बड़ा दांव खेला है।

कांग्रेस ने प्रदेश के किसानों से सत्ता में आने के बाद 24 घंटे के भीतर कर्ज माफ करने और गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीने वाली (बीपीएल) महिलाओं को हर माह दो हजार रुपये चूल्हा खर्च देने के बड़े वादे किए हैं। 5100 रुपये मासिक पेंशन का वादा करते हुए कांग्रेस ने इसके लिए महिलाओं की उम्र 60 साल से घटाकर 55 साल और पुरुषों की उम्र 58 साल करने की बात कही है। 10वीं तक के विद्यार्थियों को 12 हजार रुपये तथा 12वीं के विद्यार्थियों को 15 हजार रुपये वार्षिक वजीफा देने का वादा भी पार्टी ने किया है।

▸ घोषणा पत्र में 184 वादों के साथ कांग्रेस ने दिखाया खुशहाल हरियाणा का सपना

▸ महिलाओं, युवाओं, दलितों, पिछड़ों, किसानों व कर्मचारियों पर खास फोकस

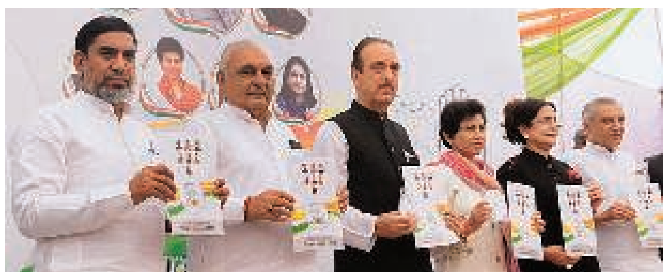

चंडीगढ़ में कांग्रेस का संकल्प पत्र जारी करते हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी गुलाम नबी आजाद, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा व किरण चौधरी। संजय घिल्डियाल

हर परिवार में एक सरकारी नौकरी : संकल्प पत्र में हर जिले में एक यूनिवर्सिटी और एक मेडिकल कॉलेज के वादे के साथ पार्टी ने हर परिवार में योग्यता के अनुसार एक सरकारी नौकरी देने तथा रोजगार मिलने तक स्नातक युवाओं को सात हजार और स्नातकोत्तर युवाओं को 10 हजार रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही है। पार्टी ने प्रदेश के युवाओं को निजी क्षेत्र के उद्योगों व प्रतिष्ठानों में 75 फीसद आरक्षण दिलाने की भी बात कही है। इसके अलावा 300 यूनिट तक घरेलू बिजली और दो एकड़ तक के किसानों को बिजली मुफ्त देने का वादा भी किया है।

इन्होंने जारी किया संकल्प पत्र : हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी गुलाम नबी आजाद, कांग्रेस विधायक दल के नेता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य कुमारी सैलजा तथा कांग्रेस चुनाव घोषणा पत्र कमेटी की संयोजक किरण चौधरी ने अपनी पूरी टीम के साथ 21 पेज का संकल्प पत्र जारी किया। पार्टी ने इस घोषणा पत्र के जरिये दलितों व पिछड़ों के हित साधने की भी कोशिशें की हैं।

महिलाओं के उत्थान के लिए ये संकल्प

- पंचायती राज संस्थाओं तथा नगर निकायों में महिलाओं को 50 फीसद आरक्षण का वादा
- विधवा, दिव्यांग, तलाकशुदा, उम्रदराज अविवाहित महिलाओं और किन्नरों को 5100 रुपये पेंशन
- हरियाणा रोडवेज में महिलाओं को मुफ्त यात्रा
- गर्भवती महिलाओं को बच्चे के जन्म तक 3500 रुपये प्रतिमाह

दलित समाज और पिछड़े वर्गों के अधिकार की चिंता

- पहली से दसवीं तक के छात्रों को 12 हजार और 11वीं से 12वीं के छात्रों को 15 हजार रुपये सालाना स्कॉलरशिप
- पिछड़ी जातियों की क्रीमीलेयर को छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख करेंगे
- बीपीएल परिवारों के घर निर्माण के लिए डेढ़ लाख रुपये अनुदान
- बीपीएल परिवारों के मकान की मरम्मत के लिए 50 हजार का सहयोग
- अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के लोगों को घर बनाने के लिए 100-100 गज के मुफ्त प्लाट

रोजगार के लिए

- निजी उद्योग व प्रतिष्ठानों में उसी जिले के युवाओं को रोजगार
- दूध की डेयरी व दुग्ध उत्पाद बनाने वाली इकाइयों के लिए 25 फीसद सब्सिडी के साथ चार प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर 10 लाख का ऋण

किसान होंगे कर्ज मुक्त मुफ्त मिलेगी बिजली

- प्राकृतिक आपदा से फसल खराब होने पर 12 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा
- सरकार बनते ही कर्ज माफी
- फसल बीमा की किश्तों का बोझ नहीं
- दो एकड़ तक जमीन वाले किसानों को मुफ्त बिजली
- पिछड़े, दलित एवं अन्य वर्ग के किसानों के एक लाख तक के मूलधन की राशि माफ
- खेत में काम करते हुए किसान की मृत्यु पर पांच लाख और मजदूर की मृत्यु पर तीन लाख रुपये की मदद परिवार को

कर्मचारियों के जख्मों पर लगेगा मरहम

- हरियाणा सरकार के कर्मचारियों को पंजाब के समान वेतन और भत्ते
- पुरानी पेंशन योजना की उत्तम विशेषताओं को नई पेंशन योजना में करेंगे शामिल
- सातवें वेतन आयोग को एक जनवरी 2016 से किया जाएगा लागू
- द्वितीय श्रेणी की नौकरियों में इंटरव्यू प्रणाली खत्म

मजदूर भी कांग्रेस के एजेंडे में

- कुशल कारीगर को 14 हजार रुपये न्यूनतम वेतन
- अर्ध कुशल कारीगर को 13 हजार और अकुशल को 12 हजार रुपये वेतन
- सभी मजदूरों के लिए ईएसआइ कार्ड का वादा

शिक्षा को लेकर भी चिंतित दिखी पार्टी

- हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज और एक यूनिवर्सिटी
- हर सरकारी संस्था में मुफ्त वाई-फाई
- अध्यापकों की भर्ती के लिए विशेष अभियान

ताकि सेहतमंद बने हरियाणा

- गरीबों का मुफ्त इलाज, हर प्रदेशवासी को स्वास्थ्य कार्ड
- हर गांव और ढाणी तक एंबुलेंस
- ब्लाक स्तर पर नशा छुड़ाओ केंद्र
- नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों को पकड़ने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स

कांग्रेस कश्मीर को भारत का आंतरिक मामला नहीं मानती : अमित शाह

बोले गृह मंत्री ▸ राहुल के करीबी ने ब्रिटेन के नेता को बताया कश्मीर में हालात सामान्य नहीं

कहा-गुलाम नबी के दावे के विपरीत कश्मीर में खून की एक बूंद नहीं गिरी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के बुल्डाना में चुनावी रैली को संबोधित किया। एएनआइ

बुल्डाना (महाराष्ट्र), एएनआइ : भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है। भाजपा का निरंतर यही मानना रहा है, लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं मानती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी एक पार्टी नेता ने ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन को बताया कि कश्मीर में हालात सामान्य नहीं हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के बुल्डाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी के करीबी और ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख कमल धालीवाल ने जेरेमी कॉर्बिन से मुलाकात की। फिर कहा कि कश्मीर में हालात सामान्य नहीं हैं। शाह ने तल्ख अंदाज में पूछा, 'आपकी पार्टी देश के मामलों पर विदेश के नेताओं से चर्चा करके आखिर करना क्या चाहती है?' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने संसद में कहा कि अगर अनुच्छेद 370 हटाया गया तो कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी, लेकिन हम आपसे यह बात साझा करना चाहते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से कश्मीर में खून की एक बूंद नहीं गिरी है।'

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा, पिछले 70 सालों में कोई और प्रधानमंत्री अनुच्छेद 370 हटाने का साहस नहीं दिखा सका। पहली बार, सही मायनों में कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया है। कश्मीर को भारत से जोड़ने में अनुच्छेद 370 सबसे बड़ा रोड़ा था। 70 सालों में कोई अन्य प्रधानमंत्री यह साहस नहीं जुटा सका। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए देश हमेशा से पहली वरीयता पर है। हम आदर्शों पर चलने वाली पार्टी हैं। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरह परिवारवाद वाली पार्टी नहीं हैं, जोकि हमेशा वोट बैंक की राजनीति में लिप्त रहे हैं। विदर्भ के चिकाली और बुल्डाना जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित उन्होंने जम्मू और कश्मीर में विकास कार्य कराने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की ही तरह कश्मीर भी महत्वपूर्ण है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बता दिया है कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और उन्हें इसमें दखल देने की जरूरत नहीं। अगर कोई देश कश्मीर पर बोलने की कोशिश करेगा, तो हम स्पष्ट कर चुके हैं कि यह हमारा आंतरिक मामला है। फिर चाहे वह अमेरिकी राष्ट्रपति हों या कोई और।

राकांपा-कांग्रेस शासनकाल में महाराष्ट्र को लूटा गया : भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कांग्रेस और राकांपा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान जब वह आपसे वोट मांगने आएं तो कश्मीर मुद्दे पर मतदाताओं को उनका रुख पूछना चाहिए। महाराष्ट्र ने राकांपा-कांग्रेस सरकार के 15 साल के शासनकाल में भारी लूट देखी है। तब की सरकार ने सैनिकों की विधवाओं के लिए आदर्श हाउसिंग स्कीम शुरू की थी, लेकिन उन्होंने उसे भी नहीं बख्शा। उन्होंने उनके लिए बनाए गए घर तक छीन लिए। शाह ने कहा, 'मैं गर्व के साथ कहता हूं कि पिछले पांच साल में देवेंद्र फड़नवीस सरकार में भ्रष्टाचार का कोई दावा नहीं किया गया है। पीएम मोदी के छह साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। यहां तक कि विपक्ष भी भ्रष्टाचार से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री के तार नहीं जोड़ सकता।'

लोनार झील बनेगी वैश्विक पर्यटन स्थल

भाजपा अध्यक्ष ने विश्वविख्यात लोनार झील को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। लोनार झील विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील है, जिसका निर्माण करीब 60 हजार साल पहले एक उल्का पिंड के टकराने से हुआ है। इसी तरह संत गजानन महाराज का मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए नए सिरे से विकसित किया जाएगा। शाह ने दूसरे दिन के चुनावी दौरे में जनता से अपील की कि वह पार्टी को 21 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में दोबारा लाएं।

फिर नकारात्मक प्रचार में जुटे राज ठाकरे

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

▸ प्रमुख विपक्षी पार्टी बनने के लिए वोट मांग रहे हैं मनसे प्रमुख

▸ इस बार 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही है महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना

राज ठाकरे फाइल

सामान्य रूप से राजनीतिक दल सत्ता पाने के लिए प्रचार करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे प्रमुख विपक्षी पार्टी बनने के लिए वोट मांग रहे हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे की पार्टी मनसे 103 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे ने अपना कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं किया था, लेकिन करीब 11 सभाएं कर ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति के जरिये केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की फड़नवीस सरकार को घेरने की भरपूर कोशिश की थी। इन सभाओं में भीड़ भी खूब जुटती रही। इससे तंग आकर भाजपा नेताओं को इनका जवाब देने पर मजबूर होना पड़ा था, लेकिन राज ठाकरे की इन सभाओं का नतीजा शून्य रहा। जहां-जहां उनकी सभाएं हुईं, वहां भी भाजपा-शिवसेना का परचम बुलंद रहा। हालांकि, अब विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे ने अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं, लेकिन उन्होंने अपनी पहली ही सभा में संकेत दे दिया कि वह सत्ता में आने के लिए चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

गुरुवार को सांताक्रूज की सभा में उन्होंने साफ कहा कि उन्हें राज्य का प्रमुख विपक्षी दल बनने का अवसर प्रदान कीजिए। इस चुनाव में राज ठाकरे के प्रचार अभियान की शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। बुधवार को पुणे में उनकी पहली सभा थी। सभा शुरू होने से पहले ही हुई तेज बारिश के कारण स्थगित करनी पड़ी।

गुरुवार को राज ठाकरे द्वारा जताई गई मुख्य विपक्षी दल बनने की इच्छा भी हास्यास्पद सी ही प्रतीत होती है, क्योंकि वह लड़ ही 103 सीटों पर रहे हैं, जबकि कांग्रेस 150 और राकांपा 126 सीटों पर लड़ रही हैं। इन दोनों मुख्य विपक्षी दलों का संगठन भी राज ठाकरे की पार्टी मनसे से ज्यादा बड़ा है। राज ठाकरे 13 वर्षों में पूरे महाराष्ट्र में अपना संगठन भी खड़ा नहीं कर पाए हैं। 2006 में शिवसेना से अलग होकर बनाई गई इस पार्टी से खासतौर से महाराष्ट्र के युवाओं को बड़ी उम्मीदें थीं। इन्हीं उम्मीदों की बदौलत राज ठाकरे की पार्टी 2009 के विधानसभा चुनाव में 13 सीटें जीतने में कामयाब रही। तब उसने पुणे, नासिक, मुंबई और ठाणे में शिवसेना को करारा झटका दिया था, लेकिन वह इस सफलता को कायम नहीं रख पाए। 2014 में ही उनकी पार्टी ढलान पर आ गई और 13 विधायकों में घटकर सीधे एक की संख्या पर आ गिरी।

राज ठाकरे चाहते थे कि भाजपा, शिवसेना के बजाय उनसे हाथ मिला ले, लेकिन 2014 में भाजपा अपनी 25 साल पुरानी सहयोगी शिवसेना से ही गठबंधन का प्रयास करती रही। गठबंधन नहीं हो पाने की स्थिति में भी वह अकेली ही लड़ी, लेकिन राज ठाकरे को साथ नहीं लिया।

राज के मन में खुद को ठुकराए जाने की यह खीझ 2019 के लोकसभा चुनाव में खुलकर सामने आई। उन्होंने उस समय कांग्रेस-राकांपा के पक्ष में प्रचार किया था। छह माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस-राकांपा गठबंधन में सम्मानजनक स्थान की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस ने तो उन्हें पूरी तरह ठुकरा दिया, जबकि राकांपा ने ठाणे और पुणे में सिर्फ कुछ सीटों पर उनके साथ समझौता किया है। ऐसी स्थिति में राज ठाकरे प्रमुख विपक्षी दल बनने का सपना साकार कर पाएंगे इसमें संदेह लग रहा है।

जल, थल, नभ में देश, विकास से चमका प्रदेश : जेपी नड्डा

महेश कुमार वैद्य, नारनौल

जेपी नड्डा फाइल

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को हरियाणा में अहीरवाल की वीर भूमि से प्रदेश में चुनाव प्रचार शुरू किया। सैनिक बहुल क्षेत्र में नड्डा ने सेना को शक्तिशाली बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी नीति की बदौलत आज देश जहां जल, थल व नभ में शक्तिशाली हुआ है, वहीं मनोहर नीति से प्रदेश विकास से चमका है।

नड्डा ने सबसे पहले रेवाड़ी में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के साथ पार्टी उम्मीदवार सुनील यादव के पक्ष में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इसके बाद नांगल चौधरी के गांव भोजावास में राव अभय सिंह व नारनौल में ओमप्रकाश यादव के समर्थन में हुंकार भरी। नड्डा का भाषण राष्ट्रीय सुरक्षा पर केंद्रित रहा। कांग्रेस व राहुल गांधी निशाने पर रहे। उन्होंने केंद्र की आयुष्मान, उज्ज्वला योजना व सॉयल हेल्थ कार्ड तथा प्रदेश की तबादला व भर्ती नीति का लाभार्थियों के आंकड़ों के साथ विस्तार से वर्णन किया।

मोदी ने बढ़ाई सैन्य शक्ति : नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 36 राफेल व 28 अपाचे हेलीकॉप्टर खरीदे। सैनिकों को एक करोड़ 86 लाख बुलेट प्रूफ जैकेट दिए। कांग्रेस ने घोटाले किए। सैनिकों को घटिया जैकेट दिए। अब हम जैकेट निर्यात करने की स्थिति में हैं। सात पनडुब्बियां बेड़े में शामिल की हैं। 78 तेजस की बदौलत हमारी मारक क्षमता बढ़ी है।

नेता, नीति और नीयत विहीन है कांग्रेस : योगी

जेएनएन, हिसार

▸ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हरियाणा में की चुनावी रैलियां

▸ कहा-चुनाव हारते ही जिनका नेता भगोड़ा हो जाए, उनसे क्या उम्मीद

स्टार प्रचारक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी को भगोड़ा बताते हुए कांग्रेस को नेता, नीति और नीयत से विहीन पार्टी बताया। शुक्रवार को वह हरियाणा के पंचकूला के कालका, जींद के नरवाना और सोनीपत विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी रैलियों को संबोधित रहे थे। योगी ने कहा कि आज देश-प्रदेश में जो माहौल है उसे भांपकर कांग्रेस के नेता भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने की पीड़ा सिर्फ पाकिस्तान और राहुल गांधी को है।

सोनीपत के हुडा ग्राउंड में भाजपा प्रत्याशी कविता जैन के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित करते योगी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को देश या प्रदेश से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने चुटकी ली कि चुनाव हारते ही इनके नेता मैदान छोड़कर भाग गए। राहुल गांधी ननिहाल पहुंच गए। कांग्रेस तो आज भी नेता विहीन है। ऐसे लोगों से क्या उम्मीद की जा सकती है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले कार्यकाल में घर-घर शौचालय, घर-घर गैस कनेक्शन पहुंचाने पर काम किया और अब दूसरे कार्यकाल में पीएम आवास योजना के तहत हर जरूरतमंद को घर और घर-घर शुद्ध पानी पहुंचाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बगैर सिफारिश, पर्ची और खर्ची के पांच साल में 72 हजार नौकरियां देकर युवाओं के सामने उजाला लाने का काम किया है।

कालका में योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल में विकास कराया होता तो प्रधानमंत्री को आवास योजना में प्लॉट नहीं देने पड़ते, स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय नहीं बनवाने पड़ते, निःशुल्क विद्युत कनेक्शन नहीं देने पड़ते और यही नहीं आयुष्मान योजना भी नहीं देनी पड़ती। जुलाना के गतौली में आयोजित जनसभा में आदित्यनाथ ने कहा कि विजयादशमी के दिन जब देश के रक्षा मंत्री फ्रांस से राफेल लेकर लौटते हैं और उसकी पूजा करते हैं, तो इसमें भी कांग्रेस को परेशानी होती है। शास्त्रों में शस्त्र की पूजा को सही माना गया है। अगर देश की सुरक्षा खतरे में होगी, तो क्या हम विकास कर पाएंगे। देश के प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 370 हटाकर देश माथे से 70 साल पुराना कलंक मिटाने का काम किया है। अब हरियाणा के लोग भी कश्मीर में जाकर जमीन खरीद सकते हैं।

हरियाणा के कालका में उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। जागरण

हरियाणा में मतदान से दो दिन पहले सीमावर्ती क्षेत्रों में नहीं बिकेगी शराब

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : विधानसभा चुनाव के चलते राजस्थान सरकार ने हरियाणा की सीमा से लगते तीन किलोमीटर क्षेत्र में शराब की बिक्री पर 19 से 21 अक्टूबर तक प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों को मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए सभी दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 21 अक्टूबर को क्लोज डे (वेतन सहित अवकाश) घोषित किया है। चुनाव से 72 घंटे पहले अंतरराज्यीय सीमाओं को सील कर दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने बताया कि मतदान के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा अन्य पड़ोसी राज्यों से भी सीमा से लगते इलाकों में दो दिन के लिए शराब की बिक्री रोकने की गुजारिश की है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में लोकसभा चुनाव की तुलना में चार लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। प्रदेश में 23 अप्रैल 2019 को 18 से 19 वर्ष आयु वर्ग के तीन लाख नए मतदाता थे। अब इनकी संख्या 3.82 लाख हो गई है। महिला मतदाताओं की संख्या में भी 1.7 लाख का इजाफा हुआ है। दिव्यांग मतदाता भी 1.04 लाख से बढ़कर 1.38 लाख हो गए हैं।

हरियाणा को मिलीं अर्धसैनिक बलों की दस और कंपनी : विधानसभा चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा के लिए अर्धसैनिक बलों की दस अतिरिक्त कंपनियां भेजी हैं। इसके साथ ही राज्य में उपलब्ध केंद्रीय सुरक्षा बलों की कुल संख्या 130 हो गई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विधानसभा चुनाव के लिए सीआरपीएफ और एसएसबी की दो-दो, सीआइएसएफ की एक और कर्नाटक एसएपी/आइआरबी की पांच कंपनियों को हरियाणा भेजा है। कुल 130 केंद्रीय कंपनियों में से सोनीपत में दस, रोहतक और फरीदाबाद में नौ-नौ, जींद में आठ, झज्जर, भिवानी, हिसार, सिरसा और नूंह में सात-सात तथा कैथल और पलवल जिले में छह-छह कंपनी की तैनाती की जाएगी।

अलग सुर

कश्मीर को लेकर कांग्रेस के नेताओं के अलग-अलग सुर, आजाद बोले-यह उसी संविधान का एक हिस्सा था, जिसकी कसम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार खाते हैं

370 पर भाजपा के जाल में उलझे कांग्रेसी

सुधीर तंवर, चंडीगढ़

हरियाणा के दिग्गज कांग्रेस नेता हों या फिर जम्मू-कश्मीर में रहते अपने राजनीतिक करियर को उड़ान देने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, सभी अनुच्छेद-370 के जाल में ऐसे उलझ गए हैं कि अब उनके पास कोई जवाब देते नहीं बन रहा। भाजपा बार-बार कांग्रेसियों से जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के अपने फैसले पर जवाब मांग रही है और कांग्रेस नेता हैं कि भाजपा के बुने जाल में गहरे उलझते जा रहे हैं।

चंडीगढ़ में शुक्रवार को कांग्रेस का चुनाव घोषणा पत्र जारी करने पहुंचे हरियाणा के प्रभारी गुलाम नबी आजाद, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस विधायक दल के पूर्व नेता किरण चौधरी के अलग-अलग सुर थे। अनुच्छेद-370 पर हुड्डा और गुलाम नबी आजाद की अलग-अलग राय से जुड़े सवाल पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एक बार तो असहज हो गए, लेकिन बाद में उन्हें अपनी राय जाहिर करनी पड़ी।

गुलाम नबी आजाद बोले कि अनुच्छेद-370 कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे कभी छुआ नहीं गया। यह उसी संविधान का एक पार्ट था जिसकी कसम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार खाते हैं। वर्षों तक संविधान का हिस्सा रहने के बाद अनुच्छेद-370 में बदलाव किया गया और यह परिवर्तन अब कानून बन चुका है। इसलिए कुछ कहना वाजिब नहीं।

गुलाम नबी आजाद की यह बदली राय भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अनुच्छेद-370 पर कांग्रेस का स्टैंड पूछने के बाद सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा शुरू से ही अनुच्छेद-370 हटाने के फैसले की सराहना कर रहे हैं। आजाद के मंच से ही उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 हटाना का फैसला ठीक है। जब उनसे पूछा गया कि क्या आपने अनुच्छेद-370 हटाने का विरोध करने वालों के जेल जाने संबंधी बयान दिया है तो हुड्डा ने एकदम स्थिति साफ कर दी। हुड्डा बोले कि मैंने देश का विरोध करने वालों के लिए, जेल जाने की बात कही थी। किसी भी व्यक्ति के लिए देश से ऊपर कुछ नहीं है।

गुलाम नबी आजाद और भूपेंद्र सिंह हुड्डा की इस राय से इतर कांग्रेस विधायक दल की पूर्व नेता किरण चौधरी को आखिरकार कहना पड़ा कि हमने विधानसभा में अनुच्छेद-370 हटाने के भाजपा सरकार के फैसले पर सहमति का प्रस्ताव दिया था। ऐसे में अब इस मामले को तूल देने का कोई औचित्य नहीं बनता।

▸ अनुच्छेद-370 हटाने के विरोधियों के जेल जाने संबंधी बयान से पलट हुड्डा

हम काम में हीरो, पब्लिसिटी में जीरो

गुलाम नबी आजाद ने केंद्र और हरियाणा में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि हम काम में हीरो हैं और पब्लिसिटी में जीरो। इसके उलट भाजपा काम में जीरो है और पब्लिसिटी में हीरो। भाजपा सरकार का काम टीवी देखकर पता चलता है, जबकि हमारा काम जमीन पर दिखता था। अगर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो फिर से जमीनी स्तर पर हमारा काम दिखेगा।

रोड शो कर कैप्टन करेंगे शक्ति प्रदर्शन, शुरुआत दाखा से

कैलाश नाथ, चंडीगढ़

▸ हरेक चुनावी क्षेत्र में एक दिन बिताएंगे सीएम

▸ प्रचार के अंतिम दिन 19 को रखा है रिजर्व

पंजाब

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह प्रदेश के चार विधानसभा क्षेत्रों में हो रहे उप चुनाव में बड़ी रैली नहीं करेंगे। कैप्टन ने एक बार फिर अपने पुराने हथियार रोड शो को तवज्जो दी है। इसकी शुरुआत दाखा से 15 अक्टूबर को होगी, जहां से मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार कैप्टन संदीप संधू चुनाव लड़ रहे हैं।

डिमांड को देखते हुए प्राथमिक स्तर पर यह योजना बनी थी कि हरेक हलके में मुख्यमंत्री दो-दो दिन लगाएंगे। इसमें एक दिन रैली और नुक्कड़ बैठक और एक दिन रोड शो किया जाएगा, लेकिन अब इसमें बदलाव हो गया है। शुक्रवार को तय हुए कार्यक्रम के अनुसार अब कैप्टन हरेक हलके में रोड शो करेंगे। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 19 अक्टूबर को रिजर्व रखा गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह चुनावी रैली से ज्यादा रोड शो को तवज्जो देते हैं। 2014 का अमृतसर से लड़ा गया लोकसभा चुनाव हो या 2017 का विधानसभा चुनाव। कैप्टन ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रोड शो को ही तवज्जो दी है। कैप्टन ने इसी पैटर्न को उपचुनाव पर भी लागू किया है। मुख्यमंत्री के रोड शो की शुरुआत 15 अक्टूबर को दाखा से होगी। 16,17 व 18 अक्टूबर को कैप्टन फगवाड़ा, मुकेरियां और जलालाबाद में होंगे। भले ही मुख्यमंत्री के लिए चारों विधानसभा हलके महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सबकी निगाहें दाखा विधानसभा सीट पर लगी हुई हैं क्योंकि इस सीट से कैप्टन के करीबी व पूर्व राजनीतिक सलाहकार कैप्टन संदीप संधू कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे हैं। 2012 के विधानसभा चुनाव से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव तक कैप्टन संदीप संधू ने ही कैप्टन के चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी।

वुहान टू मामल्लपुरम

53 अरब डॉलर : चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा। यानी भारत जितनी चीजें चीन को निर्यात करता है, उससे 53 अरब डॉलर कीमत के सामान ज्यादा आयात करता है।

पल्लवों की शिल्प नगरी रहे मामल्लपुरम में

भारत-चीन के प्राचीन संबंधों को नया क्षितिज...

मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का शानदार स्वागत हुआ। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चिनफिंग ने पल्लवों की शिल्प नगरी रहे और यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल मामल्लपुरम के स्मारकों का दीदार किया। इस तरह दोनों देशों के प्राचीन संबंधों को भी नया क्षितिज प्रदान किया गया। सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम का भ्रमण किया था। पल्लव महाबलीपुरम को दूसरी राजधानी की तरह महत्व दिया करते थे। इस शहर से ही चीन में बौद्ध धर्म के विस्तार की शुरुआत हुई थी। यह शहर चीन के कारोबार का एक बड़ा केंद्र था।

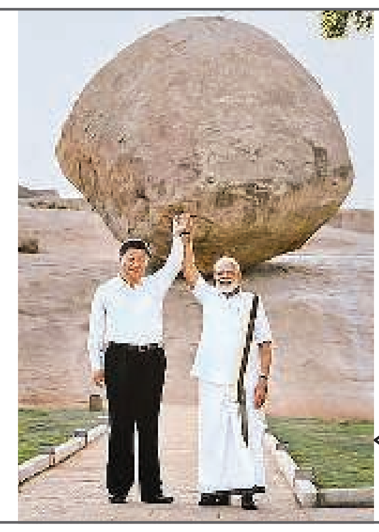

पल्लवकालीन स्थलों के भ्रमण के दौरान मोदी और चिनफिंग के बीच संबंधों की बेहतरीन केमेस्ट्री नजर आई। ● फोटो प्रेट्र/एएनआइ/एएफपी

चिनफिंग ने मोदी के साथ अर्जुन की तपस्या स्थल का भी दीदार किया।

इस दौरान मोदी और चिनफिंग 'शोर मंदिर' यानि समुद्र तट का मंदिर भी पहुंचे। मोदी, चिनफिंग को इन धरोहरों की महत्ता से भी अवगत कराते नजर आए।

मामल्लपुरम के स्मारकों के भ्रमण के दौरान मोदी और चिनफिंग ने नारियल पानी का भी लुत्फ उठाया। चिनफिंग भारतीय धरोहरों का दीदार कर अभिभूत दिखे।

रणनीति ▶ चिनफिंग के साथ मुलाकात में तमिल परिधान वेस्टि और अंगवस्त्रम पहनकर मोदी ने किया अचंभित

मोदी की द्रविड़ राजनीति साधने की भी कोशिश

इसके पहले संयुक्त राष्ट्र में दिए भाषण में शामिल किया था तमिल दोहा

जयप्रकाश रंजन, मामल्लपुरम

विदेशी राष्ट्र प्रमुखों की खास तरीके से मेहमानवाजी करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति की एक अहम खासियत हो गई है। उनके पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल में देखा गया कि वह भारत आने वाले प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों के साथ मुलाकात में किस तरह का 'सरप्राइज पुट' देते हैं। लेकिन मामल्लपुरम में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का उन्होंने जिस अंदाज में स्वागत किया उसके ज्यादा व्यापक मायने निकाले जा रहे हैं।

खास तौर पर जिस तरह उन्होंने पारंपरिक तमिल परिधान वेस्टि, शर्ट और अंगवस्त्रम धारण किया उसे भाजपा की द्रविड़ राजनीति में पैठ बनाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। पीएम इससे पहले भी हैदराबाद, बनारस, अहमदाबाद जैसे शहरों में विदेशी राष्ट्र प्रमुखों का स्वागत कर चुके हैं, लेकिन कभी उन्होंने स्थानीय परिधान को उस तरह से नहीं पहना। माना जा रहा है कि परिधान पसंद करने का फैसला प्रधानमंत्री मोदी का स्वयं का था। धोती और अंगवस्त्रम में वह एक पक्के तमिल की तरह व्यवहार कर रहे थे। 'दैनिक जागरण' ने मामल्लपुरम के कई नागरिकों से इस बारे में बात की और सभी मोदी के इस व्यवहार से प्रसन्न थे। मोदी ने जिस तरह विदेशी मेहमान को इस ऐतिहासिक शहर के स्थलों के बारे में बारीक से बारीक जानकारी उपलब्ध कराई उस पर भी लोगों ने गौर किया है। हाल के दिनों में यह तीसरा मौका है जब मोदी ने तमिलनाडु की जनता को अपने खास अंदाज में लुभाने की कोशिश की है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र के अपने भाषण में उन्होंने तमिल कवि कनियन पुंगुंद्रनार के दोहे को शामिल किया था। हाल ही में जब वह आइआइटी-मद्रास के दीक्षा समारोह में शामिल हुए तो तमिल भाषा की जमकर तारीफ की और इसे दुनिया की प्राचीनतम भाषा बताया। पिछले लोकसभा चुनाव में राजग-अन्नाद्रमुकगठबंधन के सिर्फ एक उम्मीदवार को जीत हासिल हुई थी। 39 लोकसभा सीटों में से 38 पर द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की थी।

तमिलनाडु के मामल्लपुरम में शुक्रवार को डिनर के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग। प्रेट्र

चिनफिंग को परोसा गया पारंपरिक दक्षिण भारतीय भोजन

मामल्लपुरम, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के लिए आयोजित रात्रिभोज में पारंपरिक दक्षिण भारतीय भोजन परोसा गया। इसमें दक्षिण भारतीय भोजन का ट्रेडमार्क माने जाने वाला सांभर भी शामिल है। रात्रिभोज के मेनू में शामिल 'अराचू विट्टा सांभर' को पिसी दाल से तैयार किया गया था। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें कुछ मसालों और नारियल का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा मेनू में टमाटर और इमली से तैयार 'थक्काली रसम' भी शामिल थी। साथ ही कदालई कोरमा भी परोसा गया। रात्रिभोज में मुख्य मिष्ठान के रूप में हलवा शामिल था। चीनी राष्ट्रपति को चुनिंदा मांसाहारी व्यंजन भी परोसे गए।

तमिल गीत से सरकार ने दिया शांति का संदेश

मामल्लपुरम, प्रेट्र : अनौपचारिक वार्ता के लिए चेन्नई पहुंचे चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य के साथ गाए गए तमिल गीत से भारत सरकार ने शांति का संदेश दिया। समुद्र किनारे मंदिर परिसर में कला केंद्र द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भरतनाट्यम और कथकली का प्रदर्शन किया गया। नृत्य के साथ ही शांति और महात्मा गांधी का प्रशस्ति गान करने वाला तमिल गीत भी गाया गया।

तरबूज पर उकेरी मोदी व शी की छवि

थेनी (तमिलनाडु), एएनआइ : तमिलनाडु में विश्व नेताओं के स्वागत के क्रम में थेनी जिले के एक कलाकार ने तरबूज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की छवियों को उकेरा। फलों और सब्जियों पर नक्काशी करने के माहिर एम एलंचेजियन को दोनों राष्ट्राध्यक्षों की छवियों को उकेरने में तीन घंटे लगे। उन्होंने तरबूज पर चीनी भाषा में 'वेलकम टू इंडिया' शब्द को भी उकेरा है।

हेलीकॉप्टर के बजाय अपनी कार से चेन्नई से मामल्लपुरम पहुंचे चीन के राष्ट्रपति

बीजिंग, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी दूसरी अनौपचारिक बैठक के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को चेन्नई से मामल्लपुरम जाने के लिए हेलीकॉप्टर के बजाय अपनी 'हांगकी' लिमोजिन कार का इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री मोदी चेन्नई पहुंचने के बाद चिनफिंग से पहले हेलीकॉप्टर से मामल्लपुरम पहुंच गए थे। लेकिन चिनफिंग ने चेन्नई से मामल्लपुरम तक 57 किलोमीटर की दूरी अपने साथ विशेष तौर पर लाई गई अपनी 'हांगकी' लिमोजिन से तय की। चीनी राष्ट्रपति चेन्नई के ही एक लग्जरी होटल में ठहरे हैं। दरअसल, 'हांगकी' एक लग्जरी चीनी कार है जिसका इस्तेमाल सत्तारूढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के नेता अपने संस्थापक माओत्से तुंग के जमाने से कर रहे हैं। चीनी भाषा में 'हांगकी' का मतलब लाल झंडा होता है। चीनी राष्ट्रपति अगले दौर की वार्ता के लिए अपने दल के साथ शनिवार सुबह भी इसी कार से चेन्नई से मामल्लपुरम पहुंचेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि चीनी नेता नियमों के तहत हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने बताया कि जी-20 जैसी बहुपक्षीय बैठकों के दौरान भी चिनफिंग ने हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल नहीं किया।बता दें कि चिनफिंग इस समय माओ के बाद चीन के सबसे शक्तिशाली नेता हैं। वह सीपीसी और सेना प्रमुख होने के साथ-साथ राष्ट्रपति भी हैं। संभावना है कि वह ताउम्र चीन के राष्ट्रपति बने रहेंगे क्योंकि पिछले साल किए गए संवैधानिक संशोधन के जरिये राष्ट्रपति पद पर अधिकतम दो कार्यकाल का नियम खत्म कर दिया गया है। चिनफिंग ने ही अमेरिकी राष्ट्रपति की तर्ज पर 'हांगकी' के इस्तेमाल का चलन शुरू किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति भी अपने आधिकारिक दौरों पर अपने साथ लाई गई 'द बीस्ट' नामक कार का इस्तेमाल करते हैं। चिनफिंग ने पहली बार 2014 में अपनी न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान चीन निर्मित वाहनों का इस्तेमाल किया था। उस समय चिनफिंग ने दो 'हांगकी एल5' कारों का इस्तेमाल किया था। इस साल अप्रैल में दक्षिणपूर्व एशिया और प्रशांत क्षेत्र की अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान चिनफिंग ने बुलेटप्रूफ हांगकी लिमोजिन का इस्तेमाल किया था। उनके इस कदम को अंतराष्ट्रीय मंच पर चीनी ब्रांड को बढ़ावा देने की कोशिश के तौर पर देखा गया। दरअसल, उन्होंने ही 2012 में सीपीसी कैडर को निर्देश दिया था कि उन्हें चीनी वाहनों के पक्ष में विदेशी वाहनों का परित्याग करना चाहिए। बीजिंग स्थित चाइना फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सू हाओ ने कहा कि चिनफिंग की हालिया विदेश यात्राओं के दौरान 'हांगकी' के चुनाव की वजह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह दिखाना है कि शीर्ष सरकारी आयोजनों के लिए चीनी कारें फिट हैं।

मामल्लपुरम में शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के काफिले की एक कार। एएफपी

पर्सनल केमिस्ट्री से पहले भी बात संभाल चुके हैं दोनों नेता

जयप्रकाश रंजन, मामल्लपुरम

पिछले साढ़े पांच वर्षों में भारत और चीन के रिश्तों में जो चीज लगातार बनी हुई है वह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच होने वाली मुलाकातें। दोनों के बीच इस दौरान तकरीबन दो दर्जन बार मुलाकातें हो चुकी हैं। पिछले तीन महीने के भीतर ही मोदी-चिनफिंग की यह दूसरी द्विपक्षीय मुलाकात है। संभवतः इस साल के अंत तक एक द्विपक्षीय बैठक और होगी। लिहाजा इनके बीच एक ऐसी पर्सनल केमिस्ट्री बन चुकी है जो शायद अभी दुनिया के किसी अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच देखने को नहीं मिलती। इसी कारण कई जानकार मान रहे हैं कि इस बार भी दोनों नेता अपनी केमिस्ट्री और सूझबूझ से रिश्तों की गाड़ी फिर पटरी पर ले आएंगे। ऐसा वे वर्ष 2017 में भी कर चुके हैं जब डोकलाम में भारत और चीन की सेनाएं आमने-सामने आ गई थीं।

दोनों देशों के अधिकारी मानते हैं कि मोदी और चिनफिंग के लगातार सत्ता में बने रहने की वजह से रिश्तों में आने वाली बाधाओं को दूर करने में ज्यादा सहूलियत हुई है। डोकलाम विवाद के दौरान भी दोनों नेताओं के बीच दो बार मुलाकातें हुईं थीं और अंततः शियांग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इनके बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता से ही समाधान निकल सका था। वैश्विक कूटनीति में ऐसा कम देखने को मिला है कि दो देशों के बीच जितनी भिन्नता बढ़ी है उनके शिखर नेताओं ने उसे दूर करने की उतनी ही कोशिश की है। डोकलाम के अलावा पाकिस्तान समर्थित आतंकी मसूद अजहर पर यूएन प्रतिबंध लगाने में सहयोग करना दूसरा बड़ा उदाहरण है।

इस बेहद प्राचीन शहर में मोदी और चिनफिंग की मुलाकात से पहले दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच जबरदस्त कूटनीतिक गतिविधियां जारी रहीं। चीन सरकार से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक राष्ट्रपति चिनफिंग ने अपने कार्यकाल में जिन देशों के साथ रिश्तों को सबसे ज्यादा अहमियत दी है उसमें भारत का नाम सबसे ऊपर आता है। पांच वर्षों में भारत की तीन बार यात्रा करके उन्होंने यह साबित किया है। इस बार भी जब रिश्तों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं तो चिनफिंग 100 अधिकारियों के दल के साथ चेन्नई पहुंच चुके हैं। उसी तरह से मोदी ने भी वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से चिनफिंग के साथ रिश्तों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। शुक्रवार को मामल्लपुरम में भी जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने चिनफिंग के लिए छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा, वह उनके बीच खास रिश्तों को बताता है। मोदी ने चीनी राष्ट्रपति को स्वयं ही नारियल पानी पेश किया। ऐतिहासिक स्थलों की छोटी-छोटी जानकारी और चीन से जुड़े उनके प्रकरण के बारे में बताते रहे, किसी प्रोफेशनल गाइड की मदद नहीं ली गई।

भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी सारे इंतजामों को अंतिम रूप देने के बाद अब दोनों नेताओं और अधिकारियों के बीच शनिवार को होने वाली बातचीत को आकार देने में लगे हैं। शुक्रवार से शनिवार दोपहर तक दोनों नेता एक दूसरे के साथ छह घंटे तक रहेंगे। अधिकारियों के मुताबिक यह अनौपचारिक वार्ता है, लेकिन इस तरह से पूरा रोडमैप तैयार किया गया है कि दोनों नेता हल्की-फुल्की बातों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी सहजता से बात कर सकें। दोनों नेताओं की तरफ से जो भी मुद्दा उचित समझा जाएगा, उसे उठाया जाएगा और बात जारी रखी जाएगी।

शी को अन्नम दीप और तंजावुर की पेंटिंग भेंट देंगे मोदी

मामल्लपुरम, एएनआइ : चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भेंट में नाचियरकोइल और तंजावुर की पेंटिंग देंगे। नाचियरकोइल दरअसल सोने की परत चढ़ा छह फीट लंबा अन्नम दीप है। जबकि तीन फीट लंबी तेंजावुर पेंटिंग में मां सरस्वती को नृत्य की मुद्रा में दर्शाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग की शुक्रवार को हुई दूसरी अनौपचारिक मुलाकात पूरी तरह से तमिलनाडु के रंग में रंगी रही। लिहाजा, मोदी की ओर से दिए जा रहे बेशकीमती तोहफों पर भी इस दक्षिण भारतीय राज्य की पूरी छाप है। तमिलनाडु की परंपराओं और संस्कृति का प्रतीक अन्नम दीप कांस्य का बना है जिसपर सोने की परत चढ़ाई गई है। छह फीट लंबे दीप का वजन 108 किलोग्राम है। इसीतरह से नृत्य करते हुए सरस्वती देवी की नृत्य करती हुई तेंजावुर पेंटिंग तीन फीट ऊंची और चार फीट चौड़ी है। पेटिंग में सरस्वती को वीणा बजाते हुए और नाचते हुए दिखाया गया है।

चिनफिंग के सामने हुआवे, डोकलाम जैसे मुद्दे उठाएं मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को '56 इंच का सीना' दिखाने की चुनौती देते हुए कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने हुआवे, पाकिस्तान के कब्जेवाली गुलाम कश्मीर की जमीन और डोकलाम जैसे मुद्दे उठाकर दिखाएं।

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को ट्वीट करके कहा कि जिस तरह शी चिनफिंग अनुच्छेद 370 पर इमरान खान का समर्थन कर रहे हैं, मामल्लपुरम में मोदी जी उनकी आंखों में आंख डालकर कहें -: 1.) चीन ने ट्रांस काराकोरम की जो 5000 किमी वर्ग की गुलाम कश्मीर की जमीन पर कब्जा किया है, वह खाली करें, 2.) 5जी के लिए भारत में कोई हुआवे नहीं। उन्होंने कहा कि अपनी 56 इंच की छाती दिखाएं। या फिर हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिब्बल ने यह बयान मोदी और चिनफिंग की अनौपचारिक वार्ता के घंटों पहले दिया है।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि के दो मामलों में शुक्रवार को अहमदाबाद स्थित दो अलग-अलग कोर्ट में पेश हुए। दोनों ही मामलों में उन्हें जमानत तो मिल गई, लेकिन हाजिरी माफी मामले में कोर्ट सात दिसंबर को सुनवाई करेगा। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नोटबंदी में एडीसी बैंक में करोड़ों रुपये बदले जाने और चुनावी रैली में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर हत्या का आरोप लगाया था। इससे पहले गुरुवार को राहुल 'सभी मोदी चोर हैं' वाले बयान मामले में सूरत की स्थानीय अदालत में पेश हुए थे। उन्हें इस मामले में भी जमानत मिल गई थी। इसकी अगली सुनवाई 10 दिसंबर को होगी।

एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एनवी मुंशी की कोर्ट में शुक्रवार को अहमदाबाद डिस्ट्रिक को-ऑपरेटिव (एडीसी) बैंक के चेयरमैन अजय पटेल की याचिका पर सुनवाई हुई। बैंक के निदेशक मंडल में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह भी शामिल हैं। सुनवाई के दौरान राहुल के वकील भरत नायक ने उनका बचाव करते हुए कहा कि उन पर लगे आरोप सही नहीं हैं। इस पर एडीसी बैंक के वकील एसवी राजू ने बताया कि नोटबंदी के दौरान बैंक की ओर से एक ही दिन में 750 करोड़ के नोट बदलने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाकर राहुल ने बैंक और इसके निदेशकों की छवि खराब करने का प्रयास किया। हालांकि दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कांग्रेस नेता को जमानत दे दी।

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर हत्या का आरोप लगाने के मामले में राहुल के खिलाफ भाजपा पार्षद इंद्रवदन ब्रम्हभट्ट ने मुकदमा दर्ज कराया था। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट आरबी इतालिया ने उन्हें समन जारी किया था। इस मामले में भी शुक्रवार को कोर्ट ने राहुल को जमानत दे दी। उधर, राहुल ने दोनों मामलों में अर्जी दाखिल कर एक ही दिन केस चलाने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए उन्हें सात दिसंबर को बुलाया गया है। उनकी हाजिरी माफी की अर्जी पर भी उसी दिन सुनवाई होगी।

राहुल गांधी फाइल फोटो

सुरजेवाला के खिलाफ जमानती वारंट

एडीसी बैंक मामले में कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला भी सह आरोपी हैं। हालांकि कोर्ट समन के बावजूद लगातार पेशी में हाजिर नहीं होने पर अदालत ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। सुरजेवाला को अब 18 दिसंबर को हाजिर होकर अपना जवाब पेश करना होगा। हरियाणा में चुनाव के चलते सुरजेवाला नहीं आ सके, लेकिन अब 18 दिसंबर को आकर उन्हें वारंट रद कराना ही होगा नहीं तो उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक सकती है।

महाराष्ट्र के सीएम के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग में आई परेशानी

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग में शुक्रवार को परेशानी का सामना करना पड़ा। वह रायगढ़ जिले में चुनाव प्रचार के लिए गए थे। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच बैठा दी है।

पुलिस ने बताया कि शाम 4:25 बजे फड़नवीस का हेलीकॉप्टर पेन बोरगांव में उतरने वाला था। जमीन पर कीचड़ फैले होने के कारण चालक को थोड़ी असुविधा हुई। स्थानीय समाचार चैनल पर दिखाए गए एक वीडियो में फड़नवीस का हेलीकॉप्टर जमीन को छूता है और फिर वापस उड़ने लगता है। इसके बाद वह सुरक्षित लैंडिंग करता है।

पुलिस ने बताया कि सभा स्थल के पास लोक निर्माण विभाग ने एक अस्थायी हेलीपैड तैयार किया था। हेलीकॉप्टर में फड़नवीस, उनके निजी सहायक, इंजीनियर, को-पायलट व पायलट सवार थे।

मद्रास हाई कोर्ट ने सेबी, ईडी और सीबीआइ को जारी किया नोटिस

चेन्नई, प्रेट्र: नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) से जुड़े करोड़ों रुपये के को-लोकेशन घोटाले में मद्रास हाई कोर्ट ने सेबी, सीबीआइ, ईडी और तीन अन्य एजेंसियों को नोटिस जारी किया है। चेन्नई फाइनेंशियल मार्केट्स एंड अकाउंटबिलिटी (सीएफएमए) द्वारा दायर जनहित याचिका की एवज में कोर्ट ने यह नोटिस जारी किए हैं। को-लोकेशन एनएसई द्वारा कुछ सदस्यों को दी गई एक ऐसी सुविधा थी, जिससे वे स्टॉक एक्सचेंज के ट्रेडिंग सर्वर पर दूसरों की तुलना में तेजी से शेयरों की खरीद और बेच के आर्डर दे सकते थे। यह मामला सबसे पहले 2015 में तब प्रकाश में आया जब एक व्हिसलब्लोअर ने सेबी को पत्र लिखकर यह आरोप लगाया कि एनएसई ने कुछ बड़े ब्रोकर को अपने ट्रेडिंग प्लेटफार्म की विशेष सुविधा प्रदान की है, जिससे अन्य निवेशकों को घाटा हो रहा है।

सीएफएमए ने इस मामले में हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए चल रही जांच में हस्तक्षेप की मांग की है। उसका दावा है कि चार साल पहले हुए इस घोटाले की सीबीआइ द्वारा की जा रही जांच बहुत धीमी गति से चल रही है। सीएफएमए ने हाई कोर्ट में दलील दी कि उसे यह जानकारी हैरानी हुई कि सेबी ने सेबी अधिनियम 2003 के तहत एनएसई और उसके अधिकारियों को दोषमुक्त कर दिया। सीएफएमए ने कहा कि जब एनएसई के शीर्ष अधिकारी पूरी धोखाधड़ी और कुछ निश्चित ट्रेडरों को अनुचित लाभ पहुंचाने में शामिल रहे हैं तो ऐसी स्थिति में आखिर उन्हें कैसे दोषमुक्त किया जा सकता है। सीएफएमए की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति एम सत्यनारायणनन और जस्टिस एन शेषसायी ने एनएसई, सेबी, सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय, फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट को नोटिस जारी कर 11 नवंबर तक जवाब देने को कहा है।

बनगी कार्ययोजना

चीन सीमा से सटे गांवों के विकास की तैयारी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद ने दिए थे कार्ययोजना भेजने के निर्देश, नेलांग घाटी के गांवों का दौरा करेगी पलायन आयोग की टीम

राज्य ब्यूरो, देहरादून

राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर उत्तराखंड के चीन सीमा से सटे गांवों के विकास को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद कसरत में जुट गई है। परिषद के निर्देशों के क्रम में राज्य के ऐसे सीमांत गांवों के लिए कार्ययोजना बनाने के मद्देनजर ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की टीम 14 से 16 अक्टूबर तक उत्तरकाशी की नेलांग घाटी के गांवों का दौरा करेगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद ने अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से सटे देश के गांवों पर ध्यान केंद्रित किया है। इसी कड़ी में उत्तराखंड के चीन सीमा से सटे गांवों को लेकर परिषद अलर्ट मोड में है। उत्तराखंड के चार विकासखंड धारचूला व मुनस्यारी (पिथौरागढ़), जोशीमठ (चमोली) और भटवाड़ी (उत्तरकाशी) चीन सीमा से लगे हैं। बीती 27 सितंबर को दिल्ली में हुई बैठक में परिषद ने उत्तराखंड सरकार को इन विकासखंडों के गांवों के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए थे। इस बैठक में पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी ने पलायन को लेकर प्रस्तुतीकरण दिया था। अब परिषद के निर्देशों के क्रम में पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. नेगी की अगुआई में एक टीम चीन सीमा से सटी उत्तरकाशी जिले की नेलांग घाटी का दौरा करने जा रही है। डॉ. नेगी के अनुसार यह टीम 14 से 16 अक्टूबर तक इस घाटी के गांवों की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही ग्रामीणों से विमर्श भी करेगी। इसके तहत लोगों से विकास और आजीविका से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि चीन सीमा से सटे अन्य गांवों के बारे में भी ब्योरा जुटाया जा रहा है। इसके बाद समग्र कार्ययोजना तैयार कर राज्य सरकार को सौंपी जाएगी। फिर सरकार इसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को भेजेगी। चीन सीमा से सटे गांवों में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही रोजगार सृजन जैसे बिंदु वहां की कार्ययोजना में शामिल किए जाएंगे।

ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग की टीम उत्तरकाशी की नेलांग घाटी के गांवों का दौरा करेगी। फाइल

राष्ट्रीय फुटबॉलर अंजलि बनीं एक दिन के लिए ऑस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त

विकास पांडेय, नई दिल्ली

यूं तो अब तक अंजलि की पहचान एक राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉलर के रूप में थी, लेकिन शुक्रवार को उन्हें भारत में ऑस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त के रूप में एक खास पहचान हासिल हुई। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर शुक्रवार को लखनऊ की राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉलर अंजलि को एक दिन के लिए ऑस्ट्रेलिया का कार्यकारी उच्चायुक्त बनाया गया।

नई दिल्ली स्थित ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में एक खास कार्यक्रम में प्लान इंडिया नामक एनजीओ से संबंध रखने वाली अंजलि ने प्रतीकात्मक रूप से एक दिन के लिए भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त के कामकाज को देखा और समझा। इस मौके पर ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग और दिल्ली स्थित सेक्यून नामक एनजीओ के बच्चों के बीच एक प्रदर्शनी फुटबॉल मैच खेला गया। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त हरिंदर सिद्धू ने कहा कि हम सभी के पास बदलाव लाने की ताकत है और हम लैंगिक समानता को लाने में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, सेक्यून की सह संस्थापक सारा पायलट ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और उन्होंने बच्चियों का हौसला बढ़ाया। सेक्यून की कुछ बच्चियों ने अपने संघर्ष की कहानी को साझा किया और भावुक नजर आईं।

इस मौके पर अंजलि ने कहा कि भारत में लड़कियों पर बहुत ज्यादा बंदिशें होती हैं। उनको ना सिर्फ समाज, बल्कि माता-पिता भी अलग तरीके से देखते हैं। बाल श्रम की वजह से बच्चों की शिक्षा तक प्रभावित होती है और जब उनसे कोई सवाल करता है तो वे जवाब देते हैं कि हमारा बच्चा है, हम उससे चाहे जो भी कराएं। यही वजह है कि बहुत सारे बच्चों के सपने दम तोड़ देते हैं। बाल विवाह को लेकर मुझ पर भी काफी फब्तियां कसी गई हैं। बाल विवाह की वजह से एक नहीं, दो-दो जिंदगी खराब होती हैं। ऐसे में मेरा मानना है कि इस पर रोक लगनी चाहिए। अंजलि का मानना है कि सरकार को लड़कियों के लिए कम से कम स्नातक तक की पढ़ाई मुफ्त कर देनी चाहिए। साथ ही स्कूलों में कोच रखे जाएं, जिनके पास कम से कम दो से तीन खेलों की जानकारी हो।

अंजलि। फाइल फोटो

150 नई ट्रेनों के लिए रूट की तलाश कर रहा है रेलवे। तेजस की सफलता से उत्साहित रेलवे बोर्ड ने प्राइवेट ट्रेनों को लाइसेंस देने के लिए एक सशक्त ग्रुप ऑफ सेक्रेटी (ईजीओएस) भी बना दिया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 12 अक्टूबर 2019

सीमा पर घुसपैठ नाकाम करते समय नायक शहीद, तीन जवान हुए घायल

नापाक करतूत ▶ पाक सेना ने घुसपैठ कराने के लिए कलाल और अखनूर में की भारी गोलाबारी

भारत की जवाबी कार्रवाई में सीमा पार पाकिस्तान में भी नुकसान की सूचना

जेएनएन, जम्मू

जम्मू के कलाल और अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने पाकिस्तानी गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब देते और घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। हालांकि इस दौरान भारतीय सेना का एक नायक शहीद हो गए और तीन जवान घायल हुए हैं। वहीं, भारतीय गोलाबारी मे पाकिस्तान को भी भारी नुकसान होने की सूचना है। देर शाम तक दोनों तरफ से भारी गोलाबारी जारी रही।

नौशहरा के कलाल सेक्टर में शहीद हुए नायक की पहचान 25 वर्षीय सुभाष थापा के रूप में हुई है। वह बंगाल की सिलिगुड़ी तहसील के पानीघाटा गांव के रहने वाले हैं। वहीं, घायल जवानों में सूबेदार प्रेम सिंह, नायक अजय कुमार और राइफलमैन मलकीत सिंह शामिल हैं। हालांकि जवानों के घायल होने की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

गोलाबारी की आड़ में घुसपैठ की कोशिश : जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी सेना ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे गोलाबारी शुरू की, जो आठ बजे तक जारी रही। गोलाबारी की आड़ में पाक सेना आतंकियों के दल को भारतीय क्षेत्र में दाखिल करवाने का प्रयास कर रही थी, जिसे सेना के जवानों ने विफल कर दिया। इस दौरान सेना के नायक सुभाष थापा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत पास के सैन्य अस्पताल ले जाया गया। जहां से उन्हें ऊधमपुर के कमान अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां वह शहीद हो गए। जम्मू के पीआरओ डिफेंस लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि शहीद थापा के परिवार में उनकी मां हैं। थापा आठ साल पहले सेना में भर्ती हुए थे। इधर, जम्मू के अखनूर के केरी बट्टल सेक्टर में पाकिस्तान ने गुरुवार देर रात को भारी गोलाबारी शुरू कर दी। इस दौरान ललयाली इलाके में मोर्टार गिरने से सेना के तीन जवान घायल हो गए। बताया जा रहा है कि दो जवानों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि तीसरे जवान का जम्मू के सैन्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, अखनूर सेक्टर में भी पाकिस्तान ने आतंकियों की घुसपैठ करवाने के लिए भारी गोलाबारी की, जिसे सेना ने नाकाम बना दिया।

सीमा पार 500 आतंकी घुसपैठ के लिए तैयार

राज्य ब्यूरो, जम्मू : गुलाम कश्मीर में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविरों में मौजूद 500 के करीब आतंकवादी नियंत्रण रेखा (एलओसी) से घुसपैठ की ताक में हैं। पाकिस्तान हालात खराब करने की लगातार साजिश रच रहा है पर हमारा घुसपैठ निरोधी तंत्र बहुत मजबूत है। सेना दुश्मन के मंसूबों को नाकाम बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जीओसी इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने दुश्मन के नापाक इरादों की पोल खोलकर रख दी। वह शुक्रवार को जम्मू युनिवर्सिटी के भ्रदवाह कैंपस में संगम यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन करने आए थे।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सहयोग से जम्मू कश्मीर में इस समय 200 से 300 के बीच आतंकवादी सक्रिय हैं। उन्होंने साफ कहा कि संख्या जो भी हो, हम उन्हें खत्म करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। आतंकवादियों के पास इस समय हथियारों की भारी कमी है। यही कारण है कि वे पुलिसकर्मियों से हथियार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। आर्मी कमांडर ने कहा आतंकवादियों तक हथियार पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान की नई साजिश का हिस्सा है। सेना कड़ी सर्तकता से साजिश को नाकाम बनाने के लिए चौकस है। आतंकवादियों को हथियारों की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

अनुच्छेद 370 हटने से हिंसा में कमी आई : रणबीर सिंह

राज्य ब्यूरो, जम्मू : सेना की उत्तरी कमान के जीओसी इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद हिंसा में कमी आई है। भद्रवाह में संगम यूथ फेस्टिवल में आर्मी कमांडर ने कहा कि पांच अगस्त के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद संबंधी मामलों में कमी आई है। कश्मीर में शरारती तत्वों के प्रदर्शनों में भी काफी कमी आई है।

कश्मीर में आज बहाल हो सकती है मोबाइल सेवा

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी पोस्टपेड सेवा की बहाली

▶ पूरी वादी में लैंडलाइन फोन सेवा पहले ही की जा चुकी बहाल

कश्मीर में सुधरते हालात के बीच शनिवार से वादी में मोबाइल सेवा को भी बहाल किया जा सकता है। शुरू में सिर्फ पोस्टपेड सेवा ही बहाल होगी। प्रीपेड व इंटरनेट सेवा फिलहाल बंद रहेगी। पूरी वादी में करीब 66 लाख मोबाइल फोन उपभोक्ता हैं। उनमें से लगभग 40 लाख पोस्टपेड ही इस्तेमाल करते हैं।

राज्य प्रशासन ने वादी में अफवाहों को रोकने के लिए चार अगस्त की मध्यरात्रि को सभी मोबाइल, लैंडलाइन और इंटरनेट सेवा को एहतियातन बंद कर दिया था। वादी में लैंडलाइन सेवा की बहाली की प्रक्रिया 17 अगस्त को शुरू की गई थी। गत चार सितंबर को वादी में लैंडलाइन सेवा को पूरी तरह बहाल कर दिया गया था। घाटी में करीब 50 हजार लैंडलाइन में से सिर्फ 15-16 हजार ही घरेलू उपभोक्ताओं के लिए हैं।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि वादी में मोबाइल सेवा को बहाल करने के लिए बीते एक सप्ताह से विचार किया जा रहा है। व्यापारिक, सामाजिक, राजनीतिक व अन्य संगठनों के अलावा आम लोगों द्वारा मोबाइल सेवा को बहाल करने की लगातार की जा रही मांग को देखते हुए ही यह कदम उठाया जा रहा है। इसके अलावा हालात भी अब लगभग सामान्य हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि संभवतः शनिवार को पोस्टपेड मोबाइल सेवा बहाल हो जाएगी। यह सेवा भी लैंडलाइन की तरह चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी। इसके अलावा संबंधित उपभोक्ताओं के सत्यापन की प्रक्रिया को भी अपनाया जाएगा। कुछ दिनों के बाद प्री-पेड मोबाइल सेवा को शुरू किया जाएगा। इंटरनेट सेवाओं पर रोक हटाए जाने के संदर्भ में उन्होंने किसी तरह की प्रतिक्रिया से बचते हुए कहा कि इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

यहां बताना असंगत नहीं होगा कि दो दिन पहले ही राज्य सरकार ने वादी में पर्यटकों के लिए अगस्त में जारी कई गई ट्रैवल एडवाइजरी को वापस लिया है। इस एडवाइजरी को वापस लेने के बाद पर्यटन जगत से जुड़े स्थानीय लोगों ने वादी में पर्यटकों की आमद की उम्मीद जताते हुए मोबाइल सेवाओं को भी बहाल करने की मांग की थी। पर्यटन जगत से जुड़े लोगों के मुताबिक कश्मीर आने वाले पर्यटक अपने परिजनों से संपर्क बनाए रखने के लिए किसी तरह की दिक्कत महसूस न करें, इसलिए मोबाइल सेवा की बहाली जरूरी है। मौजूदा समय में कश्मीर में बीएसएनएल के 80 हजार पोस्टपेड उपभोक्ता हैं। इनमें से उच्च प्रशासनिक अधिकारियों व सुरक्षाबलों के अधिकारियों करीब छह हजार मोबाइल चल रहे हैं।

भारत ने पाक से एलओसी पर नागरिकों को निशाना बनाने का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत ने पाकिस्तान के सामने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम के दौरान नागरिकों को निशाना बनाने का मुद्दा उठाया है। अनुच्छेद 370 समाप्त किए जाने के बाद संघर्ष विराम उल्लंघन की घटनाओं में तेजी आई है। सेना के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सेना ने एक अक्टूबर को सैन्य संचालन महानिदेशक के नेतृत्व में पाकिस्तानी समकक्ष के साथ हुई वार्ता में यह मुद्दा उठाया। पिछले महीने सेना ने पुंछ जिले में गोलीबारी के बीच स्कूली छात्रों को बचाया था। जुलाई में संघर्ष विराम उल्लंघन की 296, अगस्त में 307 और सितंबर में 292 घटनाएं हुईं। सितंबर में 61 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई जिसमें मोर्टार और बड़े हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

जुलाई 2018 में सेना ने संघर्ष विराम की 13 घटनाएं दर्ज की थीं। इसके बाद अगस्त में 44 और सितंबर में 102 घटनाएं हुई थी। 2017 में जुलाई में संघर्ष विराम की 68, अगस्त में 108 और सितंबर में 101 घटनाएं दर्ज की गई।

इस साल सितंबर में ऐसी 292 घटनाएं हुई। उत्तरी पीर पंजाल में 42 क्रास बार्डर फायरिंग हुई जबकि शेष माउंटेन रेंज के दक्षिण में हुई। पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्ते में बहुत ज्यादा तनाव पैदा हो गया है। जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया है। सेना के सूत्रों ने कहा कि इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान आतंकी घुसपैठ की मात्र 24 घटनाएं हुई।

हिरासत में नेताओं से हफ्ते में सिर्फ दो दिन मिलने की अनुमति

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : पूरक जेल में बदले गए संटूर होटल में बंद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं से अब हर कोई और जब चाहे नहीं मिल सकेगा। न ही उनके लिए कोई उपहार लेकर जा सकेगा। इन नेताओं से अब सप्ताह में सिर्फ दो ही दिन बुधवार और शनिवार को मुलाकात का समय मिलेगा। वह भी सुबह दस से दोपहर दो बजे तक। पहले किसी भी दिन, किसी भी समय संटूर में बंद नेताओं से मिलने उनके जानने वाले आ सकते थे। होटल में बंद नेताओं से बीते दो माह के दौरान करीब 23 हजार लोग मिलने आ चुके हैं।

पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्यों में पुनर्गठित करने के फैसले के मद्देनजर उपजी स्थिति के बाद राज्य प्रशासन ने एहतियात के तौर पर घाटी में राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इनमें से 56 लोगों को शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कनवेंशन सेंटर परिसर में स्थित संटूर होटल में रखा गया। अब 33 राजनीतिक नेता ही संटूर में रह गए हैं। 56 लोगों में से तीन को अगले ही दिन उनके घरों में नजरबंद किया गया था, जबकि आठ को राज्य के बाहर की जेलों में भेजा गया या राज्य के भीतर अन्य जगहों पर स्थानांतरित किया गया। इसके अलावा 12 अन्य को बीते एक माह के दौरान इसी पूरक जेल से रिहा किया गया है।

ये प्रमुख नेता हैं संटूर में बंद : संबंधित अधिकारियों ने बताया कि संटूर पूरक जेल में इस समय पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन व उनके सहयोगी अब्बास वानी, पीडीएफ के चेयरमैन हकीम मोहम्मद यासीन, नेशनल कांफ्रेंस के मुबारक गुल, अली मोहम्मद सागर और सलमान सागर, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के नईम अख्तर, वहीदुर्रहमान पारा और सरताज मदनी के नाम उल्लेखनीय हैं।

लॉबी में करनी होगी बात

संटूर पूरक जेल में बंद लोगों के लिए सिर्फ कॉमन हॉल में ही टीवी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उनसे मिलने वाले अब खाना लेकर नहीं आ सकते। वह उनके लिए कोई उपहार भी नहीं ला सकते। अगर किसी बंद नेता को कपड़े बदलने हैं तो कपड़े लाने की अनुमति होगी। इसके अलावा अपने मिलने वाले को लेकर कमरे में नहीं जा सकेंगे। उन्हें लाबी में ही बात करनी होगी।

कश्मीर में पोस्टर वॉर, आतंक का जवाब खुशहाली

नवीन नवाज, श्रीनगर

कश्मीर में इन दिनों पोस्टर वॉर चल रही है। अनुच्छेद 370 हटने से हताश आतंकी व अलगाववादी लोगों, दुकानदारों और व्यापारियों को धमकाने के लिए पोस्टर जारी कर रहे हैं। वहीं, राज्य प्रशासन भी इन धमकी भरे पोस्टरों का जवाब पोस्टर से ही दे रहा है। दरअसल, सरकारी पोस्टर विज्ञापनों की शक्ल में स्थानीय अखबारों में प्रकाशित किए जा रहे हैं। इन विज्ञापनों के जरिए राज्य प्रशासन लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना पैदा करने का प्रयास करते हुए उन्हें उनके सुखद भविष्य व खुशहाली के लिए अपनी सामान्य दिनचर्या को पूरी तरह बहाल करने के लिए कह रहा है।

प्रशासन द्वारा घाटी से प्रकाशित होने वाले विभिन्न समाचार पत्रों में छपवाए जा रहे विज्ञापनों में लोगों से कहा गया है कि वह आतंकियों से न डरें। विज्ञापन में लिखा गया है, क्या हम आतंकियों से डर गए हैं? बीते 70 साल से जम्मू कश्मीर के लोगों को गुमराह किया गया है। उन्हें एक सुनियोजित दुष्प्रचार का शिकार बनाते हुए कभी न खत्म होने वाले आतंकवाद, हिंसा, तबाही और गरीबी के दुष्चक्र में फंसाया गया। इन विज्ञापनों में कहा गया है कि आतंकियों की धमकियों, जबरदस्ती और दुष्प्रचार के जरिए लोगों को मुख्यधारा से दूर रखा गया।

विज्ञापनों का हो रहा असर, आ रहे पर्यटक

पर्यटकों को लेकर जारी एडवाइजरी वापस लेने के बाद डल झील में पर्यटक दिखने लगे हैं। प्रेट्र

प्रशासन के विज्ञापनों का असर भी देखने को मिल रहा है। श्रीनगर में कई बाजार खुल रहे हैं। सड़कों पर यातायात भी बढ़ गया है, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। स्कूल-कॉलेज सहित सभी शिक्षण संस्थान खुल चुके हैं। सरकारी कार्यालयों में कर्मचारी आ रहे हैं और सुचारू रूप से कामकाज चल रहा है। प्रशासन ने पर्यटकों के लिए कश्मीर छोड़ने की एडवाइजरी भी वापस ले ली है। श्रीनगर में डल झील के आसपास पर्यटक दिखने लगे हैं। लैंड लाइन फोन पहले ही पूरी वादी में बहाल किए जा चुके हैं, अब मोबाइल शुरू करने की तैयारी है।

नेपाल से टेरर फंडिंग मामले में लखीमपुर खीरी से चार गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▶ नेपाल में भी पकड़े गए हैं दो आरोपित, एटीएस खंगाल रही नेटवर्क

उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में आतंकवाद की जड़ें मजबूत करने के लिए नेपाल के जरिये बड़े पैमाने पर टेरर फंडिंग हो रही थी। पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में लिप्त ऐसे चार युवकों को लखीमपुर खीरी से गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 4.75 लाख भारतीय रुपये व 1.35 लाख नेपाली रुपये बरामद हुए हैं। डीजीपी ओपी सिंह का कहना है कि इस प्रकरण की जांच आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को सौंपी गई है। नेपाल में बीते दिनों 49 लाख रुपये के बैंक फ्राड की घटना के तार भी टेरर फंडिंग के इस गिरोह से जुड़े हैं। लखीमपुर पुलिस ने नेपाल से अवैध ढंग से लाखों रुपये मंगाकर आतंकियों तक पहुंचाने वाले गिरोह के सक्रिय सदस्य लखीमपुर निवासी उम्मेद अली, संजय अग्रवाल, एराज अली व बरेली निवासी समीर सलमानी उर्फ सोनू को गुरुवार देर शाम गिरफ्तार किया। शुरुआती पूछताछ में चारों ने बताया कि वे लखीमपुर के मुमताज, बरेली के फहीम, सिराजुद्दीन व सदाकत अली के लिए कमीशन पर बतौर एजेंट काम करते हैं। नेपाल के बैंकों में कई देशों से मोटी रकम जमा कराई जाती थी, जिसे संबंधित खाता धारक को पांच प्रतिशत कमीशन देकर शेष रकम से टेरर फंडिंग की जाती थी।

डीजीपी ने बताया कि उम्मेद, संजय, समीर व एराज नेपाली मुद्रा को लेकर आते थे और भारत की सीमा पर कमीशन देकर नेपाली मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बदला जाता था। इसमें संजय की मुख्य भूमिका होती थी। आरोपित मुद्रा बदलने के बाद उसे बरेली निवासी फईम व सदाकत को पहुंचाते थे। फईम व सदाकत रकम को दिल्ली में बैठे अपने आका को पहुंचाते थे, जहां से रकम देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त युवकों तक पहुंचाई जाती थी।

नेपाल के बैंक में लाखों का खेल : डीजीपी का कहना है कि राष्ट्र बैंक नेपाल, जनकपुर की वेबसाइट को को हैक कर 49 लाख रुपये नेपाल के कृषि विकास बैंक, भजनी में ट्रांसफर किये गए थे। यह रकम नेपाल निवासी विजय सिंह मधेसी व चंद्र बुड्ढा के खातों में ट्रांसफर की गई थी, जिन्हें नेपाल पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों ने पूछताछ में मुमताज का नाम लिया था।

गोरखपुर में डिप्टी जेलर पर हमला, जेल में तोड़फोड़, पथराव

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर जेल में निरुद्ध बंदियों ने शुक्रवार को बैरक खुलते ही हंगामा कर दिया। डिप्टी जेलर और बंदीरक्षकों पर हमला करने के बाद जेलर से हाथापाई भी की। बैरकों के सीसी कैमरे, साउंड सिस्टम तोड़ डाले। रसोईघर के पास आग लगा दी। इतना ही नहीं, बवाल की सूचना पर पहुंचे पुलिस और पीएसी के जवानों पर पथराव भी किया। उत्पात मचा रहे बंदी खाने की गुणवत्ता खराब होने और एक पुलिस अफसर पर जेल में आकर बंदी की पिटाई करने का आरोप लगा रहे थे।

शुक्रवार सुबह जेलर प्रभाकांत पांडेय बंदीरक्षकों के साथ जेल की बैरक खुलवा रहे थे, तभी बैरक नंबर 10 के बंदियों ने उन पर हमला कर दिया। उनका कहना था कि बीती रात एक पुलिस अफसर ने जेल में साथी बंदी की पिटाई की और घायल होने पर उसका उपचार भी नहीं कराया गया। खबर पाकर जेलर प्रेम सागर शुक्ल पहुंचे तो बंदियों ने उनसे भी हाथापाई की। पथराव कर रसोई घर के पास आग लगा दी। फायर ब्रिगेड ने इस पर काबू पाया। एडीएम सिटी, एसपी सिटी व सिटी मजिस्ट्रेट सुबह आठ बजे बंदियों से बात करने जेल के भीतर गए। ढाई घंटे बाद बंदी शांत हुए।

22 तक बताएं लद्दाख जाएंगे या जम्मू कश्मीर में रहेंगे

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

▶ राज्य प्रशासन ने सभी राज्य सेवा कर्मियों से पूछी उनकी इच्छा

▶ सेवाओं में कमी से निपटने के लिए दूसरे राज्य में की जा सकती है नियुक्त

जम्मू कश्मीर और लद्दाख को पुनर्गठित करने की प्रक्रिया को गति देते हुए राज्य प्रशासन ने शुक्रवार को राज्य सेवा कर्मियों को दोनों केंद्र शासित राज्यों में बांटने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। राज्य प्रशासन ने सभी सेवा कर्मियों को अपनी इच्छा के मुताबिक दोनों में से किसी एक केंद्र शासित राज्य की सेवा में शामिल होने का विकल्प पूछा है। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को 22 अक्टूबर तक जम्मू कश्मीर या लद्दाख में से किसी एक में अपनी सेवाएं देने के विकल्प और प्राथमिकता संबंधी आवदेन दाखिल करने को कहा है। जम्मू कश्मीर में करीब पांच लाख सरकार कर्मी हैं। इनमें से कइयों की नियुक्ति राज्य स्तर, डिवीजन स्तर और जिला स्तर पर हुई है। सरकार का सर्कुलर राज्य सेवा कर्मियों के लिए है।

राज्य महाप्रशासनिक विभाग ने शुक्रवार को एक सर्कुलर जारी कर सभी प्रशासकीय सचिवों का ध्यान जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम की धारा 89 की उपधारा दो की तरफ दिलाया है। इसके मुताबिक केंद्र शासित जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गर्वनर एक सामान्य या विशेष आदेश के जरिए प्रस्तावित केंद्र शासित राज्य के लिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मी की सेवाएं आवंटित करेंगे। इसके लिए वह संबंधित अधिकारी और कर्मी द्वारा बताई गई अपनी प्राथमिकता पर भी विचार करेंगे।

सरकार जहां चाहे अधिकारी और कर्मी को कर सकती है नियुक्त : सर्कुलर में कहा गया है कि बनने जा रहे दो केंद्र शासित राज्यों में से किसी एक में सेवा देने की संबंधित सरकारी अधिकारी द्वारा जताई गई इच्छा को ध्यान में रखते हुए उसे संबंधित केंद्र शासित राज्य में नियुक्त किया जाए, यह जरूरी नहीं है। राज्य सरकार अपनी इच्छा के मुताबिक, उसे किसी एक में नियुक्त कर सकती है। जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेशों में तब्दील करने के लिए 31 अक्टूबर को सभी प्रशासनिक सचिव श्रीनगर सचिवालय में उपलब्ध रहेंगे।

ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में इकबाल मिर्ची के गुर्गों को किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसियां : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़ा गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के करीबी इकबाल मिर्ची के दो गुर्गों हारुन अलीम यूसुफ और रंजीत सिंह बिंद्रा को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने यह कार्रवाई 225 करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग मामले में की।

एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस ने मिर्ची व अन्य के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इस आधार पर ईडी ने यूसुफ व बिंद्रा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। वर्ष 2004 में ब्रिटेन की नागरिकता लेने के बाद मिर्ची ने कई अवैध डील को अंजाम दिया। वर्ष 2013 में वहीं उसकी मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि सितंबर 1986 में मिर्ची ने एक ट्रस्ट की तीन संपत्तियां खरीदीं। इनमें वरली स्थित सी व्यू, मरियम लॉज व रबिना मेंशन शामिल हैं। उसने ये संपत्तियां अपनी कंपनी रॉकसाइड एंटरप्राइजेज के नाम से 6.5 लाख रुपये में खरीदी थीं। ईडी इसकी जांच कर रही है। आरोप है कि मिर्ची, यूसुफ और बिंद्रा ने मनी लांड्रिंग के जरिये इन संपत्तियों का हस्तांतरण कराया। बिंद्रा ने सनब्लिंक रियल एस्टेट की तरफ से मिर्ची से सौदेबाजी की और इसके बदले उसे 30 करोड़ मिले थे।

पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट को मिला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को मजबूत करने में अथक योगदान के लिए मशहूर पर्यावरणविद चंडी प्रसाद भट्ट को वर्ष 2017-18 का इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। गांधीवादी दर्शन के अनुयायी चंडी प्रसाद उत्तराखंड में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने की लड़ाई के चर्चित चेहरे रहे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रसिद्ध इतिहासकार कपिला वात्सयान समेत इस पुरस्कार की चयन समिति ने सर्वसम्मति से चंडी प्रसाद भट्ट को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय एकता पुरस्कार देने के लिए चुना।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में इस पुरस्कार की स्थापना की थी। इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि 31 अक्टूबर के दिन भट्ट को इस पुरस्कार से नवाजा जाएगा। पुरस्कार के तहत प्रशस्ति-पत्र और 10 लाख रुपये की नगद राशि प्रदान की जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, डॉ. शंकरदयाल शर्मा, एमएस सुब्बुलक्ष्मी, अरुणा आसफ अली, मोहन धारिया, गुलजार, एमएस स्वामीनाथन, महाश्वेता देवी, गुलजार, एआर रहमान से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी समेत कई बड़ी हस्तियों और संस्थाओं को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

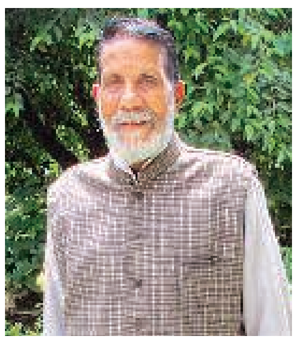

चंडी प्रसाद भट्ट। फाइल

भट्ट को मिले सम्मान व पुरस्कार

वर्ष 1982 में मैग्सेसे पुरस्कार
वर्ष 1983 में अमेरिका का अरकांसस ट्रैवलर्स सम्मान
वर्ष 1986 में पद्मश्री सम्मान
वर्ष 1987 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम में ग्लोबल 500 सम्मान
वर्ष 1999 में शिरडी साईं बाबा पुरस्कार
वर्ष 2005 में पद्मभूषण सम्मान
वर्ष 2010 में रियल हीरोज लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड
वर्ष 2014 में गांधी शांति पुरस्कार

कौन हैं चंडी प्रसाद भट्ट

उत्तराखंड के चमोली जिले के गोपेश्वर गांव में 23 जून 1934 को जन्मे चंडी प्रसाद भट्ट ने कुछ समय तक एक स्कूल में शिक्षक की नौकरी और उसके बाद एक परिवहन कंपनी में बुकिंग क्लर्क भी रहे। 1956 में बदरीनाथ की यात्रा पर आए जयप्रकाश नारायण से उनकी मुलाकात हुई थी। उनसे प्रभावित भट्ट ने वर्ष 1960 में नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और सर्वोदय आंदोलन में कूद पड़े।

महायज्ञ

बिड़ला मंदिर में चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने व्यक्त किए विचार

'विश्व के कल्याण के लिए वेदों का प्रकाश फिर फैलाना होगा'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि विश्व के कल्याण के लिए हमें वेदों का प्रकाश फिर से फैलाना होगा। इतने दिनों की विस्मृति से इसमें जो भ्रम और विकृति आई है, उसे भी निकालना होगा। आज का विज्ञान सवाल करेगा तो वैज्ञानिक कसौटी पर वेदों को सिद्ध भी करना पड़ेगा। ऐसा हो सकता है, ऐसा हम कर भी रहे हैं। यह केवल आचार्यों या संतों का नहीं बल्कि पूरे समाज का काम है। जिनके पास ज्ञान है, वह ज्ञान का उपयोग करें। जिनके पास बल है वह बल का और जिनके पास धन है, वह धन का उपयोग करें।

मोहन भागवत बिड़ला मंदिर में चल रहे चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ में शुक्रवार को बतौर यजमान उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के भौतिक ज्ञान को संभालने के लिए आंतरिक ज्ञान चाहिए, जिसके अभाव में युद्ध हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक समस्याएं खड़ी हो रही हैं। इसे दूर करना होगा। हमारे पूर्वजों ने परिश्रमपूर्वक जो ज्ञान हमें दिया है और जिसके चलते हम 3000 वर्ष तक विश्व गुरु रहे, उसे ज्ञान को फिर से पूरे विश्व में ले जाने की जरूरत है।

श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर) परिसर में चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ में पूजन करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत साथ विहिप के प्रबंध समिति के सदस्य दिनेश चंद्र। संजय

उन्होंने कहा कि समाज को जोड़ने का काम धर्म का है और धर्म का मूल वेद है। आज लोग इसे विज्ञान की कसौटी पर कसेंगे। विज्ञान जो दिखता है, महसूस होता है उसे मानता है। वह सिद्ध होने पर चलता है। वह प्रमाण मांगता है। उसमें भी सवाल होते हैं, कुछ जानने की इच्छा होती है, जिससे आविष्कार होता है। पर विज्ञान में यह अब भी अनसुलझा है कि आत्मा क्या है। शरीर क्षण भर में निर्जीव कैसे बन जाता है? तर्कशक्ति से आगे इसका जवाब वेद से मिलेगा। वेद बाहरी और आंतरिक ज्ञान दोनों का समन्वय है। वेद, विज्ञान के विरुद्ध नहीं है। इसलिए झगड़े का कोई कारण नहीं है। हमारे यहां दोनों के ज्ञान की परंपरा रही है। मोहन भागवत ने यज्ञ में भी भाग लिया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री प्रताप सारंगी, सुधांशु महाराज, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क प्रमुख रामलाल, विहिप के प्रबंध समिति के सदस्य व संरक्षक दिनेश चंद, कार्याध्यक्ष आलोक कुमार, दिल्ली के कार्याध्यक्ष वागीश ईसर, काफी संख्या में साधु-संत और देशभर से जुटे प्रबुद्ध व आम लोग उपस्थित रहे।

14 तक चलेगा महायज्ञ : विश्व हिंदू परिषद (विहिप), अशोक सिंघल फाउंडेशन व झंडेवालान मंदिर के सहयोग से चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ 9 अक्टूबर से शुरू हुआ है। महायज्ञ 14 अक्टूबर तक चलेगा।

किसानों, नौजवानों और वंचितों की आवाज बनेगी कांग्रेस : लल्लू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि यूपी में कांग्रेस किसानों, नौजवानों, शोषितों व वंचितों की आवाज बनेगी। हमारे सामने अनेक चुनौतियां हैं लेकिन वरिष्ठों का आशीर्वाद व नौजवानों का साथ मिला तो 2022 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि जरूरत पड़ी तो कार्यकर्ताओं व जनता के हक के लिए वह शरीर में रक्त का एक-एक कतरा बहा देंगे। लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पदभार संभालने के बाद 35 मिनट के भाषण में लल्लू ने कार्यकर्ताओं में भरोसा व विश्वास जगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यूपी में बहुत सी चुनौतियां हैं। खराब कानून व्यवस्था, गन्ना व आलू किसानों की दुर्दशा के साथ ही बुंदेलखंड का सूखा। इन सबसे निपटने का आज संकल्प लेना होगा।

32 मुकदमे हैं, 18 बार जेल गया : लल्लू ने कहा कि राजनीति में मुकदमें गहना होते हैं।

अजय कुमार लल्लू। फाइल

मेरे ऊपर 32 मुकदमें हैं और 18 बार जेल गया। मुझे खुशी है कि मैं किसी आपराधिक मामले में नहीं बल्कि गरीबों, मजदूरों व किसानों की समस्याओं को लेकर जेल गया। लल्लू ने सोनिया, राहुल व प्रियंका गांधी का धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने एक साधारण कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष बनने का मौका दिया। पिता जी कर्जदार थे, लोग दरवाजे पर आकर गाली देते थे। पढ़ाई व जीवनयापन के लिए नमक, खाद व पटाखे बेचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा अगर हिम्मत व जूझने की क्षमता है तो कोई भी ऐसी मंजिल नहीं है जहां आप नहीं पहुंच सकते हैं।

बंगाल ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस ने कहा, नहीं है राजनीतिक साजिश

नहीं हुआ पर्दाफाश ▸ हत्याकांड के चार दिन बाद भी अंधेरे में हाथ-पैर मार रही है पुलिस

शिक्षक समेत उसकी गर्भवती पत्नी और बेटे की कर दी गई थी हत्या

जागरण संवाददाता, मुर्शिदाबाद

बंगाल के जियागंज में तिहरे हत्याकांड के चार दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस मामले के पर्दाफाश को लेकर किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। बल्कि यह संकेत दिया है कि हत्याकांड के पीछे राजनीतिक तालमेल नहीं है। पुलिस का अनुमान है कि जमीन विवाद में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। हालांकि घटनास्थल से मिले एक नोट में शिक्षक दंपती के बीच विवाद भी सामने आया है। हालांकि पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, सीआइडी से इस हत्याकांड की जांच से जुड़ने के लिए कहा गया है। उधर, आरएसएस द्वारा शिक्षक को अपना कार्यकर्ता बताए जाने के बाद से बंगाल का राजनीतिक माहौल गर्म हो उठा है।

बता दें कि बीते 8 अक्टूबर यानी विजयादशमी के दिन जियागंज-अजीमगंज नगर पालिका के वार्ड 16 अंतर्गत कनाईगंज के लेबूबागान निवासी प्राथमिक शिक्षक बंधु प्रकाश पाल, उनकी गर्भवती पत्नी ब्यूटी मंडल और आठ वर्षीय बेटे बंधु अंगन पाल के शव घर में पड़े मिले थे। किसी धारदार हथियार से तीनों की हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के पीछे कोई जमीन विवाद तो कोई राजनीतिक रंजिश बता रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से एक नोट भी बरामद किया था, जिसमें शिक्षक दंपती का विवाद सामने आया। पुलिस का अनुमान है कि नोट को शिक्षक की पत्नी ब्यूटी ने लिखा है। हत्याकांड को लेकर ऊहापोह की स्थिति के बीच घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचे पुलिस अधीक्षक मुकेश ने स्पष्ट किया कि तिहरे हत्याकांड के पीछे राजनीतिक संबंध नहीं बल्कि पारिवारिक विवाद है। संभव है कि जमीन विवाद को लेकर ही हत्या की गई होगी। उन्होंने कहा कि विशेष जांच टीम हत्याकांड की जांच कर रही है। घटना के पीछे किसी परिचित का हाथ हो सकता है। पुलिस के हाथ लगे सभी सबूतों की जांच की जा रही है। उधर, मृतक शिक्षक को आरएसएस कार्यकर्ता बताए जाने के बाद से भाजपा समेत विरोधी पार्टियों ने सत्ताधारी पार्टी पर हमला तेज कर दिया है।

बंगाल में लागू हो राष्ट्रपति शासन : अधीर

जागरण संवाददाता, कोलकाता

अधीर रंजन चौधरी। फाइल

बंगाल में सियासी हिंसा को लेकर पिछले दो दिनों से राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग की है। लोकसभा में कांग्रेस के नेता व मुर्शिदाबाद से सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि अगर इस तरह की स्थिति है और केंद्र चाहता है तो राष्ट्रपति शासन लगा सकता है। बंगाल में आरएसएस कार्यकर्ता की परिवार समेत हत्या के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता को गोली मारने का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ता ने उस पर हमला किया है। अधीर रंजन चौधरी ने आगे यह भी कहा कि राज्य में भाजपा राष्ट्रपति शासन लगाने की बात करती है, लेकिन दिल्ली में दोनों भाजपा-तृणमूल में मित्रता साफ दिखती है।

तृणमूल पर गोली मारने का आरोप : बंगाल में आरएसएस कार्यकर्ता की परिवार समेत हत्या के बाद एक भाजपा कार्यकर्ता को गोली मारने की घटना सामने आई है। महानगर से सटे दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में भाजपा कार्यकर्ता रामप्रसाद मंडल को उनके घर के बाहर गोली मारी गई थी। आरोप है कि स्थानीय तृणमूल कार्यकर्ता ने रामप्रसाद पर हमला किया और उन्हें घायल छोड़ कर फरार हो गया। भाजपा जिला अध्यक्ष सुनिप दास हमले को दुर्भाग्यजनक बताया।

वहीं तृणमूल के स्थानीय नेता श्यामसुंदर चक्रवर्ती ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी समर्थक या कार्यकर्ता घटना में शामिल नहीं है।

दुर्गा पूजा कार्निवल अराजक स्थिति से ध्यान हटाने का प्रयास : भाजपा

जागरण संवाददाता, कोलकाता : बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने दुर्गा पूजा कार्निवल के आयोजन को 'लोकतंत्र का मजाक' बताया। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निंदा की। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि दुर्गापूजा कार्निवल राज्य की अराजक स्थिति से ध्यान हटाने का प्रयास है। राज्यभर में अभी तक भाजपा के कई कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा, दुर्गापूजा के दौरान मुर्शिदाबाद में तिहरे हत्याकांड को छोड़कर भाजपा के पांच कार्यकर्ता मारे गए हैं। यह घटना राज्य की मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार की एक्सपायरी डेट हो चुकी है। घोष ने कहा, जहां कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है वहीं कार्निवल का आयोजन किया जाना लोकतंत्र का मखौल उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है। बता दें कि घोष का यह बयान तब आया है जब भाजपा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में अवगत कराने के लिए समय मांगा है।

भाजपा नेता मुकुल राय ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर भाजपा और आरएसएस कार्यकर्ताओं की हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि पिछले दो दिनों में 8 भाजपा व आरएसएस कार्यकर्ता मारे गए हैं। भाजपा ने बंगाल में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से चरमराने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से समय मांगा है।

तलाक और पति की मौत के बाद घरेलू हिंसा का केस करना कानून का दुरुपयोग : हाई कोर्ट

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़

पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट। फाइल

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में साफ कर दिया कि पति की मौत के बाद उसके परिजनों पर घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाना कानून का दुरूपयोग करने जैसा है। इस मामले में एक महिला ने हाई कोर्ट में केस दायर किया था। महिला अपने पति से कई साल से अलग रह रही थी। उसका पति से तलाक भी हो चुका था। उसने हाई कोर्ट में केस दायर कर पति के परिजनों के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत की थी। हाई कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले कानून के दुरूपयोग का एक उदाहरण हैं।

इस मामले में पत्नी ने अपनी याचिका में कहा था कि वह जम्मू की रहने वाली है। उसने अंबाला के एक व्यक्ति से मंदिर में विवाह किया था। 1995 में उनका विवाह हुआ था, लेकिन दो साल से पहले ही दोनों में मतभेद हो गया और वह अपने घर जम्मू आ गई। इसके बाद उसके पति ने उसके खिलाफ तलाक का केस दाखिल कर दिया, जिसमें एक्स पार्टी ऑर्डर के तहत तलाक को 2001 में मंजूरी मिल गई। हालांकि, उसके पति ने 2003 में साथ में रहने की सहमति जताई थी। इसके बाद 2005 में एक और याचिका दाखिल कर तलाक दिए जाने की मांग की जो खारिज हो गई। इसके बाद 2010 में पति की मौत हो गई और पति के भाईयों के नाम याची की सारी प्रापर्टी और बिजनेस हो गया। इसके खिलाफ याची ने गुजारा भत्ता दिए जाने के लिए अंबाला जेएमआईसी के पास अर्जी दी जिसे मंजूर कर उसे गुजारा भत्ता देने के आदेश जारी किए गए थे, जिसे सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि जब 2001 में दी गई तलाक की डिक्री को अवैध ही करार नहीं दिया गया तो वह अभी भी वैध है। साथ ही हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई प्रमाण नहीं दिया गया जिससे यह साबित होता हो कि याची पति के साथ उनके भाइयों के साझा घर में लंबे समय के लिए रही है।

ऐसे में याची के पति के भाई उसको गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य नहीं है। हालांकि, हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पति की मौत हो चुकी है तो भी तलाक के आदेश को चुनौती दी जा सकती है। हाई कोर्ट ने माना कि इस मामले में पत्नी ने पति की मौत के बाद ससुराल पक्ष पर घरेलू हिंसा का मामला भी दर्ज करवाया जो कानून के दुरुपयोग का नमूना है।

भिंड में पीएम मोदी व अमित शाह के साथ लगाया ज्योतिरादित्य सिंधिया का पोस्टर

नईदुनिया, भिंड

▸ अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन करने पर कांग्रेस नेता की तारीफ

▸ शोभा ओझा बोलीं, सिंधिया पार्टी के अभिन्न अंग हैं और रहेंगे

भिंड में सिंधिया के दौरे के दौरान शहर में लगा पोस्टर। नईदुनिया

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया का मध्य प्रदेश के भिंड में लगा एक पोस्टर चर्चा में है। गुरुवार को यहां पहुंचे सिंधिया के स्वागत में लगे पोस्टर में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार का समर्थन करने के लिए उनकी तारीफ की गई है।

यह पोस्टर भाजपा कार्यकर्ता और भारत रक्षा मंच के जिला संयोजक हदेश शर्मा ने लगाया है। शर्मा का कहना है कि राष्ट्रवाद के मुद्दे पर मोदी सरकार का समर्थन करने के लिए सिंधिया का स्वागत पोस्टर के माध्यम से किया गया है। इस मामले में कांग्रेस या भाजपा की स्थानीय इकाई की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन न्यूज एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस की मीडिया विभाग की अध्यक्ष शोभा ओझा ने कहा कि सिंधिया पार्टी के अभिन्न अंग हैं और रहेंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से सिंधिया लगातार पार्टी विचारधारा के विपरीत जाकर बयानबाजी कर रहे हैं। मंगलवार को ग्वालियर में उन्होंने कहा था कि कांग्रेस को आत्ममंथन की जरूरत है। वहीं, गुरुवार को भिंड में आयोजित एक सम्मेलन में उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए किसान कर्जमाफी पर कमलनाथ सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। सिंधिया ने कहा था कि प्रदेश में किसानों का सिर्फ 50 हजार रुपये का कर्ज माफ किया गया है, जबकि विधानसभा चुनाव के वक्त कांग्रेस ने वचन-पत्र में वादा किया था कि दो लाख तक का कर्ज माफ किया जाएगा। बाढ़ में बर्बाद हुई फसलों पर भी सही मुआवजे को लेकर सिंधिया ने सरकार को लेकर कई और बातें कहीं थीं।

एसआइटी के सामने फिर पेश हुए आजम, कहा किया जा रहा अपमान

जागरण संवाददाता, रामपुर : जौहर यूनिवर्सिटी के लिए जमीन कब्जाने के आरोप में फंसे सांसद आजम खां से शुक्रवार को एसआइटी ने फिर पूछताछ की। सांसद पर आरोप है कि सपा शासनकाल में उन्होंने मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के लिए किसानों की जमीन कब्जा लीं। जमीन कब्जाने के आरोप में उनके खिलाफ 30 मुकदमे दर्ज हुए हैं। इनकी जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया गया है। वह अब तक पांच बार एसआइटी के सामने पेश हो चुके हैं। शुक्रवार को दोपहर बाद महिला थाने पहुंचे। जहां एसआइटी ने करीब डेढ़ घंटे तक पूछताछ की।

एसआइटी में बयान दर्ज कराने के बाद बाहर आने पर सांसद ने मीडिया से बात की। कहा कि कि दो बार हमारे परिवार को बुलाया जा चुका है। पांचवीं बार हम बयान देने आए हैं। पहली बार ही हम सभी सवालों के जवाब दे चुके हैं लेकिन, कुछ सवाल ऐसे पूछे जा रहे हैं, जिनका जमीन से कोई संबंध नहीं है। हमारा अपमान किया जा रहा है। उपचुनाव को लेकर बोले, आप लोग लोकसभा का चुनाव भी देख चुके हैं, तब का माहौल भी देख चुके हैं।

डेरा ब्यास ने कहा, नहीं है सिंह बंधुओं की कंपनी का उधार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रैनबैक्सी पूर्व प्रमोटर शिविंदर और मालविंदर को शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट में भी झटका लगा। राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों, उनके परिवार के सदस्यों ने कोर्ट में कहा कि उन पर सिंह बंधुओं की कंपनी आरएचसी होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड का कोई उधार नहीं है। उनका दावा गलत है।

हाई कोर्ट ने राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों और उनकी कंपनियों को छह हजार करोड़ रुपये 26 अक्टूबर तक रजिस्ट्रार जनरल के पास जमा कराने का आदेश दिया था। यह पैसा शिविंदर और मालविंदर की ओर से जापान की दवा कंपनी दाइची को दिया जाना है। हाई कोर्ट ने आरएचसी होल्डिंग, सिंह बंधुओं और दाइची की प्रतिक्रिया मांगी है। मालूम हो कि रैनबैक्सी ने अपना हिस्सा जापान की कंपनी दाइची को बेचा था। दाइची ने दिल्ली हाई कोर्ट में शिविंदर और मालविंदर पर केस दायर किया था, क्योंकि उन्होंने रैनबैक्सी की प्रतिबंधित दवाओं की जानकारी उसको नहीं दी थी। दाइची ने सिंगापुर की अदालत में भी केस दायर किया था। वहीं, सिंह बंधुओं ने दावा किया है कि सत्संग ब्यास को उनकी कंपनी आरएचसी लिमिटेड को 3500 करोड़ रुपये देने हैं। इस पर हाई कोर्ट ने कहा था कि राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों, उनकी पत्नी शबनम ढिल्लों, बेटे गुरकीरत, गुरप्रीत, बहू नयन तारा, सत्संग ब्यास की कंपनियों सहित 55 लोगों को छह हजार करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। इनमें रेलिगेयर के पूर्व प्रमुख सुनील गोधवानी और उनके भाई संजय गोधवानी भी शामिल हैं। हाई कोर्ट ने यह भी कहा था कि जिन 55 लोगों व कंपनियों को यह भुगतान करना है, अगली सुनवाई तक उनमें से कोई भी संपत्ति या कीमती सामान की खरीद-फरोख्त नहीं करेगा।

एफआइआर रद कराने के लिए हाई कोर्ट गए

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

मालविंदर ने दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआइआर को रद करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा है कि केंद्र सरकार के अधीन गंभीर आर्थिक अपराध जांच कार्यालय (एसएफआइओ) रेलिगेयर की शिकायत पर वर्ष 2018 से जांच कर रहा है। ऐसे में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा अचानक बीच मे नहीं आ सकती है। हाई कोर्ट ने पुलिस को नोटिस जारी करने पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। मालविंदर की पैरवी अभिषेक मनु सिंघवी ने की।

शिविंदर व मालविंदर फोर्टिस विवाद में भी आरोपित : शिविंदर और मालविंदर सिंह ने वर्ष 1996 में फोर्टिस हेल्थकेयर की शुरुआत की थी। वर्ष 2016 में दोनों की संपत्ति 8,864 करोड़ रुपये थी। पिछले वर्ष दोनों भाइयों पर आरोप लगे कि उन्होंने फोर्टिस के बोर्ड की मंजूरी के बिना पांच सौ करोड़ रुपये निकाल लिए। फरवरी 2018 तक मालविंदर फोर्टिस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और शिविंदर नॉन-एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन थे।

उन्नाव पीड़िता के साथ नौ दिन तक हुआ सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उन्नाव पीड़िता का अपहरण कर अलग-अलग जगहों पर उसके साथ नौ दिन तक सामूहिक दुष्कर्म किया गया। सीबीआइ की तरफ से पेश आरोपपत्र में तीन लोगों को नामजद किया गया है, जबकि अन्य भी आरोपित हो सकते हैं। शुक्रवार को इस पर संज्ञान लेते हुए तीस हजारी अदालत के न्यायाधीश धर्मेश शर्मा ने नामजद तीन आरोपितों नरेश तिवारी, बृजेश यादव और शुभम सिंह को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न तीनों की जमानत रद कर दी जाए।

सीबीआइ के आरोपपत्र के मुताबिक पीड़िता का अपहरण 11 जून, 2017 को नहीं, बल्कि 12 जून, 2017 को किया गया था। पीड़िता उस वक्त नाबालिग थी और रात को अपने घर के बाहर पानी लेने के लिए आई थी। उसी दौरान शुभम सिंह और नरेश तिवारी ने तीन अन्य युवकों के साथ पीड़िता को उठा लिया और कार में लेकर फरार हो गए थे। कुछ दूर जाने के बाद सिंह और तिवारी ने पीड़िता के साथ कार में ही दुष्कर्म किया। इसके बाद कानपुर में उसे एक घर में लाया गया, जहां दो अन्य ने उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके दो दिन बाद पीड़िता को यादव के घर लाया गया और वहां दुष्कर्म किया गया। उसके दो-तीन दिन बाद औरैया जिले में रखा गया, जहां से पुलिस ने उसे बरामद किया था। सीबीआइ ने अदालत में कहा इस मामले में अन्य आरोपितों की भूमिका के संबंध में पूछताछ की जा रही है। सीबीआइ ने अपने आरोपपत्र में लगाए आरोपों की पुष्टि के लिए 103 गवाहों की सूची कोर्ट में पेश की है।

गलत सवाल करने पर लगाया 10-10 हजार रुपये जुर्माना

उन्नाव पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में शुक्रवार को तीस हजारी अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान एम्स के डॉक्टर ने अपना बयान दर्ज कराया और जब उनसे जिरह शुरू हुई तो दो आरोपितों के वकीलों ने गलत सवाल किए। इस पर अदालत ने दो आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना लगा दिया। साथ ही अदालत ने डॉक्टर से जिरह बंद कर दी। इस पर आरोपितों के वकीलों ने अर्जी दायर कर कहा कि फिर से जिरह शुरू की जाए, लेकिन अदालत ने फिलहाल ऐसा करने से इन्कार कर दिया।

सेंगर को माना जाता है दबंग नेता

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

कुलदीप सेंगर को इलाके का दबंग नेता माना जाता है। कहा जाता है कि पीड़िता को उसके खिलाफ केस दर्ज कराने में दर-दर की ठोकरें खानी पड़ी थीं। सेंगर के परिजनों ने पीड़िता के पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें जेल में डाल दिया था। आरोप है कि पीड़िता के पिता की जेल में बुरी तरह पिटाई हुई थी और उसी के चलते अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। केस दर्ज होने के बाद भी सेंगर की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज पीड़िता ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के आवास के सामने पिछले साल आत्मदाह की कोशिश की थी। दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार के साथ विधायक के अत्याचार की खबरें सुर्खियां बनीं तो इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की जांच को सीबीआइ के हवाले कर दिया था। सीबीआइ ने पिछले साल दुष्कर्म मामले में सेंगर के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। इसके बाद पिछले साल 13 अप्रैल को सेंगर को गिरफ्तार किया गया था। सेंगर के खिलाफ दुष्कर्म का मामला विशेष अदालत में चल रहा है।

विवादों से नहीं पड़ता कोई फर्क : नुसरत

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▸ इस बार सिंदूर खेला को लेकर विवादों में हैं तृणमूल सांसद

▸ विवाद पर बोलीं-मैं सभी धर्मों का करती हूं सम्मान

तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां ने शुक्रवार को कोलकाता के एक दुर्गा पूजा मंडप में 'सिंदूर खेला' में हिस्सा लिया। इस दौरान पति निखिल जैन के साथ सिंदूर से खेलतीं नुसरत जहां। एएनआइ

अपनी गतिविधियों के कारण अक्सर विवादों में रहने वाली तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां ने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। गौरतलब है कि नुसरत इस बार विजयादशमी पर पति निखिल जैन के साथ सिंदूर खेला में हिस्सा लेने को लेकर विवाद में है। उन्होंने कहा कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती हैं। सांसद ने चलताबगान के पूजा पांडाल में पति के साथ सिंदूर खेला में हिस्सा लिया था। इस रस्म में पहले मां दुर्गा को सिंदूर चढ़ाया और भोग लगाया जाता है। इसके बाद महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं।

नुसरत ने कहा-'मैं भगवान की खास बेटी हूं। मैं सभी त्योहार मनाती हूं। मैं इंसानियत और प्यार का सबसे ज्यादा सम्मान करती हूं। मैं बहुत खुश हूं और विवादों से मुझे फर्क नहीं पड़ता।' गौरतलब है कि कुछ दिन पहले उनके दुर्गापूजा में शामिल होने पर देवबंद के मुफ्ती असद कासमी नामक मौलवी ने कहा था कि नुसरत जहां को अपना धर्म बदल लेना चाहिए। इस्लाम को ऐसे लोगों की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। इसपर नुसरत ने कहा था कि वह इस कदर खुशी और जश्न में डूबी हैं कि नकारात्मक चीजों के बारे में बात नहीं करना चाहतीं।

बुलंदशहर में सड़क किनारे सो रहे श्रद्धालुओं को बस ने कुचला, सात की मौत

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर : वैष्णो देवी से बच्चों का मुंडन कराकर लौट रहे सात श्रद्धालुओं को हाईवे किनारे सोते समय बस ने कुचल दिया। शुक्रवार तड़के चार बजे हुए इस भीषण हादसे में तीन बच्चियों और चार महिलाओं की मौत हो गई। सभी आपस में रिश्तेदार थीं। डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत किया। डीएम ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। हाथरस जिले के की माला अपनी तीन वर्षीय बेटी कल्पना का मुंडन कराने के लिए सगे-संबंधियों के साथ तीन अक्टूबर को वैष्णो देवी (जम्मू) गई थीं। 8 अक्टूबर को सभी श्रद्धालु हरिद्वार होते हुए गांव के लिए चले थे। बस में 60 श्रद्धालु सवार थे। इन्होंने गुरुवार रात करीब दो बजे नरौरा थानाक्षेत्र में दिल्ली-बदायूं नेशनल हाईवे-500 के किनारे गांधी घाट पर गंगा स्नान के लिए बस रुकवाई। बस से उतरकर तीन बच्चे और चार महिलाएं हाईवे से करीब 10 मीटर की दूरी पर सो गए। उसी समय यात्रियों को लेकर हाथरस जा रही अलीगढ़ की एक बस श्रद्धालुओं को कुचलते हुए निकल गई। घटना के बाद चालक बस को छोड़कर भाग गया।

वाराणसी में गंगा में हो रहा सीवेज का संगम

दुर्दशा

बाढ़ के चलते लिफ्टिंग पंप डूबे, एसटीपी तक नहीं पहुंच रहा मलजल, प्रतिदिन 300 एमएलडी से अधिक सीवेज समा रहा गंगा में

जागरण संवाददाता, वाराणसी

गंगा निर्मलीकरण की कवायद काशी में ध्वस्त नजर आ रही है। सीवेज गंगा किनारे बने लिफ्टिंग पंप तक नहीं पहुंच पा रहा है। लिहाजा शहर से निकलने वाला 300 एमएलडी से अधिक सीवेज सीधे गंगा में समा रहा है। गंगा जलस्तर अधिक होने से लिफ्टिंग पंप पानी में डूबने के कारण काम ही नहीं कर रहे हैं।

बीएचयू के न्यूरोसर्जन डा. वीएन मिश्र ने खिड़किया घाट पर शाही नाले से गंगा में जा रहे सीवेज का वीडियो ट्वीट कर चिंता जताई है। उन्होंने लिखा कि काशी में गंगाजी और सीवेज का संगम, गंगा जल हुआ सेप्टिक। ६दुखद। डा. मिश्र की तरह ही अनेकों काशी आने वाले श्रद्धालु गंगा में सीधे नालों को मिलते देखकर व्यथित हैं।

पर्यावरण वैज्ञानिक और महामना मालवीय गंगा शोध केंद्र-बीएचयू के चेयरमैन प्रो. बीडी त्रिपाठी बताते हैं कि इन दिनों गंगा में सहायक नदियों वरुणा और असि सहित छोटे-बड़े करीब 30 नालों का गंगा पानी बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे जा रहा है।

वाराणसी के खिड़किया घाट पर शाही नाले से निकला सीवेज सीधे गंगा में मिलकर बन गया गंगा सीवेज संगम।

गंगाजल को काशी से सर्वाधिक प्रदूषण मिल रहा है।

वर्ष पर्यंत प्रतिदिन 40 एमएलडी सीवेज गंगा में : रिकार्ड के मुताबिक वाराणसी में प्रतिदिन 360 एमएलडी सीवेज निकलता है। यहां पांच एसटीपी क्रियान्वित हैं। इससे बाढ़ से पूर्व तक 320 एमलडी सीवेज शोधित करने का दावा किया जाता है। शहर दक्षिणी छोर पर एसटीपी न होने से वर्ष पर्यंत नगवां नाले से 40 एमलडी मलजल प्रतिदिन गंगा में जाता है। पिछले दिनों कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने इसी नाले का वीडियो ट्वीटर से लेकर फेसबुक तक पर शेयर कर गंगा निर्मलीकरण पर सवाल भी उठाया था।

बाढ़ में लिफ्टिंग पंप डूब गए हैं। इस कारण कई नालों का सीवेज सीधे गंगा में जा रहा है। लोग चाहे जो दावे करें लेकिन हमारे रिकार्ड के मुताबिक इन दिनों सिर्फ छह नालों से करीब 80 एमएलडी सीवेज गंगा में मिल रहा है।

-एसके वर्मन, परियोजना प्रबंधक, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी उठाता रहा सवाल

बाढ़ से ठीक पहले उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बनारस में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की शोधन क्षमता पर सवाल उठाया था। बोर्ड का कहना था कि मानक के अनुरूप एसटीपी का क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। इस रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने पर्यावरणीय क्षति के लिए जुर्माना लगाने की तैयारी भी की है।

एनसीसी की एक लाख सीटें बढ़ेंगी सभी स्कूल-कॉलेज में होगी ट्रेनिंग

हिमांशु मिश्र, बरेली

अब हर स्कूल के छात्रों का नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की ट्रेनिंग हासिल करने का सपना पूरा हो सकेगा। इसके लिए देशभर में एक लाख एनसीसी की सीटों में इजाफा होने जा रहा है। इसकी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। दिल्ली स्थित एनसीसी कार्यालय की ओर से इसका प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय के पास जा चुका है। मंजूरी मिलते ही नए सत्र के लिए कॉलेजों में सीट बढ़ोतरी का काम शुरू हो जाएगा। सीटें बढ़ाने के साथ देशभर के स्कूलों के लिए फुली सेल्फ फाइनेंस स्कीम (एफएसएफएस) की शुरुआत की गई है। एफएसएफएस के समन्वयक और लेफ्टिनेंट अशोक मोर ने फोन पर हुई बातचीत में कहा कि इस स्कीम के तहत कोई भी स्कूल चाहे वह सरकारी हो या निजी अगर अपने यहां एनसीसी ट्रेनिंग शुरू कराना चाहता है तो एफएसएफएस के श्रेणी में अनुमति हासिल कर सकता है। अभी तक केवल दो ही श्रेणी हुआ करती थी। इसमें गवर्नमेंट फंडेड एनसीसी और सेल्फ फाइनेंस एनसीसी शामिल थी। गवर्नमेंट फंडेड एनसीसी में कैडेट का पूरा खर्चा सरकार वहन करती थी। जबकि सेल्फ फाइनेंस मोड में ट्रेनिंग, ड्रेस जैसी सुविधाएं ही सरकार की तरफ से होती थी। हालांकि दस दिनों का जब कैंप लगता तो उसका पूरा खर्च स्कूल की तरफ से होता था। अब तीसरी नई श्रेणी एफएसएफएस को शामिल किया है। इस श्रेणी के तहत ड्रेस से लेकर ट्रेनिंग तक का खर्च स्कूल को ही वहन करना पड़ेगा।

एक कैडेट पर आएगा 3600 रुपये का खर्च: लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक मोर ने बताया कि एफएसएफएस के जरिए एक कैडेट पर प्रतिवर्ष 3600 रुपये का खर्च आएगा। इसमें ऑफिस स्टाफ, ट्रेनिंग टीचर आर्मी की तरफ से दिया जाएगा। इसके अलावा ड्रेस, कैंप का खर्च शिक्षण संस्थानों को खुद वहन करना होगा।

कर्नल मोर के मुताबिक, एफएसएफएस को स्कूलों के लिए इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। अभी आवेदन मांगने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

Download UPSC IAS Material: www.iascgl.com
www.jagran.com | राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 12 अक्टूबर 2019

दैनिक जागरण

आग सोने को परखती है, विपत्ति महान मनुष्यों को

भरोसा बढ़ाने का समय

चीनी राष्ट्रपति का भारत आगमन ऐसे समय पर हुआ है जब दोनों देशों के बीच वैसा कोई जटिल मसला नहीं है जैसा वुहान बैठक के पहले डोकलाम को लेकर था। वुहान में दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई मुलाकात की अगली कड़ी ही मामल्लपुरम है। भारतीय प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति की दिल्ली के बजाय सुदूर दक्षिण के मामल्लपुरम में अगवानी कर यही रेखांकित किया कि वह अपनी विदेश नीति के जरिये दुनिया को भारत की सांस्कृतिक विरासत और विविधता से भी परिचित करा रहे हैं। वुहान की तरह मामल्लपुरम की बैठक भी अनौपचारिक है। अनौपचारिक बैठक का यह सिलसिला इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि इसमें वार्ता का एजेंडा तय करने और फिर वक्तव्य जारी करने की बंदिश नहीं रहती। इसका मतलब है कि ऐसी बैठकों में कूटनीतिक सीमाओं से परे हटकर हर मसले पर बातचीत हो सकती है। इससे एक-दूसरे के प्रति समझ-बूझ बढ़ने और बेहतर नतीजे निकलने की उम्मीद बढ़ जाती है। मामल्लपुरम में भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की बैठक के बाद यह सार्वजनिक हो या न हो कि उन्होंने किन मसलों पर क्या बात की, लेकिन दोनों देशों के हित में यही है कि द्विपक्षीय रिश्ते आगे बढ़ते दिखें। ऐसा तभी होगा जब चीन कश्मीर पर पाकिस्तान के सुर में बोलने से बाज आए और अरुणाचल के मामले में अपनी निरर्थक आपत्तियां जताने का सिलसिला बंद करे।

यदि चीन यह चाहता है कि भारत उसके हितों की चिंता करे तो यही काम उसे भी करना होगा। उसे भारत के खिलाफ पाकिस्तान को मोहरा बनाने की अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना ही होगा। यदि वह ऐसा नहीं करता तो फिर भारत को यह संकेत देने में संकोच नहीं करना चाहिए कि उसके पास भी तिब्बत से लेकर ताइवान तक ऐसे मसले हैं जिन पर वह मुखर हो सकता है। भारत के पास चीन को नसीहत देने के लिए हांगकांग का भी मसला है और उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न का भी। इसके साथ ही दक्षिण चीन सागर का भी मामला है। इस पर तो दुनिया के बड़े देश भी भारत के साथ हैं। चीन यह मानकर नहीं चल सकता कि वह भारत से अपनी शर्तों पर रिश्ते कायम कर सकता है। वह इस समय तो ऐसा और भी नहीं कर सकता, क्योंकि एक तो उसकी अर्थव्यवस्था ढलान पर है और दूसरे, अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते उसकी मुश्किलें बढ़ रही हैं। ऐसे में उचित यही है कि चीन मतभेद वाले मसलों को किनारे कर उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करे जो एक-दूसरे के लिए हितकारी होने के साथ आपसी भरोसे को बढ़ाने वाले भी साबित हों। भरोसा बढ़ेगा तो मतभेद वाले मसले भी कम होंगे।

इंसानियत पर कलंक

बंगाल के मुर्शिदाबाद में दशहरे के दिन हुए तिहरे हत्याकांड की जितनी भी भर्त्सना एवं निंदा की जाए कम है, क्योंकि यह हत्याकांड इंसानियत पर बड़ा कलंक है और जिसने भी हत्याएं की है उसने पूरे मानवता को शर्मसार कर दिया है। कोई भी व्यक्ति क्या इस तरह हैवान हो सकता है जिसे न तो गर्भवती महिला और न ही आठ वर्ष के मासूम बच्चे पर दया आई। एक साथ पूरे परिवार को धारदार हथियार से काट डाला। ऐसे मानवता के दुश्मन को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि फिर से कोई भी ऐसी जघन्य हत्या के बारे में सोचने से भी डरे। गुरुवार को राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा-'मैं इस तरह की वारदात से स्तब्ध और दुखी हूं। यह बंगाल में कानून व्यवस्था की संकटपूर्ण स्थिति को दिखा रहा है। उन्होंने कहा, यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है। यह दिखाता कि किस तरह राज्य में सरकारी तंत्र और पुलिस काम कर रही हैं। राज्यपाल ने राज्य सरकार से घटना की तत्काल रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि बंधु प्रकाश पाल (35), उनकी गर्भवती पत्नी ब्यूटी मंडल पाल (30) और बेटे अंगन बंधु पाल (8) की घर से खून से लथपथ लाशें मिली थीं। उनकी धारदार हथियारों से हत्या की गई थी। अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस छानबीन में जुटी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बंगाल शाखा के सचिव जिष्णु बसु ने बंधु प्रकाश पाल के संघ के सक्रिय कार्यकर्ता होने का दावा किया है। वहीं वारदात को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि बंगाल में पुलिस की निष्क्रियता के चलते ही अपराधियों का दुस्साहस बढ़ रहा है। ज्यादातर घटनाएं बंगाल में दिनदहाड़े हुई हैं। उम्मीद है कि महिला मुख्यमंत्री होने के नाते ममता बनर्जी बंगाल में महिलाओं की दुर्दशा को समझेंगी और तत्काल कार्रवाई करेंगी। भाजपा महासचिव एवं बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा-'इससे ज्यादा जघन्यता क्या होगी? जहां आम आदमी सुरक्षित न हो, उस राज्य की कानून व्यवस्था को अच्छा कैसे माना जाए?' राज्यपाल के बयान पर तृणमूल ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तृणमूल महासचिव एवं मंत्री पार्थ चटर्जी ने कहा कि जब राज्य में इतने बड़ी दुर्गा पूजा का आयोजन शांतिपूर्ण संपन्न होता है तब राज्यपाल को इस पर कुछ भी बोलना अच्छा नहीं लगता, लेकिन मुर्शिदाबाद में हुई पारिवारिक मामले में राज्यपाल हस्तक्षेप कर रहे हैं। यह ठीक नहीं है और संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन है।

विशिष्ट नेताओं की सुरक्षा का सवाल

सुरेंद्र किशोर

कुछ बड़े नेता पहले तो अपनी सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतते हैं, फिर कोई अनहोनी होने पर उनके साथी सरकार को जिम्मेदार ठहराने लगते हैं

राहुल गांधी जिस तरह गुपचुप रूप से विदेश यात्रा पर गए उसी तरह से वापस भी लौट आए। उनकी विदेश यात्रा के बीच ही यह खबर आई कि केंद्र सरकार ने यह तय किया है कि एसपीजी सुरक्षा से लैस व्यक्तियों की विदेश यात्रा में सुरक्षा कर्मी उनके साथ जाएंगे। इसका मतलब है कि भविष्य में यदि राहुल अथवा अन्य एसपीजी सुरक्षा वाला विशिष्ट व्यक्ति सुरक्षाकर्मियों को अपने साथ ले जाने से इन्कार करता है तो उसकी विदेश यात्रा रोकी भी जा सकती है। इस प्रस्तावित व्यवस्था पर कांग्रेस कह रही है कि भारत सरकार विदेश यात्राओं के दौरान राहुल गांधी की जासूसी करना चाहती है। कांग्रेस नेताओं को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि सुरक्षा मामले में लापरवाही के कारण आजादी के बाद अब तक महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याएं हो चुकी हैं। इसके अलावा कुछ और महत्वपूर्ण जानें भी गई हैं। इन दुखद घटनाओं के बावजूद राहुल गांधी सावधानी बरतने से इन्कार कर रहे हैं। वह बिना सुरक्षा दस्ते के कंबोडिया की निजी यात्रा पर चले गए। 2016 में जब राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी मिली थी तो कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने तत्कालीन गृह मंत्री से मुलाकात कर उनसे आग्रह किया था कि वह राहुल गांधी की सुरक्षा का बेहतर प्रबंध करें। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 9 मई, 2016 को एसपीजी और आइबी को निर्देश दिया था कि वे राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर अधिकतम सावधानी बरतें। पूर्व गृह मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए एक बयान के मुताबिक राहुल गांधी करीब 21 बार सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर चुके हैं। उनका यह भी कहना था कि अपनी विदेश यात्राओं में एसपीजी को नहीं ले जाकर राहुल गांधी लगातार सुरक्षा नियमों की अवहेलना करते रहे हैं। वर्ष 2017 में अपने गुजरात दौरे के समय राहुल गांधी ने एक निजी कार में सफर किया, जबकि एसपीजी नियमों के तहत ऐसा करना मना है। इसी तरह एक बार गणतंत्र दिवस के अवसर पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुरक्षा नियम को नजरअंदाज करते हुए भीड़ के बीच चले गए थे तो उसे खतरनाक माना गया था।

जाहिर है कुछ बड़े नेता पहले तो अपनी सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतते हैं, पर कोई अनहोनी होने पर उनकी पार्टी के लोग सरकार को जिम्मेदार ठहराने लगते हैं। आजादी के बाद इस देश में ऐसा कई बार हो चुका है। मौजूदा केंद्र सरकार इस बात को लेकर चिंतित लग रही है कि फिर वैसी कोई नौबत न आ पाए! महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्याओं के विस्तार में जाने पर यह साफ हो जाता है कि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन हुआ होता तो संभवतः वे बहुमूल्य जानें बचाई जा सकती थीं, पर समस्या यह है कि इन घटनाओं के बावजूद हमारे अधिकांश नेता अब भी सबक नहीं ले रहे हैं। इतिहास से नहीं सीखना हमारी आदत में शुमार है।

अवधेश राजपूत

चंपारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह में एक बुजुर्ग गांधीवादी ने कहा था कि 'महात्मा गांधी पर बढ़ते खतरे की उस समय की सरकार ने अनदेखी की। हत्या से कुछ ही दिन पहले उनकी प्रार्थना सभा में बम फटा, लेकिन किसी ने सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम नहीं किया, जबकि दिल्ली की गद्दी पर तमाम गांधीवादी ही बैठे हुए थे।' आम धारणा यही है जो उस गांधीवादी ने कही, पर असलियत यह है कि तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल गांधी जी के लिए अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था करना चाहते थे, लेकिन महात्मा गांधी ने पटेल को यह धमकी दे दी कि यदि प्रार्थना सभा में आने वाले किसी भी व्यक्ति की तलाशी ली गई तो वह उसी क्षण से आमरण अनशन शुरू कर देंगे। इससे पटेल सहित पूरी सरकार सहम गई थी। उस उम्र में अनशन गांधी जी के लिए खतरनाक साबित हो सकता था। इसलिए गांधी जी इच्छा के खिलाफ जाकर उनकी सुरक्षा की कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई। सरदार पटेल ने कहा था कि 'मैंने स्वयं गांधी जी से पुलिस को उनकी रक्षा के लिए कर्तव्य पालन की अनुमति देने के लिए वकालत की, परंतु हम असफल रहे।' याद रहे कि 30 जनवरी, 1948 को नाथू राम गोडसे ने प्रार्थना सभा में गांधी जी की हत्या कर दी थी। यदि तलाशी की व्यवस्था होती तो गोडसे पिस्तौल लेकर बिड़ला भवन में नहीं पहुंच पाता।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की पृष्ठभूमि में 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आवास से सिख सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया गया था। ऐसा इंदिरा जी की पूर्वानुमति के बिना संबंधित अफसरों ने किया था। खुफिया रिपोर्ट के आधार पर संबंधित अफसरों ने खुद यह कदम उठाया था, पर जब इंदिरा जी को पता चला तो उन्होंने सिख सुरक्षाकर्मियों को अपनी सुरक्षा में वापस बुला लिया। उन्हीं सुरक्षाकर्मियों के हाथों उनकी हत्या हुई। इंदिरा जी ने यह कदम तो इस दृष्टि से उठाया था कि किसी पूरे समुदाय पर अविश्वास कैसे किया जा सकता है, लेकिन उस घटना ने देश को यह शिक्षा जरूर दे दी कि ऐसे मामलों में नेताओं को खुद निर्णय नहीं करना चाहिए। याद कीजिए कि इंदिरा गांधी की हत्या के प्रतिशोध में देश में हजारों सिखों का संहार कर दिया गया। इसी के साथ 21 मई, 1991 की उस दर्दनाक घटना को भी एक बार फिर याद कर लें। उस दिन पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर गए थे। उन्हें देखने सुनने वालों की काफी भीड़ थी। उसी भीड़ में लिट्टे आतंकी भी थे। मानव बम बनी धनु राजीव गांधी के नजदीक पहुंचना चाहती थी। एक सुरक्षाकर्मी अनुसूइया उसे रोक रही थी। दूर खड़े राजीव गांधी ने उससे कहा कि वह उसे आने दे। धनु पास गई और सब कुछ समाप्त हो गया। बाद में कांग्रेस ने यह आरोप लगाया कि वीपी सिंह सरकार ने राजीव गांधी की एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली थी, जबकि हकीकत यह थी कि एसपीजी से संबंधित कानून राजीव गांधी के कार्यकाल में ही बना था। उसमें प्रतिपक्ष के नेता को वैसी सुरक्षा नहीं मिलनी थी। याद रहे कि जब राजीव की हत्या हुई तब केंद्र में कांग्रेस समर्थित चंद्रशेखर की सरकार थी।

एसपीजी सुरक्षा कैसी हो, यह तय करने का काम नेता नहीं कर सकते। क्या ऐसा कोई कानून नहीं बन सकता कि खुद पर खतरा आमंत्रित करने वाले नेताओं को नियमों के दायरे में रहने के लिए विवश किया जा सके? ध्यान रहे कि बड़ी हस्तियों की हत्याओं से उनके परिवार के साथ-साथ देश का भी नुकसान होता है। कभी-कभी तो ऐसी हत्या के बाद भीषण दंगे भी हो जाते हैं जिनमें अनेक जानें जाती हैं। उम्मीद है कि राहुल गांधी और कांग्रेस के बड़े नेतागण पूर्व की इन घटनाओं से सबक लेंगे।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

हर मोर्चे पर मात खाता पाकिस्तान

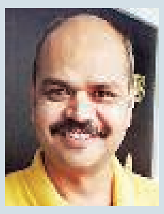

शिवेंद्र कुमार सिंह

पाकिस्तानी जनता को लग रहा है कि इमरान खान से देश तो क्या क्रिकेट भी नहीं संभल रहा है

अगर आप कभी पाकिस्तान जाएं और वहां के किसी शख्स से मुश्किल से मुश्किल काम के लिए कहें तो यही जवाब मिलेगा, कोई मसला नहीं। दरअसल यह वहां के लोगों का मनपसंद जुमला है, लेकिन पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान इतने अधिक मसलों में उलझ गया है कि उसकी रही-सही अहमियत भी खत्म होती जा रही है। हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तानी जनता की नजर में बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था, अलगाववाद, महंगाई, आतंकवाद सरीखे बड़े मसले हैं। विडंबना यह है कि इन मसलों को भूलकर पाकिस्तान कश्मीर मसले को तूल देने में लगा हुआ है। पाकिस्तान कर्जे में डूबा मुल्क है। पूरे देश में अस्थिरता का माहौल है। ऐसे माहौल में भी जिस एक बात ने साल-छह महीने में एक बार ही सही पाकिस्तानियों को गर्व का मौका दिया और उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी वह कुछ खेलों में उसका प्रदर्शन होता था। अफसोस अब इस मोर्चे पर भी वह बुरी तरह नाकाम हो रहा है। पाकिस्तान जिन परंपरागत खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमाता था वहां भी उसकी शर्मनाक हार हो रही है। हॉकी से लेकर क्रिकेट तक जिन खेलों में पाकिस्तानियों की जान बसती थी उनमें भी दुर्दशा का आलम है। क्रिकेट में पाकिस्तान को हालिया हार श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में मिली।

तीन मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने पाकिस्तान को उसी के घर में 'व्हाइटवॉश' किया। इस हार से पाकिस्तान में कोहराम मच गया है, क्योंकि पाकिस्तान की टीम टी-20 रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक टीम है और श्रीलंका की टीम सातवीं पायदान पर है। सातवीं पायदान की टीम से इस तरह हारना पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस को पचा नहीं। उनकी नाराजगी इसलिए और ज्यादा थी, क्योंकि श्रीलंका ने इस सीरीज के लिए सुरक्षा वजहों से अपनी 'बी' टीम भेजी थी। श्रीलंका के प्रमुख दस खिलाड़ियों ने इस दौरे पर जाने से इन्कार कर दिया था।

ऐसा नहीं कि एक देश के तौर पर भारत के सामने चुनौतियां नहीं हैं। चुनौतियां यहां भी हैं, लेकिन पाकिस्तान के मुकाबले हर मामले में भारत की स्थिति आज काफी मजबूत है। पाकिस्तानी जनता को यह सालता है कि भारत में शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक सभी सुविधाएं बेहतर हैं। एक समय पाकिस्तान कुछ मामलों में खुद को भारत से बेहतर पाता था, लेकिन आज भारत उससे हर मामले में आगे निकलता दिख रहा है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से कई गुना ज्यादा है। भारत में आइआइटी की तादाद लगातार बढ़ रही है और एम्स की संख्या भी दर्जन भर पहुंचने वाली है। देश के दस शहरों में मेट्रो चल रही है। दूसरी तरफ पाकिस्तान है जहां लाहौर में मेट्रो ही शुरू नहीं हो पा रही है। पाकिस्तान में अन्य उद्योगों के साथ फिल्म इंडस्ट्री का हाल भी चौपट है। राजनीतिक अस्थिरता का आलम यह है कि कोई नहीं जानता कि इमरान खान कब तक सत्ता में हैं?

बीते दिनों इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से भारत को खुली धमकी दी और एक तरह से जेहाद की पैरवी की। हैरत नहीं कि क्रिकेटर रहे इमरान के इस भाषण की आलोचना तमाम क्रिकेटरों ने की। पाकिस्तानी जनता को लग रहा है कि इमरान खान से देश तो क्या क्रिकेट भी नहीं संभल रहा है। पिछले दिनों पाकिस्तान का एक वायरल वीडियो हुआ जिसमें कुछ लोग श्रीलंका की टीम के साथ चल रहे सुरक्षा काफिले की गाड़ियां गिन रहे थे। पाकिस्तान का मीडिया यह सवाल उठा रहा है कि आखिर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज कराकर पाकिस्तान क्या संदेश देना चाहता है? अगर यह कि अब पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए सुरक्षित जगह है तो उसे अपनी उस जनता को धोखा नहीं देना चाहिए जो श्रीलंका के साथ हुए मैचों के दौरान बंधक सी बना ली गई थी। सुरक्षा के चलते लाहौर में कर्फ्यू जैसे हालात थे और एंबुलेंस तक को रोका जा रहा था। लाहौर शहर में ही 2009 में श्रीलंका की टीम पर आतंकी हमला हुआ था। साफ है कि दस साल बाद भी पाकिस्तान जहां का तहां है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा का कहना है कि उनकी टीम रद्दी प्रदर्शन कर रही है। कुल मिलाकर संकट से घिरे पाकिस्तान को अपनी जमीन पर श्रीलंका से मैच खेलने से कोई फायदा नहीं हुआ। सख्त सुरक्षा में हुए मैच और उनके नतीजों, खासकर टी-20 मैचों के नतीजों के चलते वहां की जनता असंतोष के साथ निराशा से घिरती दिख रही है।

response@jagran.com

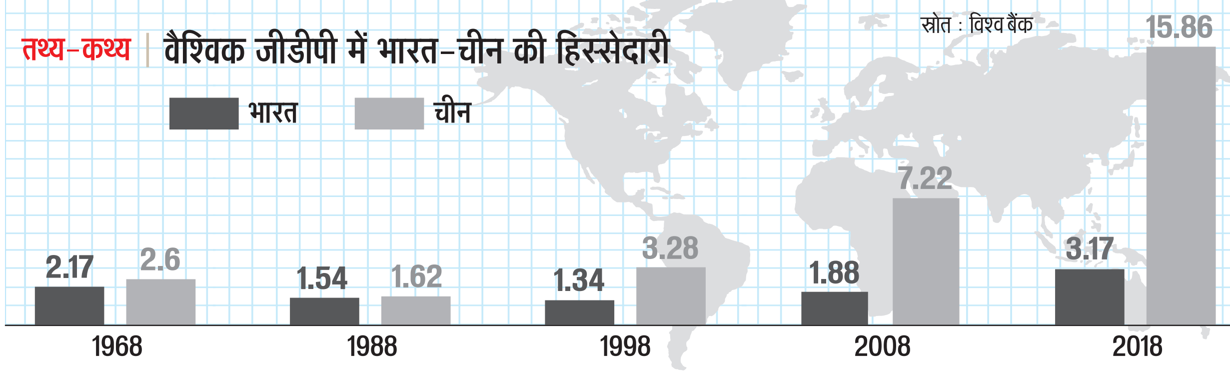

ऊर्जा

दिल के आईने में

आईना वह होता है जिसमें व्यक्ति का व्यक्तित्व नजर आता है। व्यक्ति का व्यक्तित्व केवल बाहरी आईने में ही नजर नहीं आता, अपितु दिल के आईने में भी नजर आता है। व्यक्ति का दिल एक ऐसा आईना है जो पल भर में सामने वाले के सामने उसके व्यक्तित्व की सूरत और सीरत दोनों प्रस्तुत कर देता है। जिन व्यक्तियों का दिल एकदम साफ होता है, उन्हें पढ़ना बेहद सरल होता है और ऐसे लोग ही दिलों को छू जाते हैं। जो व्यक्ति अपने दिल में ईर्ष्या, लोभ, प्रतिशोध आदि की भावना को दबाए रखते हैं, उनके दिल को अनेकों रोग लग जाते हैं। जिंदगी को भरपूर जीने के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण दिल का साफ होना ही होता है। जीवन के सफर में हमारा मुकाबला प्रतिदिन अनेक कठिन चुनौतियों से होता है। इन चुनौतियों का सामना जो सच्चे दिल से करते हैं, वे जीत जाते हैं। वहीं जो लोग चुनौतियों को देखकर भयभीत होकर भाग जाते हैं या झूठ का सहारा लेते हैं वे सदा टेढ़े मेढ़े रास्तों पर ही भटकते रहते हैं।

जिन लोगों के पास विश्वास करने वाला हृदय होता है, उनके अधिकांश जीवन में स्वस्थ और दीर्घायु रहने की संभावना ज्यादा होती है। किसी भी संबंध को जीवन भर निभाने का सूत्र भी यही है कि व्यक्ति का दिल साफ होना चाहिए। वे लोग जिनके हृदयों में एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या एवं नफरत आदि के भाव हों, कभी एक दूसरे के साथ समर्पण भाव से नहीं रह सकते। साफ हृदय न केवल दिलों को छूता है, बल्कि आईना बनकर जीवन भर चमकता है और उसमें लोगों को नई दिशा दिखाता है। बहुत अच्छी सूरत के अंदर अगर एक खूबसूरत दिल नहीं है तो वह ज्यादा समय तक प्रभावित नहीं कर सकती। जब व्यक्ति दिल से जुड़े मामलों के बारे में आश्वस्त और सुरक्षित हो जाता है तो उसके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास एवं उत्साह झलकने लगता है। जिस तरह साफ इंजन हमेशा शक्ति देता है, उसी तरह दिल का साफ आईना भी व्यक्तित्व को ताजगी एवं ऊर्जा देता है। इसके माध्यम से व्यक्ति शिखर पर पहुंच सकता है।

रेनू सैनी

अभी शेष है महिलाओं का संघर्ष

एक वह समय था जब हरियाणा से लड़कियों की कम संख्या, महिला विरोधी बातें और लड़कियों के साथ भेद-भाव की खबरें ही आती थीं, लेकिन आज जब हरियाणा की बात होती है तो फोगाट बहनों और साक्षी मलिक की कुश्ती, साइना नेहवाल का बैडमिंटन और मानुषी छिल्लर की खूबसूरती जेहन में आती है। समय के साथ-साथ हरियाणा ने काफी हद तक महिलाओं के प्रति अपनी सोच बदली है। और नतीजा यह है कि राज्य में लिंग अनुपात में सुधार आ रहा है। इस राज्य से ऐसे नाम निकलकर आ रहे हैं जो दुनियाभर में हरियाणा का नाम कर रहे हैं, लेकिन महिलाओं को लेकर यह बदलाव सिर्फ सामान्य लोगों में नजर आता है, राजनीति में नहीं। हरियाणा की मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने आने वाले विधानसभा चुनावों में जिस तरह से टिकट वितरण किया है उससे यही लगता है कि इस राज्य में महिलाओं का संघर्ष खत्म होने में अभी और वक्त लगेगा।

हरियाणा में विधानसभा की कुल 90 सीटों पर चुनाव होने हैं, लेकिन उम्मीदवारों की सूची में महिलाएं न के बराबर ही नजर आ रही हैं। कांग्रेस ने 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए केवल 9 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिए हैं। यानी विधानसभा में भागीदारी के लिए सिर्फ 10 फीसद महिलाओं को ही मौका दिया गया है। यह वह पार्टी है जिसने हमेशा महिलाओं के लिए 33 फीसद आरक्षण की मांग की है। इस मामले में भाजपा भी कांग्रेस जैसी ही है। भाजपा ने 90 सीटों में से 12 पर महिला प्रत्याशियों को चुनाव में उतारा है। वह भी तब जब भाजपा राज्य में सत्ता में है। वहीं आइएनएलडी ने इस बार 15 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं, जबकि जननायक जनता पार्टी ने सिर्फ 7 महिलाओं को ही टिकट दिए हैं। कांग्रेस ने 2014 के चुनावों में 10 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, जिनमें से तीन महिलाएं जीती थीं, जबकि भाजपा की बात की जाए तो 2014 में पार्टी ने 15 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, इनमें से 8 महिलाओं ने जीत दर्ज की थी। साफ है कि यहां हर क्षेत्र में महिलाएं आगे हैं, लेकिन राजनीति में नहीं। हरियाणा की खास बात यह है कि इस राज्य की 90 सीटों में से 58 सीटें ऐसी हैं जहां से कभी भी कोई महिला विधायक बनी ही नहीं। राज्य में सिर्फ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके आगे नहीं। बेटी क्या कर सकती है इस पर अभी भी हमारे राजनेताओं को शक है।

फिर से

हरियाणा में विधानसभा के चुनाव होने हैं, लेकिन उम्मीदवारों की सूची में महिलाएं न के बराबर ही नजर आ रही हैं

महिलाओं को लेकर अक्सर राजनीतिक पार्टियां महिला हित की बातें करती हैं, लेकिन जब चुनाव का समय आता है तो राजनीतिक दल यह साबित कर देते हैं कि उनकी कोई भी बात भरोसा करने लायक नहीं है। महिलाओं को सत्ता में लाए बिना महिलाओं के हित की बातें बेमानी हैं। और जब बात हरियाणा जैसे राज्य की छवि को सुधारने और विकास की हो तो महिलाओं को तो आगे लाना ही होगा। देश में अगर किसी राज्य की महिलाओं ने सबसे ज्यादा पितृसत्ता के दंश झेले हैं तो वह हरियाणा ही है। ऐसे में चुनावों में महिलाओं को सम्मानित भागीदारी न देकर एक बार फिर वही गलती दोहराई जा रही है।

(साभार : आइचौक.इन में पारुल चंद्रा)

मेलबाक्स

सही विश्लेषण

समावेश का संदेश देने वाला संबोधन शीर्षक से लिखे अपने लेख में अद्वैता काला ने मोहन भागवत के विजयादशमी संदेश को आधार बनाकर लिंचिंग जैसे मामलों में मीडिया के एक वर्ग और देश के कुछ निहित स्वार्थी तत्वों के एकपक्षीय रुख के पीछे छिपे एजेंडे को बेबाकी से उजागर किया है। यह सही है कि लिंचिंग एक पश्चिमी अवधारणा है तथा इसका हमारी संस्कृति से कोई संबंध नहीं। सनातन संस्कृति तो अहिंसा परमो धर्मः और वसुधैव कुटुंबकम की मूल अवधारणा पर आधारित है, लेकिन देश के कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी बड़े ढीठ तरीके से भीड़ की हिंसा के उन्हीं मामलों को उठाते और उसका प्रचार करते हैं, जहां पीड़ित पक्ष मुस्लिम हों। पिछले कुछ समय की घटनाओं का तथ्यपरक विश्लेषण किया जाए तो इस प्रकार की हिंसा में हिंदू और मुस्लिम दोनों लगभग समान रूप से प्रभावित हुए हैं, लेकिन अफवाह फैलाने को आदी इन स्वार्थी तत्वों को केवल अखलाक, तबरेज और पहलू खान दिखते हैं, अंकित सक्सेना (दिल्ली), रामालिंगम (तमिलनाडु), राजू त्यागी (दिल्ली), चंदन गुप्ता (उप्र), जमुना टाटी और अजय टाटी (असम) तथा बंधु प्रकाश पाल (बंगाल) आदि नहीं। क्यों? क्या इसलिए, क्योंकि पीड़ित हिंदू उन छद्म बुद्धिजीवियों की समुदाय विशेष की राजनीति में फिट नहीं बैठते? इन परिस्थितियों में यह आवश्यक हो चला है कि दुष्प्रचार करने वाले इन तत्वों के मूल एजेंडा को हम हर मंच पर उजागर करें, उन्हें कदापि न सफल होने दें।

chandankarn9470@gmail.com

बढ़ती जनसंख्या

प्रत्येक 10 वर्षों में होने वाली भारत की जनसंख्या की जनगणना (2021) में महज दो साल शेष है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र की सेक्सुअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थ एजेंसी ने स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन 2019 की रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या 1.36 अरब है, जो विश्व की कुल जनसंख्या का लगभग 19 प्रतिशत भाग है। भारत और चीन की जनसंख्या में अब महज 6 करोड़ जनसंख्या का ही फासला रह गया है। जहां चीन 142 करोड़ जनसंख्या के साथ पहले स्थान पर है, वहीं भारत 136 करोड़ जनसंख्या के साथ दूसरे पायदान पर है। प्रजनन दर की इस वृद्धि के आंकड़ों को देखे तो 2030 तक भारत, चीन को पछाड़ विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपार्ट के अनुसार 2010 से 2019 के दौरान भारत की जनसंख्या 1.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि से बढ़ी है, जबकि चीन में यह वार्षिक वृद्धि दर 0.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। इसी मुद्दे को नजर रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 15 अगस्त को लालकिले पर भाषण देते हुए जनसंख्या विस्फोट पर चिंता जाहिर की थी। देश में जनसंख्या बढ़ने का सबसे बड़ा कारण एक बड़े वर्ग का अशिक्षित होना है। इसमें अवैध प्रवासियों का भी बहुत बड़ा योगदान है। इस वजह से स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, सड़कें सभी संसाधन छोटे पड़ते जा रहे हैं। इस पर नियंत्रण बहुत जरूरी है। सरकार को विभिन्न योजनाओं के जरिये छोटे परिवार के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके लिए जनता को जागरूक करना होगा।

अखिल सिंघल, नई दिल्ली

अब मिली सही दिशा

अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में लगातार सेना व पुलिस के द्वारा भर्ती अभियान चलाए जा रहे हैं। इसमें घाटी के युवा बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे हैं। इन युवाओं को सेना व पुलिस सेवा में आने से घाटी में न केवल नया सवेरा आएगा, बल्कि इन युवाओं व परिवारों में भारतीयता की लौ भी जलेगी। इन युवाओं को अब तक बरगला कर भटकाया जा रहा था। इन्हें पत्थर बाजी की घुट्टी पिला कर गुमराह किया जाता था। अब इन्हें सही दिशा व मंजिल मिलना तय है, जो देश के साथ-साथ कश्मीरियों के लिए शुभ संकेत है।

hemahariupadhyay@gmail.com

दीपावली पर पटाखे

दीपावली पर हर वर्ष आगजनी और पटाखों से करोड़ों का नुकसान होता है। इससे जलने वाले बच्चों और युवाओं को जिंदगी भर जख्म का भार सहन करना पड़ता है। पटाखों से प्रदूषण भी फैलता है। यह पर्व रोशनी के साथ मनाना चाहिए। इसमें पटाखों का क्या काम?

skcbe9@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

40 हजार के आसपास है महाविद्यालयों की संख्या देश भर में जिसमें विविध विषय पढ़ाए जाते हैं।

डॉ. दर्शनी प्रिय
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आजकल

जनोपयोगी साबित हों शोध के परिणाम

देश भर के विश्वविद्यालयों व प्रमुख संस्थानों में चल रहे शोधकार्यों में से अधिकांश को जनोपयोगी नहीं पाया गया। यह स्वयं में शोध की विद्रूपता को दर्शाता है। देश के लगभग सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में विभिन्न विषयों पर अनेक शोधकार्य कराए जा रहे हैं जिसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसी मानक संस्थाएं लाखों रुपये का अनुदान देती हैं ताकि देश और समाजहित में जनोपयोगी शोध निष्कर्ष सामने आ सकें, लेकिन स्थिति इसके विपरित है। शोध नतीजों को जनोपयोगी बनाने की दरकार है

प्रतीकात्मक

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने हाल ही में कहा है कि देश भर में विश्वविद्यालयों में किए जाने वाले शोधकार्यों में से 80 प्रतिशत जनोपयोगी साबित नहीं हो रहे हैं। यह टिप्पणी देश में शिक्षा और शोध व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करती है। शिक्षा हमारा मौलिक अधिकार है और संविधान प्रदत्त अन्य अधिकारों में अहम भी। संवैधानिक उपविधियां इसे जनसुलभ बनाने और दृढ़ता से लागू करने को कृतसंकल्प रही हैं। किसी भी राष्ट्र की आधारशिला शिक्षा के मजबूत स्तंभों पर टिकी होती है और यही उसके समग्र विकास के मूल में है। गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रत्येक विकसित राष्ट्र की परिकल्पना है और इसे हासिल किए बगैर न तो वह सार्वभौमिक रूप से विकास के मानदंडों पर खरा उतर सकता है, और न ही वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। विडंबना है कि विकास की धुरी रही शिक्षा आज देश में सबसे ज्यादा उपेक्षित है। देश में उच्च शैक्षिक संस्थानों और प्राध्यापकों की भारी कमी महसूस की जा रही है। शिक्षा और शैक्षिक व्यवस्थाएं हाशिये पर हैं। नए शोध संस्थानों और शोध के नए क्षेत्रों में अनुसंधान लगभग बंद हैं। साथ ही शोध का लगातार गिरता स्तर सोचने पर बाध्य करता है।

नवीन शोध विषयों की तलाश में विदेश पलायन : हमारे ज्यादातर विश्वविद्यालयों में पुराने और घिसे-पीटे विषयों पर शोधकार्य कराया जाता है जिसमें न तो शोधार्थी की कोई विशेष रुचि और जिज्ञासा होती है और न ही शोध शिक्षकों का नमोन्वेष आधारित कोई गंभीर योगदान। रटे-रटाये विषयों पर शोध से कुछ नए निष्कर्षों की उम्मीद बेमानी है। देश के एकाध विश्वविद्यालयों को छोड़ दें तो अधिकांश की दशा इस संबंध में दयनीय है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे अभिनव विषयों का शोध के क्षेत्र में नितांत अभाव हो। पारंपरिक शोध विषयों पर यह सिलसिला पीढ़ी दर पीढ़ी बदस्तूर जारी है। इसी नीरसता से बचने और नएपन की तलाश में छात्र दुनिया के अन्य विश्वविद्यालयों की ओर रुख कर रहे हैं। ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन (एआइएसएचइ 2017-18) के आकड़ों के अनुसार देश में अभी 900 विश्वविद्यालय, करीब एक सौ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, 33 डीम्ड यूनिवर्सिटी और 340 निजी विश्वविद्यालयों की भारी-भरकम संख्या मौजूद है। इतना ही नहीं, देश में करीब 40,000 कॉलेज भी हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में फैकल्टी, शोधकार्यों की नवीनता का अभाव और आधारभूत आवश्यक सुविधाओं की कमी के चलते हाल के वर्षों में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन सरीखे देशों में भारतीय छात्रों का पलायन तेजी से हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लगभग एक लाख से अधिक भारतीय छात्र उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश जाते हैं। इतने बड़े स्तर पर पलायन भारतीय शैक्षिक संस्थानों की शोध क्षमता और गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जाहिर है देश में शोध संस्थानों की मौजूदा स्थिति खस्ताहाल है।

शोध संस्थान भी जिम्मेदार : विश्व की बड़ी शैक्षिक आधारभूत अवसंरचना वाले एक ऐसे देश में जहां हर वर्ष करीब तीन करोड़ विद्यार्थियों को प्रवेश और तकरीबन एक करोड़ छात्रों को स्नातक या समकक्ष डिग्री दी जाती हो, वहां 80 प्रतिशत से अधिक शोध निष्फल हो रहे हों और व्यापक स्तर पर छात्र उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश पलायन कर रहे हों, घोर निराशाजनक है। दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले देश में प्रतिभाएं गुणवत्तापूर्ण शोध निष्कर्ष दे पाने में असमर्थ हो, यह आश्चर्य में डालता है। शिक्षा के उच्च संस्थानों की जर्जरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यहां के 70 प्रतिशत से ज्यादा कॉलेज गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरते। यहां शोध के नाम पर महज खानापूर्ति के लिए अनाप-शनाप विषयों पर शोध कराए जाते हैं। एक तरफ शोधार्थी शोध के नाम पर बड़ी छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं, तो दूसरी ओर शोधशिक्षक निमित्त कार्यों की अनदेखी कर व्यक्तिगत कार्यों के लिए शोधार्थियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वर्षों तक शोधकार्य सिर्फ इसलिए खींचे जाते हैं ताकि छात्रवृत्ति और छात्रावास की दौड़ में शामिल रहा जा सके। सिर्फ उच्च शिक्षण संस्थानों की ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में भी कमोबेश यही स्थिति है। छात्र शोध के दौरान शोध पर ध्यान न देकर अन्य कार्यों में व्यस्त रहते हैं।

ग्लोबल टैलेंट रैंकिंग के चिंताजनक संकेत : सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा हमारे आइटी पेशेवरों में रोजगार की योग्यता संबंधी कमी और विश्वविख्यात आइएमडी बिजनेस स्कूल स्विट्जरलैंड द्वारा प्रकाशित ग्लोबल टैलेंट रैंकिंग 2018 की रिपोर्ट से चिंताजनक संकेत मिले हैं। इस रिपोर्ट में भारत 63 देशों की सूची में पिछले वर्ष के मुकाबले 51वें स्थान से फिसलकर दो पायदान नीचे 53वें पर पहुंच गया है। शैक्षणिक प्रणाली की गुणवत्ता और विकास के मामले में भारत इस सूची में काफी पीछे है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती है कि भारत में 91 फीसद आइटी पेशेवर नौकरी संबंधी योग्यता के मापदंड पर खरे नहीं उतरते, इसका सीधा सा मतलब है कि वे नौकरी के योग्य नहीं। शोध निष्कर्षों का सीधा प्रभाव नवाचार और उन्नयन से जुड़ा है। ऐसे शोध कार्यों का क्या औचित्य जो मानव उत्थान और आर्थिक विकास में सहायक न हों। इससे केवल समय, जनशक्ति व धन की बर्बादी ही होती है। दरअसल अनुसंधान ऐसा हो जो आर्थिकी को मजबूती देने के साथ ही बहुआयामी और जनोपयोगी हो। चोटी के विश्वविद्यालयों में शोध की ऐसी हालत से अन्य श्रेणी के विश्वविद्यालयों की हालत का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है।

कितनी भयावह समस्या : कई विश्वविद्यालयों में पिछले तीन दशकों से पाठ्यक्रमों में बदलाव नहीं किया गया है। ऐसा नहीं है कि इसे सुधारने के प्रयास नहीं किए जा रहे। पिछले चार वर्षों में सात आइआइटी, सात आइआइएम, 14 एम्स या तो स्थापित किए गए हैं या स्थापनाधीन हैं। इनमें से ज्यादातर संस्थान अभी तक शुरू ही नहीं हुए हैं और अगर शुरू भी हो गए हैं तो फैकल्टी की भारी कमी झेल रहे हैं। यद्यपि आइआइटी जैसे उच्च संस्थानों के लिए जहां 60 प्रतिशत तो आइआइएम के लिए चार गुना बजट वृद्धि की गई है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च को पिछले कुछ वर्षों में सबसे ज्यादा सरकारी सहायता निधियों का आबंटन प्राप्त हुआ है, लेकिन शिक्षा के ये संस्थान ज्ञान प्रदाता की अपनी भूमिका में नाकाम साबित हुए हैं। भारी बजट अनुदान प्राप्त करने वाले ये संस्थान सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। भले ही उच्च शिक्षा की स्थिति के क्रमिक विकास हेतु सरकार ने कई सकारात्मक पहल मसलन- शिक्षा बजट में दस फीसद की वृद्धि, शैक्षिक आधारभूत ढांचा विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये की राशि का आवंटन और प्रधानमंत्री शोध फेलोशिप योजना की शुरूआत किए गए हों, परंतु सफल क्रियान्वयन और उचित निगरानी प्रक्रिया के अभाव के चलते हालात जस के तस हैं।

शिक्षा नीति में बदलाव के प्रयास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 प्रारूप में सकारात्मक पहल करते हुए कई आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं जिसमें सरकार द्वारा देश भर में 50 नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से लेकर अलग से एक संस्कृति शिक्षा विश्वविद्यालय खोलने की बात की गई है। साथ ही देश भर में नए तकनीकी और मानविकी विश्वविद्यालय खोलने संबंधी विषय को प्रमुखता से रखा गया है। नि:संदेह ये सभी प्रयास शोध स्थिति सुधारने की दिशा में मुफीद साबित होंगे। बावजूद इसके ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां परंपरागत तरीकों में बदलाव की तत्काल आवश्यकता है, मसलन– नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को मजबूत बनाना ताकि कॉलेज और यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षाओं में टेस्ट की वैधता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके और विदेशी यूनिवर्सिटी और कॉलेज में दाखिले के लिए इसके टेस्ट की साख बनी रहे। साथ ही प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के शिक्षण पेशे में प्रवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मेरिट आधारित छात्रवृत्ति देना भी जरूरी हो। निजी उच्च शिक्षा संस्थानों को समान प्रोत्साहन और सशक्तीकरण, सुदूर शिक्षा की गुणवत्ता में बदलाव और संस्थागत वास्तुकला को उत्प्रेरित करने के मिशन, शिक्षा के साथ गहन विशेषज्ञता पर जोर, सार्वजनिक धन का निर्धारण करने के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी प्रणाली, नए संस्थागत ढांचे का विकास, विश्वविद्यालयों में विषयों के बीच बढ़ती खाई को पाटना, भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों को आमंत्रित करना एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा हेतु एक अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र आदि की स्थापना जैसे कई कार्य हैं जिन पर सरकारी नीतियों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

ये चुनौतियां हैं दावानल

अधिकांश विश्वविद्यालयों में शोध की नवीनता और विभिन्न अनुशासनों में पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी–समीक्षा शोध निधियों का घोर अभाव है जिससे छात्र सहित शोध की गुणवत्ता पर काफी फर्क पड़ रहा है। संबंधित एजेंसियों को इस पर ध्यान देना होगा। योग्यता के आधार पर नियुक्तियां और कैरियर प्रबंधन के माध्यम से संकाय स्थिति और संस्थागत नेतृत्व की अखंडता की पुन:पुष्टि करना भी एक अलग चुनौती है। देश भर में उच्च शिक्षा के 30 प्रतिशत खाली पड़े पदों को भरना, प्रशिक्षण केंद्रों में आधारभूत संरचना का त्वरित विकास, योग्य फैकल्टी की भर्ती सहित भारी फीस आदि में कटौती आदि मामले मुंह बाए खड़े हैं जिनसे निपटना जरूरी है। व्यावसायिक शिक्षा को सभी शैक्षिक संस्थानों– स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय के साथ एकीकृत किया जाए, यह सबसे ज्यादा जरूरी होगा। संबंधित एजेंसियों को रोजगार सृजन की दिशा में सार्थक और पुरजोर पहल के लिए सिरे से उपरोक्त चुनौतियों से निपटना होगा।

उभरते संकायों पर देना होगा जोर

परंपरागत मानविकी विषयों से इतर उन सभी तकनीकी क्षेत्रों में शोध के जरिये बढ़त लेने का प्रयास करना चाहिए जो वर्तमान में तेजी से विकसित हो रहे हैं, जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, थ्रीडी तकनीक, तकनीकी शिक्षा में बिग डाटा एनालिसिस और मशीन लर्निंग, जीनोमिक स्टडीज, बायो–टेक्नोलॉजी, नैनो–टेक्नोलॉजी, न्यूरोसाइंस और विज्ञान के ऐसे ही कई क्षेत्र। ऐसे नवीन और अलहदा किस्म के शोधों से नए निष्कर्षों के सामने आने की पूरी संभावना है जो लोकहित में अपनी प्रभावोत्पादकता बनाए रख सकती है। इससे उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध विषयों की नीरसता से बचा जा सकेगा। इसके लिए कार्यरत और सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों और अभियंताओं को इन तकनीकी विश्वविद्यालयों में अध्यापन के लिए नियुक्त कर इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ा जा सकेगा। एक अच्छी शिक्षा व्यवस्था नए भारत के सामाजिक–आर्थिक विकास के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को शुरू करने हेतु शर्तें कठिन जरूर हैं, लेकिन ये काफी हद तक संसाधन और निवेश जुटाने, भूमि मानदंड एनं अन्य शर्तों से संबंधित हैं। समुचित वातावरण, उन्नत संसाधन तथा योग्य प्राध्यापकों की उपस्थिति में ही छात्रों का चहुंमुखी विकास संभव है। भारत यदि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपना दबदबा कायम करना चाहता है तो उसे शोध शिक्षण संस्थानों का कायापलट करना ही होगा। साथ ही शिक्षा के बहुप्रतिष्ठित और मानक संस्थानों को पुनर्जीवित कर उसे नए तेवर के साथ प्रतिष्ठापित करना होगा, केवल तभी शोध निष्कर्षों की लोकहित में अपेक्षा की जा सकेगी।

खरी-खरी

सड़क के हमाम में व्यवस्था का नंगापन

सुधीर कुमार चौधरी

सड़क की महिमा अपार है। सड़क सरकार और जनता के मध्य संवाद का माध्यम होती है। सड़क पर चलकर सरकार वोट देने वाली जनता तक पहुंच कर उसके दुख-दर्द सुनने का उपक्रम करती है। यह अलग बात है कि इन दिनों सरकार के पास सड़क पर चलने का समय और धैर्य नहीं है। फिर भी सड़क अपना प्रजातांत्रिक दायित्व निभाने के लिए हमेशा तत्पर रहती है। हालांकि ऐसी सड़क अभी तक नहीं बन सकी है, जिस पर चलकर सरकार दुखियारी जनता तक पहुंच सके।

हमारे यहां कभी सड़क की राजनीति होती है, तो कभी राजनीति सड़क पर उतर आती है। वास्तव में सड़क, व्यवस्था की नीयत की सटीक मापक होती है। व्यवस्था के कुएं में कितनी भांग घुली हुई है, इसका अंदाजा सड़क की नब्ज पर हाथ रखते ही हो जाता है। जब इस कुएं में केवल भांग ही भांग होती है, तो सड़क का अस्तित्व केवल कागजों पर ही होता है। वैसे फाइलों से किसी तरह निकलकर जमीन पर उतर आई सड़क सामान्यतः अल्पजीवी होती है। इसे जिलाए रखना बेहद मुश्किल होता है। एक-दो बारिश झेलकर इसके प्राण-पखेरू उड़ जाते हैं। सड़क का जन्म कितनी डामर-गिट्टी और कमीशन से मिलकर हुआ है, यह बारिश में इसकी दशा देखकर पता चल जाता है।

पिछले दिनों तो बरखा सड़क की सौतन बनी गई थी। सड़क उसे देखते ही अपना ठीया छोड़ देती थी। हमाम बनी सड़क पर व्यवस्था का नंगापन छिपाए नहीं छिपता है। बेबस जनता तमाशाई बनने के लिए अभिशप्त है। पर व्यवस्था को अपने नंगेपन पर शर्म नहीं आती।

सरकार सड़क इसलिए बनवाती है कि इस पर विकास शान से चल सके। लेकिन इस पर भ्रष्टाचार दौड़ने लगता है। कहते हैं कि सड़क स्वयं नहीं चलती, बल्कि इस पर चलकर मंजिल तक पहुंचा जा सकता है। लेकिन इस बारिश में सड़क स्वयं चल रही थी, बल्कि यह बह भी रही थी।

इतना ही नहीं, खुदी हुई सड़क आदमी को अध्यात्म की राह पर ले जाती है। उसे वाहन के गड्ढों में धंसने से जीवन की निस्सारता का सहज ही ज्ञान हो जाता है। बंदा गड्ढों में ईश्वर तक को खोज लेता है। लेकिन उसे सड़क के दर्शन नसीब नहीं होते। आदमी वर्तमान बना रहता है और जिस सड़क पर चलकर वह भविष्य हो जाना चाहता था, वही सड़क भूतकाल का हिस्सा हो जाती है। ऐसे में हमारा प्रजातंत्र सड़क भूलकर कीचड़ में चलने के लिए विवश हो जाता है।

ट्वीट-ट्वीट

पीएमसी बैंक खाताधारक अगले छह महीने सिर्फ 25 हजार रुपये निकाल सकते हैं! सरकार कहती है कि वह कोऑपरेटिव बैंक नहीं चलाती, जबकि अधिकांश कोऑपरेटिव बैंक निदेशक सरकार से जुड़े होते हैं!
राजदीप सरदेसाई@sardesairajdeep

अगर भारतीय सेना नकली नहीं तो वर्ष 1962 में असली सेना से मुकाबला होने पर क्यों भाग खड़ी हुई थी?
मार्कंडेय काटजू@mkatju

क्या आप एक भारतीय हैं? अगर हैं तो कहीं भी मेरे साथ सार्वजनिक बहस में हिस्सा लीजिए। मुझे लगता है कि काटजू साहब, आपने अपनी जिंदगी में सामरिक मसले पर एक भी किताब नहीं पढ़ी।
सैयद अता हसनैन@atahasnain53

जब पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी की पत्नी ने युद्धपोत पर क्रॉस का चिन्ह बनाया था तब देश में किसी व्यक्ति ने आपत्ति नहीं जताई थी, लेकिन जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरक्राफ्ट पर ओम का चिन्ह बनाया तो कुछ लोगों को मिर्ची क्यों लग गई?
इशकरण सिंह भंडारी@ishkarnBHANDARI

बिहार डायरी

पानी की हिलोरों पर संतुलन साधें सत्ताधारी

मनोज झा
स्थानीय संपादक, बिहार

पटना में जलजमाव को लेकर प्रदेश के सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों की परस्पर बयानबाजी ने मीडिया को थोड़े समय के लिए कुछ मसाला जरूर दे दिया हो, लेकिन शीर्ष नेतृत्व के संतुलित रुख के चलते जल्दी सबकुछ सामान्य दिखाई देने लगा है। दरअसल, बारिश में पटना पानी-पानी क्या हुआ, जदयू और भाजपा के नेता-प्रवक्ता ही एक दूसरे पर कीचड़ उछालने लगे। कुछ तल्ख बयान भी सामने आए तो लगा कि कहीं कोई गड़बड़ है। इस बीच दशहरे के दिन गांधी मैदान में रावण दहन आयोजन से भाजपा नेताओं की दूरियों ने संशय को और गहरा दिया। हालांकि इसके पहले कि इन सबके निहितार्थ निकाले जाते, दोनों दलों के नेतृत्व ने आगे बढ़कर मामले को संभाल लिया। साथ ही यह संदेश देने की कोशिश भी की गई कि राजग एकजुट है। फिर भी चाहे दो-चार दिन के लिए ही सही, सत्तारूढ़ खेमे के इस ऊहापोह और तल्खियों ने दोनों ओर संशय का वातावरण तो बना ही दिया था।

दरअसल, सत्तारूढ़ गठबंधन के दो प्रमुख घटकों जदयू और भाजपा के प्रवक्ता या नेतागण बीच-बीच में यह भूल जाते हैं कि सियासी दोस्ती में संतुलन बहुत जरूरी है। दोस्ती में बहुत बोलना या कुछ न बोलना दोनों ही स्थितियां दिक्कतें पैदा करती हैं। कुछ नहीं बोलने से जहां संशय बढ़ता है, वहीं जरूरत से ज्यादा बोलने पर तल्खियां बढ़ती हैं। फिर यह तो सियासत है, जहां न सिर्फ हर कदम फूंक-फूंककर रखना पड़ता है, बल्कि कई चालें तो खुद से भी छिपा कर चलनी पड़ती है। बिहार में पिछले कई चुनावों में यह बात प्रमाणित हो चुकी है कि सत्तारूढ़ राजग के घटक दलों का सामाजिक और राजनीतिक आधार परस्पर मिल-जुलकर जीत का फार्मूला तैयार करते हैं। राजग के शीर्ष नेताओं को यह सच्चाई भलीभांति पता भी है। शायद यही कारण है कि वर्ष 2014 के लोकसभा और पिछले विधानसभा चुनाव को यदि अपवाद मान लें तो इन दलों में नेतृत्व के स्तर पर कभी कोई तल्खियां या संशय दिखाई नहीं पड़ा है। इस मजबूत सियासी गठजोड़ से पार पाना विपक्षी खेमे के लिए लगातार चुनौती भी बना हुआ है। ऐसे में पटना में पानी भरने को लेकर जदयू और भाजपा की ओर से जिस तरह से बयानबाजी का दौर शुरू हुआ, उसने प्रदेश के विपक्षी दलों को थोड़ा खुश होने का मौका जरूर दे दिया। जैसे ही जदयू और भाजपा के प्रवक्ताओं ने एक दूसरे पर निशाना साधते हुए बयानबाजी और विज्ञप्तियां जारी करनी शुरू कीं, विपक्ष ने इस मौके को हाथों हाथ लपका। किसी ने मुख्यमंत्री तो किसी ने भाजपा के मंत्रियों की घेराबंदी की। यहां तक कि नीतीश कुमार को राजग से बाहर आने का न्योता तक दिया गया। हालांकि जल्दी ही दोनों ओर के नेतृत्व ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए अपने बयानवीरों पर लगाम कसी और यह संदेश देने का प्रयास किया कि विपक्ष के मन में लड्डू फूटने की कोई वजह नहीं है। एकजुट राजग में सब कुछ ठीक-ठाक है।

बहरहाल, राजग को एकजुट रखना विपक्ष की नहीं, बल्कि उसके घटक दलों के नेतृत्व की जिम्मेदारी है। राजनीतिक दोस्ती में बोल और कदम सोच-समझकर रखना पड़ता है। प्रदेश में अगले वर्ष होने जा रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजग के घटकों को संतुलन की नाजुक बागडोर पर संभलकर चलने की आवश्यकता है। चुनाव के समय प्रत्येक राजनीतिक दल के लिए यह जरूरी है कि उसके जमीनी कार्यकर्ता एकजुट और उत्साहित रहें। साथ ही उनमें आपसी तालमेल भी बना रहे। और जब मामला गठबंधन का हो तो यह और भी जरूरी हो जाता है। देश में ही कई चुनाव इस बात के प्रमाण हैं कि जमीनी कार्यकर्ताओं में आपसी तालमेल के अभाव में किस तरह बड़ी-बड़ी पार्टियों के गठबंधन को भी अपेक्षित चुनावी सफलता नहीं मिल पाई है। इसलिए जब नेताओं की ओर से शिगूफे छोड़े जाते हैं या प्रवक्तागण धड़ाधड़ बयान जारी करते हैं तो इससे जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में संशय गहराता है। इस संशय का नुकसान कहीं न कहीं चुनावी नतीजों के रूप में ही उठाना पड़ता है।

यह ठीक है कि बिहार में जदयू और भाजपा की मित्रता समय की कसौटी पर खरी साबित हुई है, लेकिन यह तब संभव हुआ है, जब दोनों दल दोस्ती के लिए एक दूसरे की ओर एक-एक कदम आगे बढ़े हैं और गले मिलने के लिए दोनों ने अपना-अपना सिर भी थोड़ा झुकाया है। संशय और तनातनी कई बार बना-बनाया खेल भी बिगाड़ देती है। यह बात चाहे राजग गठबंधन हो या फिर विपक्ष का महागठबंधन, दोनों के लिए पत्थर की लकीर के समान है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

विधानसभा चुनाव से पूर्व कांग्रेस में असंतोष के स्वर पार्टी हेतु नुकसानदेह साबित होंगे?

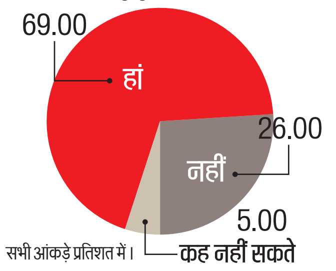

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या जीएसटी संग्रह में आई कमी टैक्स चोरी का नतीजा है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y**, **N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y –हां, **N**–नहीं, **C**–कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

पत्थर पर हैं लिख चुके हम अपना इतिहास,
महाबलीपुर कह रहा यही कथा कुछ खास।
यही कथा कुछ खास जानते लिखना आगत,
करते सीना तान महाबलियों का स्वागत!
यह तुम पर है मित्र लीजिए हम से टक्कर,
या पिघला लो आप प्रेम अग्नी से पत्थर!!
– ओमप्रकाश तिवारी

पुण्यतिथि

डॉ. लोहिया की स्मृतियों को सहेजने का वक्त

अभिषेक रंजन सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

भारत के कई शहरों में आज भी डॉ. राममनोहर लोहिया से जुड़ी कई चीजें मौजूद हैं, लेकिन सत्ता और स्वार्थ के दुष्चक्र में फंसे समाजवादियों ने डॉ. लोहिया को लगभग भुला दिया है। आज उनसे जुड़ी यादों को सहेजने की आवश्यकता है

भारतीय राजनीति में ऐसे कम ही व्यक्ति रहे हैं जो महज 57 वर्ष जिंदा रहे, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप में जो शिनाख्त कायम की, उसे पांच दशकों बाद भी भुलाया नहीं जा सकता। पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) में तो उनसे जुड़ीं कई स्मृतियां व किस्से मौजूद हैं। पर अफसोस कि उनके नाम पर सत्ता की राजनीति करने वालों ने कभी भी उन स्मृतियों को सहेजने की कोशिश नहीं की।

स्वाधीनता संग्राम के दिनों में एकीकृत बंगाल में अंग्रेजों के खिलाफ छात्रों में काफी उबाल था। कलकत्ता (कोलकाता), ढाका, चटगांव और बरिसाल इसके मुख्य केंद्र थे। आजादी की लड़ाई को कुचलने के लिए ब्रिटिश अधिकारी बर्बरता की हदें पार कर रहे थे। वर्ष 1938 में 'बंग विद्यार्थी संग्राम परिषद' ने डॉ. राममनोहर लोहिया की सभा ढाका विश्वविद्यालय स्थित कर्जन हॉल में आयोजित की। डॉ. लोहिया का वह भाषण इसलिए भी ऐतिहासिक कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने वहां के छात्र-नौजवानों से अहिंसक तरीके से संघर्ष करने की अपील की।

पूर्वी बंगाल के मैमनसिंह जिले में भी क्रांति की धारा तेज थी। इसे भांपकर डॉ. लोहिया वर्ष 1939 में पहुंचे और करीब चार महीनों तक रहे। जर्मनी से अर्थशास्त्र में पीएचडी डॉ. लोहिया ने यहां के आनंद मोहन कॉलेज में अल्प अवधि तक अध्यापन भी किया। इसके पीछे उनका मकसद था मैमनसिंह के क्रांतिकारी नौजवानों-छात्रों से संवाद करना।

वर्ष 1946 का उत्तरार्ध और 1947 का पूर्वार्ध डॉ. राममनोहर लोहिया के लिए अहम रहा। इस कालखंड ने डॉ. लोहिया को जननेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लाहौर जेल से रिहा होने के बाद डॉ. लोहिया स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने मित्र जूलियो मेनेजिस के यहां गोवा पहुंचे। वहां गोवावासियों की हालत देखकर उनका मन व्यथित हो गया। पुर्तगाल की दासता से गोवा को मुक्त कराने के लिए उन्होंने गोमांतकों को एकजुट करना शुरू किया। यहां भी उन्हें जेल और यातनाएं सहनी पड़ी। उस समय जवाहरलाल नेहरू समेत कई बड़े नेताओं की उदासीनता के कारण गोवा की आजादी में देरी हुई, वरना भारत की स्वतंत्रता के आस-पास ही गोवा भी स्वतंत्र हो जाता।

इस बीच मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान बनाने की हद तक पहुंच गए थे। भारत का विभाजन निश्चित था और इस बाबत मसौदे तैयार किए जा रहे थे। अगस्त 1946 में जिन्ना ने 'डायरेक्ट एक्शन' की घोषणा की। उनके इस फरमान के बाद कलकत्ता में भीषण सांप्रदायिक दंगे शुरू हो गए। इतिहास में यह 'द ग्रेट कलकत्ता कीलिंग' के नाम से दर्ज है। कलकत्ते के बाद पूर्वी बंगाल के नोआखाली में हिंदुओं का कत्लेआम शुरू हो गया। नोआखाली के बाद बिहार में दंगे शुरू हो गए। अखबारों में जहां एक तरफ जलते नोआखाली की तस्वीरें थीं तो दूसरी तरफ बिहार में मारे गए लोगों की कहानी। नोआखाली के दंगे में पंद्रह हजार लोग मारे गए और सैकड़ों महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया।

पूर्वी बंगाल में शांति स्थापना के लिए महात्मा गांधी सात नवंबर 1946 को नोआखाली पहुंचे। गांधीजी यहां तीन महीनों तक रहे और गांव-गांव जाकर लोगों को शांति और सद्भाव के साथ रहने की अपील की। दिसंबर 1946 से फरवरी 1947 तक डॉ. राममनोहर लोहिया भी पूर्वी बंगाल के हिंसाग्रस्त जिलों में रहे। नोआखाली के हालात में धीरे-धीरे सुधार हो रहा था। इसी बीच चटगांव में हिंदुओं के खिलाफ दंगे शुरू हो गए। आठ फरवरी 1947 को डॉ. राममनोहर लोहिया और उनके कुछ साथी महात्मा गांधी के निर्देश पर चटगांव पहुंचे। मुसलमानों और हिंदुओं के बीच अमन बहाली कायम हो इस बाबत वे चटगांव के दीवान बाजार स्थित जतिंद्र मोहन सेनगुप्ता हॉल में सभा कर रहे थे। इसी बीच मुस्लिम लीग के अध्यक्ष गुलाम सरवर के पक्ष में नारा लगाते हुए कुछ हथियारबंद लोग सभागार में पहुंच गए। लीग के उन्मादी कार्यकर्ता डॉ. राममनोहर लोहिया की हत्या करने पर आमादा थे। सभागार में ही उन्होंने डॉ. लोहिया का सिर काटने वालों को दस हजार रुपये ईनाम देने का एलान कर दिया। शांति के पक्षधर मुसलमानों और मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प शुरू हो गई। बीच-बचाव में डॉ. लोहिया भी थोड़े जख्मी हो गए। गांधीवादी कार्यकर्ताओं ने किसी प्रकार डॉ. लोहिया को वहां से निकाला और चटगांव से खुलना जाने वाली मालगाड़ी में उन्हें बिठाकर रवाना किया। खुलना से कलकत्ता न जाकर डॉ. लोहिया कुश्तिया चले गए। पूर्वी बंगाल का यह इलाका अपेक्षाकृत शांत था। कुश्तिया में स्थानीय लोगों की अपील पर डॉ. लोहिया ने एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हिंदू और मुसलमानों को चाहिए कि वे राजनीति के शिकार न हों। उन्होंने कहा कि भारत का विभाजन नियति की लकीर नहीं है, बल्कि स्वार्थ की राजनीति की परिणति है। कुश्तिया कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि है, अतः नेताओं के बहकावे में आकर खून-खराबा नहीं करें। यह डॉ. राममनोहर लोहिया का चमत्कारिक व्यक्तित्व ही था कि बंटवारे के समय पूर्वी बंगाल के हिंदू बहुल जिले खुलना, कुश्तिया व जैसोर दंगे से महफूज रहे।

राजधानी ढाका स्थित महात्मा गांधी स्मारक सदन के अध्यक्ष सैयद अबुल मकसूद के मुताबिक डॉ. लोहिया के पिता हीरालाल लोहिया गांधीजी के अनुयायी एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। ढाका में 'हीरालाल लोहिया चेरिटेबल ट्रस्ट' की स्थापना हुई थी। भारत विभाजन के बाद भी यह ट्रस्ट 16 वर्षों तक कायम रहा। लेकिन वर्ष 1963 में जम्मू-कश्मीर स्थित हजरत बल दरगाह में रखी पैगंबर मुहम्मद साहब की दाढ़ी की बाल खो जाने से तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में दंगे शुरू हो गए। दंगाइयों ने ढाका स्थित 'हीरालाल लोहिया चेरिटेबल ट्रस्ट' को आग के हवाले कर दिया। मजहबी फसाद थमने के बाद गांधीवादियों को उम्मीद थी कि पाकिस्तान सरकार इसका पुनर्निर्माण करेगी, लेकिन उसने ट्रस्ट को भंग कर उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया। मौजूदा समाजवादियों को डॉ. राममनोहर लोहिया की वैचारिक विरासत से कोई मतलब नहीं है। आज उनके विचार एवं सिद्धांत उन लोगों के बीच जिंदा हैं जो सत्ता से दूर वैचारिक समाजवादी हैं। खुशी की बात यह है कि लोहिया साहित्य देश के युवाओं में काफी लोकप्रिय हो रहा है।

7 दिसंबर को दिल्ली समेत देश के 30 और दुनिया के 50 शहरों में वर्ल्ड बिग स्लीप आउट का आयोजन होगा। इसका मकसद लोगों को बेघरों के बीच लेकर आना और यह दिखाना है कि वे अपनी रात कैसे काटते हैं। इससे बेघरों के विकास के लिए फंड इकट्ठा किया जाएगा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 12 अक्टूबर 2019

संकल्प से नक्सली पति को बनाया प्रगतिशील किसान

पति दानियल तिग्गा और बच्चों के साथ शील तिग्गा। जागरण

राजेश प्रसाद गुप्ता, लोहरदगा

- झारखंड की शील तिग्गा ने पति के हाथों से बंदूक छुड़ा थमाई कुदाल
- शादी के बाद पता चला था पति के नक्सली होने का, लेकिन बदल दी जिंदगी

नारी सशक्तीकरण

नारी न केवल शक्ति, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति का भी दूसरा नाम है। वह अगर किसी चीज का संकल्प कर ले तो उसे पूरा करके ही दम लेती है। कुछ ऐसी ही कहानी है झारखंड के शील तिग्गा की, जिन्हें शादी के बाद पता चला कि उनके पति नक्सली हैं। पहले तो होश उड़ गए और दहशत में जीवन बीतने लगा, लेकिन फिर डर भरी जिंदगी को बदलने की ठानी। पति को समझाया और मुख्यधारा से जोड़ा। आज वह प्रगतिशील किसान हैं। उनके हाथों से से बंदूक छुड़ाकर कुदाल थमाई और दहशतभरी जिंदगी को खुशहाली में बदला।

झारखंड में लोहरदगा जिले के धानामुंजी गांव की शील केवल इंटर पास हैं। वह भी दूसरी लड़कियों की तरह सामान्य जीवन जीना चाहती थीं, लेकिन विवाह के बाद पता चला कि पति दानियल नक्सली हैं। वो भी ऐसे कि उनके नाम से ही क्षेत्र के लोग भय खाते थे। इससे शील की जिंदगी भी डर और दहशत से भर गई। पहले तो उन्हें लगा कि बचपन में जो सपने सजाए थे वो सभी टूट गए, लेकिन एक दिन सोचा कि अगर पति की सोच को बदलकर मुख्यधारा में जोड़ा जाए तो वह अपने सपने पूरा कर सकती हैं। आज वह पति को सफल किसान के रूप में पहचान दिलाने में कामयाब हो गई हैं। शील के कार्य से दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं।

2013 में किया आत्मसमर्पण : शील कहती हैं कि स्त्री चाह ले तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। 2011 में दानियल लकड़ा से विवाह के बाद पति के नक्सली होने की जानकारी हुई। तब बेचैनी बढ़ गई थी। मन में हमेशा डर बना रहता था। शील ने बताया, 'इसके बाद मैंने अपने पति को मुख्यधारा में वापस लाकर सामान्य जिंदगी जीने की ठान ली। धीरे-धीरे मैंने पति को नक्सली गतिविधियों से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताना शुरू किया। सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने के फायदे बताए। अंततः उन्होंने भी मेरी बात मान 2013 में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद उन्हें हजारीबाग की ओपन जेल में रखा गया। वहां से रिहा होने के बाद अब खेती-बाड़ी और बागवानी कर परिवार संग खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं।'

> नक्सली संगठन में रहने के कारण परिवार और समाज से दूर हो गया था। हमेशा नकारात्मक सोच हावी रहती थी। पत्नी शील ने मुझे रास्ता दिखाया। नक्सली संगठन से दूर हो कर समाज की मुख्यधारा में लौटा। शुरू में कुछ परेशानी हुई, लेकिन अब सब कुछ बेहतर हो रहा है।
> –दानियल लकड़ा

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवप्रेरणा से भर सकती हो। संक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

ताल तलैया में ही नहीं, खेत में भी खिल रहा कमल

जागरण विशेष ▶ उप्र के मुरादाबाद में किसानों ने खेत में कमल की फसल उगाकर तलाशी कमाई की बेहतर राह

दिल्ली, बरेली समेत अन्य शहरों के थोक कारोबारी ले जाते हैं फूल

समन्वय पाण्डेय, मुरादाबाद

उत्तर प्रदेश स्थित मुरादाबाद के मोढ़ा तेहिया गांव में खेत में कमल के फूल की फसल। जागरण

गांव के पास में ही स्थित झील में खिले कमल के फूल। जागरण

राष्ट्रीय पुष्प कमल के बारे में अभी तक आप यही जानते होंगे कि यह कीचड़ में उगता है। तालाब और झील के गंदे पानी में इसकी खेती होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। कमल का फूल सामान्य खेत में भी खिलता है। यहां तक कि आप इसे अपने घर के गमले में भी लगा सकते हैं। इतना ही नहीं यह किसानों की आजीविका का बेहतर साधन भी है। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के कांठ क्षेत्र के मोढ़ा तेहिया गांव में किसान खेतों में कमल के फूल खिलाकर संपन्न हो रहे हैं।

गांव के पास ही करीब 67 एकड़ में फैली एक झील है। उसमें भी कमल उगाए जाते हैं। जिन्हें झील का ठेका नहीं मिलता है, वे अपने खेत में उसे उगाते हैं। किसान नारायण सिंह बताते हैं कि गांव की करीब 32 एकड़ जमीन में कमल की खेती की जा रही है। बहुतायत में फूल की खेती होने के चलते दिल्ली, बरेली, अलीगढ़, आगरा समेत आसपास के अन्य शहर के कारोबारी यहां से थोक में कमल ले जाते हैं। नवरात्र से दीपावली तक कमल की मांग ज्यादा रहती है। स्थानीय किसानों का कहना है कि धान और गेहूं की फसल में नुकसान की गुंजाइश ज्यादा रहती है, जबकि कमल के फूल की खेती में ऐसा नहीं है। बस कीचड़ में काम करने की आदत डालनी होती है। इसमें वे कमल के फूल से तो कमाई करते ही हैं, सब्जी के रूप में कमल गट्टे और इसके बीज की बिक्री भी होती है। बीज से ही मखाने बनाते हैं।

खेत में ऐसे खिलता है कमल : किसान धर्मपाल सिंह बताते हैं कि कमल की फसल जुलाई में लगाई जाती है। खेत की जुताई करके उसमें कमल की जड़ लगाई जाती है या बीज बोए जाते हैं। इसके बाद करीब दो महीने तक खेत में पानी भरा रहना चाहिए। यानी कीचड़ रहनी चाहिए। अक्टूबर में फसल कटने लायक हो जाती है। जड़ में जितनी गांठे होती हैं उतने ही पौधे निकलते हैं, बिल्कुल गन्ने की फसल की तरह। हर पौधे पर सिर्फ एक कमल का फूल ही खिलता है। इसके साथ ही बीजों का गुच्छा भी पौधे पर ही तैयार होता है।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

कम समय में ज्यादा आमदनी का अच्छा जरिया

कमल की खेती कम समय में ज्यादा आमदनी देती है। किसान नारायण सिंह बताते हैं कि एक एकड़ में करीब छह हजार पौधे तैयार हो सकते हैं। हर पौधे पर एक कमल खिलता है, जो थोक कारोबारी पीस के हिसाब से ले जाते हैं। थोक में एक कमल का फूल एक से दो रुपये में आम दिनों में बिकता है। इस हिसाब से करीब 12 हजार के फूल थोक में बिक जाते हैं। इसी प्रकार से बीजों के छत्ते और कमल गट्टे अलग-अलग बिकते हैं। एक ही फसल से तीन तरह की चीजें तैयार होती हैं और बाजार में बिकती हैं। धर्मपाल बताते हैं कि कमल के फूल की फसल लगाने में 15 से 20 हजार का खर्च आता है, जबकि फसल बिकने के बाद किसान को करीब 54 से 55 हजार रुपये की आमदनी होती है।

बढ़ते प्रदूषण पर नीति आयोग चिंतित

शशांक शेखर भारद्वाज, कानपुर

- जल और वायु प्रदूषण रोकने को प्रभावी प्लान बनाने के दिए निर्देश
- आइआइटी, नीरी, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सौंपी गई जिम्मेदारी

बढ़ते प्रदूषण पर अब नीति आयोग ने भी चिंता जताई है। आयोग ने जल और वायु प्रदूषण के खतरे को रोकने को लेकर प्रभावी प्लान बनाने का निर्देश जारी किया है। इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर धरातल पर लाने की जिम्मेदारी आइआइटी कानपुर, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नीति आयोग प्रदूषण नियंत्रण को लेकर उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा करेगा ताकि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखंड, राजस्थान समेत देश के अन्य राज्यों में वायु प्रदूषण बढ़ता ही जा रहा है। औद्योगिकीकरण के साथ ही दूषित हवा की मात्रा में इजाफा हो रहा है। चाहे वाहनों से निकलने वाला धुआं हो या फिर औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाली राख, सभी से वायु गुणवत्ता सूचकांक प्रभावित हुआ है। यही स्थिति जल प्रदूषण की है। घरों के दूषित पानी को जलीय स्रोतों में मिला दिया जा रहा है। गंगा, यमुना जैसी नदियां प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। प्रदूषण की वजह से जलवायु में तेजी से परिवर्तन होने लगा है। नीति आयोग के पास कई शहरों की रिपोर्ट, शोध-आंकड़े आए जिसके आकलन से हालात भयावह मिले। नीति आयोग के सलाहकार डॉ. जितेंद्र सिंह की ओर से आइआइटी कानपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. मुकेश शर्मा और प्रो. पूर्णेंदु बोस के पास पत्र आया है। नीरी के निदेशक को भी पत्र भेजा गया है। प्रो. मुकेश शर्मा को वायु प्रदूषण, प्रो. पूर्णेंदु बोस को जल प्रदूषण और नीरी को जलवायु परिवर्तन को लेकर प्लान बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इस काम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदेश की सरकारें सहयोग करेंगी।

उत्तर प्रदेश बेहद प्रभावित

कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद समेत उत्तर प्रदेश के 15 जिले हानिकारक गैसों की वजह से बेहद प्रभावित हैं। एनजीटी की ओर से इन शहरों की स्थिति सुधारने के पहले ही सख्त आदेश हो चुके हैं। गंगा, यमुना, काली नदी, रामगंगा, गोमती, पांडु समेत अन्य नदियां अति दूषित हैं।

खगोलीय घटना :11 नवंबर को सूर्य के मध्य क्षेत्र से गुजरता दिखेगा बुध ग्रह

रमेश चंद्रा, नैनीताल

- एक माह होगा मरकरी ट्रांजिट
- खगोलविदों की रहेगी नजर

ठीक एक माह बाद 11 नवंबर को सौरमंडल में दुर्लभ खगोलीय घटना होने जा रही है। इस दौरान बुध ग्रह सूर्य के सामने से अपना सफर तय करेगा। मरकरी ट्रांजिट की इस घटना को नग्न आंखों से देखा जा सकेगा। दुनिया के कई हिस्सों यह घटना देखी जा सकेगी। इस दौरान बुध गृह सूर्य के मध्य क्षेत्र से गुजरता हुआ दिखाई देगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. शषि भूषण पांडे के अनुसार, बुध का सूर्य के साथ आच्छादन यानी मरकरी ट्रांजिट कहा जाता है। इस बार होने जा रही इस घटना में बुध, सूर्य के लगभग मध्य क्षेत्र से गुजरने जा रहा है, जिस कारण यह ट्रांजिट बेहद खास माना जा रहा है। इस दौरान बुध सूर्य के सामने से 5.30 घंटे की यात्रा कर अपने पाथ पर आगे बढ़ेगा। 11 नवंबर की शाम 6.04 बजे ट्रांजिट शुरू हो जाएगा, जिसमें बुध को काली बिंदी के रूप में सूर्य के सामने से गुजरते देखा जा सकेगा। इस खगोलीय घटना को दुनिया के कई हिस्सों से कोरी आखों से देखा जा सकेगा। ट्रांजिट के दौरान भारत में सूर्य ढल चुका होगा। लिहाजा इसे टलांटिक, प्रशांत व हिंद महासागर से ही देखा जा सकेगा। अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, उत्तरी अमेरिका व यूरोप के कुछ हिस्से में इस अद्भुत घटना को बखूबी देखा जा सकेगा।

क्या है मरकरी ट्रांजिट : हमारे सौरमंडल में प्रत्येक ग्रह अपने पथ पर सूर्य की परिक्रमा करते हैं। इस दौरान कई बार वह सूर्य के सामने से गुजरते हैं। जब भी ऐसी स्थिति बनती है तो वह ट्रांजिट कहलाता है। मरकरी के अलावा वीनस ट्रांजिट भी होता है।

सदी में 13 बार होती है यह घटना : मरकरी ट्रांजिट की खगोलीय घटना एक सदी में सिर्फ 13 बार होती है, जिसके चलते यह घटना दुर्लभ मानी जाती है। इससे पूर्व मरकरी ट्रांजिट नवंबर 2016 में हुई थी। इस वर्ष 11 नवंबर के बाद अगली घटना 13 साल बाद नवंबर 2032 में होगी। इस सदी का सबसे लंबा ट्रांजिट नवंबर 2095 में होगा। वहीं, सदी का अंतिम मरकरी ट्रांजिट नवंबर 2098 को होगा।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है घटना : वैज्ञानिक दृष्किोण से यह घटना समय व दूरी की गणना के लिए महत्व रखती है। घटना के दौरान ऑब्जर्वेशन के बाद पूर्व की गणना की पुष्टि अथवा परिवर्तन के बारे में सटीक जानकारी मिल जाती है।

सूर्य का सबसे नजदीकी ग्रह है बुध : बुध हमारे सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है, जो सूर्य के सर्वाधिक नजदीक है। यह 88 दिन में सूर्य का चक्कर पूरा कर लेता है। सूर्य की अत्यधिक रोशनी इस ग्रह पर पड़ने के कारण इसे देख पाना आसान नहीं है।

लाइफ लाइन एक्सप्रेस में 22 दिन में होंगे दो हजार ऑपरेशन

नईदुनिया, कोरबा

कोरबा पहुंची लाइफ लाइन एक्सप्रेस। नईदुनिया

- छत्तीसगढ़ के कोरबा रेलवे स्टेशन पहुंची एक्सप्रेस, आज से स्वास्थ्य शिविर
- चलित अस्पताल में देशभर के 40 विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे सेवाएं

देश की पहली चलित रेल अस्पताल लाइफ लाइन एक्सप्रेस छत्तीसगढ़ के कोरबा पहुंची। कोरबा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर इस ट्रेन में 12 अक्टूबर से दो नवंबर तक लोगों का निःशुल्क इलाज किया जाएगा। सात सुसज्जित बोगियों वाली इस एक्सप्रेस में रेल अस्पताल के विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा स्तन एवं सर्वाइकल कैंसर, मुंह के कैंसर की जांच एवं उपचार के साथ-साथ प्लास्टिक सर्जरी एवं दांतों के रोगों का भी इलाज किया जाएगा। लाइफ लाइन एक्सप्रेस में 22 दिनों में दो हजार छोटे-बड़े ऑपरेशन किए जाएंगे। इसमें मोतियाबिंद, कटे-फटे होंठ, हड्डी से संबंधित विकारों, जलने से हुए विकारों से लेकर कान के ऑपरेशन प्रमुख हैं।

कलेक्टर किरण कौशल ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों को इलाज के लिए लाइफ लाइन एक्सप्रेस तक लाने की भी जिला प्रशासन निःशुल्क व्यवस्था कर रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से सभी गांवों में घर-घर जाकर एक्सप्रेस की सुविधाओं के बारे में लोगों को बताया जा रहा है।

1991 से चल रही लाइफ लाइन एक्सप्रेस : इंपेक्ट इंडिया फाउंडेशन और भारतीय रेलवे के प्रयास से वर्ष 1991 में शुरू हुई लाइफ लाइन एक्सप्रेस कोरबा में वर्ष 2002 में पहली बार आई थी। तब पांच हजार से अधिक लोगों को इलाज का लाभ मिल सका था। इस ट्रेन में सात बोगी हैं, जिसमें दो बोगियों में ऑपरेशन थियेटर स्थापित किया गया है। इनमें एक ही समय में पांच मरीजों का ऑपरेशन किया जा सकता है। चिकित्सकीय सुविधा के लिए देशभर के 40 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम इसमें मौजूद है।

1000 मोतियाबिंद का ऑपरेशन : नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम 12 दिनों में एक हजार मोतियाबिंद के ऑपरेशन करेगी। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए पहले ही 500 मरीजों का पंजीयन किया जा चुका है।

उत्तराखंड में आठवीं तक के पाठ्यक्रम में शामिल होगा मानव-वन्यजीव संघर्ष

केदार दत्त, देहरादून

प्रतीकात्मक

- संघर्ष थामने व सह-अस्तित्व की भावना के मद्देनजर प्रदेश सरकार उठाने जा रही कदम
- पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के सिलसिले में शिक्षा विभाग तैयार करेगा प्रस्ताव

विषम भूगोल और 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखंड में चिंताजनक स्थिति में पहुंच चुके मानव-वन्यजीव संघर्ष ने सरकार की पेशानी पर बल डाल दिए हैं। इस कड़ी में सह अस्तित्व की भावना के मद्देनजर संघर्ष थामने को जनजागरण समेत अन्य उपाय करने के साथ ही इस अहम मसले को आठवीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी है। इस सिलसिले में शिक्षा विभाग प्रस्ताव तैयार करेगा। फिर कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे राज्यभर के स्कूलों में लागू कर दिया जाएगा। इससे जहां जनजागरण में मदद मिलेगी, वहीं लोगों को वन्यजीवों से बचाव के साथ ही इनके साथ रहने के तौर-तरीकों की जानकारी मिल सकेगी।

यह किसी से छिपा नहीं है कि बाघ, हाथी समेत दूसरे वन्यजीवों के संरक्षण में उत्तराखंड अहम भूमिका निभा रहा है। वन्यजीवों की बढ़ती तादाद इसकी बानगी है। बावजूद इसके तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। यही वन्यजीव यहां के निवासियों के लिए जान का सबब भी बन गए हैं। खासकर, गुलदारों के खौफ ने तो रातों की नींद और दिन का चैन छीना हुआ है।

वन महकमे के आंकड़ों को ही देखें तो 2012-13 से लेकर अगस्त 2019 तक 350 लोग वन्यजीवों के हमले में मारे गए, जबकि 1886 घायल हुए। इसके अलावा 32294 मवेशियों को जंगली जानवरों ने निवाला बनाया। फसल व भवन क्षति के मामले में भी कम नहीं हैं। इस संघर्ष में वन्यजीवों को भी जान गंवानी पड़ रही है। वर्ष 2001 से लेकर मार्च 2019 तक की अवधि में 1715 बाघ, हाथी व गुलदारों की मौत हुई।

> समग्र आलोक में देखें तो जानवर तो अपना स्वभाव बदलेगा नहीं, लिहाजा मनुष्य को ही व्यवहार बदलना होगा। सह-अस्तित्व की भावना के तहत जीना सीखना होगा। इस कड़ी में जागरूकता कार्यक्रम पर जोर है। साथ ही मानव-वन्यजीव संघर्ष को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए शिक्षा विभाग को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पहले चरण में आठवीं तक इसे पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने का विचार है।
> –डॉ. हरक सिंह रावत, वन एवं पर्यावरण मंत्री, उत्तराखंड

साफ है कि इस संघर्ष में मनुष्य और वन्यजीव दोनों को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। अब तो स्थिति अधिक विकट हो चली है। वन्यजीवों का खौफ गांवों से पलायन का एक बड़ा कारण भी है। ऐसे में ऐसे उपायों की दरकार है, जिससे मनुष्य भी महफूज रहे और वन्यजीव भी। इसी कड़ी में अब मानव वन्यजीव संघर्ष को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है, ताकि बच्चे बाल्यकाल से ही वन्यजीवों से बचाव के गुर सीख सकें।

केदारनाथ की प्रतिकृति में दिखेगी कुमाऊनी ऐपण कला की झलक

रुद्रप्रयाग के महिला समूह ने तैयार की है केदारनाथ की प्रतिकृति, जिसमें कुमाऊ की प्रसिद्ध ऐपण कला का प्रयोग किया गया है। जागरण

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग

- केदारनाथ दर्शन को आने वाले श्रद्धालु स्मृति चिह्न के रूप में ले जाएंगे मंदिर की प्रतिकृति
- मक्कू व नवज्योति ग्राम संगठन परकंडी की महिलाएं आजीविका मिशन के तहत ले रहीं प्रशिक्षण

केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति में अब गढ़वाल के साथ ही कुमाऊनी संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। इसके लिए रुद्रप्रयाग जिले में महिला समूहों की ओर से केदारनाथ मंदिर की जो प्रतिकृति तैयार की जा रही हैं, उनमें कुमाऊं की प्राचीन ऐपण (अल्पना) लोक चित्रकला का भी समावेश होगा। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो सकेगी।

आपदा के बाद केदारपुरी को पहाड़ी शैली सजाया-संवारा जा रहा है। यहां हाट बाजार में जिला प्रशासन ने 50 दुकानें बनाई हैं, जिनमें स्थानीय शिल्प व उत्पादों को देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को बेचा जाएगा। इसके साथ ही अब धाम में यात्रियों को कुमाऊं की झलक भी देखने को मिलेगी। इसके लिए प्रशासन की ओर से शारदा ग्राम संगठन मक्कू व नवज्योति ग्राम संगठन परकंडी की 34 महिलाओं को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत मंदिर की प्रतिकृति बनाने के साथ कुमाऊं की प्राचीन ऐपण कला का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

ऑनलाइन भी होगी उपलब्ध : वर्तमान में केदारनाथ हेलीपेड के आसपास यात्रियों के लिए मंदिर की प्रतिकृति रखी जा रही हैं। भविष्य में इन्हें ऑनलाइन अमेजन, फ्लिपकार्ट आदि कंपनियों के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाएगा। मंदिर की इस प्रतिकृति के रंग मंदिर के वास्तविक रंगों के समान हैं।

अराइवल प्लाजा व आस्था पथ की प्रतिकृति भी होंगी तैयार

जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल ने बताया कि स्थानीय महिलाओं के सहयोग से केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है। महिलाएं पूरे मनोयोग से इस कार्य को कर रही हैं। धीरे-धीरे इससे अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी जोड़ा जाएगा। केदारनाथ की प्रतिकृति के साथ ही अराइवल प्लाजा, आस्था पथ व अन्य स्थलों की प्रतिकृति भी यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि टाटा ट्रस्ट आदि कंपनियों की मांग है कि अधिक से अधिक संख्या में प्रतिकृति उपलब्ध कराई जाएं।

कुमाऊं की प्रसिद्ध लोक चित्रकला है ऐपण : ऐपण कुमाऊं की एक प्रसिद्ध लोक चित्रकला है। इसका सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों में विशेष महत्व है। परंपरागत ऐपण प्राकृतिक रंगों जैसे गेरू (एक प्रकार की लाल मिट्टी) और चावल के आटे (बिस्वारं) से बनाई जाती है। इसमें महिलाएं विभिन्न प्रकार के चित्र बनाकर घर के आंगन, दरवाजे, दीवार व मंदिरों को सजाती हैं।

गंगोत्री-यमुनोत्री यात्रा करा रही सुखद अहसास

बढ़े श्रद्धालु

आपदा के बाद पहली बार यहां दर्शन को रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, 28 अक्टूबर को गंगोत्री और 29 को बंद होंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम में दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतार। जागरण

वर्ष 2013 की आपदा के बाद से यह पहला सीजन है, जब गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। आपदा के बाद पूरी तरह पटरी से उतरी चुकी चारधाम यात्रा पहली बार अपनी पूरी लय में है। वर्ष 2013 की भीषण त्रासदी के बाद वर्ष 2014 की अपेक्षा इस बार गंगोत्री व यमुनोत्री धाम पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या में दस गुना से अधिक का इजाफा हुआ है। इससे न सिर्फ दोनों धाम, बल्कि स्थानीय लोगों और व्यापारियों के चेहरों की भी रौनक लौटी है।

वर्ष 2014 में जहां गंगोत्री धाम पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या 59 हजार रही, वहीं यमुनोत्री धाम मात्र 38 हजार यात्री ही पहुंच पाए थे। इस बार अब तक गंगोत्री धाम में 5.08 लाख और यमुनोत्री धाम 4.47 लाख यात्री दर्शन कर चुके हैं, जबकि कपाट बंद होने में अभी 17 दिन शेष हैं। होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र मटूड़ा कहते हैं कि यह भविष्य के लिहाज से एक अच्छा संकेत है। इस बार सड़क मार्गों के दुरुस्त रहने से भी गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा काफी सुखद रही।

इसी माह बंद हो जाएंगे दोनों धामों के कपाट : छह माह की ग्रीष्मकालीन यात्रा के बाद अब इसी माह शीतकाल के लिए दोनों धामों के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। अन्नकूट पर्व पर 28 अक्टूबर को दोपहर 11.40 बजे गंगोत्री धाम और भैया दूज पर्व पर 29 अक्टूबर को दोपहर 12.25 बजे यमुनोत्री धाम के कपाट बंद करने का मुहूर्त निकला है। इसके बाद शीतकाल के छह माह मां गंगा अपने शीतकालीन प्रवास स्थल मुखीमठ (मुखवा) और मां यमुना खुशीमठ (खरसाली) में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगी।

> गंगोत्री धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बीते वर्षों की अपेक्षा अच्छी रही है। जिस तरह इस बार यात्रा ने रफ्तार पकड़ी, उससे आने वाले समय में चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है।
> –दीपक सेमवाल, सचिव, गंगोत्री मंदिर समिति

यात्रियों की संख्या

वर्ष	गंगोत्री	यमुनोत्री
2019	5,08,300	4,47,825 (नौ अक्टूबर तक)
2018	4,77,975	3,93,943
2017	4,10,642	3,97,100
2016	2,87,679	1,60,563
2015	1,60,701	1,23,260
2014	59,704	38,244
2013	2,06,456	2,38,140

दैनिक जागरण
सबरंग
शहर को जानने के...
नई दिल्ली, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

कैमरा संग्रहालय

कहानी तस्वीरों के जन्मदाता की

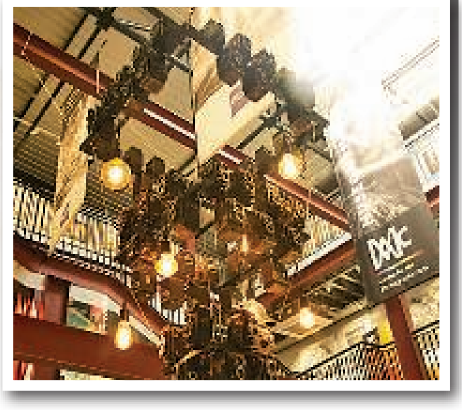

कैमरे के इस संग्रहालय में हर कैमरे की अपनी विरासत अपना अलग इतिहास है। सभी फोटो : विशाल

मन को लुभाती हैं तस्वीरें...बैठे-बैठे फुर्सत के साथ जेहन में उतर जाती हैं तस्वीरें...आखिर कहां बनती हैं ये तस्वीरें...सहज सरल भाव से अचानक ही लेंस में समाकर फिर मन में ही तो उतर आती हैं...लम्हों की गवाह भी बनती हैं... और बातें भी करती हैं तभी तो बोलती हुई कहीं जाती हैं तस्वीरें...आज सबरंग के इस अंक में इन तस्वीरों के जन्मदाता...जनक यानी कैमरा...की विरासत... कैमरा संग्रहालय से रूबरू करा रही हैं प्रियंका दुबे मेहता :

कैमरा भूले तो नहीं हैं? कहीं भी ट्रिप पर निकलते हैं तो यादों को कैद करने के लिए सबसे जरूरी चीज लगती है। अब भले आप मोबाइल से कितना दुनिया की छवि को अपनी यादों में जुटा लें लेकिन कैमरे की कारीगरी और कलाकारी की जगह मोबाइल नहीं ले सकता। खासकर जब आप एक बार कैमरे की धरोहर से संपन्न संग्रहालय को देख लेंगे। कैमरे की यात्रा आपकी यात्रा से भी कहीं ज्यादा रोचक है। तकरीबन दो सदियों का इतिहास कैद है। हर बदलते स्वरूप का गवाह यह संग्रहालय। हर बदलाव की एक कहानी है। और ये यूं ही नहीं बन गया... दरअसल इसके पीछे वैज्ञानिक अध्ययनों और सतत शोध जुटे हैं। एक बटन के आकार के कैमरे से और हाई लैंस कैमरे तक पहुंचाया। कैमरे व फोटोग्राफी के इतिहास, इनके बदलते आकार और फोटो खींचने के बदलते स्वरूप की जानकारी देता है गुरुग्राम में बना 'विंटेज कैमरा म्यूजियम'। इस संग्रहालय में 1850 से लेकर अब तक के तकरीबन ढाई हजार कैमरे हैं। एक दूसरे से आकार और प्रकार में एकदम अलग। एक ही छत के नीचे विश्व भर का इतिहास नामुमकिन सा लगता है लेकिन इस असंभव को संभव कर दिखाया है इस म्यूजियम के निदेशक व फोटोग्राफर आदित्य आर्या ने।

कभी सिल्वर ग्रेन, आज सिर्फ पिक्सल : इस कैमरा संग्रहालय में बड़ी संख्या में लोग आने लगे हैं। बड़ी-बड़ी फिल्में व ग्लास प्लेट को देखकर हैरत में पड़ जाते हैं और सवाल करते हैं कि सेल्फी कैसे लेते थे। आदित्य का कहना है कि फोटोग्राफी अभिव्यक्ति की बेहतरीन लोकतांत्रिक भाषा है। जब तक इस भाषा को नहीं जानेंगे, उसके इतिहास को नहीं टटोलेंगे तब तक गंभीर फोटोग्राफी नहीं कर सकते। आज की पीढ़ी को लगता है कि कैमरा औप फोटो केवल 32 जीबी कार्ड की कहानी है। इस संग्रहालय में रखे कैमरों से पता चलता है कि इसकी शुरुआत सिल्वर ग्रेन से शुरू हुई थी जो आज पिक्सल में सिमट कर रह गई है।

दुर्लभ और खूबसूरत संसार : 'म्यूजियो कैमरा' देश का पहला दुर्लभ कैमरों का म्यूजियम है। यहां शुरुआती दौर में जासूसी के लिए बनाए गए घड़ी के आकार वाले विदेशी कैमरे और द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापान के हिरोशिमा-नागासाकी पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराने की घटना को कैमरे में कैद करने वाला के-20 कैमरा भी यहां रखा गया है। आदित्य ने बताया कि 19 अगस्त 1839 को पहला फोटो कैमरा अस्तित्व में आया था। इस संग्रहालय में 1850 से लेकर अब तक के तकरीबन ढाई हजार पुराने कैमरों का संग्रह उपलब्ध है। आदित्य के मुताबिक यह विंटेज कैमरों का पहला व एकमात्र संग्रहालय है जहां कि पुराने समय से लेकर अब तक के कैमरे रखे गए हैं।

देश विदेश से खरीदे कैमरे : संग्रहालय को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसे बनाने में किस तरह के जुनून और जज्बे की जरूरत थी। आदित्य ने इन कैमरों का संग्रह रातोंरात नहीं किया बल्कि देश-विदेश की यात्राओं के दौरान वे कबाड़ियों के पास गए, प्रदर्शनियों में रखे कैमरों को देखा, उनका इतिहास पढ़ा और जानकारी जुटाई। इस तरह से उन्होंने यूरोप और अमेरिका के विभिन्न शहरों के कबाड़ियों से संपर्क किया। इन कैमरों को विदेश से लाना भी टेढ़ी खीर था। उन्हें इसके लिए भी काफी प्रयास करने पड़े। आज तक वे सरकारी विभागों से इस संग्रहालय की लड़ाई लड़ रहे हैं। इसका उद्घाटन हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया है।

हर कैमरे का रोचक इतिहास : यहां के कैमरों का इतिहास, उनकी खोज की तिथि, उनकी खासियत और उन्हें चलाने के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई है। कैमरे के साथ उसका इतिहास लिखा हुआ है। इसके अलावा कैमरे और फोटोग्राफी के अध्ययन और इतिहास को जानने के लिए एक पुस्तकालय भी बनाया गया है जहां कि दो सौ से ज्यादा फोटोग्राफी की पुस्तकें रखी हैं। यहां पर भविष्य में सेमिनार और फोटोग्राफी कार्यशालाओं के लिए सेमिनार हॉल भी निर्मित किया गया है।

अरावली का दर्द बयां करती प्रदर्शनी: तीन तल पर बने इस कैमरा संग्रहालय में दो तलों पर कैमरों का संग्रह देखने को मिलता है और पहले तल पर बनी फोटो गैलरी में अरावली के विघटन का दर्द समेटे फोटो लगी हुई हैं। 'आइ एम गुरुग्राम' और कुछ फोटोग्राफर्स के सौजन्य से विभिन्न फोटोग्राफर द्वारा ली गई फोटोज में वह दर्द झलकता है कि किस तरह से अरावली का प्राकृतिक सौंदर्य किस तरह से तथाकथित शहरी विकास की बलि चढ़ा है। इस गैलरी में अरावली की पहाड़ियों से संबंधित फोटो के 150 फोटो लगाए गए हैं। म्यूजियम में पहले चरण में 700 कैमरे डिस्प्ले के लिए लगाए गए हैं। शेष कैमरे एक माह के अंदर म्यूजियम में लगा दिए जाएंगे। भूतल यानी ग्राउंड फ्लोर पर एक डार्क रूम और कैमरों को रखने के लिए म्यूजियम बनाया है।

पूरा एक कमरा होता था स्टूडियो : फोटो स्टूडियों के बदले स्वरूप को हमारी पीढ़ी ने देखा है लेकिन शुरुआती दौर में स्टूडियो कैसे होते थे, इसकी झलक भी यहां पर मिलती है। बड़े आकार के कैमरे के सामने बैठने पर उसकी छवि एक डिस्प्ले पर उभरती थी और उसपर पारदर्शी कागज या कपड़ा रखकर पेंसिल की सहायता से चित्र बनाए जाते थे। आदित्य के मुताबिक उस दौर के बड़-बड़ चित्रकार भी इसी तरह से चित्रकारी करते थे।

बापू विभिन्न रूपों में : महात्मा गांधी की फोटो इंटरनेट पर तो बहुत मिल जाएंगी लेकिन कैमरा म्यूजियम में रखी फोटो का संग्रह ऐसा है जो कि सिर्फ और सिर्फ यहीं है। इसकी प्रतियां सरकार के पास भी नहीं है। यह फोटोज आदित्य को उनके गुरुसे मिली विरासत में मिली थीं जो कि उन्हीं के कैमरे से ली गई थीं।

...और गुलजार होगा संग्रहालय: कैमरा संग्रहालय अभी निर्माण की प्रक्रिया में हं। हालांकि इसमें कैमरे व फोटोग्राफ डिस्प्ले में रखे जा चुके हैं लेकिन अभी आदित्य के पास कई ऐसे कैमरे हैं जिनपर वे काम कर रहे हैं। आदित्य के मुताबिक यह संग्रहालय एकयात्रा है और यह सतत जारी रहेगी क्योंकि इतिहास के साथ-साथ भविष्य में इसके बदलावों पर भी काम किया जाएगा। यह फोटोग्राफी के विद्यार्थियों के लिए भी एक आदर्श स्थान बनेगा।

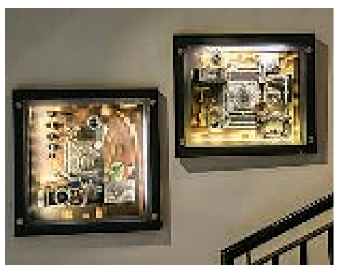

40 साल के शोध का परिणाम है यह संग्रहालय

आदित्य आर्या पेशे से फोटोग्राफर हैं। इतिहास का छात्रा होने के नाते उन्हें हमेशा से इतिहास में रुचि रही है और वे हर चीज के इतिहास को कुरेदने का प्रयास करते रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं इस पेशे में आया तो लगा कि मुझे इसका इतिहास पता होना चाहिए। मैंने पाया कि फोटोग्राफी ही एकमात्र कला है जो कि सीधे तकनीक से जुड़ी हुई है। इसका संबंध इतना गहरा है कि जैसे-जैसे कैमरे का स्वरूप बदलता गया और नए कैमरा आते गए, फोटो खींचने का अंदाज बदलता गया। शुरुआत में पांच सौ लेकर ढाई सौ किलो के कैमरे बनाए गए जो बाद में कुछ ग्राम में सिमट गए।

कुछ खास कैमरे

नेगेटिव के बाद पेपर तैयार होता था : तकनीकि क्रांति के दौर में अब मोबाइल या कैमरे से खींची तस्वीर को सीधा प्रिंट में दे दिया जाता है और वह अखबार या किताबों में आ जाता है लेकिन पहले ऐसा नहीं होता था। उन्नीसवीं शताब्दी में बने पहले प्रेस कैमरा में पहले न्यूज पीस या आर्टिकल्स का कोलाज बनाकर प्रेस कैमरा से उसकी फोटो खींची जाती थी और फिर उसके नेगेटिव तैयार किए जाते थे। इसके बाद इसे डेवलप करके पेपर तैयार किया जाता था।

फाइटर जेट से बना कैमरा : यह कैमरा फाइटर जेट के लिए बनाया गया था। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका में हिरोशिमा और नागासाकी पर जब परमाणु बम गिराया था तो उसे इसी कैमरे में कैद किया गया था। फाइटर जेट के लिए उपयोग होने वाला के-20 कैमरा इस संग्रहालय का आकर्षण माना जाता है। मैनुअली हैंडल किए जाने वाले एरियल कैमरे का निर्माण 1941 से 1945 तक किया गया था।

'रॉयल मेल स्टैंप' कैमरा : 1907 में डब्ल्यू बुचर द्वारा बनाए गए इस विशेष प्रकार के कैमरे में पंद्रह लैंस लगे होते थे। इन लेंसेज के जरिए एक साथ एक ही प्लेट पर पंद्रह फोटो भी खींची जा सकती थी। इसमें एक एक फोटो डाक टिकट के साइज होता था।

स्लाइडिंग बॉक्स वेट प्लेट कैमरा : यह इस संग्रहालय का सबसे पुराना कैमरा है। 1830 में बने इस कैमरे में ब्रास से बंधा हुआ लेंस होता है। क्लाउडे मेंस ऑगस्टिन मैरियॉन ने इस कैमरे को बनाया था। और 1860 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। इसमें फोकस करने के लिए दो बॉक्स परस्पर स्लाइड करते हैं।

एक राजस्थानी की जुबानी, दिल्ली की कहानी

दिल्ली की देहरी

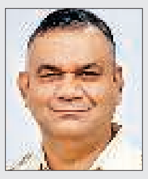

नलिन चौहान
दिल्ली के अनजाने इतिहास के खोजी

अंग्रेजों के जमाने में नई दिल्ली के निर्माण में राजस्थान के पत्थर से लेकर राजस्थानियों का अप्रतिम योगदान रहा है। परस्पर सहयोग और आदान-प्रदान के इन संबंधों को लेकर इतिहास में लंबा मौन ही पसरा है। राजस्थान विधानसभा के चार बार सदस्य रहे और मेरवाड़ा क्षेत्र रावत समाज के मूर्धन्य नेता मेजर फतेहसिंह रावत की 'मेरा जीवन संघर्ष' शीर्षक वाली आत्मकथा स्वतंत्रता पूर्व दिल्ली और राजपूताने के अनाम पर स्वाभिमानी अप्रवासी राजस्थानियों के कम-जानी, पर परस्पर विकास की कहानी बयान करती है।

मेजर फतेहसिंह ने अपने कॉलेज पढ़ाई के दिनों का उल्लेख करते हुए बीसवीं सदी के तीसरे दशक की दिल्ली का सजीव और सटीक वर्णन किया है। वे अपने पहली बार राजधानी में आने के कारण के बारे में लिखते हैं कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज अगस्त में खुल रहे थे इसलिए पत्र-व्यवहार करके रामजस कॉलेज दिल्ली में दाखिला लेने का निर्णय लिया। मैं अगस्त 1935 के दूसरे सप्ताह में प्रातः 4 डाउन ट्रेन से सराय रोहिल्ला स्टेशन पर उतरा और तांगे से आनंद पर्वत स्थित रामजस कॉलेज पहुंचा। कॉलेज में दाखिला लिया और साथ ही छात्रावास में भी। कॉलेज और छात्रावास में दिल्ली के अन्य समकक्ष शिक्षण संस्थानों की अपेक्षा काफी फीस कम ली जाती थी क्योंकि संस्थापक राय साहब ने देहाती क्षेत्रों के छात्रों की कमजोर आर्थिक स्थिति को समझते हुए ही इस संस्थान की स्थापना की थी। उल्लेखनीय है कि रामजस कॉलेज की स्थापना राय केदारनाथ ने अपने पिता लाला रामजस की स्मृति में 1917 को दिल्ली में की थी। उनका मूल उदेश्य समाज के असमर्थ और साधनहीन छात्रों को शिक्षा देना था। पुरानी दिल्ली में दरियागंज से शुरू हुआ यह कॉलेज 1924 में दिल्ली के दूसरे इलाके में स्थानांतरित हुआ, जो आज आनंद पर्वत के नाम से जाना जाता है। तब यह स्थान 'काला पर्वत' कहलाता था, जिसे राय केदारनाथ ने अपनी लगन और मेहनत से आनंद पर्वत बना दिया। वे इतने निराभिमानी थे कि भवन बनाते समय मजदूरों के साथ ईंटें उठाने में भी पीछे नहीं रहते थे। वे रामजस कॉलेज के पहले प्राचार्य भी बने थे।

धोती-कुर्ता में ही कॉलेज पहुंच जाते थे : मेजर फतेह सिंह के शब्दों में, कॉलेज में दाखिला लेने के शीघ्र बाद मैं राय साहब से मिला, वे ही कॉलेज के प्रिंसिपल थे। अपनी आर्थिक स्थिति उनसे साफ-साफ बता दी तो ट्यूशन फीस माफ कर दी गई। कॉलेज के छात्रों का रहन-सहन बहुत ही साधारण और ग्रामीण परिवेश का था। अधिकांश छात्र कृषक वर्ग से संबंधित थे और प्रायः धोती-कुर्ता में ही कॉलेज आ जाते, कोई-कोई तो सर्दी में रजाई ओढ़कर भी कॉलेज में आ जाते थे। मैं सदा धोती और कुर्ता या कमीज ही पहना करता था और पांवों में चप्पल। जीरो मशीन से बाल कटवाता था जिससे तेल के खर्च से बच जाता था। सर्दी बहुत पड़ती थी क्योंकि कॉलेज ऊंचे पर्वत पर था।

तत्कालीन रामजस कॉलेज की पढ़ाई और उसके प्राध्यापकों के पढ़ाने के तरीकों का वर्णन करते हुए मेजर फतेह सिंह लिखते हैं कि मैंने बीए में इतिहास (ऑनर्स) में प्रवेश लिया था। क्लास में अकेला था। इतिहास के प्रोफेसर डाक्टर भंडारी थे, जिन्होंने लंदन विश्वविद्यालय से बीए (ऑनर्स) की डिग्री प्राप्त की थी। कॉलेज के अलावा वे मुझे पढ़ाने छात्रावास में मेरे कमरे में भी आते रहते थे। उन्होंने सब पाठ्य पुस्तकें एवं इतिहास की अन्य उपयोगी पुस्तकें अपने नाम से कॉलेज पुस्तकालय से निकलवाकर मुझे पढ़ने के लिए दे दीं। ऐसे गुरु के प्रति आभार प्रकट करने के लिए मेरे पास कोई पर्याप्त शब्द नहीं हैं।

कैसे मिलती थी सैनिक शिक्षा

'जीवन संघर्ष' पुस्तक में तब दिल्ली में कॉलेज स्तर पर छात्रों को प्रदान की जाने वाली सैनिक शिक्षा की जानकारी भी मिलती है। इस बारे में मेजर बताते हैं कि मैं यूटीसी में भर्ती हुआ। रामजस कॉलेज की एक प्लाटून यूटीसी की थी उसके प्लाटून कमांडर प्रोफेसर बीडी शर्मा थे। सारे दिल्ली के कॉलेजों की यूटीसी की एक कंपनी हुआ करती थी जिसके कंपनी कमांडर रामजस कॉलेज के ही प्रोफेसर कप्तान रामजीलाल होते थे। परेड हफ्ते में दो बार होती थी, अवधि एक-एक घंटा। परेड ग्राउंड लालकिला था। लालकिला रामजस कॉलेज से लगभग चार मील दूर था। मैं और एक अन्य अहीर छात्र शायद नाम हरिप्रसाद था, दरियागंज चांदनी चैक होते हुए पैदल ही जाते थे और परेड के बाद पैदल ही वापस आते थे। हमें दो साल में वह प्रशिक्षण दिया गया जो कि एक फौजी की नियुक्ति के दौरान छह माह में दिया जाता है। प्रशिक्षक अंग्रेज अफसर और एनसीओ होते थे। बीए (ऑनर्स) की अंतिम वर्ष की परीक्षा के बाद घर लौटने से पहले मैं मेरे कंपनी कमांडर कप्तान रामजीलाल के मार्फत यूटीसी के स्थानीय सीओ, जो कि एक अंग्रेज कप्तान थे, उनसे मिला और उनसे मेरे यूटीसी में भर्ती होने का उदेश्य बताया और सर्टिफिकेट दिया जिसकी भाषा थी, कैडेट सीखने के लिए बेहद उत्सुक है। अगर वह सैन्य करियर को अपनाता है तो यह लगनशीलता उसके लिए फलदायी होगी। उपरोक्त प्रमाण पत्र लिया, उस रात्रि को मैंने दिल्ली में अपने जीवन की पहली सिनेमा फिल्म 'अछूत कन्या' देखी थी। पहले तो कभी सिनेमा देखने के लिए समय और पैसे दोनों ही नहीं थे। दूसरे दिन प्रात: प्रोफेसर डॉक्टर भंडारी से आशीर्वाद लिया और रात्रि को 11-अप दिल्ली-अहमदाबाद मेल स्टेशन ट्रेन से 12 घंटे के सफर के बाद ब्यावर पहुंचा। दिल्ली विश्वविद्यालय बीए (ऑनर्स) का परीक्षा परिणाम जून 1937 के अंतिम सप्ताह में घोषित हुआ और मैं दूसरी श्रेणी से पास हुआ।

जायका

खाओ...खिलाओ...हर स्वाद के गुण गाए जाओ

कहां : इंडिया गेट लॉन
कब तक : 23 अक्टूबर तक, सुबह दस से रात के दस बजे तक

- इंडिया गेट लॉन में सरस आजीविका मेले में दिल्ली वालों को पसंद आ रहा फूड फेस्टिवल
- एक छत के नीचे 19 राज्यों के व्यंजन

हरियाणा...पंजाब...बंगाल.. कर्नाटक...केरल...अरे बगल में राजस्थान भी है...अब अचानक बिहार और उप्र भी आ गए। ये हो क्या रहा है कदम-कदम पर दूसरा राज्य...परिवेश और जायके की खुशबू आपका स्वागत कर रही है। दरअसल इंडिया गेट लॉन में सरस आजीविका मेला में व्यंजन महोत्सव चल रहा है। वहां गुनगुनी धूप में जायकों की लजीजियत पर हर मन फिसला जा रहा है। अब बिहार का जायका ले या बंगाल का...हरियाणा का ले राजस्थान का...हर राज्य की अपनी खानपान रसोई की परंपरा और अलग संस्कार हैं। 19 राज्यों के व्यंजन भले सजे अलग-अलग स्टॉल पर हैं खुशबू एक दूजे में इस कदर समाई है कि कभी बाटी चोखा जैसी लगती है तो कभी लिट्टी चोखा सी।

केरल का सबसे बड़ा स्टॉल : दिल्ली में यूं तो खूब जायका महोत्सव हुए लेकिन यह पहला ऐसा अनुभव दिल्ली कर रही है जब एक साथ 19 राज्य हैं या इससे पहले प्रगति मैदान में व्यापार मेले में शिल्प का स्टॉल लगता था। मेले का आयोजन ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है। हर डिश का चयन करने के बारे में आयोजक बताते हैं वैसे यह बहुत बड़ी चुनौती थी क्योंकि एक-एक राज्य की कई परंपरागत डिशेज होती हैं हमने कोशिश की है एक जगह से कई सिग्नेचर डिश शामिल की जाएं। उस राज्य की पहचान को बखूबी बता सके। फूड कोर्ट में सबसे पहले केरल का स्टॉल है। यहां दस से ज्यादा प्रकार के जूस मिल रहे हैं। इसमें अनार, पाइनएप्पल, मौसमी, सेब, नारंगी, खीरा, पपीता, तरबूज, गाजर, मिक्स फ्रूट आदि के जूस हैं। आप पहले जूस पीकर सेहत बनाइए और अब जरा थोड़ा हेल्दी और ऑयली पंजाबी फूड कोर्ट का पकौड़ा खाइए। पकौड़े की इतनी किस्म हैं कि आप सोचेंगे कि क्या खाया जाए और क्या पैक करा लिया जाए। पकौड़े के अलावा राजमा चावल, छोले चावल, मक्के की रोटी और सरसों का साग है। स्टॉल पर मौजूद महिलाओं ने बताया कि आमतौर पर फूड फेस्टिवल में पंजाब के मक्के की रोटी और सरसों का साग ही मिलता है। जबकि पंजाब में जायके की बहुत विविधता है। इसलिए ही हमने यहां मेन्यू में पकौड़े भी शामिल किए, ताकि स्वाद के शौकीन पंजाब की विविधता से भी रूबरू हो। फूड कोर्ट में असम के स्टॉल पर मशरूम स्पेशल, नारियल लड्डू, मसाला एवं लेमन टी भी मौजूद है। वहीं बिहार स्टॉल पर लिट्टी चोखा, दाल पीठा, समोसा मिल रहा है। आयोजकों ने बताया कि बिहार की पहचान बन चुके लिट्टी चोखा के इतर भी वहां कई बेमिसाल जायके हैं। उन्हीं में से एक है दाल पीठा। यह यूपी और बिहार दोनों जगह लोकप्रिय है। दाल को उबाल कर आटे में भरकर भाप से सेंककर बनाया जाता है। वहीं हरियाणा स्टॉल पर चावल के लड्डू, वेज मंचुरियन, वेज बिरयानी, शाही पनीर, खीर, तवा रोटी और चीजी चीली लोगों को खूब पसंद आ रहा है। राजस्थान की दाल बाटी भी कुछ कम नहीं है। उत्तराखंड स्टॉल पर मौजूद शेफ बताते हैं कि हमारा राजमा मसाला बहुत स्पेशल है। इसे बनाने में राजमा, मक्खन, तेल, दालचीनी, इलायची, अदरक, हल्दी, धनिया, जीरा पावडर, गरम मसाला, आमचूर, मेथी आदि लगता है। विदेशी सैलानी भी फेस्टिवल में दिखे। आस्ट्रेलिया से आए एक सैलानी ने बताया कि वो दिल्ली 15 दिन के लिए आए हैं। यहां से गुजरते हुए फूड फेस्टिवल दिखा तो आ गए। यहां एक से बढ़कर एक लाजवाब व्यंजन खाए। एक ही छत के नीचे पूरा भारत भ्रमण हो गया।

संजीव कुमार मिश्र

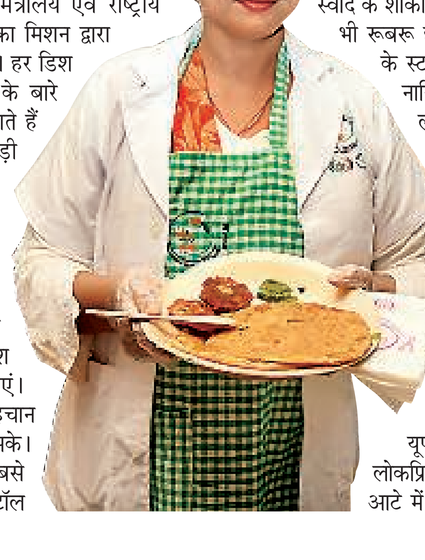

कितना अतुलनीय लगता है न...कई राज्यों के जायकों को एक साथ मेज पर सजा देख। सभी फोटो : संजय

जायके का स्वाद लेते विदेशी सैलानी

शहर की समृद्धि में सहायक तिब्बती समाज

दिल्ली दिल से

विवेक शुक्ला
लेखक व इतिहासकार

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग भारत के दो दिवसीय दौरे पर आए हुए हैं, ऐसे में दिल्ली में रह रहे तिब्बतियों और वहां के धर्मगुरु दलाई लामा का जिक्र समीचीन है। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को भारत में अपने अनुयायियों के साथ आए साठ साल हो रहे हैं। चीन सरकार के दमन से बचने के लिए दलाई लामा 1959 में भारत आ गए थे। तब से उन्होंने भारत को अपना घर मान लिया। दिल्ली को तो वे विशेष रूप से समृद्ध करते रहे हैं। राजधानी के दो प्रमुख पार्कों क्रमशः बुद्ध जयंती पार्क और रिंग रोड पर स्थित इंद्रप्रस्थ पार्क को महत्वपूर्ण बनाने में उनका अहम योगदान रहा है।

कला संस्कृति की झलक लिए तिब्बत हाउस: दलाई लामा ने ही इंद्रप्रस्थ पार्क में स्थापित विश्व शांति स्तूप के लिए बुद्ध धर्म से जुड़े बहुत से प्रतीक भेंट किए थे। दलाई लामा ने ही तिब्बती समाज, संस्कृति, इतिहास और कला को जीवित रखने के लिए दिल्ली में तिब्बत हाउस की स्थापना की। यह 1965 में बना था। वे अपने दिल्ली प्रवास के दौरान इसी में ठहरते हैं। यहां आपको तिब्बती कला और संस्कृति की जानकारी मिल जाएगी। इस पांच मंजिला इमारत में पुराने करेंसी नोट, प्रार्थना संबंधी वस्तुएं और वाद्य यंत्रों का संग्रह भी प्रदर्शित किया गया है। तिब्बत हाउस में एक पुस्तकालय भी है। जहां बैठकर शोधार्थी तिब्बत से जुड़े विभिन्न मसलों का अध्ययन करते हैं। मजनूं का टीला और कनॉट प्लेस की तिब्बत मार्केट की हरेक दुकान में दलाई लामा की फोटो टंगी हुई मिलेगी।

नहीं कर सकेंगे प्रदर्शन: चीनी दूतावास के बाहर हाथों में बैनर-पोस्टर लिए तिब्बती शरणार्थी तिब्बत की आजादी के लिए विरोध-प्रदर्शन करते रहते हैं। इनमें से कुछ प्रदर्शनकारी चेहरे पर काला मास्क लगाए रहते हैं तो कुछ गालों पर तिब्बती झंडा बनाकर प्रदर्शन करते हैं। लेकिन दिल्ली में रह रहे इन तिब्बतियों को अफसोस हो रहा है कि ये चीनी राष्ट्रपति के सामने इस बार अपना विरोध प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात चेन्नई में है। इनका कहना है कि जब तक तिब्बत आजाद नहीं हो जाता ये प्रदर्शन करते रहेंगे। बहरहाल, अब भारत में पैदा हुए तिब्बतियों को यहां की नागरिकता मिल चुकी है।

10 मार्च को मनाते हैं राष्ट्रीय दिवस: जाहिर है अगर चीनी राष्ट्रपति दिल्ली आते तो उन्हें इन प्रदर्शनकारियों के विरोध का भी सामना करना पड़ता। 10 मार्च को तिब्बत आजादी दिवस पर चीनी दूतावास के बाहर विशेष रूप से प्रदर्शन करते हैं। दरअसल 10 मार्च, 1959 को तिब्बत में विद्रोह हुआ था, इसके बाद दलाई लामा को भारत में शरण लेनी पड़ी थी। तब से तिब्बती 10 मार्च को अपना राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। दलाई कहते हैं कि वह चीन से तिब्बत की आजादी नहीं, बल्कि उसके लिए सिर्फ स्वायत्ता चाहते हैं।

मजनूं का टीला है गढ़ : राजधानी के कनॉट प्लेस, जोर बाग, साउथ एक्सटेंशन में चीनी मूल के भारतीयों के शो रूम में तिब्बती ग्राहक खरीददारी करते दिख जाएंगे। इससे जाहिर है कि दिल्ली में रह रहे चीनी और तिब्बतियों के बीच कोई मसला नहीं है। राजधानी में तिब्बती समाज का सबसे बड़ा गढ़ तिब्बत बस्ती ही है। आइएसबीटी से सटी इस बस्ती में रहने वाले या उनके पुरखे दलाई लामा के साथ भारत आए थे। राजधानी में रहने वाले तिब्बतियों को 1960 में मजनूं का टीला में बसाया गया था। कुछ साल पहले इसे न्यू अरुणा कॉलोनी कहा जाने लगा है।

आरबीआइ बोर्ड ने की कॉपरेटिव बैंकों पर चर्चा

चंडीगढ़, प्रेट्र : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के केंद्रीय बोर्ड ने को-ऑपरेटिव बैंकों के नियामकीय ढांचे के बारे में शुक्रवार को चर्चा की। इसके अलावा बोर्ड ने वर्तमान आर्थिक हालात, विदेशी और भारतीय बाजारों की चुनौतियों तथा आरबीआइ के कामकाज के कई पहलुओं पर भी चर्चा की। गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि को-ऑपरेटिव बैंकों के बेहतर प्रशासन के लिए वे एक समिति का गठन करेंगी। यह समिति नियमों के उचित बदलाव के बारे में सलाह देगी।

यूरोप के बाजारों में सुस्ती का असर कंपनी की कमाई पर दिखा है। ब्रेक्जिट के घटनाक्रमों ने भी कंपनी के राजस्व पर असर डाला है। लेकिन हमें अगली तिमाहियों से बड़ी उम्मीदें हैं।
— सलिल पारेख
एमडी, इन्फोसिस

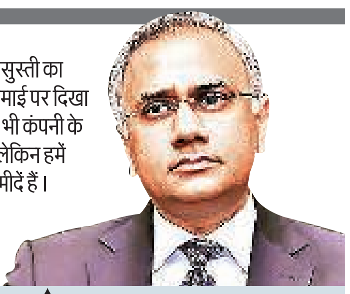

सेंसेक्स	38,127.08	246.68
निफ्टी	11,301.25	66.70
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 39,160	₹126
चांदी प्रति किलोग्राम	₹46,900	₹380
डॉलर	₹71.02	₹0.05
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 59.78	

निशाना ▸ मंत्री बोले–सहकारी क्षेत्र के उत्पादों को दुनियाभर में स्पर्धी बनाने की जरूरत

पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी में सहकारिता की भूमिका होगी अहम

भारत में पहला अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेले का हो रहा आयोजन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र तोमर ने कृषि और संबद्ध सहकारिता को अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताया है। उन्होंने कहा कि यह अगले पांच वर्षों में देश की संभावित पांच ट्रिलियन डॉलर (पांच लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 350 लाख करोड़ रुपये) की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाएगा। शुक्रवार को भारतीय अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेला-2019 का उद्घाटन करने के बाद मंत्री का कहना था कि सहकारी क्षेत्र के उत्पादों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनानेभर की जरूरत है।

स्टॉल का अवलोकन करते नरेंद्र सिंह तोमर। प्रेट्र

प्रगति मैदान में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय मेला में स्टार्ट-अप युवा सहकार स्कीम और सहकार भारती के 'सिंपली देसी' के ब्रांड उत्पादों को भी कृषि मंत्री तोमर ने लांच किया। तोमर ने कहा 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर का आकार देने का लक्ष्य रखा है। हम उसे प्राप्त करने के लिए गांव, गरीब और किसान पर फोकस करना होगा।' इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक संभावनाओं वाले सहकारी क्षेत्र की भूमिका अहम होगी। तोमर ने कहा कि सहकारिता संस्कृति भारत के लिए कोई नया विषय नहीं है। वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाकर इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। देश में सहकारिता क्षेत्र के ऐसी कंपनियां है, जिनका डंका देश नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बज रहा है। इस क्षेत्र की संभावनाओं के दोहन की सख्त जरूरत है। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि सहकारिता के प्रोत्साहन से किसानों की आमदनी को दोगुना करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही कुछ वर्षों में कृषि उत्पादों का निर्यात 3,000 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर 60 बिलियन डॉलर किया जा सकता है।

सहकारिता को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र के साथ राज्यों को भी हाथ लगाना होगा। तोमर ने जोर देकर कहा कि राज्य सरकारें सहकारिता को प्राथमिकता दें। यह केवल सहकारी बैंक के लोन और राशन दुकानों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसके लिए राज्यों को केंद्र हर संभव मदद मुहैया कराएगा। अंतरराष्ट्रीय सहकारी मेला के बारे में उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारत और दुनियाभर के देशों को परस्पर बाजारों में सहकारिता के बारे में जानकारी देना है। इसमें तकनीक को साझा करने और परस्पर विश्व बंधुत्व का भाव पैदा करने में मदद मिलेगी। भौतिकवादी दुनिया में प्रगति, न्याय और शांति का संदेश जाएगा।

इस ट्रेड फेयर का आयोजन नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी), बैंकॉक स्थित अंतराष्ट्रीय संगठन और भारतीय सहकारी संस्था नैफेड के साथ कृषि, कामर्स और विदेश मंत्रालय ने किया है। ट्रेड फेयर के उद्घाटन के अवसर पर कृषि राज्यमंत्री पुरुषोत्तम रुपाला, कैलास चौधरी, मेघालय के उप-मुख्यमंत्री और उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत व कृषि सचिव संजय अग्रवाल उपस्थित थे।

राज्यों को बिजली बकाया जल्द चुकाने का निर्देश

▸ मंत्री ने कहा – सस्ती बिजली के उत्पादन का होना चाहिए प्रयास

नर्मदा (गुजरात), प्रेट्र : बिजली मंत्री आरके सिंह ने राज्यों को बिजली उत्पादकों का बकाया चुकाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इससे निवेशकों में सकारात्मक संदेश जाएगा, जिससे निवेश को बल मिलेगा। इस समय निवेश आकर्षित करना बिजली सेक्टर के लिए बड़ी चुनौती है। विद्युत मंत्री ने याद दिलाया कि बिजली उत्पादक कंपनियों का 59,000 करोड़ रुपये वितरक कंपनियों (डिस्कॉम) के पास बकाया है। इसमें से 49,000 करोड़ रुपये राज्यों के विभागों को डिस्कॉम्स को देने हैं। अगर राज्य अपना हिस्सा चुका देते हैं तो बिजली उत्पादकों का भार कम होगा। जिससे निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी। क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए निवेश जरूरी है। सिंह ने कहा कि सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, साफ-सुथरे अनुबंध और भुगतान जैसे कदम उठाएं जाए तो निवेश आएगा और बिजली का उत्पादन बढ़ेगा।

सिंह ने बिजली की कीमत में सुधार की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने राज्यों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्यादातर राज्य महज तीन-चार रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली खरीदते हैं। इसे सात-आठ रुपये प्रति यूनिट केदाम पर बेचने के बावजूद अगर बकाया

आरके सिंह फाइल फोटो

लगातार बढ़ रहा है, तो यह चिंतन का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि सस्ती बिजली उत्पादन के लिए कदम उठाए जाने की जरूरत है। यह निवेश को बढ़ावा देने में कारगर होगा।

विद्युत कनेक्शन वितरण के संबंध में उठाए गए कदमों की तारीफ करते हुए मंत्री ने कहा कि पिछले 16 महीनों में 2.66 करोड़ कनेक्शन बांटे गए हैं। लेकिन अगर सबको बिजली नहीं मिल सकी तो इन कनेक्शंस का कोई मतलब नहीं है। ऐसी स्थिति में यह सिर्फ पैसे और समय की बर्बादी होगी। जो उपभोक्ता बिजली के लिए भुगतान कर रहे हैं, उन्हें सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे बिजली मिलनी चाहिए।

झारखंड में सेल की दो खदानों पर बंद होने का संकट

सुधीर पांडेय, चाईबासा : सरकारी स्वामित्व वाली स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम स्थित किरीबुरू और मेघाहातुबुरू खदानों पर बंद होने का संकट गहरा गया है। एक अनुमान के मुताबिक दोनों खदानों में करीब 1.5 से दो साल का ही डिपॉजिट बचा है। अगर आने वाले कुछ दिनों में सेल के साउथ ब्लॉक व सेंट्रल ब्लॉक को चालू नहीं किया गया, तो किरीबुरू व मेघाहातुबुरू लौह अयस्क खदानें बंद हो जाएंगी। शुक्रवार को सेल की लौह अयस्क खदानों का निरीक्षण करने आए केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के समक्ष सेल प्रबंधन ने इस बड़े मुद्दे को रखते हुए उनसे दोनों ब्लॉक को जल्द से जल्द चालू कराने की दिशा में पहल करने की गुहार लगाई। कंपनी प्रबंधन का कहना है कि इस्पात मंत्री ने इस विषय को लेकर सकारात्मक पहल करने का आश्वासन प्रबंधन को दिया है।

सेल के महाप्रबंधक डीके बर्मन ने बताया कि किरीबुरू व मेघाहातुबुरू में बहुत ज्यादा लौह अयस्क डिपॉजिट नहीं बचा है। अगर सतत खनन किया गया, तो डेढ़ से दो साल के भीतर लौह अयस्क भंडारण खत्म हो जाएगा। हम लोगों की सारी उम्मीदें साउथ और सेंट्रल आयरन ब्लॉक पर टिकी हैं। फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण हम लोग दोनों ब्लाक में खनन चालू नहीं कर पा रहे हैं। उम्मीद है कि सरकार जल्द इस पर सकारात्मक पहल करेगी।

15 साल से लटका है फॉरेस्ट क्लीयरेंस : सेल को किरीबुरू और मेघाहातुबुरू में 30 साल के लिए खनन की लीज मिली है। यह लीज अवधि 2030 में समाप्त हो जाएगी। अभी किरीबुरू में 55 लाख टन और मेघाहातुबुरू में 50 लाख टन लौह अयस्क उत्पादन प्रति वर्ष की क्षमता है। साउथ व सेंट्रल ब्लाक के फॉरेस्ट क्लीयरेंस का मामला 15 साल से अधिक समय से लटका है। हालांकि कंपनी के प्रबंधउन को पूरी उम्मीद है कि अगले छह माह में क्लीयरेंस मिल जाएगा। गौरतलब है कि स्टील सेक्टर में सुस्ती के चलते चालू वित्त वर्ष में सेल के उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ा है। चालू वित्त वर्ष के दौरान स्टील सेक्टर के समक्ष कई चुनौतियां आई हैं।

इन्फोसिस ने वित्त वर्ष के राजस्व गाइडेंस में किया इजाफा

▸ यूरोप में सुस्ती और ब्रेक्जिट से प्रभावित हुआ कारोबार

▸ चालू वित्त वर्ष की शेष अवधि में 9–10 परसेंट रेवेन्यू वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत की दूसरी सबसे बड़ी आइटी कंपनी इन्फोसिस के जुलाई-सितंबर तिमाही के कंसोलिडेटेड मुनाफे में 2.2 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई है। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 4,019 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 4,110 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का राजस्व 9.8 परसेंट बढ़कर 22,629 करोड़ रुपये रहा। जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 20,609 करोड़ रुपये रहा था। स्थिर करेंसी कीमत के हिसाब से यह 11.4 परसेंट की वृद्धि है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की आगे की अवधि में रेवेन्यू के अनुमान में सुधार किया है।

कंपनी ने कहा है कि वित्त वर्ष 2019-20 बाकी अवधि में इसके रेवेन्यू में 9-10 परसेंट की दर से वृद्धि होगी। गौरतलब है कि कंपनी ने वित्त वर्ष की शुरुआत में 7.5-9.5 की वृद्धि का अनुमान लगाया था। कंपनी को रिटेल सेक्टर से मिलने वाले रेवेन्यू में गिरावट देखी गई। पिछले वर्ष इस सेक्टर से कंपनी को 16.8 परसेंट रेवेन्यू मिला था, जो इस वर्ष घटकर 15.2 परसेंट रह गया। इन्फोसिस के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर सलिल पारेख ने कहा कि कई पैमानों पर हमारा प्रदर्शन बहुत बेहतरीन रहा है। रेवेन्यू ग्रोथ, डिजिटल ग्रोथ, ऑपरेटिंग मार्जिन, ऑपरेशनल क्षमताओं और बड़े समझौते जैसे पैमानों पर कंपनी ने अच्छा प्रदर्शन किया। पारेख ने कहा कि इससे साफ संकेत मिलता है कि कंपनी सही राह पर अपने हितधारकों को अधिकतम मुनाफा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यूरोप के बाजारों में सुस्ती देखी गई है, जिसका प्रभाव कंपनी की कमाई पर पड़ा है। ब्रेक्जिट को लेकर असमंजस की स्थिति बनने से भी कंपनी का मुनाफा प्रभावित हुआ है।

शुक्रवार को कंपनी के मुनाफे के आंकड़े आने से पहले इसके शेयरों में तेजी का रुख देखा गया। दिन के कारोबार में कंपनी के शेयरों ने 4.19 परसेंट का उछाल दर्ज किया। हालांकि तिमाही परिणाम आने के बाद कंपनी के शेयरों को लेकर निवेशकों का रुख कैसा रहता है, यह अगले सत्र में देखने को मिलेगा।

इफको ने गैर–यूरिया उर्वरकों का दाम घटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र : उर्वरक कंपनी इफको ने अपने गैर-यूरिया उर्वरक के दाम में कटौती करने की घोषणा की है। कंपनी ने डीएपी समेत सभी उर्वरकों के दाम में प्रति पैकेट 50 रुपये की कटौती की है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यूएस अवस्थी ने बताया कि ग्लोबल स्तर पर कच्चे माल की कीमत में कमी के चलते हमें राहत मिली है, जिसके चलते उर्वरक के दाम में कटौती करने का फैसला किया है।

नई कीमतों के मुताबिक अब इफको का 50 किलोग्राम का डीएपी पैकेट 1,250 रुपये की जगह 1,200 रुपये में उपलब्ध होगा। वहीं एनपीके-1 का दाम भी प्रति बोरी 1,200 से घटकर 1,175 रुपये कर दिया गया है। जबकि एनपीके-2 की कीमत 1,210 रुपये प्रति पैकेट से घटाकर 1,185 रुपये की गई है। एनपी की घटी हुई कीमत 975 रुपये प्रति पैकेट होगी। ये नई कीमतें जीएसटी को मिलाकर निर्धारित की गई हैं और शुक्रवार से प्रभावी हो चुकी हैं। हालांकि नीम कोटेड यूरिया की कीमत में कोई कमी नहीं की गई है। इसका भाव पहले की तरह 266.50 रुपये प्रति पैकेट (45 किलोग्राम) पर बरकरार है। नीम कोटेड यूरिया सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है। इफको ने जुलाई में भी कांप्लेक्स उर्वरकों के दाम में कटौती की थी।

भारतीय धनकुबेरों की संपत्ति में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, आइएएनएस : फोर्ब्स इंडिया ने कहा है कि इकोनॉमी में सुस्ती के चलते अमीर भारतीयों की संपत्ति में आठ परसेंट की गिरावट दर्ज की गई है। फोर्ब्स की सूची में शामिल कुल 14 धनकुबेरों की संपत्ति में एक अरब डॉलर या इससे ज्यादा की गिरावट आई है। साथ ही पिछले साल इस सूची में शामिल नौ अमीरों को इस बार जगह नहीं मिल सकी है।

फोर्ब्स के मुताबिक सबसे बड़ा झटका अजीम प्रेमजी को लगा है। सभी धनकुबेरों की कुल घटी संपत्ति में से एक-तिहाई हिस्सा अजीम प्रेमजी का है। पिछली बार जारी की गई सूची में दूसरे नंबर पर मौजूद प्रेमजी इस बार वह लुढ़ककर 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस सूची में सबसे बड़ी छलांग गौतम अडानी ने लगाई है। वह आठ स्थानों की छलांग लगाकर सीधे दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। फोर्ब्स के मुताबिक अडानी की संपत्ति 15.7 अरब डॉलर है। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी ने इस सूची में अपनी बादशाहत कायम रखी है। वह 51.4 अरब डॉलर (करीब 3.6 लाख करोड़ रुपये) की संपत्ति के साथ पहले स्थान पर कायम हैं। सूची में तीसरे स्थान पर अशोक लेलैंड के मालिक हिंदुजा बंधुओं का नाम आता है। इनकी संपत्ति 15.6 अरब डॉलर (करीब 1.1 लाख करोड़ रुपये) आंकी गई है। वहीं 15 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पालोनजी मिस्त्री सूची में चौथे स्थान पर हैं। जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के मालिक उदय कोटक 14.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में पांचवे स्थान पर हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी फोर्ब्स की इस सूची में लगातार 12वीं बार पहले स्थान पर काबिज हुए हैं। मुकेश अंबानी ने अपनी टेलीकॉम कंपनी जियो की मदद से अपनी संपत्ति में 4.1 अरब डॉलर का इजाफा किया है। अमीर भारतीयों की इस सूची में छह नए नाम शामिल हुए हैं। इनमें बायजूस के फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन, हल्दीराम स्नैक्स के मनोहर लाल और मधुसुदन अग्रवाल, जैक्वार के राजेश मेहरा और अस्ट्रॉल पॉलीटेक्निक के संदीप इंजीनियर के नाम शामिल हैं।

प्रतीकात्मक

फोर्ब्स सूची का सच

- आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई शीर्ष 14 धनकुबेरों की कुल संपत्ति में
- मुकेश अंबानी की बादशाहत कायम, नई सूची से पिछले वर्ष के नौ धनकुबेर हो गए हैं बाहर
- लर्निंग एप बायजूस के बायजू रवींद्रन और हल्दीराम स्नैक्स के अग्रवाल चौंकाने वाले नाम
- आठ पायदान चढ़कर गौतम अडानी पहुंच गए दूसरे स्थान पर
- संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान कर देने वाले अजीम प्रेमजी लुढ़ककर 17वें स्थान पर

आइएमसी में होगा 5–जी के प्रयोग का लाइव प्रदर्शन

▸ इवेंट पार्टनर के तौर पर शामिल हो सकती है चीन की कंपनी हुआवे

▸ 40 देशों की 300 कंपनियों के शिरकत करने की संभावना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

इस बार के इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आइएमसी) का मुख्य फोकस 5-जी प्रौद्योगिकी पर होगा। 14 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे तीसरे सम्मेलन में भारतीय कंपनियों के साथ विदेशी कंपनियां परिवहन, आपदा प्रबंधन तथा चिकित्सा सेवाओं में 5-जी के उपयोग से जुड़ी अपनी विशेषज्ञताओं का लाइव प्रदर्शन करेंगी। पिछली इंडिया मोबाइल कांग्रेस की तरह इस बार भी दुनिया के 40 से अधिक देशों की 300 से ज्यादा दूरसंचार कंपनियां इंडिया मोबाइल कांग्रेस में हिस्सा लेंगी। दूरसंचार विभाग तथा टेलीकॉम कंपनियों के संगठन सीओएआइ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस मोबाइल सम्मेलन का मकसद प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' तथा स्टार्ट-अप विजन को आगे बढ़ाना है। सम्मेलन को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का समर्थन हासिल है। इसमें भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अलावा राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

पिछली बार की तरह इस बार भी मोबाइल कांग्रेस का आयोजन इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक एयरोसिटी में हो रहा है। जहां छह हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में तैयार भव्य

5–जी के प्रयोग में शिरकत करने की इजाजत मिलने से हुआवे ने खुशी जाहिर की है। प्रतीकात्मक

पांडाल में प्रदर्शनियों के साथ-साथ वैश्विक कंपनियों के सीईओ गोष्ठियों के माध्यम से अपने विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे।

आयोजकों को उम्मीद है कि 16 अक्टूबर के आखिरी दिन तक 75 हजार से ज्यादा उद्यमी, ग्राहक और जिज्ञासु मोबाइल कांग्रेस का दौरा करेंगे। आशा की जाती है कि सम्मेलन के दौरान विभिन्न कंपनियों की ओर से 300 से ज्यादा उत्पादों की लांचिंग के अलावा भावी योजनाओं की घोषणा की जाएगी।

सम्मेलन के दौरान कुल 36 सत्रों में दूरसंचार उद्योग से जुड़े ढाई सौ से ज्यादा विशेषज्ञ अपना संबोधन देंगे, जबकि पांच हजार से ज्यादा कारोबारी प्रतिनिधि उनको सुनने के लिए एकत्र होंगे। इस बार 300 स्टार्ट-अप तथा 800 मीडिया कंपनियां सम्मेलन का विशेष आकर्षण होंगी।

सम्मेलन में जिन प्रमुख दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के भाग लेने की पुष्टि हुई है उनमें रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन, बीएसएनएल के अलावा हुआवे, इंटेल, फेसबुक, सैमसंग, टाटा सेमटेक, नोकिया, विप्रो और कीथ, इलेक्ट्रॉनिक्स समेत दर्जनों बड़े नाम शामिल हैं।

सम्मेलन में रिलायंस जियो, वोडाफोन तथा भारती एयरटेल अपने वेंडर पार्टनर्स के साथ 3400-3600 मेगाहर्त्ज स्पेक्ट्रम बैंड के तहत 5-जी नेटवर्क एवं डिजिटल सॉल्यूशंस का लाइव प्रदर्शन करेंगी। सम्मेलन में सबकी नजरें विवादास्पद टेलीकॉम उपकरण निर्माता कंपनी हुआवे पर होंगी। इसके बारे में कहा जा रहा है कि वह भारती एयरटेल तथा वोडाफोन दोनो के साथ पार्टनर के तौर पर सम्मेलन में शिरकत करने जा रही है। हुआवे वही कंपनी है जिस पर जासूसी के आरोप ने अमेरिका ने अपने यहां प्रतिबंध लगा रखा है। कंपनी भारत के 5-जी बाजार में प्रवेश के लिए जबरदस्त लॉबिंग कर रही है। माना जाता है कि चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की भारत यात्रा के दौरान वार्ताओं में इसके प्रवेश का मुद्दा भी शामिल होगा। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल बेहतर प्रौद्योगिकी का हवाला देते हुए हुआवे को अनुमति दिए जाने की पैरवी कर चुके हैं।

बेहतर ग्लोबल संकेतों के प्रभाव में संभले शेयर बाजार, सेंसेक्स 247 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिका-चीन में जारी ट्रेड वार्ता को लेकर मिले बेहतर संकेतों के चलते ग्लोबल मार्केट सहित प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों ने बेहतर प्रदर्शन किया। इस दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 246.68 अंक यानी 0.65 परसेंट बढ़कर 38,127.08 के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि सेंसेक्स में शुक्रवार का दिन काफी अस्थिर रहा और दिन के कारोबार के दौरान इसमें 608 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 70.50 अंक यानी 0.63 परसेंट के उछाल के साथ 11,305.05 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में इन्फोसिस के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल दर्ज किया गया। शुक्रवार के कारोबार में इसके शेयर 4.19 परसेंट की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं वेदांता, टाटा मोटर्स, ओएनजीसी, टाटा स्टील, एचयूएल, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयरों में 3.96 परसेंट तक का उछाल दर्ज किया गया। वहीं दूसरी ओर यस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आरआइएल, टीसीएस, हीरो मोटोकॉर्प, इंडसइंड बैंक और एनटीपीसी के शेयरों में 3.30 परसेंट तक की गिरावट देखी गई।

जानकारों के मुताबिक ट्रेड वार्ता को लेकर आए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने दुनियाभर के बाजारों को प्रभावित किया। गौरतलब है कि ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत काफी उत्साहजनक है और इसके बेहतर परिणाम आने की उम्मीद है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई कंपोजिट इंडेक्स, हैंगसेंग, कोस्पी और निक्केई बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों ने भी शुरुआती कारोबार में बढ़त का रुख दिखाया।

टीसीएस के शेयर गिरने के बाद संभले

नई दिल्ली, प्रेट्र : बाजार की उम्मीदों के मुताबिक नतीजे नहीं आने के कारण शुक्रवार को आइटी कंपनी टीसीएस के शेयरों मे गिरावट दर्ज की गई। दिन के कारोबार में एक समय इसके शेयरों में 3.76 परसेंट तक की गिरावट देखी गई। हालांकि बाद में कंपनी के शेयरों में सुधार देखा गया। इस कारण सेंसेक्स में इसके शेयर 0.87 परसेंट गिरावट के साथ 1,978.05 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बंद हुए। वहीं निफ्टी में इसके शेयरों में 0.77 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। इस एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 1,989 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बंद हुए। टीसीएस ने सितंबर में खत्म हुई तिमाही में कंपनी ने अपने शुद्ध मुनाफे में सिर्फ 1.8 परसेंट की वृद्धि दर्ज की है।

बंधन बैंक के शेयरों में बड़ा उछाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : शुक्रवार को एमएससीआइ इंडेक्स में सूचीबद्ध होने की खबरों के बीच बंधन बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया। दिन के कारोबार में बीएसई के सेंसेक्स में कंपनी के शेयर 15.08 परसेंट उछाल के साथ 583.40 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। एनएसई के निफ्टी में भी कंपनी के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। यहां बैंक के शेयर 14.70 परसेंट की तेजी के साथ 581.15 रुपये प्रति शेयर के हिसाब पर बंद हुए। इससे पहले बैंक ने कहा था कि गृह फाइनेंस के साथ इसका विलय 16 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा और इसी दिन बैंक के स्टॉक्स एमएससीआइ इंडेक्स में सूचीबद्ध हो जाएंगे।

मायूसी

लंबे समय से बिक्री में सुस्ती से हलकान ऑटो सेक्टर जीएसटी में कटौती की मांग कर रहा था। लेकिन पिछले महीने जीएसटी काउंसिल ने कटौती से इन्कार कर दिया था।

ऑटो सेक्टर पर लगातार 11वें महीने सुस्त बिक्री का संकट

नई दिल्ली, प्रेट्र : ऑटो सेक्टर में मांग में कमी का संकट जारी है। पिछले सितंबर में घरेलू वाहन बिक्री में लगभग 24 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता संगठन सियाम के मुताबिक इस वर्ष सितंबर में घटकर 2,23,317 रह गईं, जो पिछले वर्ष इसी महीने में 2,92,660 यूनिट्स थीं। इस तरह सितंबर में यात्री वाहन की बिक्री में 23.69 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार 11वां महीना है, जब यात्री वाहन की मांग में कमी देखी गई है।

सितंबर में कार बिक्री में 33.4 परसेंट की गिरावट देखी गई। पिछले वर्ष इसी महीने में 1,97,124 के मुकाबले इस साल सितंबर में 1,31,281 कारें ही बिकीं। वहीं इसी अवधि में मोटरसाइकिल की बिक्री में 23.29 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। पिछले वर्ष के 13,60,415 के मुकाबले इस वर्ष सितंबर में 10,43,624 मोटरसाइकिल बिकीं। अगर सभी तरह के दोपहिया वाहनों की बिक्री की बात करें तो इसमें 22.09 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। वहीं व्यवसायिक वाहनों की बिक्री में भी गिरावट का दौर रहा। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष सितंबर में व्यवसायिक वाहनों की बिक्री में 39.06 परसेंट की गिरावट आई। इस दौरान सभी तरह के वाहनों की सम्मिलित बिक्री में 22.41 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई।

यह था अगस्त का हाल

इस वर्ष अगस्त में भी सभी तरह के वाहनों की बिक्री में 23.55 फीसद की कमी आई थी, जबकि जुलाई में वाहनों की बिक्री में 18.71 फीसद की कमी रही थी। सियाम ने सरकार से वाहनों पर जीएसटी की दर घटाने का आग्रह किया था। लेकिन 20 सितंबर को हुई बैठक में जीएसटी काउंसिल ने दर घटाने से इन्कार कर दिया। सियाम के डाटा के मुताबिक अगस्त में पैसेंजर वाहनों की बिक्री 31.57 फीसद गिरावट के साथ 1,96,524 रह गई। घरेलू बाजार में पैसेंजर वाहनों की बिक्री 41 फीसद से ज्यादा घटी थी। अगस्त में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22.33 फीसद की गिरावट हुई थी। यहां तक कि मंदी से अछूता रहा स्कूटर सेग्मेंट भी अगस्त में बिक्री में गिरावट का शिकार हुआ था।

अगस्त में औद्योगिक उत्पादन 1.1 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली, प्रेट्र : घरेलू अर्थव्यवस्था के बड़े आंकड़े अभी तक पटरी पर आते नहीं दिख रहे हैं। अगस्त में औद्योगिक उत्पादन (आइआइपी) का सूचकांक 1.1 प्रतिशत गिर गया। मैन्यूफैक्चरिंग, पावर और माइनिंग सेक्टर का खराब प्रदर्शन इसके कारण रहे। पिछले वर्ष अगस्त में आइआइपी 4.8 प्रतिशत चढ़ा था।

सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक आइआइपी में करीब 77 प्रतिशत का योगदान रखने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन इस साल अगस्त में 1.2 प्रतिशत घट गया, जबकि पिछले साल अगस्त के दौरान इसमें 5.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी। इस वर्ष अगस्त में बिजली उत्पादन 0.9 प्रतिशत घट गया। पिछले वर्ष इसी महीने के दौरान इस क्षेत्र का उत्पादन 7.6 प्रतिशत बढ़ा था। इस साल अगस्त में माइनिंग सेक्टर का उत्पादन महज 0.1 प्रतिशत बढ़ा।

अप्रैल-अगस्त की अवधि में आइआइपी 2.4 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह वृद्धि दर 5.3 प्रतिशत रही थी।

उद्योगों पर दबाव

अर्थव्यवस्था को सुस्ती से उबारने के लिए सरकार की तरफ से हाल के दिनों में कई फैसले किए गए हैं। इसके बावजूद इंडस्ट्री की रफ्तार में अब तक सुधार के संकेत नहीं हैं। त्योहारों का सीजन होने के बाद भी वाहन और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में अब तक मांग में खास बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। आरबीआइ ने भी हाल की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया है।

इस साल पहली बार बैंक लोन ग्रोथ दहाई अंकों से नीचे

मुंबई, प्रेट्र : चालू वित्त वर्ष में पहली बार बैंकों की तरफ से दिए गए लोन की वृद्धि दर 10 प्रतिशत से नीचे आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के आंकड़ों के मुताबिक 27 सितंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंक लोन की वृद्धि दर घटकर 8.79 प्रतिशत रह गई।

समीक्षाधीन पखवाड़े में बैंकों ने कुल 97.71 लाख करोड़ रुपये रुपये के लोन बांटे। एक वर्ष पहले की समान अवधि में बैंकों ने 89.82 लाख करोड़ रुपये के लोन दिए थे। इससे पिछले यानी 14 सितंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंकों की लोन ग्रोथ 10.26 प्रतिशत रही थी और कुल 97.01 लाख करोड़ रुपये के लोन बांटे गए थे। रिजर्व बैंक के अनुसार 27 सितंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर भी घटी है। इस दौरान बैंक डिपॉजिट 9.38 प्रतिशत बढ़कर 129.06 लाख करोड़ रुपये का रहा। एक साल पहले की समान अवधि में बैंकों में कुल 118 लाख करोड़ रुपये डिपॉजिट आया था।

27 सितंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंक डिपॉजिट की वृद्धि दर भी घटी

▸ बैंक लोन की वृद्धि दर घटकर 8.79 फीसद पर आई

इस वर्ष अगस्त का लेखाजोखा

- गैर खाद्य लोन की वृद्धि घटकर 9.8 प्रतिशत रह गई
- सेवा क्षेत्र को लोन की वृद्धि 26.7 से घटकर 13.3 प्रतिशत रही
- पर्सनल लोन की वृद्धि 18.2 से घटकर 15.6 प्रतिशत रह गई
- उद्योग को लोन की वृद्धि दोगुना होकर 3.9 प्रतिशत पर पहुंच गई

3 मेजरों को गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल होने और पद के दुरुपयोग के आरोप में बर्खास्त कर दिया है पाकिस्तानी सेना ने। इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने एक बयान में बताया कि तीन मेजरों में से दो को कठोर कारावास की सजा भी सुनाई गई है।

कुर्दों पर तुर्की के हमलों से एक लाख लोग हुए बेघर

इस्तांबुल, रायटर : तुर्की ने शुक्रवार को तीसरे दिन सीरियाई कुर्दों पर अपने हमलों को और तेज कर दिया। तुर्की ने ऐसा यूरोपीय यूनियन की प्रतिबंधों की चेतावनी, अमेरिका में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन सांसदों के कड़े विरोध और मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों के बीच किया है। तुर्की ने अपने हमलों में 342 कुर्द चरमपंथियों को मारे जाने का दावा किया है तो हालात पर नजर रखने वाले संगठनों ने मारे गए कुर्दों की संख्या 32 बताई है। कुर्दों के जवाबी हमले में तुर्की के दो सैनिकों और आठ नागरिकों के मारे जाने की खबर है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र ने नागरिक ठिकानों पर तुर्की के हवाई हमलों से एक लाख लोगों के बेघर होने की जानकारी दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने तुर्की की कार्रवाई का समर्थन किया है।

सीरिया के रास अल-आईन इलाके में तुर्की के लड़ाकू विमानों और तोपखाने की बमबारी जारी है। कुर्द लड़ाके भी अपनी क्षमता भर प्रतिरोध कर रहे हैं लेकिन साधन संपन्न तुर्की की सेना के सामने वे ज्यादा देर टिक नहीं पा रहे हैं। जानकारी मिली है कि तुर्की समर्थित सीरिया सरकार के विरोधी लड़ाकों ने भी कुर्दों

▸ हवाई हमलों और तोपों से बमबारी में 342 कुर्द लड़ाकों के मारे जाने का दावा

पर हमले शुरू कर दिए हैं। 20 वाहनों में सवार तुर्की समर्थक इन लड़ाकों को कुर्द इलाकों की ओर बढ़ते देखा गया था। ये अल्ला-हो-अकबर के नारे लगाते आगे बढ़ रहे थे। कुर्द बहुल तेल अबयाद शहर पर तुर्की की तोपों की बमबारी की खबर है। इलाके में सक्रिय मानवाधिकारों संगठनों ने अभी तक की लड़ाई में 32 कुर्द लड़ाकों और 34 तुर्की समर्थक लड़ाकों के मारे जाने की पुष्टि की है। जबकि तुर्की के हमलों में दस नागरिक मारे गए हैं। नाटो के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने तुर्की की कार्रवाई पर चिंता जताई है और उससे संयम बरतने को कहा है। तुर्की के हवाई हमले में एक जेल को नुकसान पहुंचने की खबर है, इसका फायदा उठाकर आइएस के पांच आतंकी फरार हो गए हैं।

लग सकता है यूरोपीय यूनियन का प्रतिबंध : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तुर्की के हमलों पर निंदा प्रस्ताव पारित करा पाने में असफल रहने पर यूरोपीय देशों ने अब तुर्की पर यूरोपीय यूनियन के प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

डोनाल्ड ट्रंप की तुर्की-कुर्द विवाद में मध्यस्थता की इच्छा

वाशिंगटन, प्रेट्र : दुनिया भर में सीरियाई कुर्दों पर अमेरिका के ताजा रुख से हो रही थू-थू से सजग हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब तुर्की और कुर्द लड़ाकों के बीच मध्यस्थता की इच्छा जताई है। ट्वीट कर बताया है, अमेरिका के पास क्षेत्रीय विवाद को लेकर तीन विकल्प हैं, इनमें पहला विकल्प है कि अमेरिका अपनी सेनाएं भेजकर वहां सभी को हरा दे। दूसरा विकल्प है कि तुर्की पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे घुटने टेकने पर मजबूर कर दे और तीसरा विकल्प है कि वह तुर्की और कुर्दों के बीच स्थायी शांति के लिए मध्यस्थता करे।

ट्रंप ने कहा, सीरिया में हमने आतंकी संगठन आइएस को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। अमेरिकी सेना वहां पर इसीलिए गई थी। सीरिया में कुर्दों पर तुर्की के हमले के अतिरिक्त अन्य कोई लड़ाई नहीं हो रही। तुर्की और कुर्दों के बीच का संघर्ष 200 साल पुराना है, जो रह-रहकर भड़कता रहता है। ऐसे में हम वहां अपनी सेना को फिर से भेजें और वहां सभी को हराएं, यह समझदारी की बात नहीं है। कहा, अमेरिकी लोग भी यही नहीं चाहेंगे। लेकिन तुर्की के ताजा हमले के मद्देनजर हम निश्चित रूप से कड़ा कदम उठाएंगे।

संघर्ष को खत्म करने के लिए अबी ने दिखाई हिम्मत

जेएनएन, नई दिल्ली

अफ्रीका के गरीब देशों में शुमार दो देशों के बीच शांति स्थापना कायम करने में अहम भूमिका निभाने वाले अबी अहमद अली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखाई और चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ते गए और अपने देश को युद्ध से बाहर निकालकर विकास और समृद्धि के रास्ते पर ले आए।

देश की तरफ से सैन्य अफसर के रूप में अपनी सेवा देने वाले अबी अहमद अपने इरादों के पक्के हैं। यही कारण था कि पिछले साल प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने इरिट्रिया के साथ संघर्ष खत्म करने का एलान किया था। आबादी के हिसाब से अफ्रीका के दूसरे सबसे बड़े देश इथोपिया का राष्ट्राध्यक्ष बनने वाले अबी को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास था। अपने देश के चिरप्रतिद्वंद्वी देश इरिट्रिया से दुश्मनी भुलाकर न सिर्फ वह उस देश में गए, बल्कि वहां की राजधानी असमारा में राष्ट्रपति इसैयस अफवर्की को गर्मजोशी के साथ गले भी लगाया। इथोपिया और इरिट्रिया के बीच दो दशक पुराने युद्ध में लगभग 80 हजार लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। इथोपिया के साथ उन्होंने युद्ध की समाप्ति की घोषणा ही नहीं की थी, बल्कि दोनों देशों के बीच व्यापार, राजनयिक संबंध और यात्रा संबंधों को भी बहाल करने का एलान किया था।

समिति का जताया आभार

शांति के लिए नोबेल पुरस्कार के लिए चुने पार इथोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने चयन करने वाली समिति का आभार जताया है। नोबेल समिति को फोन कर अबी ने कहा कि वह यह खबर सुनकर विनम्रता और रोमांच का अनुभव कर रहे हैं। यह पुरस्कार अफ्रीका, इथोपिया को मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब अन्य अफ्रीकी देशों के नेताओं को भी शांति बहाली के लिए काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

इरिट्रिया के राष्ट्रपति इसैयस अफवर्की (बाएं) और इथोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली। फाइल

इथोपिया-इरिट्रिया संघर्ष का इतिहास : लगभग तीन दशक के संघर्ष के बाद इरिट्रिया 1993 में इथोपिया से अलग होकर स्वतंत्र राष्ट्र बना था। लाल सागर के किनारे और अफ्रीका के ऊपरी हिस्सा में बसे इरिट्रिया रणनीतिक रूप से बहुत ही अहम स्थान पर है। पांच साल तक दोनों देशों के बीच सबकुछ ठीक चला, लेकिन उसके बाद एक छोटे से सीमावर्ती शहर बादमे पर कब्जे को लेकर संघर्ष शुरू हो गया। सीमा पर स्थित बादमे का रणनीतिक रूप से कोई विशेष अहमियत नहीं थी, लेकिन इथोपिया और इरिट्रिया दोनों ही देशों ने इस पर कब्जे को अपनी नाक का सवाल बना लिया। इस संघर्ष में कई परिवार बिछड़ गए, स्थानीय कारोबार चौपट हो गया। शरणार्थियों की समस्या पैदा हो गई और इरिट्रिया से बड़ी संख्या में लोग शरण लेने यूरोपीय देशों को पलायन कर गए।

साल 2000 में हुआ शांति समझौता : दुश्मनी खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच जून, 2000 में समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उसी साल दिसंबर में अल्जीरिया में दोनों देशों के बीच शांति समझौता हुआ। इस समझौते के साथ युद्ध खत्म हुआ और दोनों देशों के बीच सीमा के निर्धारण के लिए एक आयोग का गठन किया गया। अप्रैल, 2002 में आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बादमे को इरिट्रिया के हवाले करने का फैसला सुनाया। लेकिन इथोपिया ने बादमे शहर को इरिट्रिया को सौंपने से इन्कार कर दिया और फिर दोनों देशों के बीच सीमा पर संघर्ष की शुरुआत हो गई।

अबी ने समझौता को लागू करने की घोषणा की : पिछले साल प्रधानमंत्री बनने के साथ अबी अहमद ने वर्ष 2000 में हुए समझौते को पूरा करने की घोषणा की। उसके बाद ही उनके प्रयास से दोनों देशों के बीच शांति बहाली की दिशा में पहल हुई।

अफवर्की ने युद्ध को भुनाया : इरिट्रिया के अस्तित्व में आने के बाद से ही राष्ट्रपति रहे अफवर्की अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए इथोपिया के साथ युद्ध का इस्तेमाल किया।

इमरान ने कहा- पीएम मोदी ने कश्मीर पर आखिरी कार्ड खेला

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को कहा कि उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाकर अपना आखिरी कार्ड खेला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया इस मुद्दे की अनदेखी कर रहा है। इस्लामाबाद में कश्मीर की जनता के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए बनाई गई 'मानव श्रृंखला' में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया हांगकांग के प्रदर्शनों को पूरा कवरेज दे रहा है, लेकिन कश्मीर मुद्दे की अनदेखी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि कश्मीरी लोग जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को खत्म करने के भारत के फैसले को कुबूल नहीं करेंगे और जब भी पाबंदियों को हटाया जाएगा तो वे विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरेंगे। इमरान बोले, 'नरेंद्र मोदी ने गलती की है। उन्होंने अपना आखिरी कार्ड खेला है, लेकिन कश्मीर के लोग इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान ने कहा कि कश्मीर के लोगों को कोई भय नहीं है क्योंकि पिछले सात दशकों में वे जिन हालातों में रहे हैं, उनका डर खत्म हो गया है। कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाने के भारत के फैसले के विरोध में राजधानी इस्लामाबाद के बीचोंबीच डी-चौक पर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक जमा हुए और मानव श्रृंखला बनाई।

भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण माना जा सकता है कश्मीर पर प्रस्ताव : कॉर्बिन

बदले सुर ▸ ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी ने 26 सितंबर को पारित किया था प्रस्ताव

लेबर पार्टी के कई सदस्यों ने पत्र लिख कर व्यक्त की चिंता

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन ने माना है कि उनकी पार्टी द्वारा 26 सितंबर को पारित विवादित कश्मीर प्रस्ताव की भाषा में इस बात की पूरी गुंजाइश है कि उसे भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण माना जा सकता है। हालांकि वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ पारित आपात प्रस्ताव का समर्थन करते रहे।

लेबर फ्रेंड्स ऑफ इंडिया (एलएफआइएन) समूह समेत पार्टी के कई सदस्यों ने पत्र लिखकर पार्टी द्वारा वार्षिक सम्मेलन में पारित प्रस्ताव पर चिंता व्यक्त की थी। कॉर्बिन इसी पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर पर आपात प्रस्ताव लेबर पार्टी के सम्मेलन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत पेश किया गया था।

कॉर्बिन ने कहा, 'लेबर पार्टी कश्मीर के हालात के बारे में ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की चिंताओं को समझती है और इन चिंताओं

ब्रिटेन की विपक्षी लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन की फाइल फोटो। एएफपी

को पूरी गंभीरता से लेती है।' दरअसल, कश्मीर पर प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद से ही जेरेमी कॉर्बिन पर ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय का जबर्दस्त दबाव है। उन्होंने कहा भी, 'यह लगातार हमारी प्राथमिकता है और मैं इस बात से सहमत हूं कि हमें उपमहाद्वीप की राजनीति से ब्रिटेन में समुदायों को विभाजित नहीं करना चाहिए। मैं भारत और भारतीय समुदाय के साथ ऐतिहासिक रूप से अच्छे संबंध बनाने को उत्सुक हूं।'

ब्रेक्जिट पर ईयू और ब्रिटेन के बीच फिर बनी समझौते की संभावना

ब्रसेल्स, एपी : यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने कहा है कि ब्रेक्जिट को लेकर ब्रिटेन के साथ बातचीत तमाम चुनौतियों के बावजूद फिर से पटरी पर आ गई है। ऐसा ब्रिटेन और आयरलैंड के प्रधानमंत्रियों के साथ आने की वजह से हुआ। यूनाइटेड किंगडम के ये दोनों प्रधानमंत्री ताजा ब्रेक्जिट प्रस्ताव को लेकर मतभेदों को भुलाते हुए गुरुवार को साथ बैठे थे और 31 अक्टूबर को ईयू से प्रस्तावित अलगाव की योजना पर बात की थी।

ईयू परिषद के राष्ट्रपति डोनाल्ड टस्क ने कहा है कि आयरलैंड के प्रधानमंत्री लियो वारेडकर की ओर से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद ब्रेक्जिट के लिए शर्तों पर बातचीत फिर से पटरी पर आ गई है। समझौते के लिए समय कम है लेकिन संभावना अभी बाकी है। समझौते को अंजाम तक पहुंचाने के लिए ब्रेक्जिट की समय सीमा 31 अक्टूबर से आगे बढ़ानी पड़ सकती है। टस्क ने कहा कि यूरोपीय यूनियन शुक्रवार को समझौते को लेकर हो रही वार्ता से हटने वाला था लेकिन ब्रिटिश और आयरिश प्रधानमंत्रियों की ओर से मिले संकेतों के बाद शर्तों से फिर बातचीत आगे बढ़ी है। बावजूद इसके सफलता की कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि काफी बहुमूल्य समय बीत चुका है। वैसे यूरोपीय यूनियन बिना शर्त ब्रेक्जिट का पक्षधर नहीं है। बदले माहौल में लंदन में शुक्रवार सुबह ब्रिटेन के ब्रेक्जिट मामलों के मंत्री स्टीफन बर्कले ने ईयू के वार्ताकार माइकल बर्नियर का गर्मजोशी से स्वागत किया।

आतंकवादी समूहों में बच्चों को भर्ती करता है पाक : भारत

▸ जम्मू-कश्मीर के बच्चों का जिक्र करने पर पड़ोसी को दिखाया आइना

▸ कहा- फर्जी कहानी पेश कर यूएन की समिति का ध्यान भटकाना चाहता है

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : भारत ने जम्मू-कश्मीर में रहने वाले बच्चों के बारे में 'गलत बाते पेश' करने पर पाकिस्तान की आलोचना की है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान युवाओं में हिंसक कट्टरपंथी विचारधाराएं पैदा कर उन्हें उकसाता है और उन्हें आतंकी समूहों में भर्ती करता है।

'बाल अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण' पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के सत्र को गुरुवार को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पॉलोमी त्रिपाठी ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक प्रतिनिधिमंडल ने फर्जी कहानी पेश कर और 'हमारे देश के आंतरिक मामलों का अवांछित उल्लेख कर' समिति का ध्यान भटकाने की कोशिश की है। त्रिपाठी बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की निवर्तमान राजदूत मलीहा लोधी द्वारा समिति में की गई टिप्पणी का जवाब दे रही थीं, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को उठाया था और अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने के बाद राज्य में बच्चों की स्थिति के बारे में जिक्र किया था। लोधी ने अपने बयान में जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त की रिपोर्ट का भी जिक्र किया था।

पाकिस्तान की आलोचना करते हुए, त्रिपाठी ने कहा, 'यह एक ऐसा देश है, जहां बच्चों को हिंसक उग्रवादी विचारधारा

पॉलोमी त्रिपाठी। फाइल

से दीक्षित किया जाता है और आतंकवादी समूहों में उनकी भर्ती की जाती है। उन बच्चों से न सिर्फ उनका भविष्य छीना जाता है, बल्कि सीमा पार के बच्चों का भविष्य भी खतरे में डाला जाता है।' उन्होंने पूछा, 'यह मासूम बच्चों की स्वतंत्रता का हनन और उनके अधिकारों का उल्लंन नहीं है, तो और क्या है?'

त्रिपाठी ने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी गलत बातों को सही ठहराने के लिए दूसरे संदर्भ से जुड़ी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट का इस्तेमाल करने की कोशिश की है।

पश्चिम एशिया में तनाव दूर करने सऊदी और ईरान जा सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को दूर करने के प्रयास में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान शनिवार से ईरान और सऊदी अरब का दौरा कर सकते हैं। सऊदी अरब के दो तेल संयंत्रों पर पिछले माह हुए ड्रोन हमले के बाद से क्षेत्र में तनाव है। इस हमले के लिए सऊदी अरब और अमेरिका ने ईरान को जिम्मेदार ठहराया था।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने सूत्रों के हवाले से अपनी खबर में बताया कि इमरान पहले तेहरान जाएंगे और रविवार को ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह रियाद पहुंचेंगे और सऊदी नेतृत्व से मिलेंगे। इमरान के इस दौरे पर हालांकि विदेश मंत्रालय चुप्पी साधे हुए है। पिछले माह संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के दौरान इमरान ने दावा किया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव को दूर करने के लिए उनसे मध्यस्थता के लिए कहा है। इस दावे पर हालांकि ट्रंप ने कहा था, 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने ही यह पेशकश की थी। लेकिन अभी कुछ तय नहीं हुआ है।' सऊदी अरब के साथ ही पाकिस्तान के ईरान से भी अच्छे संबंध हैं। जबकि सऊदी अरब

▸ सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर हमले के बाद से है क्षेत्र में तनाव

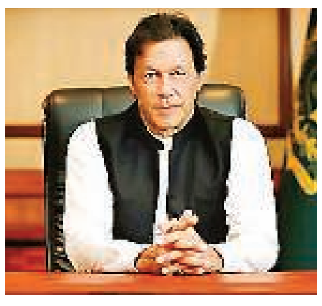
इमरान खान। फाइल

और ईरान में गहरे मतभेद हैं।

मध्यस्थता कर चुके हैं नवाज शरीफ : वर्ष 2016 में सऊदी अरब ने प्रभावशाली शिया मौलवी निम्र अल-निम्र को फांसी पर चढ़ा दिया था। इसको लेकर सऊदी अरब और ईरान में तनाव बढ़ गया था। इस तनाव को दूर करने के लिए पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मध्यस्थता की थी।

सऊदी ने रिहा किए पाक के 579 कैदी

इस्लामाबाद, आइएएनएस : सऊदी अरब ने अपनी जेलों में बंद 579 पाकिस्तानी कैदियों को रिहा कर दिया है। यह रिहाई सऊदी अरब के शाही परिवार द्वारा दी गई सजा माफी के तहत की गई है। इस साल फरवरी में सऊदी अरब के दौरे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सऊदी क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान से पाकिस्तानी कैदियों की रिहाई की गुजारिश की थी। इस पर प्रिंस सलमान ने पाकिस्तान के दो हजार से ज्यादा कैदियों को रिहा करने की घोषणा की थी। रिहा किए गए ज्यादातर कैदी धोखाधड़ी, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध तरीके से सीमा पार करने और चोरी के मामलों में एक से पांच साल तक की सजा काट रहे थे। ओवरसीज पाकिस्तानी फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आमिर शेख ने गुरुवार को इन कैदियों की रिहाई की पुष्टि की। इन कैदियों के अलावा सऊदी अरब गत फरवरी से लेकर अब तक करीब चार हजार पाकिस्तानी नागरिकों को वापस पाकिस्तान भेज चुका है।

ब्रिटेन के मॉल में आतंकी हमला, चार घायल

लंदन, रायटर : ब्रिटेन के मैनचेस्टर शहर में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक आदमी ने शॉपिंग सेंटर में छुरे से हमला कर चार लोगों को घायल कर दिया। घायलों में तीन महिलाएं हैं। हमले के दौरान शॉपिंग सेंटर में काफी भीड़ थी और जैसे ही लोगों को पता चला-वे खुद को बचाने के लिए भागने लगे। आतंकवाद निरोधी दस्ते ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया है, उस पर आतंकी हिंसा से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और गृह मंत्री प्रीति पटेल ने घटना को स्तब्धकारी और निंदनीय बताया है।

घटना शहर के मध्य स्थित आर्नडेल शॉपिंग सेंटर में हुई। छुरेबाजी कर रहे आदमी को जब मॉल के सुरक्षाकर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो वह काबू में नहीं आया। मौके पर पहुंची पुलिस ने टेजर गन (इलेक्ट्रिक करंट छोड़ने वाला हथियार) के इस्तेमाल से हमलावर को बेसुध कर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अतिवादी संगठनों से प्रभावित होने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस उसके साथियों के बारे में और जानकारियां एकत्रित कर रही है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा है कि हमले के लिए जिस तरह से स्थान का चयन किया गया और उसे अंजाम देने का जो तरीका था, उससे घटना के आतंकी वारदात होने के संकेत मिल रहे थे।

मनी लांड्रिंग मामले में रिमांड पर भेजे गए शरीफ

▸ पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री से चौधरी शुगर मिल मामले में होगी पूछताछ

▸ भ्रष्टाचार के मामले में जेल की सजा काट रहे हैं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज

लाहौर, प्रेट्र : भ्रष्टाचार के मामले में जेल की सजा काट रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। उन्हें भ्रष्टाचार से जुड़े एक अन्य मामले में शुक्रवार को 14 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। शरीफ और उनका परिवार भ्रष्टाचार से जुड़े कई मामलों का सामना कर रहा है।

पाकिस्तान की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने चौधरी शुगर मिल से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में शरीफ को यहां कोट लखपत जेल से गिरफ्तार कर एनएबी अदालत में पेश किया। तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ अल-अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में मिली सात साल की सजा इसी जेल में काट रहे थे। एनएबी के अभियोजक ने मनी लांड्रिंग मामले में शरीफ की 15 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने हालांकि 14 दिन की रिमांड मंजूर की। इसके बाद शरीफ को कोर्ट से लाहौर स्थित एनएबी मुख्यालय ले जाया गया, जहां उनसे मनी लांड्रिंग मामले में पूछताछ की जाएगी। एनएबी का आरोप है कि शरीफ और उनकी बेटी मरयम का चौधरी शुगर मिल के फायदे से सीधा ताल्लुक है। शुगर मिल में मरयम के 1.20 करोड़ से ज्यादा शेयर हैं।

'शरीफ को फंसा रही इमरान सरकार' : शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने आरोप लगाया कि शरीफ को इमरान सरकार

पाकिस्तान के लाहौर में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अदालत में पेश किया गया। एपी

ने एनएबी के जरिये गिरफ्तार कराया है। पार्टी के एक नेता ने कहा, इमरान को लग रहा था कि अल-अजीजिया मामले में शरीफ को जमानत मिल सकती है। इसलिए उन्हें दूसरे मामले में फंसाया जा रहा है।

दो मामलों में मिल चुकी है सजा : पनामा पेपर मामले में 2017 में प्रधानमंत्री की कुर्सी गंवाने वाले शरीफ को दो मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। उन्हें एवनफील्ड मामले में दस साल और अल-अजीजिया मामले में सात साल जेल की सजा मिली है। एवनफील्ड मामले में फिलहाल वह जमानत पर हैं।

बढ़ी मुश्किलें

अमेरिकी नियामक एफएए ने दिया था जांच का आदेश, दो हादसों के बाद कंपनी के 737 मैक्स विमानों को किया गया है उड़ान से बाहर

बोइंग के 38 विमानों के अहम हिस्से में थे क्रैक

न्यूयॉर्क, एपी : विमान और रॉकेट बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। पिछले साल अक्टूबर और इस साल मार्च में हुए हादसों के कारण पहले ही कंपनी के 737 मैक्स विमानों को उड़ान से बाहर कर दिया है। अब बोइंग के 38 पुराने विमानों के अहम हिस्से में क्रैक की बात सामने आई है। इसके चलते इन विमानों की सुरक्षा पर फिर सवाल खड़ा हो गया है।

अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने बोइंग 737 एनजी विमानों की जांच के लिए दुनियाभर की एयरलाइंस को सात दिन का समय दिया था, जिसकी समयसीमा गुरुवार को खत्म हो गई। इस दौरान विभिन्न एयरलाइंस ने 810 विमानों की जांच की। इसमें उन्हें एनजी के उस हिस्से की जांच करनी थी, जहां से विमान के डैने (विंग्स) जुड़े होते हैं। बोइंग ने गुरुवार को कहा कि जांच में पांच फीसद विमानों के इस हिस्से में क्रैक मिले। कंपनी ने हालांकि यह बताने से इन्कार कर दिया कि किन एयरलाइंस को यह खामियां मिली हैं। लेकिन विमान की संरचना में गड़बड़ी के कारण कई एयरलाइंस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

ब्राजील की एयरलाइंस गोल ने 11 विमानों को सेवा से हटा दिया है। जबकि अमेरिका की साउथवेस्ट एयरलाइंस ने दो विमान सेवा से हटाए हैं। एफएए के प्रवक्ता ने कहा कि बोइंग विमानों की मरम्मत के साथ ही जांच रिपोर्ट का विश्लेषण कर रही है। मरम्मत में करीब दो हफ्ते का समय लग सकता है। बोइंग 737 एनजी विमानों को 737 मैक्स से बदल रहा था। इंडोनेशिया की लॉयन एयर और इथोपिया एयरलाइंस के 737 मैक्स विमानों के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण इन विमानों की सेवा बंद कर दी गई थी। इन दोनों हादसों में 346 लोगों की मौत हुई थी।

▸ इंडोनेशिया की लॉयन एयर और इथोपिया एयरलाइंस के 737 मैक्स विमानों के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण 346 लोगों की हुई थी मौत

737 मैक्स के डिजाइन में बदलाव की मंजूरी पर एफएए की आलोचना

बोइंग 737 मैक्स विमानों की डिजाइन में बदलाव को मंजूरी देने के लिए एफएए को तीखी आलोचना झेलनी पड़ रही है। द ज्वाइंट टेक्निकल रिव्यू (जेएटीआर) पैनल ने अमेरिकी नियामक पर अपने ही नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। पैनल में शामिल विशेषज्ञों के अनुसार, एफएए ने डिजाइन में हो रहे बदलाव की निगरानी के लिए विशेषज्ञों की मदद नहीं ली और पुराने ढर्रे पर चलते हुए नए डिजाइन को मंजूरी दे दी। मार्च में हुए हादसे के बाद इस पैनल का गठन किया गया था।

प्रदर्शन के दौरान विमान पर चढ़ा पैरा ओलंपिक खिलाड़ी

जलवायु परिवर्तन

▸ ब्रिटिश एयरवेज के विमान पर चढ़कर जेम्स ब्राउन बनाया वीडियो

लंदन, प्रेट्र : जलवायु परिवर्तन रोकने में सरकारों की नाकामी के खिलाफ लंदन में चल रहा विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। गुरुवार को प्रदर्शन का असर लंदन सिटी एयरपोर्ट पर भी देखने को मिला था। पर्यावरण कार्यकर्ता समूह एक्सटिंक्शन रिबेलियन से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने एयरपोर्ट का प्रवेश द्वार बंद कर दिया था। उधर, पैराओलंपिक खिलाड़ी जेम्स ब्राउन ने बिलकुल अलग अंदाज में प्रदर्शन को समर्थन दिया। 2012 में हुए पैराओलंपिक गेम्स में साइकलिंग में कांस्य जीतने वाले ब्राउन ब्रिटिश एयरवेज के विमान पर चढ़ गए थे।

एम्सटर्डम जाने वाले विमान के ऊपर चढ़ने के दौरान उन्होंने एक वीडियो मैसेज लाइव किया था। वीडियो में उन्होंने कहा, 'हम जलवायु परिवर्तन की समस्या पर सरकार को जगाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। आपदा आने पर आपातकाल की घोषणा के अलावा और कुछ नहीं करती है।' करीब दो घंटे तक वह विमान के ऊपर बैठे रहे। बाद में पुलिस ने उन्हें उतारा और अपने साथ ले गई। एक अन्य व्यक्ति ने भी इसी तरह विमान में प्रदर्शन किया। उन्होंने विमान की सीट पर बैठने से मना कर दिया था, जिसके चलते उड़ान में दो घंटे की देरी हो गई। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक, दोनों के पास ही टिकट था और वह सुरक्षा जांच के बाद ही विमान तक पहुंचे थे। एक्सटिंक्शन रिबेलियन समूह ने सोमवार को प्रदर्शन शुरू किया था। वह सरकार से 2050 तक कार्बन उत्सर्जन ना के बराबर करने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनों में अब तक एक हजार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पचास लोग गुरुवार को एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए गए थे। करीब 50 प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) मुख्यालय के मुख्य द्वार के बाहर भी प्रदर्शन किया।

विदेश नीति स्टाफ की संख्या आधी करना चाहता है ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओब्रायन ने कहा है कि वह विदेश नीति से जुड़े ह्वाइट हाउस के स्टाफ की संख्या आधी कर देना चाहते हैं। ओब्रायन ने गुरुवार को यहां कहा कि ह्वाइट हाउस में विदेश नीति पर काम करने वालों की संख्या जरूरत से ज्यादा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक बैठक में ओब्रायन ने कहा, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के शासनकाल में विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के नेतृत्व में सौ कर्मचारी थे। वे सभी प्रभावी ढंग से अपने कार्य को अंजाम देते थे। ओबामा शासन में विदेश नीति से जुड़े कर्मचारियों की संख्या में इजाफा कर दिया गया था। राष्ट्रपति को सलाह देने और उनके निर्णयों को लागू कराने के लिए सौ के करीब कर्मियों की संख्या उपयुक्त रहेगी।

ये भी जानिए
करियर के शुरुआती 41 टेस्ट मैचों में विराट कोहली ने एक भी दोहरा शतक नहीं जड़ा था, जबकि उसके बाद खेले 40 टेस्ट में वह सात दोहरे शतक जड़ चुके हैं।

वाकई में विराट

- कोहली ने लगाया सातवां दोहरा शतक
- भारत ने 601 रन पर पारी घोषित की
- दक्षिण अफ्रीका की हालत हुई खराब

टेस्ट में बतौर कप्तान 150+ स्कोर

कप्तान	टीम	150+
विराट कोहली	भारत	9
डॉन ब्रैडमैन	ऑस्ट्रेलिया	8
माइकल क्लार्क	ऑस्ट्रेलिया	7
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	7
ब्रायन लारा	वेस्टइंडीज	7
ग्रीम स्मिथ	द. अफ्रीका	7

टेस्ट में सर्वाधिक दोहरे शतक

200	बल्लेबाज	देश
12	डॉन ब्रैडमैन	ऑस्ट्रेलिया
11	संगकारा	श्रीलंका
9	ब्रायन लारा	वेस्टइंडीज
7	वॉली हैमंड	इंग्लैंड
7	जयवर्धने	श्रीलंका
7	कोहली	भारत

सबसे कम पारियों में 7000 टेस्ट रन

पारी	बल्लेबाज	देश
131	वॉली हैमंड	इंग्लैंड
134	वीरेंद्र सहवाग	भारत
136	तेंदुलकर	भारत
138	गैरी सोबर्स	वेस्टइंडीज
138	संगकारा	श्रीलंका
138	कोहली	भारत

सबसे कम पारी में 26 टेस्ट शतक

पारी	बल्लेबाज	देश
69	डॉन ब्रैडमैन	ऑस्ट्रेलिया
121	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया
136	सचिन तेंदुलकर	भारत
138	विराट कोहली	भारत
144	सुनील गावस्कर	भारत

बतौर कप्तान 50वें टेस्ट में शतक

कप्तान	देश
स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया
स्टीफन फ्लेमिंग	न्यूजीलैंड
एलिस्टेयर कुक	इंग्लैंड
विराट कोहली	भारत

7000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय

बल्लेबाज	रन
सचिन तेंदुलकर	15921
राहुल द्रविड़	13288
सुनील गावस्कर	10122
वीवीएस लक्ष्मण	8781
वीरेंद्र सहवाग	8586
सौरव गांगुली	7212
विराट कोहली	7054

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट के बाद जब सात अक्टूबर को आइसीसी की टेस्ट रैंकिंग जारी हुई थी तो उसमें बल्लेबाजों की सूची में भारतीय कप्तान विराट कोहली 899 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज थे, लेकिन जनवरी 2018 के बाद यह पहला मौका था जब उनके रेटिंग अंक 900 से नीचे आ गए थे। इतना ही नहीं, उनके और 937 अंकों के साथ शीर्ष रैंकिंग पर काबिज ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के बीच रेटिंग अंक का फासला बढ़कर 38 अंकों का हो गया था। स्मिथ ने एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जबकि पुणे टेस्ट में उतरने से पहले कोहली ने पिछली 10 टेस्ट पारियों में एक भी शतक नहीं जड़ा था। लेकिन, कोहली ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में करियर का सातवां दोहरा शतक जड़ते हुए एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें यूं ही दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार नहीं किया जाता है।

बेशक उनकी यह पारी रैंकिंग में स्मिथ को पीछे छोड़ने के लिए नाकाफी हो, लेकिन इतना तय है कि आइसीसी की अगली टेस्ट रैंकिंग जारी होने पर उनके और स्मिथ के बीच अंकों का फासला जरूर कम हो जाएगा। टेस्ट के पहले दिन मयंक अग्रवाल के शतक के बाद दूसरे दिन सभी की नजरें कप्तान कोहली पर थीं, जो पहले दिन का खेल खत्म होने पर 63 रन बनाकर नाबाद थे। दूसरा दिन पूरी तरह से कोहली के नाम रहा और उन्होंने 336 गेंदों का सामना करते हुए अपने टेस्ट करियर का सर्वाधिक स्कोर बनाते हुए नाबाद 254 रन की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 33 चौके और दो छक्के भी जड़े। कोहली की इस पारी की बदौलत भारत ने पांच विकेट पर 601 रन बनाकर पारी घोषित की।

रहाणे और जडेजा भी चमके : कोहली के अलावा दूसरे दिन अजिंक्य रहाणे (59) और रवींद्र जडेजा (91) ने भी अर्धशतक जड़े। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल खत्म होने तक 36 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे। भारत की ओर से उमेश यादव ने दो और मुहम्मद शमी ने एक विकेट झटका, जबकि दक्षिण अफ्रीका की ओर से थेउनिस डि ब्रूएन (नाबाद 20) और एनरिक नोर्टजे (नाबाद 02) क्रीज पर डटे हुए थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम अभी भी भारत से पहली पारी के आधार पर 565 रन पीछे है और उस पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है।

भारत का दबदबा : द सरे दिन पूरी तरह से कोहली और भारत का दबदबा रहा। कोहली ने किस तरह की बल्लेबाजी की, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत ने पहली पारी में कुल 156.3 ओवर बल्लेबाजी, जिसमें से अकेले कोहली ने 56 ओवर खेले। भारत ने शुक्रवार को तीन विकेट पर 373 रन से आगे खेलना शुरू किया। जल्द ही कोहली ने एनरिक नोर्टजे की गेंद पर एक रन लेकर रहाणे के साथ शतकीय साझेदारी पूरी की। कुछ देर बाद रहाणे ने नोर्टजे की गेंद पर ही एक रन लेकर 141 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। भोजनकाल से पहले कोहली ने वर्नोन फिलेंडर की गेंद पर खूबसूरत स्ट्रेट ड्राइव मारकर चार रन के साथ 173 गेंदों पर शतक पूरा किया, जो इस साल उनका पहला और कुल 26वां टेस्ट शतक है। साथ ही यह उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 69वां शतक है।

रहाणे के साथ साझेदारी : कोहली ने उप कप्तान रहाणे के साथ चौथे विकेट के लिए 178 रन जोड़े। इस साझेदारी को केशव महाराज ने रहाणे को क्विंटन डिकॉक के हाथों कैच कराकर तोड़ा। इसके साथ ही करियर का 27वां टेस्ट खेल रहे महाराज ने 100 टेस्ट विकेट पूरे किए। रहाणे के आउट होने के बाद कोहली का साथ देने जडेजा आए, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को राहत नहीं मिली। चायकाल के बाद कोहली ने सेनुरान मुथुस्वामी की गेंद पर स्क्वॉयर लेग में दो रन लेकर 295 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा किया। अगले ही ओवर में कोहली ने मुथुस्वामी पर डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्का जड़ा, जो इस पारी में उनका पहला छक्का था। कुछ देर बाद जडेजा ने भी एडेन मार्करैम की गेंद पर एक रन के साथ 79 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। कोहली और जडेजा ने पांचवें विकेट के लिए 225 रन जोड़े। इस साझेदारी को मुथुस्वामी ने जडेजा को आउट करके तोड़ा।

07 वां दोहरा शतक कोहली ने जड़ा। भारत की तरफ से वह ऐसा करने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। कप्तान के तौर पर ही उन्होंने सातों शतक ठोके हैं

19 वां टेस्ट शतक जड़ा विराट ने कप्तान के रूप में। कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा शतक जड़ने के मामले में वह ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (25) के नाम हैं

40 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले पहले भारतीय कप्तान बने कोहली। कोहली के बतौर कप्तान टेस्ट में 19 और वनडे में 21 शतक हैं

6800 टेस्ट रन थे कोहली के इस पारी को शुरू करने से पहले और अब उनके 7054 रन हो गए हैं। इस पारी के दौरान कोहली ने भारतीय बल्लेबाजों में दिलीप वेंगसरकर (6868) व अन्य बल्लेबाजों में केन बेरिंगटन (6806), रॉस टेलर (6839), लेन हटन (6971), सनत जयसूर्या (6973), स्टीव स्मिथ (6973), डॉन ब्रैडमैन (6996), एंड्रयू स्ट्रॉस (7037) और जो रूट (7043) को पीछे छोड़ा

7000 टेस्ट रन पूरे किए कोहली ने। वह इस मामले में दुनिया के 49वें और भारत के सातवें बल्लेबाज बने। वह सबसे तेज 7000 रन बनाने वाले विश्व के चौथे बल्लेबाज हैं

41 अंतरराष्ट्रीय शतक कप्तान के तौर पर जड़ने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के नाम है। पोंटिंग ने बतौर कप्तान 77 टेस्ट में 19 व 230 वनडे में 22 शतक जड़े हैं।

सचिन व सहवाग से आगे निकले

नई दिल्ली : विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में सातवां दोहरा शतक जड़ा। वह अब टेस्ट में सर्वाधिक दोहरे शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में छह-छह दोहरे शतक दर्ज हैं।

स्कोर बोर्ड

टॉस : भारत (बल्लेबाजी)

भारत (पहली पारी) 601/5 पारी घोषित (156.3 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
अग्रवाल का. डुप्लेसिस बो. रबादा	108	195	16	02
रोहित शर्मा का. डिकॉक बो. रबादा	14	35	01	00
पुजारा का. डुप्लेसिस बो. रबादा	58	112	09	01
विराट कोहली नाबाद	254	336	33	02
रहाणे का. डिकॉक बो. महाराज	59	168	08	00
जडेजा का. डि ब्रूएन बो. मुथुस्वामी	91	104	08	02

अतिरिक्त : (लेबा-6, नोबा-11) 17
कुल : 156.3 ओवर में पांच विकेट पर 601 रन
विकेट पतन : 1-25 (रोहित, 9.6), 2-163 (पुजारा, 50.6), 3-198 (मयंक, 60.6), 4-376 (रहाणे, 117.2), 5-601 (जडेजा, 156.3)
गेंदबाजी : फिलेंडर 26-6-66-0, कैगिसो रबादा 30-3-93-3, एनरिक नोर्टजे 25-5-100-0, केशव महाराज 50-10-196-1, मुथुस्वामी 19.3-1-97-1, डीन एल्गर 4-0-26-0, एडेन मार्करैम 2-0-17-0

दक्षिण अफ्रीका (पहली पारी) 36/3 (15 ओवर)

	रन	गेंद	चौके	छक्के
डीन एल्गर बो. उमेश	06	13	01	00
एडेन मार्करैम एलबीडब्ल्यू बो. उमेश	00	02	00,	00
थेउनिस डि ब्रूएन नाबाद	20	38	04	00
तेंबा बावुमा का. साहा बो. शमी	08	15	01	00
एनरिक नोर्टजे नाबाद	02	22	00	00

अतिरिक्त : 00
कुल : 15 ओवर में तीन विकेट पर 36 रन
विकेट पतन : 1-2 (मार्करैम, 1.2), 2-13 (एल्गर, 3.5), 3-33 (बावुमा, 9.1)
गेंदबाजी : इशांत शर्मा 4-0-17-0, उमेश यादव 4-1-16-2, रवींद्र जडेजा 4-4-0-0, मुहम्मद शमी 3-1-3-1

अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते रवींद्र जडेजा। प्रेट्र

कोहली को मिला जीवनदान

कोहली को 208 रन के निजी स्कोर पर जीवनदान भी मिला। मुथुस्वामी के ओवर की पांचवीं गेंद कोहली के बल्ले का किनारा लेती हुई पहली स्लिप पर खड़े फाफ डुप्लेसिस के हाथों में समा गई। कोहली मैदान छोड़कर लौटने लगे थे, लेकिन अंपायर नाइजल लांग ने नो बॉल चेक करने को कहा। टीवी रीप्ले में गेंद नो बॉल साबित हुई और कोहली को जीवनदान मिल गया।

ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा

कोहली ने कप्तान के रूप में एक रिकॉर्ड ऐसा भी बनाया जिसमें उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डॉन ब्रैडमैन को भी पीछे छोड़ दिया। कोहली अब टेस्ट मैचों में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा बार 150 या ज्यादा रन का स्कोर बना चुके हैं। कोहली का यह कप्तान के रूप में नौवां 150 से अधिक का स्कोर है, जबकि ब्रैडमैन ने यह कारनामा आठ बार अंजाम दिया था।

भारतीय कप्तान के रूप में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर

स्कोर	कप्तान	बनाम	स्थान	साल
254*	विराट कोहली	दक्षिण अफ्रीका	पुणे	2019
243	विराट कोहली	श्रीलंका	दिल्ली	2017
235	विराट कोहली	इंग्लैंड	मुंबई	2016
224	महेंद्र सिंह धौनी	ऑस्ट्रेलिया	चेन्नई	2013
217	सचिन तेंदुलकर	न्यूजीलैंड	अहमदाबाद	1999

600 रन के आंकड़े पर कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम 10वीं बार पहुंची। यह एक विश्व रिकॉर्ड है। उनके बाद एलन बॉर्डर, एमएस धौनी, सौरव गांगुली और ग्रीम स्मिथ का नंबर आता है, जिनकी कप्तानी में उनकी टीमें पांच-पांच बार 600 रन के आंकड़े पर पहुंची हैं

21000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए कोहली ने। उन्होंने सबसे कम 392 मैचों में यह आंकड़ा छूआ। उनके बाद ब्रायन लारा (396 मैच) और सचिन तेंदुलकर (418 मैच) का नंबर आता है

32 छक्के लगा चुकी है भारतीय टीम इस सीरीज में अब तक। एक सीरीज में यह भारतीय टीम के द्वारा लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 2016-17 की घरेलू सीरीज में 31 छक्के लगाए थे

2551 टेस्ट रन बना चुके हैं कोहली भारत में कप्तान के रूप में। उन्होंने भारत में कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट रन का सुनील गावस्कर (2426) का रिकॉर्ड तोड़ा

05 वें दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर बने केशव महाराज 100 टेस्ट विकेट लेने वाले। उनसे पहले हग टैफील्ड, पॉल एडम्स, पॉल हैरिस और निकी बोए ऐसा कर चुके हैं

150 या ज्यादा रन की टेस्ट में छठी साझेदारी की कोहली और रहाणे ने। इस मामले में भारतीय जोड़ियों में उनसे आगे सिर्फ गांगुली-तेंदुलकर (07) और द्रविड़-तेंदुलकर (09) हैं

15 वीं बार कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपने सर्वाधिक स्कोर को पीछे छोड़ा। यह एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। कोहली ने करियर के अपने पहले टेस्ट की पहली पारी में चार रन बनाए थे। उसके बाद से उन्होंने अपने सर्वाधिक स्कोर को 15 बार पीछे छोड़ते हुए 15, 27, 30, 52, 63, 75, 116, 119, 141, 169, 200, 211, 235, 243, नाबाद 254 के स्कोर बनाए

07 दोहरे शतक अकेले कोहली लगा चुके हैं जून 2016 के बाद से, जबकि इस दौरान इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान की ओर से तीन-तीन, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश की ओर से दो-दो एवं वेस्टइंडीज की ओर से एक दोहरा शतक लगा है

पंजाब ने कुंबले को दी कोचिंग की कमान

फैसला
- किंग्स इलेवन के निदेशक (क्रिकेट ऑपरेशंस) बने
- रोड्स, जोशी और वाल्श भी फ्रेंचाइजी से जुड़े
- पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जॉर्ज बैली बने बल्लेबाजी कोच

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारत के पूर्व कोच, कप्तान और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले अब किंग्स इलेवन पंजाब के निदेशक (क्रिकेट ऑपरेशंस) के रूप मे काम करते नजर आएंगे। गुरुवार को मुंबई के एक पांच सितारा होटल में फ्रेंचाइजी के साथ उनकी बैठक के दौरान इस पर मुहर लगी।

कुंबले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के चीफ मेंटर रह चुके हैं और इसके साथ ही उन्होंने मुंबई इंडियंस के साथ भी काम किया है। कुंबले के साथ काम करने के लिए सहायक स्टाफ भी नियुक्त किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान (सीमित ओवर) जॉर्ज बैली को टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। बैली 2014 के फाइनल में पहुंचने वाली किंग्स इलेवन टीम के कप्तान भी थे। पूर्व भारतीय स्पिनर सुनील जोशी को टीम का सहायक कोच बनाया गया था। जोशी बांग्लादेश टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच रहे हैं और मौजूद समय में उत्तर प्रदेश की सीनियर टीम के मुख्य कोच हैं। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जोंटी रोड्स को टीम का क्षेत्ररक्षण कोच बनाया गया है। वहीं वेस्टइंडीज के पूर्व महान गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श को टीम का गेंदबाजी कोच कम टैलंट स्काउट बनाया गया है। यह भी खबरें थीं कि किंग्स इलेवन पंजाब अपने कप्तान और भारतीय टेस्ट टीम के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को दिल्ली कैपिटल्स के साथ ट्रेड कर सकरी है लेकिन फ्रेंचाइजी के सह मालिक नेस वाडिया ने साफ किया कि अश्विन किंग्स की टीम का अहम हिस्सा बने रहेंगे। कुंबले 19 दिसंबर को कोलकाता में होने वाली आइपीएल नीलामी में टीम के साथ पहली बार नजर आएंगे।

मेरी की निगाहें स्वर्ण पर

उलान-उदे (रूस), प्रेट्र : एमसी मेरी कॉम सहित चार भारतीय मुक्केबाज शनिवार को जब महिला विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उतरेंगी तो उनकी निगाहें अपने पदक के रंग को बेहतर करने पर होंगी।

तीसरी वरीय मेरी कॉम (51 किग्रा) ने रिकॉर्ड आठवां विश्व चैंपियनशिप का पदक पक्का कर लिया है। छह बार की चैंपियन मेरी का सामना तुर्की की यूरोपीय चैंपियन बुसानाज काकिरोग्लू से होगा। वहीं पहली बार खेल रही मंजू रानी (48 किग्रा), पिछले सत्र की कांस्य पदक विजेता और तीसरी वरीय लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) और जमुना बोरो (54 किग्रा) भी सेमीफाइनल में पहुंची हैं। हरियाणा की महिला मुक्केबाज रानी का सामना अब थाइलैंड की सी रकसात से होगा। वहीं बोरो शीर्ष वरीय एशियन गेम्स की पूर्व कांस्य पदक विजेता हुआंग सियाओ वेन से होगा। बोरगोहेन की टक्कर चीन की यांग लियू से होगी जिसने शीर्ष वरीय चेन निएन चिन को मात दी थी।

राष्ट्रीय कोच मुहम्मद अली कमर ने कहा, 'सभी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हम उम्मीद करते हैं कि ये सभी फाइनल में पहुंचेंगी। कोई कभी भी इतने से संतुष्ट नहीं हो सकता। हमें खुशी है कि 2018 सत्र से हमारा प्रदर्शन खराब नहीं हुआ लेकिन यह निराशाजनक है कि हम उसे बेहतर नहीं कर सके। हमारे छह मुक्केबाज सेमीफाइनल में होने चाहिए थे लेकिन कुछ नजदीकी मुकाबलों में हमें हार मिली।' भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में किया था। तब भारत ने चार स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य अपनी झोली में डाले थे। मेरी कॉम ने उस साल भी स्वर्ण पदक जीता था।

दुति ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

एथलेटिक्स चैंपियनशिप
- स्टार महिला धावक ने 100 मीटर में अपने ही समय को पीछे छोड़ा
- शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया

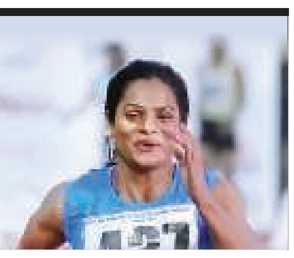

जागरण संवाददाता, रांची: सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का दूसरा दिन स्टार महिला धावक दुति चंद के नाम रहा। रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में दुति चंद ने 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

चैंपियनशिप के दूसरे दिन सबकी निगाहें दुति पर ही टिकी थीं। शुक्रवार की शाम को सुहाने मौसम में हुई दौड़ में दुति ने वही कर दिखाया जिसकी आशा स्टेडियम में मौजूद खिलाड़ी व दर्शक कर रहे थे। दुति ने सेमीफाइनल मुकाबले में 11.22 सेकेंड का समय निकालकर अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया। यह नया राष्ट्रीय रिकार्ड है। दोहा में संपन्न विश्व चैंपियनशिप में दुति ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 11.26 सेकेंड का समय निकाला था। हालांकि फाइनल में वह अपना प्रदर्शन दोहरा नहीं पाईं। इसके बावजूद, 11.25 सेकेंड में दौड़ पूरी कर उन्होंने सोना अपने नाम कर लिया। तमिलनाडु की अर्चना और रेलवे की हिमाश्री रॉय क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

ओएनजीसी ने दो स्वर्ण पर जमाया कब्जा: चैंपियनशिप के दूसरे दिन ओएनजीसी ने दो स्वर्ण पदकों पर कब्जा जमाया। पुरुषों के 110 मीटर बाधा दौड़ में सिद्धांत ने 0:13.88 सेकेंड के साथ व 400 मीटर बाधा दौड़ में जौना मुर्मू ने 0:58.08 सेकेंड के साथ स्वर्ण जीता। वहीं पुरुषों के 400 मीटर बाधा दौड़ में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआइ) के एमपी जसवीर 0:49.41 सेकेंड के साथ स्वर्ण जीता। हरियाणा के राहुल ने 20 किलोमीटर पैदल चाल में 1:24:31 सेकेंड समय के साथ पहले स्थान पर रहे। जबकि 100 मीटर महिला बाधा दौड़ में रेलवे की कनीमोझी 0:14.05 सेकेंड के साथ अव्वल रही।

निर्णय 14 अक्टूबर है बीसीसीआइ चुनाव का नामांकन भरने की आखिरी तारीख, शनिवार को दिल्ली तो रविवार को मुंबई में होगी बैठक

बीसीसीआइ में मुख्य भूमिका में होंगे जय शाह

अभिषेक त्रिपाठी • नई दिल्ली

गुजरात क्रिकेट संघ के पूर्व संयुक्त सचिव व गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह, एन. श्रीनिवासन के खास बृजेश पटेल, पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और अनुराग ठाकुर के भाई अरुण सिंह धूमल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) में बड़ी भूमिकाओं में होंगे। इसमें जय शाह अध्यक्ष या सचिव में से कोई एक पद संभाल सकते हैं। यह सब शनिवार को दिल्ली और रविवार को मुंबई में होने वाली अनौपचारिक बैठक में होगा। शनिवार को दिल्ली में होने वाली बैठक में पूर्व बीसीसीआइ अध्यक्ष अनुराग ठाकुर, पूर्व आइसीसी चेयरमैन एन. श्रीनिवासन, पूर्व आइपीएल चेयरमैन राजीव शुक्ला और जय शाह के अलावा गांगुली के भी भाग लेने की संभावना है।

इसके बाद रविवार को मुंबई में सभी राज्य संघों की बैठक होगी जिसमें शनिवार के निर्णय को बताकर उसमें सहमति ली जाएगी। 23 अक्टूबर को होने वाली बीसीसीआइ की वार्षिक आम सभा में नामांकन करने की अंतिम तारीख 14 अक्टूबर है। हालांकि लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आ चुके सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ध्यान में रखें तो जय लगभग एक साल तक ही अध्यक्ष पद पर रह सकते हैं क्योंकि लगातार छह साल राज्य संघ व बीसीसीआइ में पदाधिकारी रहने के बाद तीन साल का कूलिंग ऑफ लेना होता है। जय पिछले पांच साल तक गुजरात राज्य क्रिकेट संघ के संयुक्त सचिव रहे हैं और हाल ही में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दिया था। हालांकि बीसीसीआइ के दिग्गजों का कहना है कि केंद्र सरकार जल्द ही नया खेल बिल लाएगी जिसे बोर्ड भी स्वीकार कर लेगा जिसके बाद स्थितियां बदल जाएंगी। कुल मिलाकर जय अध्यक्ष या सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर सुशोभित होंगे।

चुनाव के आसार नहीं : शनिवार को होने वाली बैठक में ही बीसीसीआइ के अध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वालों के नाम तय होंगे। ये तय है कि यह चुनाव सर्वसम्मति से होंगे और एक पद पर दो नामांकन की संभावना ना के बराबर है। नए अधिकारी बीसीसीआइ की 23 अक्टूबर को होने वाली सालाना आम बैठक के बाद अपने पद संभालेंगे। पूर्व बीसीसीआइ अध्यक्ष और मौजूदा सरकार में वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर की इस निर्णय में अहम भूमिका होगी।

सुप्रीम कोर्ट जाएंगे राजीव शुक्ला

नई दिल्ली : पांच राज्य तमिलनाडु, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और मणिपुर के प्रतिनिधियों के बीसीसीआइ एजीएम में भाग लेने से रोक लगा दी गई है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला सहित बाकी सभी भी चुनाव अधिकारी एन. गोपालास्वामी के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। यूपीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि चुनाव अधिकारी का फैसला गलत है और हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। तमिलनाडु सहित बाकी संघ भी इसका विरोध करेंगे। वहीं बीसीसीआइ के एक पदाधिकारी ने कहा कि जहां मणिपुर क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि इमो सिंह को इसलिए एजीएम में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया क्योंकि वह विधायक हैं जबकि दिल्ली एवं राज्य क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के कोषाध्यक्ष भी विधायक हैं। इसके बावजूद डीडीसीए के प्रतिनिधि को एजीएम में भाग लेने की अनुमति दी गई।

सलाम चुनाव में जेकेसीए का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते

नई दिल्ली: बोर्ड के चुनावों में जम्मू एवं कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) का प्रतिनिधित्व करने वाले अबिद सलाम जेकेसीए के सदस्य तक नहीं हैं।

चुनाव अधिकारी ने यह साफ कर दिया था कि पूर्ण सदस्यों की अंतिम सूची में वही लोग शामिल होंगे, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट के नौ अगस्त, 2018 के आदेश को पालन किया हो, जिसमें 20 सितंबर के आदेश का भी जिक्र था। सलाम का मामला तथाकथित रूप से नजरअंदाज किया गया वो भी तब जब जेकेसीए के महासचिव इकबाल शाह ने जेकेसीए की प्रशासकों की समिति (सीओए) द्वारा नियमों का पालन न करने के बारे में लिखा था। शाह ने बीसीसीआइ के चुनाव अधिकारी को लिखा है कि हमें पता चला है कि नियमों और निर्देशों को परे रखते हुए, जेकेसीए की सीओए ने अबिद सलाम को बीसीसीआइ चुनावों में अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। जेकेसीए को बोर्ड के चुनावों में वोट देने के अगर योग्य बनना है तो जेकेसीए सीओए को तुरंत सदस्यता के ढांचे में बदलाव करना था और जेकेसीए से बाहर किए गए सदस्यों को तुरंत प्रभाव से वोटिंग अधिकार के साथ संघ में शामिल करना था।

राष्ट्रीय खेल संहिता में 'वीआइपी' प्रावधान पर नरमी बरतेगी सरकार

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार सभी को स्वीकार्य खेल संहिता ही लागू करेगी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि सरकार प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल संहिता में उस प्रावधान में रियायत दे सकती है जिसमें मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के देश में खेल प्रशासन का हिस्सा बनने से रोक लगाई गई है। राष्ट्रीय खेल महासंघों और भारतीय ओलंपिक संघ के अधिकारियों के साथ पहली औपचारिक मुलाकात में रिजिजू ने कहा कि सभी को स्वीकार्य खेल संहिता ही सरकार लागू करेगी।

उन्होंने कहा, 'खेल प्रशासन को लेकर हम किसी एक पेशे को नहीं चुन सकते। यह कहना गलत होगा कि व्यवसायी या राजनीतिज्ञ खेल प्रशासन का हिस्सा नहीं हो सकते। बात पेशे की नहीं है बल्कि यह देखना होगा कि खेल प्रशासन को चलाने के लिए कौन योग्य है, खेलों के हित में क्या है।' अधिकांश एनएसएफ 70 वर्ष की उम्र की सीमा और कार्यकाल के प्रावधान के खिलाफ है। इसके अलावा उस प्रावधान का भी विरोध किया गया है जो राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों को आइओए और एनएसएफ का पदाधिकारी बनने से रोकता है। यह पूछने पर कि क्या कोई बीच का रास्ता निकल सकता है, रिजिजू ने कहा, 'कोई बीच का रास्ता नहीं है। हम सभी साथ में हैं। मुझे ऐसी खेल संहिता चाहिए जो सभी को स्वीकार्य हो और किसी विवाद को जन्म नहीं दे।' उन्होंने कहा, 'खेल के मसलों में अदालत को दखल क्यों देना पड़ रहा है। इसके मायने हैं कि खेल की व्यवस्था नाकाम रही है। हम सभी साथ मिलकर चलेंगे तो कोई मामला ही नहीं होगा।' यह पूछने पर कि आइओए के खेल संहिता में आने के मायने सरकारी दखल होगा जो आइओसी के चार्टर के खिलाफ है, रिजिजू ने कहा, 'संप्रभुता नाम की भी कोई चीज है। क्या कोई इससे बाहर रहकर काम कर सकता है।'

राणा के शतक के बावजूद हारी दिल्ली

वडोदरा, प्रेट्र: विदर्भ ने शुक्रवार को यहां गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन काउंसिल ग्राउंड पर खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में दिल्ली को पांच विकेट से हरा दिया। दिल्ली ने मध्य क्रम के बल्लेबाज नीतीश राणा के 100 रनों के दम पर 50 ओवरों में किसी तरह आठ विकेट खोकर 207 रन बनाए थे। विदर्भ ने फैज फजल के 92 रनों की मदद से यह लक्ष्य 48.1 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए राणा के अलावा अनुज रावत ने 54 रन बनाए। इन दोनों के अलावा ललित यादव (22) ही दहाई के आंकड़े को छू सके। विदर्भ के लिए फैज ने 126 गेंदों का सामना कर छह चौके और दो छक्कों की मदद से शानदार पारी खेल अपनी टीम की जीत की नींव रखी। उन्हें राणा ने शतक पूरा नहीं करने दिया। उनके साथ कप्तान वसीम जाफर ने 42 रन बनाकर दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की साझेदारी की। इन दोनों के अलावा अक्षय वाडकर ने 34 रन बनाए। अक्षय कार्नेवर ने 18 और रुषभ राठौड़ ने 12 रनों की नाबाद पारियां खेल टीम को जीत दिलाई।

घरेलू क्रिकेट में डेविड वार्नर ने लगाया शतक

ब्रिस्बेन, प्रेट्र : डेविड वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलते हुए शतक जमा फॉर्म में वापसी के संकेत दे दिए हैं। हाल ही में खत्म हुई एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ वार्नर का बल्ला खामोश था। वार्नर ने 221 गेंदों पर 125 रन बनाए। उनकी इस पारी में 18 चौके शामिल रहे। राष्ट्रीय टेस्ट टीम में उनके साथी मार्नस लाबुशाने ने वार्नर को पवेलियन भेजा।

बेंगलुरु में उदाहरण बनकर आइएसएल टीम का नेतृत्व करना पूरी तरह से मेरी जिम्मेदारी है।
– सुनील छेत्री, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान

न्यूज गैलरी

भूटान का हरा फाइनल में पहुंची भारत की फुटबॉल टीम

थिंपू (भूटान) : भारतीय फुटबॉल टीम ने मेजबान भूटान को 10–1 से हराकर सैफ अंडर–15 महिला चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। भारत की ओर से साइ संखाई (63वें, 64वें व 72वें मिनट) ने दूसरे हाफ में शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि लिंडा कॉम सेर्तो (19वें व 54वें, सुमाती कुमारी (24वें व 86वें मिनट) और किरण (15वें व 21वें मिनट) ने दो–दो गोल दागे। इसके अलावा प्रियंका सुतेश (आठवें मिनट) ने भी एक गोल किया। हाफ टाइम तक भारत 5–1 से आगे था। एक अन्य मुकाबले में बांग्लादेश ने नेपाल को 2–1 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। (प्रेट्र)

जापान ग्रां प्रि की क्वालीफाइंग रेस स्थगित

सुजुका (जापान) : सुजुका सर्किट पर आए तूफान टायफून हैगिबिस की वजह से फॉर्मूला वन की जापान ग्रां प्रि में शनिवार को होने वाली क्वालीफाइंग सहित सभी तरह की रेस स्थगित कर दी गईं। इसकी जानकारी रेस के आयोजकों ने शुक्रवार को दी। अब क्वालीफाइंग रेस रविवार को सुबह के सत्र में होगी, जबकि उसी दिन शाम को फाइनल रेस का आयोजन किया जाएगा। तेज हवा की वजह से सुजुका सर्किट को शनिवार को आम लोगों और मीडिया के लिए सुरक्षा कारणों से बंद रखा जाएगा। उधर तूफान से प्रभावित पहले अभ्यास सत्र में शुक्रवार को मर्सिडीज के ड्राइवर वाल्टेरी बोटास सबसे तेज रहे जिन्होंने अपनी टीम के साथी ड्राइवर लुइस हैमिल्टन से तेज समय निकाला। (एएफपी)

फुटबॉल ▸ क्वालीफायर में सैन मारिनो को 9–0 से दी करारी शिकस्त

यूरो 2020 के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनी बेल्जियम

दो गोल करने वाले लुकाकू ने बेल्जियम के लिए बनाया गोल का अर्धशतक

पेरिस, एएफपी : बेल्जियम की फुटबॉल टीम यूरो 2020 चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। ग्रुप-आइ में अपने स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू के दो गोल की मदद से बेल्जियम ने ब्रुसेल में सैन मारिनो को 9-0 से करारी मात देकर अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया।

सैन मारिनो पर मिली इस जीत से बेल्जियम ग्रुप-आइ में 21 अंकों के साथ अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा और लगातार सातवीं जीत से उसने तीसरे स्थान पर काबिज साइप्रस पर 11 अंकों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। हर ग्रुप से दो टीमें यूरो 2020 के लिए क्वालीफाई करेंगी और अगर साइप्रस अपने बचे तीनों मुकाबले भी जीतता है तब भी वह बेल्जियम को नहीं पछाड़ पाएगा। यूरो चैंपियनशिप अगले साल यूरोप के 12 मैदानों पर आयोजित किया जाएगी जिसमें दुनिया की नंबर एक टीम बेल्जियम खिताब की प्रबल दावेदार होगी। वहीं इसी ग्रुप में रूस की टीम स्कॉटलैंड को 4-0 से हराकर दूसरी टीम के तौर क्वालीफाई करने के करीब पहुंच गई है।

जीत के बाद खुशी मनाते बेल्जियम के खिलाड़ी।

लुकाकू का अर्धशतक : रोमेलू लुकाकू बेल्जियम की ओर से 50 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। लुकाकू (28वें व 41वें मिनट) ने पहला गोल करने के साथ गोल का अर्धशतक पूरा किया जबकि ईडन हैजार्ड के पास पर उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 51वां गोल दागा। उनके अलावा बेल्जियम की ओर से नासेर चाड्ली (31वें मिनट), टॉबी एल्डरवेरेल्ड (43वें मिनट), यॉरी टीलेमंस (45+1वें मिनट), क्रिस्टियन बेंटेक (79वें मिनट), यारी यारी वार्सकारेन (84वें मिनट) और टिमोथी कास्टेन (90वें मिनट) ने स्कोर किए जबकि सैन मारिनो के क्रिस्टियन ब्रोली (35वें मिनट) ने एक आत्मघाती गोल किया। बेल्जियम के आक्रामक खेल का आलम यह रहा कि हाफ टाइम तक वह 6-0 से आगे था।

9-0 की जीत बेल्जियम की गोल अंतर के हिसाब से चौथी सबसे बड़ी जीत है

1994 में बेल्जियम ने जांबिया और 2017 में जिब्राल्टर को 9–0 के अंतर से हराया था जबकि 2001 में उसने सैन मारिनो को 10–1 से शिकस्त दी थी

लेवांदोवोस्की की हैट्रिक

यूरो 2020 चैंपियनशिप के एक अन्य अहम क्वालीफायर मुकाबले में पोलैंड ने लात्विया को 3–0 से हराकर ग्रुप–जी में अपने शीर्ष स्थान को मजबूत किया। पोलैंड की इस जीत में उसके स्टार स्ट्राइकर रॉबर्टो लेवांदोवोस्की की अहम भूमिका रही जिन्होंने मुकाबले के तीनों गोल करते हुए शानदार हैट्रिक बनाई।

नीदरलैंड्स की जोरदार वापसी : नीदरलैंड्स ने आखिरी लम्हों में जोरदार खेल दिखाते हुए नॉर्दन आयरलैंड को 3-1 से हराकर ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया। 2014 फीफा विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद से नीदरलैंड्स की टीम पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद कर रही है। इस ग्रुप में नीदरलैंड्स, जर्मनी और नॉर्दन आयरलैंड के 12-12 अंक हैं लेकिन बेहतर हेड टू हेड रिकॉर्ड की वजह से नीदरलैंड्स शीर्ष पर है। इस मुकाबले में जोश मैगनिस (75वें मिनट) के गोल की बदौलत मेहमान नॉर्दन आयरलैंड की टीम ने बढ़त हासिल की लेकिन मेंफिस डिपे (80वें व 90+4वें मिनट) और ल्यूक डि जोंग (90+1वें मिनट) ने आखिरी कुछ मिनटों में तीन गोल करके नीदरलैंड्स को जीत दिलाई। उधर ग्रुप-ई में क्रोएशिया की टीम भी हंगरी को 3-0 से हराकर क्वालीफाई करने की कगार पर पहुंच गई। इस ग्रुप में वेल्स को 1-1 की बराबरी पर रोककर स्लोवाकिया की टीम ग्रुप-तालिका में क्रोएशिया के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

उलटफेर का शिकार हुए नंबर वन जोकोविक

जीत के बाद स्टेफानोस सितसिपास को बधाई देते नोवाक जोकोविक। एएफपी

टेनिस डायरी

▸ शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में यूनानी खिलाड़ी से हारे नोवाक

▸ सेमीफाइनल में डेनिल मेदवेदेव से भिड़ेंगे स्टेफानोस

शंघाई, एएफपी : दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविक को शुक्रवार को यहां शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में यूनान के युवा खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ उलटफेर का शिकार होना पड़ा। महज सात मिनट के अंदर तीन गेम गंवाने के बाद दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी सितसिपास ने जोरदार वापसी की और सर्बिया के जोकोविक को 3-6, 7-5, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उनका सामना शनिवार को 23 वर्षीय डेनिल मेदवेदेव से होगा।

सितसिपास ने शीर्ष रैंकिंग पर काबिज जोकोविक के खिलाफ पिछले तीन मैचों में दो में जीत हासिल की है और साबित कर चुके हैं कि वह पुरुष टेनिस में एक मजबूत दावेदार हैं। जोकोविक पर मिली जीत उनके लिए दोहरे जश्न की तरह रही क्योंकि इसके साथ ही उन्होंने साल के अंत में होने वाले प्रतिष्ठित एटीपी फाइनल्स के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। उधर रूस के मेदवेदेव ने इटली के फैबियो फोगनिनी को 6-3, 7-6 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जोकोविक पर जीत दर्ज करने के बाद 21 वर्षीय सितसिपास टेनिस के बिग थ्री को हरा चुके हैं। उन्होंने जोकोविक से पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल को मात दी थी। जीत के बाद सितसिपास ने कहा कि मुझसे बिग थ्री डरते हैं। हालांकि हार के बावजूद जोकोविक सितसिपास से नेट्स पर बहुत सादगी के साथ मिले और उन्हें जीत की बधाई दी। जोकोविक ने कहा कि सितसिपास जीत के हकदार थे। दूसरे और तीसरे सेट में मैंने अच्छी शुरुआत की लेकिन अंत में तेजी नहीं दिखा सका। हाल ही में जोकोविक ने चोट के बाद वापसी करते हुए बिना सेट गंवाए टोक्यो ओपन का खिताब जीता था।

अब एशिया के शीर्ष डबल्स खिलाड़ी हैं शरण

नई दिल्ली : दिविज शरण एटीपी डब्लस रैंकिंग की सूची में भारत के ही नहीं बल्कि एशिया के भी शीर्ष खिलाड़ी बन गए हैं जो हाल में तीन पायदान के फायदे से 42वें नंबर पर पहुंचे थे। उनसे ऊपर सभी 41 खिलाड़ी यूरोप, अमेरिका और कुछ दक्षिण अमेरिकी देश जैसे ब्राजील और अर्जेंटीना के हैं। दिविज ने कहा, 'इस उपलब्धि तक पहुंचकर अच्छा लग रहा है। यह ऐसी उपलब्धि है जो पूरी जिंदगी मेरे साथ ही रहेगी।' टोक्यो ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए इस खिलाड़ी ने हमवतन रोहन बोपन्ना के साथ जोड़ी बनाई थी और टाटा ओपन में जीत से शानदार शुरुआत की थी।

उत्तराखंड ने दर्ज की मेघालय पर 120 रन की जीत

विजय हजारे ट्रॉफी

जागरण संवाददाता, देहरादून

विजय हजारे ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप के लीग मुकाबले में शुक्रवार को उत्तराखंड ने मेघालय को 120 रनों से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। उत्तराखंड के करनवीर कौशल ने 103 रनों की शतकीय पारी खेली। उत्तराखंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

उत्तराखंड को कप्तान उन्मुक्त चंद (26) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद करनवीर कौशल व तन्मय श्रीवास्तव ने दूसरे विकेट के लिए 151 रनों की साझेदारी बनाई। 204 रनों के योग पर करनवीर कौशल 103 गेंदों में 103 रनों की शतकीय पारी खेल पवेलियन लौटे। इसके बाद तन्मय श्रीवास्तव 76 के कुल योग पर पवेलियन लौट गए। उत्तराखंड ने निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 294 रन बनाए। मेघालय के लिए आकाश कुमार व संजय ने तीन-तीन विकेट चटकाए। 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेघालय को शुरुआती झटके लगे। सिलवेस्तर 03, सवरजीत दास 14, पुनीत बिष्ट 21 व रवि तेता 24 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। मेघालय की पूरी टीम 42.4 ओवर में 174 रनों पर सिमट गई। टीम के लिए आरआर बिस्वा ने सर्वाधिक 74 रन बनाए। उत्तराखंड के लिए वैभव पंवार व अवनीश सुधा ने चार-चार विकेट चटकाए।

भारतीय महिलाओं ने जीती सीरीज

क्रिकेट डायरी

वडोदरा, आइएएनएस : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को यहां खेले गए दूसरे मैच में मात देकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने मेहमान टीम को पांच विकेट से शिकस्त दी।

टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए और इस लक्ष्य को मेजबान टीम ने 48 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज लाउरा वोल्वार्ट ने सबसे अधिक 69 रन बनाए। लिजेले ली और मिग्नोन डू पेरेज ने भी टीम के बड़े स्कोर में अपना योगदान दिया। ली ने 40 जबकि पेरेज ने 44 रन बनाए। भारत की ओर से तीन गेंदबाजों ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और 66 रन पर ही उसने दो विकेट खो दिए। इसके बाद, पूनम राउत (65) ने कप्तान मिताली राज (66) के साथ मिलकर 129 रनों की साझेदारी की और मेजबान टीम को मुश्किल परिस्थिती से बाहर निकाला। हरमनप्रीत सिंह ने नाबाद 39 रन बनाकर भारत को जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए।

स्टोक्स ने इंग्लैंड के अखबार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की

लंदन : ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड के टेबालॉयड द सन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। अखबार ने स्टोक्स के निजी जिंदगी और उनके परिवार पर एक खबर प्रकाशित की थी जिसके बाद इंग्लैंड के विश्व कप विजेता खिलाड़ी ने यह कदम उठाया। द सन ने पिछले महीने पहले लिखा था कि स्टोक्स के पैदा होने के तीन साल पहले न्यूजीलैंड में उनकी मां के पूर्व पति ने उनके चचेरे भाई और बहन की हत्या कर दी थी। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, स्टोक्स और उनकी मां देबोराह ने द सन के खिलाफ उनकी गोपनीयता पर हमला करने और उस दुखद अतीत को दोबारा सामने लाने के लिए कानूनी कार्रवाई की है जिसे वे बहुत पहले भूला चुके है। स्टोक्स ने उनके परिवार से जुड़ी खबर के प्रकाशित होने के बाद इसकी कड़ी निंदा भी की थी और इसे बेहद घटिया बताया था।

विविध

बेटे को बचाने में महिला तीसरी मंजिल से गिरी

जागरण संवाददाता, नोएडा : सेक्टर-119 स्थित एक सोसायटी में रहने वाली महिला शुक्रवार सुबह अनियंत्रित होकर तीसरी मंजिल से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गई। वह बालकनी में पालने में सो रहे डेढ़ माह के बेटे को उठाने का प्रयास कर रही थी। तभी वह अनियंत्रित होकर नीचे आ गई। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

कोतवाली फेस-तीन के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह ने बताया कि घायल महिला सेक्टर-119 में मायके में रहती है। पूछताछ में परिजनों ने बताया है कि सुबह उसका डेढ़ माह का बेटा बालकनी में रखे पालने में सो रहा था। वह उसे उठाने के लिए आई। अचानक बेटा उसके हाथ से छूट कर पालने में ही गिर गया। इससे महिला डर गई और अनियंत्रित होकर बालकनी से नीचे गिर गई। महिला जहां गिरी थी, वहां का फर्श कच्चा है। वहां पौधे लगे हुए हैं और उसमें पानी भरा था। इसलिए महिला को ज्यादा गंभीर चोट नहीं आई।

हालांकि परिजनों ने उसे बेसुध हालत में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कुछ देर बाद उसे होश आ गया। महिला से पुलिस के साथ डॉक्टर ने भी बात करने की कोशिश की। उसने अपने बयान में बेटे को बचाने के दौरान हादसे का होना बताया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने जांच में पाया है कि महिला की एक साल पहले उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी एक डॉक्टर से शादी हुई है। कुछ माह पहले उसका पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। करीब छह माह से महिला मायके में ही रह रही है। महिला मानसिक रूप से बीमार भी लग रही है। अभी तक परिजनों पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी है।

पूर्व सीपीएस ने किया अवैध खनन का पर्दाफाश, माफिया ने बरसाए पत्थर

जागरण टीम, अजनाला (अमृतसर)

▸ मीडिया को साथ लेकर अजनाला सेक्टर गए थे शिअद टकसाली के नेता

▸ कहा– मौजूदा सरकार के नेताओं की शह पर हो रहा करोड़ों का काला कारोबार

पूर्व शिअद विधायक व मुख्य संसदीय सचिव (सीपीएस) रहे अमरपाल बोनी ने शुक्रवार को अजनाला सेक्टर में हो रहे अवैध खनन का पर्दाफाश कर दिया। बोनी मीडिया को साथ लेकर गांव बल्लड़वाल पहुंचे और सुबूतों के साथ वहां चल रहे अवैध खनन की सच्चाई सबको बताई। वह लोगों के घर गए और उनसे अवैध खनन को लेकर सवाल पूछे। लोगों ने भी खुल कर खनन माफिया के खिलाफ मीडिया के सामने बयान दिए। जब बोनी मीडिया के साथ लौटने लगे तो माफिया से जुड़े लोगों ने उनकी व मीडिया की गाड़ियों पर पत्थर फेंके। दो गाड़ियों के शीशे टूट गए। उनके लौटते ही खनन माफिया के खिलाफ बोलने वाली महिला व अन्य के घर पर भी माफिया के लोगों ने तोड़फोड़ की। महिला से मारपीट भी की।

बोनी ने कहा, 'करोड़ों का काला कारोबार मौजूदा सरकार के नेताओं की शह पर हो रहा है। अवैध खनन का कहर आम जनता पर गिरने लगा है। अगर लोग इसके खिलाफ मैदान में न आए तो माझा का बड़ा हिस्सा बाढ़ व अन्य कुदरती आपदाओं का शिकार हो जाएगा। इससे बड़ी संख्या में जनहानि हो सकती है। अवैध खनन में वही माफिया शामिल है, जो पूर्व अकाली सरकार के समय सरगर्म था। माफिया के सरगना इलाके के नेता ही हैं। राज्य की जनता के अरबों रुपये खुलेआम लूटे जा रहे हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह सो रहे हैं। माफिया से क्षेत्र के लोगों में दहशत है। कुछ दिन पहले इसी माफिया की गाड़ियों के नीचे आकर एक महिला की मौत हो गई थी। इसके अलावा भी तीन और मौतें हो चुकी हैं।' गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में बोनी शिअद छोड़ शिअद टकसाली में शामिल हो गए थे।

बोनी ने बताया कि नेताओं की शह पर चल रहे अवैध खनन का सच यह है कि जितनी जगह खनन के लिए टेंडर अलॉट हुए हैं, उससे कहीं अधिक जगह पर खनन हो रहा है। वह अकाली सरकार में रहते हुए भी खुल कर इसके खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे हैं। इसी वजह से उनका शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ राजनीतिक विवाद शुरू हो गया, जो अभी तक बरकरार है।

पूर्व सीपीएस अमरपाल बोनी के काफिले की गाड़ी का शीश खनन माफिया के लोगों ने तोड़ दिया। जागरण

दो से चार फीट तक निकाली जा सकती है रेत

खनन दरिया से 100 मीटर दूरी पर ही किया जा सकता है। रेत मैनुअल तरीके से ही निकाली जा सकती है, लेकिन माफिया के लोग जेसीबी मशीनों और बड़ी ड्रिल मशीनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो पूरी तरह गैर कानूनी है। पूर्व सीपीएस अमरपाल बोनी ने बताया कि खड्ड की अलॉटमेंट ढाई किले की होती है, लेकिन माफिया के लोग 40 से 50 किले जमीन से रेत निकाल रहे हैं। माफिया वन विभाग की 15 किले, पंजाब सरकार की 10 किले और आम लोगों की भी 20 किले से अधिक भूमि पर अवैध खनन कर रेत महंगे दाम पर बेच रहा है। नियमानुसार रेत भूमि से सिर्फ दो से चार फुट तक निकाली जा सकती है, लेकिन खनन माफिया 40 से 50 फुट तक रेत निकाल रहा है।

जहानाबाद में बिगड़े हालात, छात्र की हत्या

जासं, जहानाबाद : बुधवार की शाम विसर्जन को ले जाई जा रही प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के बाद गुरुवार की सुबह पंचमहला मोहल्ले से शुरू हुई हिंसक झड़प शुक्रवार को भी जारी रही। जाफरगंज मोहल्ले में दरवाजे पर बैठे छात्र विष्णु कुमार की कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र की हत्या की खबर फैलते ही गोरक्षणी, पंचमहला, प्यारी मोहल्ला, आंबेडकर नगर, जाफरगंज, सोइया घाट आदि जगहों पर जमकर पत्थरबाजी हुई। सोइया घाट में दो पक्षों के बीच गोलियां चलीं। इसमें युवक मिथुन कुमार जख्मी हो गया। उसे गंभीर हालत में पीएमसीएच रेफर किया गया है।

आज भी उपद्रवियों के सामने पुलिस व प्रशासन के लोग बेबस नजर आए। जिला प्रशासन के अनुसार तीन दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। दिनभर हुए पथराव में पंचमहला मोहल्ले के पूर्व वार्ड पार्षद शैलेश कुमार, जाफरगंज मोहल्ले के मो. शाहिद, परवेज समेत करीब दर्जन भर लोग घायल हुए हैं। परवेज स्थानीय उंटा मध्य विद्यालय में शिक्षक नियोजन की काउंसलिंग में भाग लेने आया था। शहर की उंटा सब्जी मंडी के समीप धार्मिक स्थल में लूटपाट की गई। कई दुकानों और एक ऑल्टो कार में उपद्रवियों ने आग लगा दी। एडीजी अमित कुमार के साथ मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक पारसनाथ गुरुवार से ही यहां कैंप किए हुए हैं। डीएम नवीन कुमार, एसपी मनीष, एसडीओ निवेदिता कुमारी, एएसपी पंकज कुमार तथा एसडीपीओ प्रभात भूषण श्रीवास्तव दलबल के साथ शहर में घूम रहे। अरवल, गया, पटना तथा नालंदा से भी भारी पुलिसबल और अधिकारी कैंप कर रहे हैं। शुक्रवार को भी दुकानें बंद रहीं।

निशंक बोले, भारतीयता से ओतप्रोत होगी नई शिक्षा नीति

नई दिल्ली में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मुख्यालय की नई एकीकृत इमारत का शिलान्यास करते केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक। साथ में सीबीएसई की अध्यक्ष अनीता करवल। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

द्वारका सेक्टर-23 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) मुख्यालय की नई एकीकृत इमारत के शिलान्यास समारोह के दौरान केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि प्राचीन काल में हमारे यहां तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। ऐसे विश्वविद्यालय अन्य किसी देश में नहीं थे। अच्छी बात यह है कि एक बार फिर से हम भारत को शिक्षा के क्षेत्र में उसका पुराना गौरव हासिल करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। नई शिक्षा नीति भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत व नए ज्ञान से युक्त होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अगुवाई में हम सशक्त, स्वच्छ, श्रेष्ठ और एक भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में करीब एक करोड़ अध्यापक हैं, एक हजार से अधिक विश्वविद्यालय हैं, लगभग 42 हजार कॉलेज हैं, 16 लाख स्कूल हैं और 33 करोड़ छात्र-छात्राएं हैं। दर्जनों देशों के पास जितनी जनसंख्या नहीं है, भारत के पास उनसे कई गुना अधिक छात्र-छात्राएं हैं। हमारा देश युवाओं का देश है। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन युवाओं को हम क्या दिशा दे रहे हैं। हमारे देश में कौशल की कमी नहीं है। बस जरूरत है उस कौशल का विकास किया जाए। इस अवसर पर सीबीएसई की अध्यक्ष अनीता करवल, सीबीएसइ सचिव अनुराग त्रिपाठी, सूचना प्रौद्योगिकी के निदेशक डॉ. अंतरिक्ष जौहरी व परियोजना अधिकारी निलेश शाह मौजूद रहे।

यूपी रेरा ने बिल्डर को जारी किया रिफंड का आदेश

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश भू संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) में शुक्रवार को विभिन्न बिल्डरों के खिलाफ मामलों में सुनवाई हुई। पीठ दो में 58, पीठ तीन में 53 व न्याय निर्णायक अधिकारी की कोर्ट में 39 मामले सुने गए। पीठ दो में कांसेप्ट हॉरीजन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, इकोग्रीन बिल्ड टेक, केवी डेवलपर, पंचशील बिल्डटेक, सनसाइन, वर्धमान, अजनारा, विभोर वैभव इंफ्रा होम, अंसल बिल्डर आदि परियोजनाओं से जुड़े वाद सुने गए।

यूपी रेरा सदस्य बलविंदर कुमार ने सुनवाई करते हुए अंसल बिल्डर की मेघा पालिस परियोजना के खिलाफ रिफंड का आदेश जारी किया है। यूपी रेरा में वाद दायर कर खरीदारों ने बिल्डर पर फ्लैट निर्माण में देरी करने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि वह फ्लैट कीमत पर 95 फीसद बिल्डर को भुगतान कर चुके हैं। उसके बाद भी उन्हें फ्लैट नहीं मिला है। परियोजना का निर्माण कार्य भी आधा अधूरा है।

विधायक ने दी आंख निकाल लेने की धमकी

जागरण संवाददाता, लुधियाना

▸ गुरदासपुर के कांग्रेस विधायक बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा के बिगड़े बोल

▸ सभा के दौरान कई अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें धमकाया

दाखा विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार कैप्टन संदीप संधू का प्रचार करने पहुंचे गुरदासपुर के पार्टी विधायक बरिंदरमीत सिंह पाहड़ा ने कई अधिकारियों को धमकी दे डाली। उन्होंने शुक्रवार को गांव गुज्जरवाल इलाके में बैठक में कहा, 'जे कोई मेरे वर्कर नूं अक्ख कड्ड के देखेगा तां मैं उस दी अक्ख कड्ड देवांगा।' (जो कोई मेरे कार्यकर्ताओं की तरफ आंख उठाकर देखेगा मैं उसकी आंख निकाल लूंगा।) पाहड़ा द्वारा दी गई यह धमकी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

उन्होंने कई अधिकारियों के नाम भी लिए और उन पर आरोप लगाया कि वे शिअद को वोट डलवाने के लिए लोगों को धमकी तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों की लिस्ट बनाकर जेब में डाल ली है। इसके साथ ही उन्होंने शिअद कार्यकर्ताओं को चेतावनी दी कि अगर कोई भी कांग्रेस पार्टी का बोर्ड फाड़ेगा तो उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

कांग्रेस उम्मीदवार कैप्टन संधू का बैनर फाड़ने को लेकर एक सप्ताह पहले शिअद और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विवाद हुआ था। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया था कि अकालियों ने उनके बैनरों को फाड़ दिया। अकालियों का दावा था कि होर्डिंग पहले से ही उन्होंने किराये पर लिया हुआ था और कांग्रेसियों ने उस पर अपने पोस्टर-बैनर लगा दिए। इसके बाद कांग्रेसियों का बैनर उतरवा दिया गया। इसी मामले में गुरदासपुर के कांग्रेस विधायक बरिंदरमीत बोल रहे थे।

रिटर्निंग अफसर अमरिंदर सिंह मल्ली ने कहा कि गुरदासपुर के विधायक द्वारा दी गई धमकी का वीडियो उन्होंने नहीं देखा है। अगर उनके पास शिकायत आती है तो वीडियो देखने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

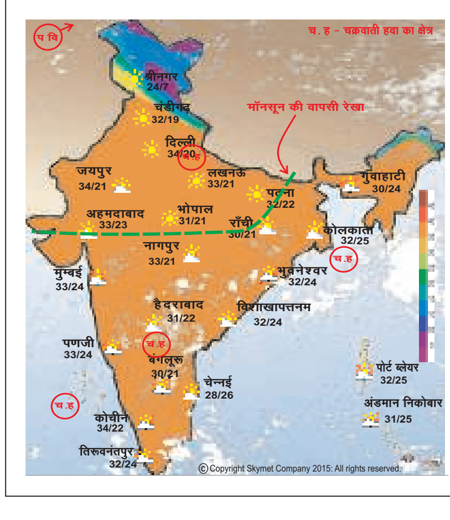

मौसम विशेष

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान में सुबह हल्की धुंध बनी रहेगी। हल्की हवाओं के कारण इन राज्यों की शहरी इलाकों में प्रदूषण में बढ़ोत्तरी होगी। दिन आरामदायक रहेगा। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा तथा रात के तापमान में कमी आएगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमानः

शहर		शहर	
मुम्बई	34/24/व	अहमदाबाद	35/23/आंबा
कोलकाता	33/25/आंबा	बड़ौदा	34/22/व
चेन्नई	33/26/आंबा	नागपुर	33/21/आंबा
हैदराबाद	30/22/सा	इन्दौर	31/22/सा
बंगलूरू	29/21/सा	राँची	30/22/आंबा
त्रिवेन्द्रम	32/25/आंबा	पटना	32/23/सा
गुवाहाटी	30/23/सा	जमशेदपुर	33/24/व
गंगटोक	12/02/आंबा	पुणे	29/21/व

अमेरिकी राष्ट्रपति भवन का नाम बदला गया

1901 में आज ही तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति भवन का नाम बदलकर व्हाइट हाउस रखा था। पहले इसका नाम एक्जीक्यूटिव मेंशन था। व्हाइट हाउस वाशिंगटन डीसी में मौजूद है। एक नवंबर, 1800 को यह बनकर तैयार हुआ।

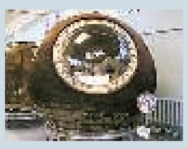

पहली बार बिना स्पेस सूट के अंतरिक्ष भेजे गए अंतरिक्ष यात्री

1964 में आज ही सोवियत संघ ने वोस्खोद 1 अंतरिक्ष यान में पहली बार बिना स्पेस सूट पहनाए अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा था। यही नहीं, एक साथ तीन अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाना वाला वोस्खोद 1 पहला अंतरिक्ष यान भी था।

हिंदी-उर्दू की अदबी दुनिया के सितारे थे निदा फाजली

हिंदी और उर्दू के मशहूर शायर, गीतकार निदा फाजली का जन्म 1938 में आज ही दिल्ली में हुआ था। 1964 में मुंबई आए और धर्मयुग पत्रिका और ब्लिट्ज जैसे अखबार में काम किया। उनकी काव्य शैली ने फिल्म निर्माताओं और हिंदी और उर्दू साहित्य के लेखकों को आकर्षित किया। सरफरोश, रजिया सुल्तान, सुर जैसी फिल्मों के लिए बेहतरीन गीत लिखे। कई टीवी धारावाहिकों का शीर्षक गीत भी लिखा। 2013 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित किया। 8 फरवरी, 2016 को वह दुनिया से रुखसत हो गए।

इधर-उधर की

दुनिया घूमने वाली पहली अश्वेत महिला

वाशिंगटन, एजेंसी : कुछ लोग लंबी कूद और दौड़ जैसे खेलों में रिकॉर्ड बनाते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की कर्मचारी से ट्रैवल ब्लॉगर बनीं जेसिका नबोन्गो ने एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। अमेरिका के डेट्रायट शहर में रहने वाली जेसिका दुनिया के सभी 195 देश घूमने वाली अफ्रीकी मूल की पहली अश्वेत महिला बन गई हैं। छह अक्टूबर को अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव में आखिरी देश सेशल्स पहुंचकर उन्होंने इंस्टाग्राम पेज पर इसकी जानकारी दी। जेसिका ने 2016 में अपनी यात्रा की शुरुआत की। हालांकि एक अन्य ट्रैवलर वोनी स्पॉट्स ने भी दावा किया है कि सितंबर 2018 में 195 देशों का दौरा करने वाली वह पहली अफ्रीकी-अमेरिकी महिला है।

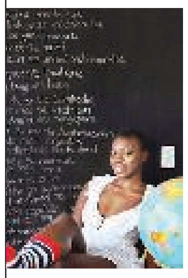

आयनोस्फेयर के अध्ययन के लिए 'आइकन' लांच

- अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने किया सेटेलाइट का प्रक्षेपण
- अंतरिक्ष यान की सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण वायुमंडल की परत का करेगा अध्ययन

केप केनवेरेल, एपी : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने दो साल की देरी के बाद आखिरकार अपना बहुप्रतीक्षित सेटेलाइट 'आइकन' गुरुवार रात लांच कर दिया। आयनोस्फेयरिक कनेक्शन एक्सप्लोरर (आइकन) सेटेलाइट धरती के वायुमंडल की ऊपरी परत के आयनीकृत हिस्से आयनोस्फेयर (आयनमंडल) का अध्ययन करेगा।

इस सेटेलाइट को फ्लोरिडा तट पर अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भर रहे एक मालवाहक विमान के जरिये लांच किया गया। विमान ने सेटेलाइट और पेगासस रॉकेट को हवा में छोड़ा। इसके पांच सेकेंड के बाद रॉकेट प्रज्वलित हुआ और सेटेलाइट को आयनोस्फेयर में स्थापित कर दिया।

धरती से 60 किलोमीटर ऊपर से 1000 किमी तक की ऊंचाई तक मौजूद आयनोस्फेयर ही वह परत है, जहां वायुमंडल और अंतरिक्ष मिलता है। यह परत सौर विकिरण के चलते आयनीकृत होती है। यह परत धरती के रेडियो सिग्नल प्रभावित करती है, इसलिए वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। नासा से जुड़ी निकोला फॉक्स ने कहा, 'यह सुरक्षित परत हमारे वायुमंडल का सबसे ऊपरी हिस्सा है। इस परत में अंतरिक्ष और धरती दोनों के मौसम का प्रभाव पड़ता है। धरती पर आने वाले तूफान, चक्रवात और बवंडर आदि भी इस परत पर असर डालते हैं। इसके बारे में अधिक से अधिक जानकारी अंतरिक्ष यान और अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है।' इसके अलावा इस सेटेलाइट की मदद से अंतरिक्ष और धरती के मौसम के बीच संबंध का भी पता चलेगा।

'आइकन' को फ्लोरिडा तट पर अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भर रहे एक मालवाहक विमान के जरिये लांच किया गया था। एपी

रेफ्रिजरेटर जैसा है आइकन : आइकन सेटेलाइट किसी रेफ्रिजरेटर की तरह दिखता है। यह विभिन्न गैसों द्वारा आयनोस्फेयर में बनाए गए एयरग्लो (इस प्रक्रिया के चलते रात में घुप अंधेरा नहीं हो पाता) का अध्ययन करेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के वैज्ञानिक थॉमस इमेल ने कहा, आइकन वहां जा रहा है, जहां से सभी क्रियाएं संचालित होती हैं।

2017 में किया जाना था लांच : आइकन की लांचिंग 2017 में ही हो जाती। लेकिन पेगासस रॉकेट में कुछ गड़बड़ी के कारण इसकी लांचिंग टालनी पड़ी। नासा का कहना है कि लांच में देरी के बाद भी मिशन के बजट में कोई बदलाव नहीं आया है।

2021 में मिशन पर जाएग यह मून रोवर

यह है ब्रिटेन का पहला मून रोवर। चार पैरों वाला यह रोबोट चांद की सतह की गुत्थियां सुलझाएगा। वर्ष 2021 में इसे मिशन पर भेजा जाएगा। रायटर

अंतरिक्ष में सबसे पहले चहलकदमी करने वाले लियोनोव नहीं रहे

स्पेक्ट्रम

मॉस्को, एएफपी : अंतरिक्ष में पहली बार चहलकदमी करने वाले रूसी अंतरिक्ष यात्री एलेक्सी लियोनोव का शुक्रवार को मॉस्को में निधन हो गया। 85 वर्षीय लियोनोव लंबे समय से बीमार थे। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने यह जानकारी दी है। लियोनोव अंतरिक्ष यात्री के अलावा लेखक और कलाकार भी थे। उन्होंने रूस की वायुसेना में भी अपनी सेवाएं दी थीं। उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान 'हीरो ऑफ द सोवियत यूनियन' से दो बार सम्मानित किया गया था।

लियोनोव अंतरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति यूरी गागरिन के करीबी दोस्त भी थे। गागरिन 1961 में अंतरिक्ष पहुंचे थे। इसके चार साल बाद मार्च, 1965 में वॉस्कोद 2 मिशन के तहत लियोनोव और उनके अन्य साथी पावेल बेलायेव अंतरिक्ष रवाना हुए थे। इस मिशन के दौरान 18 मार्च, 1965 को लियोनोव अंतरिक्ष यान से बाहर निकले और 12 मिनट नौ सेकेंड तक चहलकदमी की। वॉस्कोद 2 मिशन और चहलकदमी पूरी तरह सफल रही थी। लेकिन धरती पर लौटते वक्त साइबेरिया में यान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। लियोनोव ने जुलाई, 1975 में भेजे गए सोयूज-अपोलो अभियान में रूसी सोयूज यान का नेतृत्व किया था। यह अमेरिका और रूस का पहला साझा अंतरिक्ष मिशन था।

एलेक्सी लियोनोव। फाइल

दुनिया की पहली क्लोन गाय की मौत

टोक्यो, आइएएनएस : दुनिया की पहली क्लोन गाय 'कागा' की मौत हो गई। वह 21 साल तीन महीने की थी। कागा की मौत जापान के इशिकावा प्रांत के उसी मवेशी अनुसंधान केंद्र में हुई, जहां जुलाई 1998 में उसका जन्म हुआ था। उसकी मौत प्राकृतिक बताई जा रही है क्योंकि आमतौर पर गाय का जीवनकाल 20 से 25 साल का होता है। कागा के साथ जन्मी जुड़वां गाय 'नोटो' की पिछले साल मई में ही मौत हो गई थी। इन दोनों का जन्म उसी क्लोनिंग तकनीक के जरिये हुआ था, जिसकी मदद से 1996 में ब्रिटेन में डॉली भेड़ जन्मी थी। डॉली दुनिया की पहली क्लोन स्तनधारी जीव थी। इशिकावा मवेशी अनुसंधान केंद्र के अधिकारियों के अनुसार, बूढ़ी हो चुकी कागा पिछले दो महीने से ठीक से खड़ी नहीं हो पा रही थी। इलाज के बावजूद उसका स्वास्थ्य लगातार गिरता गया।

वायरस से मारे जाएंगे बैड बैक्टीरिया

तकनीक ▶ एमआइटी के शोधकर्ताओं ने विकसित की नई विधि, बीमारियों से होगा बचाव

एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बढ़ते खतरे को दूर करने में मिलेगी मदद

बोस्टन, प्रेट्र : मनुष्य के शरीर में कई तरह के बैक्टीरिया पाए जाते हैं। इनमें से कुछ स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं तो कुछ शरीर को नुकसान भी पहुंचाते हैं, जिन्हें बैड बैक्टीरिया कहा जाता है। इन्हीं विशेष प्रकार के जीवाणुओं (बैक्टीरिया) को लक्षित कर मारने के लिए वैज्ञानिकों ने एक नई विधि विकसित की है। वैज्ञानिकों का दावा है कि अब बैड बैक्टीरिया को वाइरस की मदद से मारा जा सकता है। साथ ही इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोध के बढ़ते खतरे को दूर करने में मदद मिल सकती है।

दरअसल, कई बार बीमारियों से बचने के लिए खाई जाने वाली दवाएं असर नहीं करतीं। इसका मुख्य कारण यही होता है कि हमारे शरीर के भीतर पाए जाने वाले बैक्टीरिया एंटीबायोटिक प्रतिरोधी हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि नई विधि से ऐसे बैक्टीरिया को मार कर बीमारियों से बचा जा सकता है।

सेल नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के परिणामों से पता चला कि बैक्टीरिया-संक्रमित वायरस, जिसे बैक्टीरियोफेज या फेज कहा जाता है, में कोशिकाओं में पाये जाने वाले प्रोटीन की मदद से कुछ हेरफेर कर ई-कोली नामक बैक्टीरिया को मारा जा सकता है। 'ई-कोली' ऐसे बैक्टीरिया का उपभेद है, जो आंतों में पाया जाता है। यह शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

अमेरिका में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआइटी) के शोधकर्ताओं ने अमेरिकी सेना के साथ मिलकर यह दिखाया कि प्रयोगशाला में उन्होंने जिस फेस में हेरफेर की उसमें बैक्टीरिया के प्रतिरोध की संभावना कम थी। शोधकर्ताओं के अनुसार, एंटीबायोटिक प्रतिरोध दुनिया में सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में से एक है और इन पर दबाव भी सबसे ज्यादा होता है। जर्नल साइंस में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि मांस के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले जानवरों में मौजूद बैक्टीरिया में एंटीबायोटिक प्रतिरोध की दर वर्ष 2000 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है।

सैनिकों के लिए होगा फायदेमंद: अमेरिकी सेना के कार्यक्रम प्रबंधक जेम्स बर्गेस ने कहा, 'एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के लिए इलाज खोजना उन सैनिकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो दुनिया के कुछ हिस्सों में तैनात हैं, जहां वे अज्ञात बैक्टीरिया या एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया का सामना करते हैं।' उन्होंने कहा कि घायल सैनिक संक्रमण के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं और हो सकता है कि वह अपने साथ एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया को घर तक ले आएं। बर्गेस ने कहा कि इस भयावह समस्या से बचने के लिए शोधकर्ताओं द्वारा बनाया 'फेज' मददगार सिद्ध हो सकता है और ई-कोली बैक्टीरिया को खत्म किया जा सकता है।

ई-कोली नामक बैक्टीरिया को मार सकता है बैक्टीरियाफेज। प्रतीकात्मक

एंटीबायोटिक दवाओं के पूरक हैं बैक्टीरियाफेज

शोधकर्ताओं की टीम ने बैक्टीरिया से जुड़े वायरस के हिस्से को लगभग एक करोड़ अलग-अलग कंफिगरेशन के साथ फेज यानी बैक्टीरियाफेज बनाया, जिसे टेल फाइबर कहा जाता है। बाद में शोधकर्ताओं ने इसे कई तरह के ई-कोली बैक्टीरियाओं के खिलाफ प्रयुक्त किया, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और एमआइटी के शोधकर्ता टिमोथी लू ने कहा, 'फेज एंटीबायोटिक दवाओं की तुलना में बैक्टीरिया को मारने के एक बहुत अलग तरीके से काम करते हैं। ये एंटीबायोटिक दवाओं के पूरक हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि अमेरिका में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने बैक्टीरियोफेज का उपयोग करके भोजन में हानिकारक बैक्टीरिया को मारने के लिए इलाज को मंजूरी दी है।

शोध अनुसंधान

टाइप-1 डायबिटीज में रोटावायरस की भी भूमिका

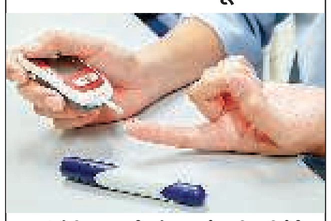

ऑस्ट्रेलिया की मेलबर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि टाइप-1 डायबिटीज के बढ़ने में रोटावायरस संक्रमण की अहम भूमिका हो सकती है। यह वायरस शिशुओं में गंभीर दस्त का अब भी प्रमुख कारण बना हुआ है। टीकाकरण के चलते इससे होने वाली मौतों में कमी आई है। शोधकर्ताओं के अनुसार, रोटावायरस की नई वैक्सीन आने से ऑस्ट्रेलिया में चार साल से कम उम्र के बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के मामलों में कमी आई है। इसके आधार पर इस नतीजे पर पहुंचा गया है कि रोटावायरस टीकाकरण का संबंध टाइप-1 डायबिटीज के मामलों में कमी से हो सकता है। इस जुड़ाव को बेहतर तरीके से समझने के लिए और ज्यादा अध्ययन की जरूरत है। प्रमुख शोधकर्ता लियोनार्ड सी हैरिसन ने कहा, 'रोटावायरस टीके से कुछ बच्चों को टाइप-1 डायबिटीज से प्रारंभिक बचाव के तौर पर अतिरिक्त फायदा भी हो सकता है।' -आइएएनएस

दर्दनाक हादसे से उबरने में मदद करता है आराम

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि किसी दर्दनाक हादसे के बाद कुछ समय आराम करने से नकारात्मक यादों से उबरने में मदद मिल सकती है। इस तरीके से मनोरोग पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसआर्डर (पीटीएसडी) के लिए नया उपचार विकसित करने में मदद मिल सकती है। साइंटिफिक रिपोर्ट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, किसी सदमे के बाद स्मृति संबंधी गड़बड़ी में तंत्रिका तंत्र की भूमिका पाई गई है। यह निष्कर्ष प्रतिभागियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर निकाला गया है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने 85 प्रतिभागियों को भावनात्मक रूप से नकारात्मक वीडियो दिखाए गए। इसके बाद कुछ प्रतिभागियों को एक हफ्ते तक आराम करने को कहा गया, जबकि कुछ को आसान काम दिए गए। प्रतिभागियों को गंभीर हादसों और बुरी तरह जख्मी लोगों के वीडियो दिखाए गए थे। शोधकर्ताओं ने उन प्रतिभागियों में वीडियो के प्रभाव में कमी पाई, जिन्हें आराम करने को कहा गया था। -प्रेट्र

इंडोनेशिया के तट पर फंसी 17 व्हेल, सात की मौत

इंडोनेशिया के दक्षिणी पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत के कोलो उदजू समुद्र तट पर शुक्रवार को 17 व्हेल फंसी पाई गईं। एक स्थानीय जांच अधिकारी ने कहा, '17 व्हेलों में से सात की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मछलियों को स्थानीय लोगों की मदद से वापस समुद्र में छोड़ दिया गया है।' अधिकारी ने बताया कि इस घटना का कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। लेकिन घटना की जांच के लिए व्हेल संरक्षण केंद्र की टीम ने काम शुरू कर दिया है। इससे पहले वर्ष 2013 में इस तट पर लगभग 44 व्हेल फंस गई थीं। एएफपी

चीन में फ्लाईओवर ढहा, तीन की मौत

चीन के जियांग्सु प्रांत स्थित वुक्शी शहर में व्यस्त समय के दौरान एक फ्लाईओवर अचानक ढह गया। इससे नीचे से गुजर रहे कई वाहन ब्रिज के मलबे में दब गए। गुरुवार की रात हुए इस हाइवे ब्रिज हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है और दो लोग घायल हुए हैं। हादसे के वक्त फ्लाईओवर से दो ट्रक समेत पांच वाहन गुजर रहे थे। प्राथमिक जांच में भारी ओवरलोडेड ट्रक को हादसे की वजह माना जा रहा है। चीन में निर्माण और सड़क हादसे नए नहीं हैं। रायटर

स्क्रीन शॉट

'बाला' की स्क्रिप्ट पर फिदा हो गए थे आयुष्मान खुराना

'बधाई हो', 'अंधाधुन', 'आर्टिकल 15', 'ड्रीमगर्ल' जैसी एक के बाद एक लगातार छह हिट फिल्में देने वाले आयुष्मान खुराना अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'ड्रीमगर्ल' 135 करोड़ की कमाई कर चुकी है और अब भी सिनेमाघरों में चल रही है। आयुष्मान की अगली फिल्म 'बाला' भी मजेदार अंदाज में समय से पहले पुरुषों में गंजेपन की एक गंभीर समस्या की बात करती है। आयुष्मान की मानें तो कंटेंट सिनेमा के इस दौर में 'बाला' की स्क्रिप्ट सबसे मजबूत है। वह स्क्रिप्ट पढ़ते ही कहानी पर फिदा हो गए। उनका कहना है कि यह फिल्म उनकी अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक है। वह बाला को अपने फिल्मोग्राफी में शामिल करके बेहद खुश हैं। यह उनकी एक विचित्र लुक वाली फिल्म है, जो गारंटी के साथ लोगों का मनोरंजन तो करेगी ही, साथ ही एक खास संदेश के साथ लोगों को सोचने के लिए भी मजबूर करेगी। आयुष्मान का यह भी मानना है कि बेहतरीन सिनेमा पसंद करने वालों के लिए इस फिल्म में वह सब कुछ है, जो उन्हें चाहिए। 'बाला' सात नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म में आयुष्मान के साथ भूमि पेडणेकर और यामी गौतम भी हैं।

'तैश' में एक्शन का जलवा दिखाएंगे पुलकित सम्राट

'फुकरे', 'बैंगिस्तान' और 'वीरे की वेडिंग' जैसी कॉमेडी फिल्मों में नजर आए अभिनेता पुलकित सम्राट अब 'तैश' के जरिए अपने एक्शन का जलवा दिखाने को तैयार हैं। वह आखिरी बार मार्च 2018 में रिलीज फिल्म 'श्री स्टोरीज' में नजर आए थे। अब वह अगले महीने रिलीज होने वाली 'पागलपंती' में नजर आएंगे। डेढ़ साल सिल्वर स्क्रीन पर वह भले ही नजर नहीं आए, लेकिन अब उनकी बैक टू बैक फिल्में रिलीज होने को हैं। पुलकित के मुताबिक वह 'पागलपंती' के अलावा 'हाथी मेरे साथी', 'तैश' और एक अनाम फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। इन फिल्मों की शूटिंग के लिए कई दिनों तक विदेश में भी रहे। लंदन, थाइलैंड और केरल से शूटिंग खत्म कर पुलकित हाल ही में मुंबई लौटे हैं। फिल्म 'तैश' की शूटिंग के अनुभवों को साझा करते हुए पुलकित ने कहा, 'मैं हर फिल्म के सेट पर कुछ नया सीखता हूं। कॉमेडी फिल्मों के सेट पर मैंने सीखा कि कॉमेडी के और क्या नए तरीके हो सकते हैं। इसी तरह से 'तैश' के सेट पर मुझे एक्शन में कुछ अलग सीखने को मिला। जब तक मुझे सेट पर मजा आता है, मैं सेट पर ही रहना पसंद करता हूं। वैनिटी वैन या कमरे में बैठने की अपेक्षा मैं सेट पर ज्यादा समय बिताना पसंद करता हूं।'

श्वेता ने किया पापा को विश

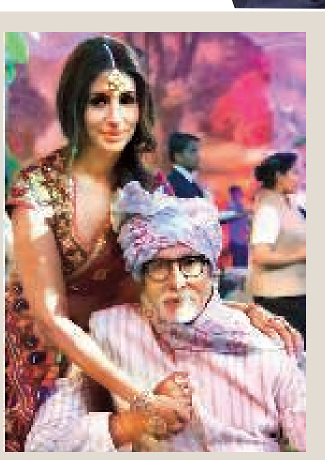

महानायक अमिताभ बच्चन का शुक्रवार को 77वां जन्मदिन मना। इस मौके पर उनकी बेटी श्वेता ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों को पोस्ट करने के साथ बहुत ही प्यारा-सा संदेश लिखा। एक तस्वीर में श्वेता और अमिताभ बच्चन दोनों ही पारंपरिक लिबास में हैं। इस तस्वीर के साथ श्वेता ने लिखा, 'जब आप पर्वत के शिखर पर पहुंच जाएं, तब भी चढ़ते रहें। पापा मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं।' अपने पापा के जन्मदिन से एक दिन पहले श्वेता ने एक और ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें युवा अमिताभ ने छोटी-सी श्वेता को गोद में ले रखा है। इस तस्वीर के साथ श्वेता ने लिखा कि, 'घर का अर्थ इंसान से होता है।' वैसे अमिताभ भी श्वेता को बहुत प्यार करते हैं।

अध्ययन

अपनों के तंग करने से बढ़ता है अवसाद

फ्रंटियर इन साइकाइट्री नामक जर्नल में प्रकाशित हुए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा, बात-बात पर परेशान करने से लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असर, आते हैं आत्महत्या के विचार

लंदन, प्रेट्र : किसी व्यक्ति को लगातार तंग करने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और वह आत्महत्या जैसा गंभीर कदम भी उठा सकता है। एक नए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि जिन युवाओं को उनके भाई-बहन बात-बात पर परेशान करते हैं, वे डिप्रेशन (अवसाद) से घिर जाते हैं। एक समय के बाद उनके दिमाग में आत्महत्या के विचार भी आने लगते हैं।

फ्रंटियर इन साइकाइट्री नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में यह पाया गया कि भाई-बहनों द्वारा ज्यादा परेशान करने से लोग डिप्रेशन के शिकार होने लगे थे और इनमें कई लोग ऐसे भी थे जिन्होंने आत्महत्या की कोशिश भी की थी।

इससे पहले एक अन्य अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया था कि भाई-बहनों द्वारा परेशान किए जाने से किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। 'फ्रंटियर' के अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जो युवक किशोरावस्था से ही किसी के डराने-धमकाने से परेशान रहते हैं, उन्हें डिप्रेशन होने की संभावना अन्य के मुकाबले दोगुनी होती है और उनके दिमाग में आत्महत्या के विचार भी आते रहते हैं।

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने किया शोध : इस अध्ययन के शोधकर्ताओं में ब्रिटेन के वारविक विश्वविद्यालय के शोधकर्ता भी शामिल थे। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि मानसिक रूप से बीमार होने का खतरा तब और बढ़ जाता है जब बच्चों को स्कूल में उनके साथियों द्वारा भी तंग किया जाता है।

36 फीसद लोगों ने की आत्महत्या : इस अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि जो प्रतिभागी 12 साल की उम्र से किसी व्यक्ति की दादागिरी से परेशान थे, उनमें 24 साल की उम्र में अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति देखी गई। शोधकर्ताओं ने कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि इस अध्ययन में भाग लेने वाले 3,881 युवाओं में से लगभग 31 फीसद लोग ऐसे थे जिनके भाई-बहन ही उन पर रौब जमाते थे। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 15 फीसद लोग ऐसे थे जो घर और स्कूल दोनों जगह अपने से बड़े लोगों की दादागिरी से परेशान थे और डिप्रेशन का इलाज करवा रहे थे। 36 फीसद लोग ऐसे थे जो आत्महत्या का प्रयास कर चुके थे। इसके अलावा 16 फीसद लोग ऐसे थे, जो इतना परेशान हो गए थे कि स्वयं को ही शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने लगे थे।

मित्रवत व्यवहार जरूरी: वारविक विश्वविद्यालय के शोधकर्ता और इस अध्ययन के सह-लेखक, स्लावा दांतेचेव ने कहा, 'यह पहला अध्ययन है जिसमें भाई-बहन द्वारा तंग किए जाने के खतरों के प्रति आगाह किया गया है।' उन्होंने कहा कि यदि किशोरावस्था में बच्चों को उनके परिजन ही तंग करते हैं तो इसके नकारात्मक परिणाम ही सामने आएंगे। दांतेचेव ने कहा, 'हमें चाहिए कि अपने से छोटी उम्र के बच्चों से ठीक से पेश आएं और मित्रवत व्यवहार करें अन्यथा उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।'

प्रतीकात्मक